

वार्षिक प्रतिवेदन Annual Report

सत्र 2016-17



पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
North Eastern Regional Institute of Science and Technology

(मानक विश्वविद्यालय)

(Deemed to be University)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तहत
Under the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India

निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश - 791 109
Nirjuli, Arunachal Pradesh

अनुक्रमणिका

अनुभाग	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	निदेशक महोदय की कलम से	1
2	संस्थान का परिचय	2-3
3	शैक्षिक कार्यक्रम	4-15
4	विभाग	16-135
5	केन्द्रीय सुविधायें, सेवायें तथा गतिविधियाँ	136-147
6	मानव संसाधन	148-149
7	परिसर जीवन तथा अन्य पाठ्यतर गतिविधियाँ	150-159
8	वित्त एवं लेखा	160

परिशिष्ट	विवरण	पृष्ठ संख्या
i	नेरिस्ट समिति के सदस्यों की सूची	161-162
ii	प्रबन्धन मण्डल के सदस्यों की सूची	163-164
iii	वित्त समिति के सदस्यों की सूची	165
iv	शैक्षिक समिति के सदस्यों की सूची	166-167
v	भवन व कार्य समिति के सदस्यों की सूची	168
vi	संस्थान प्रशासन	169-170
vii	पुस्तकालय समिति के सदस्यों की सूची	171
viii	प्रवेश परीक्षा समिति के सदस्यों की सूची	172
ix	छात्रावास प्रबन्ध परिषद के सदस्यों की सूची	173
x	नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा - 2016	174-179
xi	संकाय सदस्यों की सूची	180-185
xii	लेखा परीक्षा प्रतिवेदन, 2016-17	186

अनुभाग - 1

निदेशक महोदय की कलम से.....

मुझे संस्थान के 30 वें वार्षिक प्रतिवेदन, 2016-17 को आपको समर्पित करने का गौरव प्राप्त हुआ है, जिसमें संस्थान के पिछले वर्ष की विविध गतिविधियों का वर्णन प्रस्तुत किया जा रहा है। वर्ष के दौरान हम सभी ने संस्थान के संसाधनों में बढ़ोतरी करने तथा स्वच्छ प्रशासन प्रदान करने का गहन प्रयास किया।

यह संस्थान नेरिस्ट समिति के अध्यक्ष श्रीमान ज्योती प्रशाद राजखोवा, भा.प्र.से.(से.नि.), श्रीमान वी. शान्मगनाथन तथा श्रीमान पदमनाभा आचार्य, अरुणाचल प्रदेश के पूर्व महामहिम राज्यपालो के प्रति वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता है। प्रबंधन मंडल के अध्यक्ष माननीय प्रणब कुमार बरबोरा, एअर मार्शल (से.नि.), प.वि.से.प., वि.से.प. दिनांक 13 दिसम्बर, 2013 से संस्थान के लिए निरन्तर प्रेरणा एवं मार्ग दर्शन के स्रोत रहे हैं, संस्थान उनका भी आभारी है। इस संदर्भ में, यह संस्थान तकनीकी ब्यूरो, आई.एफ.डी. तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधिकारियों को भी उनसे समय समय पर मिलने वाले समर्थन एवं सहायता के लिए आभार व्यक्त करता है।

वर्ष 2016-17 के दौरान संस्थान में सभी से प्राप्त व्यापक सहयोग के साथ नए शैक्षणिक पहल एवं आधारभूत ढांचों के विकास कार्य किए गए। विश्व बैंक के वित्तीय सहयोग से टीईक्यूआईपी गतिविधियों का संचालन पूर्ण प्रशासनिक पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। तथापि अभी भी बहुत कुछ किया जाना है और अधिक उच्च मानक स्थापित करने तथा संस्थान अपनी अपेक्षाओं में खरा उतरने और उससे भी बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार कठिन परिश्रम करता रहेगा।

संस्थान में उच्च शिक्षा प्राप्त, अभिप्रेरित एवं अपेक्षित रूप से युवा संकाय सदस्य तथा गैर शिक्षण वर्ग के लगनशील कर्मचारी निष्ठा पूर्वक अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। संस्थान के छात्र अनुशासित, अभिप्रेरित तथा निष्ठावान हैं, तथा देश के प्रसिद्ध संस्थानों के विद्यार्थियों के साथ विविध प्रतियोगी परीक्षाओं में अपने क्षेत्र में सफलता पाने में सक्षम हुए हैं। संस्थान के छात्रों ने अपने तथा संस्थान के लिए देश तथा विदेश में ख्याति अर्जित की है। संस्थान में कई प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं सफलता पूर्वक पूरी हुई हैं, जिनका वित्त पोषण बाह्य फंडिंग एजेंसियों द्वारा किया गया है।

संस्थान में नियोजन आंकड़ों की स्थिति संतोषजनक है, परन्तु इसमें और सुधार लाए जाने की आवश्यकता है। संस्थान के प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ का वर्तमान दल हमारे विद्यार्थियों के नियोजन हेतु साक्षात्कार आयोजन करने के लिए देश के विभिन्न सरकारी/गैर सरकारी/ सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों को आमंत्रित करने के लिए यथा संभव प्रयास कर रहा है।

निदेशक

अनुभाग - 2
संस्थान का परिचय

2.1 संस्थान

अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण, सूर्योदय की भूमि अरुणाचल प्रदेश में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट) की स्थापना भारत सरकार द्वारा आरम्भ में उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की प्रायोगिक परियोजना के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का उद्देश्य इस क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न चुनौतियों का सामना करने हेतु तकनीकी मानव संसाधन की आवश्यकता को पूरा करना था। संस्थान का परिसर अरुणाचल प्रदेश के राजधानी क्षेत्र ईटानगर में निर्जुली में स्थित है, तथा यह गुवाहाटी से सड़क, हवाई तथा रेलमार्ग से जुड़ा हुआ है।

यह संस्थान दिनांक 1 अप्रैल, 1994 से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के प्रत्यक्ष नियंत्रण में कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत, एम.एच.आर.डी. द्वारा संस्थान को 31 मई, 2005 को "मानक विश्वविद्यालय" का स्तर प्रदान किया गया था।

यह संस्थान प्रवेश और निकास की बहुविध प्रणालियों के साथ शिक्षा की माँड्यूलर पद्धति का अनुकरण करता है, और नवोन्मेषी शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा तथा डिग्री के विभिन्न स्तरों पर कुशल श्रम शक्ति तैयार कर रहा रहा है। नेरिस्ट में अपनाई जा रही विशिष्ट शिक्षा पद्धति का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, सिक्किम तथा त्रिपुरा को तकनीकी स्तर पर अन्य राज्यों के समकक्ष सबल बनाते हुए प्रौद्योगिकी अन्तर को समाप्त करना तथा इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देना है। सिक्किम राज्य को इसका लाभ प्राप्त करने वाले राज्य के रूप में वर्ष 2006 में शामिल किया गया।

यह संस्थान शिक्षा की माँड्यूलर पद्धति का सफलता पूर्वक संचालन कर रहा है, जिसके माध्यम से संस्थान विभिन्न विभागों कृषि अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, वानिकी, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, मानव विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान तथा अन्य सहायक विभागों के सहयोग से नौ प्रमाण पत्र कार्यक्रमों, छह डिप्लोमा कार्यक्रमों तथा सात डिग्री कार्यक्रमों का अध्यापन कार्य कर रहा है। हालांकि यह संस्थान छात्रों को कम उम्र (कक्षा 10 के पश्चात) में प्रवेश प्रदान करता है, तथापि इसके प्रभावशाली शैक्षिक तथा प्रशासनिक ढांचे ने शिक्षा का उच्च स्तर एवं व्यक्तित्व विकास के उच्च मूल्यों को बनाये रखने में सफलता प्राप्त की है।

संस्थान में वर्ष 1996-97 से दो स्नातकोत्तर कार्यक्रमों यथा: सूचना प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक. डिग्री कार्यक्रमों का संचालन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुमोदन से किया गया था। संस्थान को 2005 में मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त होने के पश्चात सभी अभियांत्रिकी विभागों में

अंशकालिक और नियमित आधार पर पीजी और पीएचडी कार्यक्रम, वर्ष 2007-08 से वानिकी में एमएससी, वर्ष 2009-10 से भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में एमएससी आरंभ किए गए। एमबीए सहित संस्थान के सभी ग्यारह विभागों में वर्ष 2006 से पूर्णकालिक और अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम आरंभ किए गए। अरुणाचल प्रदेश राज्य में एम.टेक. तथा एम.बी.ए. कार्यक्रमों की शिक्षा सर्वप्रथम आरम्भ करने का गौरव संस्थान को प्राप्त है।

संस्थान का दृष्टिकोण

वैश्विक आवश्यकताओं और बहु-सांस्कृतिक परिवेशगत मानकों को पूरा करते हुए समाज को विशेष सेवा प्रदान करने हेतु नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वबोध के साथ विज्ञान व प्रौद्योगिकी शिक्षा, शोध और उद्यमिता में श्रेष्ठता प्राप्त करने की योग्यता युक्त श्रमशक्ति का निष्पादन करना।

संस्थान का उद्देश्य

1. मौलिक मॉड्यूलर प्रणाली के माध्यम से विज्ञान व प्रौद्योगिकी शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में एक मानक निर्मित करना।
2. पूर्वोत्तर क्षेत्र के विशेष संदर्भ में उच्च नैतिक मूल्यों के साथ विभिन्न विषयों में वैश्विक स्तर पर सक्षम तकनीकी तथा वैज्ञानिक श्रमशक्ति तैयार करना।
3. अभियंताओं/प्रौद्योगिकीविदों/प्रशिक्षुओं को श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए हितधारकों, जवाबदेही, पर्यावरण और समाज को ध्यान में रखते हुए सृजनात्मकता के लिए प्रेरित करना।
4. शिक्षण, शोध एवं परामर्शी कार्यों में श्रेष्ठता प्राप्त करने के लिए भारत तथा विदेशों के विश्व स्तर के शोध एवं विकास संस्थान, उद्योग और शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोगिता विकसित करना।

2.2 प्रशासनिक ढांचा

यह संस्थान समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक पंजीकृत समिति है। वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल नेरिस्ट समिति के पदेन अध्यक्ष हैं। श्री प्रणब कुमार बरबोरा, एअर मार्शल (से.नि.), प.वि.से.प., वि.से.प संस्थान के प्रबन्धन मण्डल के अध्यक्ष हैं।

2.3 प्रमुख विशेषताएँ

- मॉड्यूलर प्रौद्योगिकी शिक्षा प्रणाली
- विविध स्तरीय प्रवेश एवं निकास प्रणाली
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए तकनीकी श्रमशक्ति के सृजन के लिए गैर-परम्परागत एवं विशिष्ट कार्यक्रमों का संचालन
- ज्ञान, कौशल एवं उच्च गुणवत्ता विकास के लिए मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रणाली
- उच्च शिक्षित संकाय सदस्य तथा समर्पित कर्मचारी
- स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रम
- उपकरणों से सज्जित प्रयोगशालाएं एवं कार्यशालाएं
- पूर्ण आवासीय संस्थान
- पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित संस्थान

अनुभाग - 3

शैक्षिक कार्यक्रम

3.1 परिचय

किसी भी विश्वविद्यालय/संस्थान का शैक्षिक विभाग उसका सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है। सुचारु और सफल संचालन के लिए वर्तमान शैक्षिक विभाग को तीन अनुभागों, क्रमशः स्नातक शिक्षा अनुभाग, स्नातकोत्तर शिक्षा अनुभाग तथा अनुसंधान शिक्षा (पीएच.डी.) अनुभाग में विभाजित किया गया है। स्नातक शिक्षा अनुभाग प्रवेश प्रक्रिया, छात्रवृत्ति/आधार के अन्य शैक्षणिक मामले, डिप्लोमा और डिग्री मॉड्यूल आदि के मामले देखता है; स्नातकोत्तर शिक्षा अनुभाग एम.टेक., एम.बी.ए., एवं एम.एससी. कार्यक्रमों की प्रवेश प्रक्रिया एवं सम्बद्ध गतिविधियों का संचालन करता है। अनुसंधान शिक्षा अनुभाग विभागीय अनुसंधान समिति बैठकों के आयोजन, पीएच.डी. छात्रों को प्रवेश सम्बन्धी पत्राचार, परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उनको डिग्री एवं छात्रवृत्ति आदि के आबंटन के कार्य का निष्पादन करता है। दीक्षांत समारोह, शैक्षिक समिति बैठक, सूचना के अधिकार, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से पत्राचार तथा अन्य विविध शैक्षिक संबन्धित मामलों को भी देखता है। इस शाखा के प्रभारी सहायक कुल सचिव (शैक्षणिक) हैं। जुलाई-दिसंबर, 2016-17 को संस्थान में 1311 स्नातक विद्यार्थी, 290 स्नातकोत्तर विद्यार्थी तथा 245 पंजीकृत पीएच.डी. छात्र थे। संस्थान में वर्तमान विद्यार्थी संख्या 1846 है, जो यह दिखाता है, कि पिछले वर्षों की तुलना में संस्थान में विद्यार्थियों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है।

संस्थान के सभी स्नातक कार्यक्रमों को राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड (एन.बी.ए.) की मान्यता प्राप्त है। संस्थान के सभी स्नातक कार्यक्रमों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की भी मान्यता प्राप्त है। एम. टेक. कार्यक्रमों सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी तथा यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित एम. टेक. कार्यक्रमों कम्प्यूटर आधारित प्रतिपादन एवं स्वचालन, उष्मा व द्रव अभियांत्रिकी और कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित एम. टेक. कार्यक्रम कृषि यंत्र तथा शक्ति को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की मान्यता प्राप्त है।

3.2 गतिविधियों का विवरण

संस्थान के पाठ्यक्रम के मॉड्यूलर संरचना में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी शाखा में तीन स्वतंत्र मॉड्यूल और वानिकी में एक स्वतंत्र मॉड्यूल है, जो निम्नवत हैं :

क) अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा

1. प्रमाण पत्र कार्यक्रम
2. डिप्लोमा कार्यक्रम
3. उपाधि कार्यक्रम

ख) वानिकी शाखा

1. उपाधि कार्यक्रम

यह संस्थान अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा में तीन कार्यक्रमों प्रमाण-पत्र (कक्षा 10 के पश्चात प्रवेश), डिप्लोमा (कक्षा 10+2 / या नेरिस्ट प्रमाण पत्र के पश्चात प्रवेश) तथा डिग्री कार्यक्रम (आवश्यक सी.जी.पी.ए. के साथ डिप्लोमा/ प्रथम श्रेणी में पोलेटेक्नीक डिप्लोमा के पश्चात प्रवेश) का संचालन कर रहा है। नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा-III के माध्यम से प्रवेश वाले डिग्री कार्यक्रम के सेतु पाठ्यक्रमों, जिसकी अवधि तीन वर्ष है के अलावा अन्य सभी कार्यक्रमों की अवधि दो वर्ष की है।

छात्र वृत्ति

संस्थान के छात्रों को विविध प्रकार की छात्रवृत्तियां जैसे ईशान उदय छात्रवृत्ति, राज्य सरकारो द्वारा प्रदत्त वजिफे तथा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से विविध छात्रवृत्तियां प्राप्त हो रही हैं। गेट में सफल विद्यार्थियों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सौजन्य से वित्त उपलब्ध होने से छात्रवृत्तियाँ दी जा रही हैं। इसके अतिरिक्त टिईक्युप के माध्यम से भी छात्रवृत्तियाँ दी जा रही हैं। पीएच.डी. के शोध छात्रों को भारत सरकार के नियमानुसार छात्रवृत्तियाँ दी जा रही हैं।

किसी भी प्रकार की छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए छात्र की उपस्थिति 75 प्रतिशत होना आवश्यक है, अन्यथा छात्रवृत्ति बन्द की जा सकती है

3.3 पूर्व स्नातक कार्यक्रमों के तहत चलाए जा रहे पाठ्यक्रम

वर्ष 2016-17 के दौरान निम्नलिखित पूर्व स्नातक पाठ्यक्रमों का संचालन किया गया -

प्रमाण पत्र कार्यक्रम

क्र. सं.	प्रमाणपत्र कार्यक्रम	व्ययवसाय
1.	कृषि अभियांत्रिकी	ट्रेक्टर मिस्त्री खाद्य प्रसंस्करण तकनीशियन
2.	निर्माण प्रौद्योगिकी	नक्सानविस सर्वेक्षक
3.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (विद्युत)	विद्युतकार
4.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (इलेक्ट्रॉनिकी)	इलेक्ट्रॉनिक तकनीशियन
5.	अनुरक्षण अभियांत्रिकी (यांत्रिक)	यांत्रिक शिल्पकार शीतलन एवं वातानुकूलन तकनिशियन

डिप्लोमा कार्यक्रम (अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखा)

- क. कृषि अभियांत्रिकी
- ख. भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- ग. कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- घ. विद्युत अभियांत्रिकी
- ड. इलेक्ट्रानिकी एवं विद्युत संचार अभियांत्रिकी
- च. यांत्रिक अभियांत्रिकी

उपाधि कार्यक्रम (अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी)

- क. कृषि अभियांत्रिकी
- ख. भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- ग. कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- घ. विद्युत अभियांत्रिकी
- ड. इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
- च. यांत्रिक अभियांत्रिकी

उपाधि कार्यक्रम (वानिकी में चार वर्षीय उपाधि कार्यक्रम)

3.4 संस्थान द्वारा संचालित स्नातकोत्तर कार्यक्रम

संस्थान ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम आरम्भ कर दिया है और वर्ष 2016-17 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है -

एम.टेक. (पूर्णकालिक)

- (क) कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी में एम.टेक.
- (ख) कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (ग) भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (घ) भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत भू-तकनीक अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (ङ) विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (च) यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन में एम.टेक.
- (छ) यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत उष्मा-द्रव अभियांत्रिकी में एम.टेक.
- (ज) इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत वीएलएसआई में एम.टेक.
- (झ) कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत कृषि यंत्र एवं ऊर्जा में एम.टेक.
- (ञ) कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी में एम.टेक.

एम.एससी.

- (क) वानिकी विभाग के अंतर्गत वानिकी में एम.एससी.
- (ख) भौतिक विज्ञान विभाग के अंतर्गत भौतिकी में एम.एससी.
- (ग) रसायन विज्ञान विभाग के अंतर्गत रसायन विज्ञान में एम.एससी.
- (घ) गणित विभाग के अंतर्गत गणित में एम.एससी.

एम बी ए

प्रबंधन अध्ययन केंद्र के अंतर्गत वाणिज्य प्रशासन में स्नातकोत्तर

पीएच.डी. (अंशकालिक) एवं पीएच.डी. (पूर्णकालिक)

अभियांत्रिकी शाखाएं

- कृषि अभियांत्रिकी
- भवन निर्माण अभियांत्रिकी
- कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
- विद्युत अभियांत्रिकी
- इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी

विज्ञान, मानविकी एवं प्रबंधन शाखाएं

- वानिकी
- भौतिकी
- रसायन विज्ञान
- गणित
- मानविकी एवं समाज विज्ञान

3.5 अन्य कोई संगत सूचना/आंकड़ा

जुलाई-दिसम्बर, 2016-17 सत्र के दौरान पंजीकृत छात्रों का विवरण निम्नलिखित है।

(क) पूर्व स्नातक कार्यक्रम

तालिका - 1 प्रथम वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या (कार्यक्रम अनुसार)

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	26	21	26
सिविल अभियांत्रिकी	41	41	42
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	00	12	19
विद्युत अभियांत्रिकी	41	37	36
इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	19	21	37
यांत्रिक अभियांत्रिकी	36	35	36
कुल संख्या	163	167	196

तालिका - 2 द्वितीय वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या (कार्यक्रम अनुसार)

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	29	22	26
सिविल अभियांत्रिकी	36	42	49
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	00	11	13
विद्युत अभियांत्रिकी	36	44	37
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	19	26	39
यांत्रिक अभियांत्रिकी	31	36	43
कुल संख्या	151	181	207

तालिका - 3 उपाधि (वानिकी) कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों की संख्या

वर्ष	छात्रों की संख्या
प्रथम वर्ष	22
द्वितीय वर्ष	14
तृतीय वर्ष	13
चतुर्थ वर्ष	12
कुल संख्या	61

तालिका - 4 उपाधि सेतु वर्ष में पंजीकृत छात्रों की संख्या

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	03
सिविल अभियांत्रिकी	16
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	13
विद्युत अभियांत्रिकी	11
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	09
यांत्रिक अभियांत्रिकी	08
कुल संख्या	60

तालिका - 5 : पुनरावृत्ति पंजीकृत छात्रों की संख्या

कार्यक्रम	प्रमाण-पत्र	डिप्लोमा	उपाधि
कृषि अभियांत्रिकी	08	03	01
सिविल अभियांत्रिकी	06	05	06
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	00	00	04
विद्युत अभियांत्रिकी	10	13	04
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	08	16	18
यांत्रिक अभियांत्रिकी	10	11	02
वानिकी	00	00	00
कुल संख्या	42	48	35

तालिका - 6 पंजीकृत छात्रों की लिंगानुसार संख्या (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभियांत्रिकी	19	07	24	05	06	02	63
सिविल अभियांत्रिकी	32	09	24	12	03	03	83
विद्युत अभियांत्रिकी	30	11	27	09	09	01	87
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	15	04	12	07	07	01	46
यांत्रिक अभियांत्रिकी	33	03	28	03	09	01	77
कुल	129	34	115	36	34	08	356

तालिका - 7 पंजीकृत छात्रों की लिंगानुसार संख्या (डिप्लोमा कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभियांत्रिकी	14	07	09	13	02	01	46
सिविल अभियांत्रिकी	33	08	27	15	04	01	88
कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	12	00	08	03	00	00	23
विद्युत अभियांत्रिकी	26	11	39	05	11	02	94
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	15	06	20	06	14	02	63
यांत्रिक अभियांत्रिकी	31	04	33	03	11	00	82
कुल	131	36	136	45	42	06	396

तालिका - 8 छात्रों का लिंगानुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

कार्यक्रम	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		सेतु वर्ष		पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
कृषि अभियांत्रिकी	17	09	17	09	02	01	01	00	56
सिविल अभियांत्रिकी	31	11	40	09	12	04	06	00	113
कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	14	05	09	04	09	04	02	02	49
विद्युत अभियांत्रिकी	30	06	27	10	09	02	04	00	88
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	25	12	31	08	06	03	18	00	103
यांत्रिक अभियांत्रिकी	35	01	40	03	08	00	02	00	89
कुल	152	44	164	43	46	14	33	02	498

तालिका - 9 छात्रों का लिंगानुसार विवरण (उपाधि)

शाखा	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		तृतीय वर्ष		चतुर्थ वर्ष एवं पुनरावृत्ति		कुल संख्या
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	
वानिकी	10	12	06	08	07	06	06	06	61

तालिका - 10 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	विकलांग	कुल संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	10	02	02	41	00	55
सिविल अभियांत्रिकी	16	15	04	42	01	77
विद्युत अभियांत्रिकी	29	03	04	41	01	77
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	17	04	02	15	01	38
यांत्रिक अभियांत्रिकी	29	14	06	18	01	67
कुल	101	38	18	157	04	314

तालिका - 11 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (डिप्लोमा कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	विकलांग	कुल संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	06	05	01	31	00	43
सिविल अभियांत्रिकी	19	09	06	49	03	83
कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	09	05	01	08	01	23
विद्युत अभियांत्रिकी	25	14	01	41	01	81
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	23	04	01	19	00	47
यांत्रिक अभियांत्रिकी	40	06	08	17	00	71
कुल	122	43	18	165	5	348

तालिका - 12 छात्रों का श्रेणी अनुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

शाखा	सामान्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	विकलांग	कुल संख्या
कृषि अभियांत्रिकी	10	02	02	41	00	55
सिविल अभियांत्रिकी	36	12	05	54	05	107
कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	08	09	03	25	02	45
विद्युत अभियांत्रिकी	27	16	02	39	02	84
इलेक्ट्रॉनिकी अभि.	49	14	06	16	02	85
यांत्रिक अभियांत्रिकी	40	16	05	26	00	87
वानिकी	12	10	07	32	01	61
कुल	182	79	30	233	12	524

तालिका - 13 छात्रों का राज्य-वार विवरण (प्रमाण पत्र कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजो-रम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	03	23	03	05	08	00	08	03	02	55
सिविल अभि.	02	21	07	08	08	06	08	08	09	77
विद्युत अभि.	03	26	10	08	08	03	07	04	08	77
इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	05	03	08	05	08	02	03	00	04	38
यांत्रिक अभि.	05	19	14	03	08	02	04	04	08	67
कुल	18	92	42	29	40	13	30	19	31	314

तालिका - 14 छात्रों का राज्य अनुसार विवरण (डिप्लोमा कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजो-रम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	04	17	02	05	05	02	06	02	00	43
सिविल अभि.	09	19	09	08	07	05	11	6	9	83
कम्प्यूटर अभि.	03	01	04	03	07	01	03	01	00	23
विद्युत अभि.	09	23	08	08	09	05	07	04	08	81
इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	06	09	08	05	05	01	06	01	06	47
यांत्रिक अभि.	08	13	16	07	06	02	04	04	11	71
कुल	39	82	47	36	39	16	37	18	34	348

तालिका - 15 छात्रों का राज्य अनुसार विवरण (उपाधि कार्यक्रम)

शाखा	अखिल भारतीय	अ.प्र.	असम	मेघालय	मणिपुर	मिजो-रम	नागा-लैंड	सिक्कीम	त्रिपुरा	कुल संख्या
कृषि अभि.	06	25	04	04	04	01	09	00	02	55
सिविल अभि.	09	23	18	06	11	08	09	09	14	107
कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	04	10	06	05	06	04	05	02	03	45
विद्युत अभि.	10	20	12	09	10	02	06	03	12	84
इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	16	14	10	05	12	05	06	08	09	85
यांत्रिक अभि.	11	11	17	07	10	03	07	08	13	87
वानिकी	03	10	08	08	08	06	05	08	05	61
कुल	59	113	75	44	61	29	47	38	58	524

(ख) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

तालिका - 16 एम.टेक. (नियमित) में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	पंजीकृत छात्र			कुल
			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	पुनरावृत्ति	
1	कृषि अभियांत्रिकी	मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी	06	06	00	12
		कृषि यंत्र एवं शक्ति	02	03	00	05
2	सिविल अभियांत्रिकी	पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	10	08	01	19
		भू तकनीक अभियांत्रिकी	10	09	01	20
3	कम्प्यूटर अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	06	05	01	12
		सूचना प्रौद्योगिकी	04	04	0	08
4	विद्युत अभियांत्रिकी	विद्युत शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी	14	16	01	31
5	इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	14	00	00	14
		अति वृहद एकीकृत	00	12	00	12
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन	08	08	01	17
		उष्मा द्रव अभियांत्रिकी	08	08	01	17
कुल			91	89	06	167

तालिका - 17 एम.एससी. कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	विभाग	कार्यक्रम	पंजीकृत छात्रों की संख्या			कुल
			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	
1	भौतिकी	एम. एससी. (भौतिकी)	12	10	00	22
2	रसायन	एम. एसस. (रसायन विज्ञान)	10	10	00	20
3	गणित	एम. एससी. (गणित)	09	07	00	16
4	वानिकी	एम. एससी. (वानिकी)	11	08	01	20
कुल			42	35	01	78

तालिका - 18 एम.बी.ए. में पंजीकृत छात्रों की संख्या

क्र.सं.	केंद्र	कार्यक्रम	पंजीकृत छात्रों की संख्या			कुल
			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	पुनरावृत्ति	
1	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	एम.बी.ए.	26	19	00	45

तालिका - 20 पीएच.डी. (अंशकालिक व पूर्णकालिक) में पंजीकृत छात्रों की संख्या

अभियांत्रिकी शाखा (क)				
क्र.सं.	विभाग का नाम	छात्रों की संख्या		कुल
		सामायिक	पूर्ण कालिक	
1	कृषि अभियांत्रिकी	01	24	25
2	सिविल अभियांत्रिकी	11	07	18
3	कम्प्युटर अभियांत्रिकी	01	05	06
4	विद्युत अभियांत्रिकी	16	26	42
5	इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी	06	15	21
6	यांत्रिक अभियांत्रिकी	10	23	33
कुल (क)		45	100	145
विज्ञान, मानविकि एवं प्रबंधन अध्ययन शाखा (ख)				
7	भौतिक विज्ञान	04	12	16
8	रसायन विज्ञान	01	06	07
9	गणित	04	10	14
10	वानिकी	07	28	35
11	मानविकि एवं समाज विज्ञान	09	08	17
12	प्रबंधन अध्ययन	08	03	11
कुल (ख)		33	67	100
कुल (क) + (ख)		78	167	245

3.6 विविध सूचना

शैक्षिक अनुभाग तथा परीक्षा कक्ष का स्वचालन अर्ध सत्र जुलाई-दिसम्बर, 2016 से आरम्भ कर दिया गया था। शैक्षिक अनुभाग तथा परीक्षा कक्ष के सभी शुल्कों का भुगतान ऑन लाईन किया जा रहा है।

संस्थान ने राष्ट्रीय संस्थागत गुणवत्ता मानदंड क्रमबद्धता फ्रेमवर्क (एन आई आर एफ) में भाग लिया था, जिसमें संस्थान को 151-200 के मध्य रैंक में रखा गया था।

संस्थान के वर्ष 2016-17 के आंकड़ों को अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण में सफलता पूर्वक अपलोड कर दिया गया था।

संस्थान में जुलाई, 2016 से ऑन लाईन रेंगिंग रोधी अनुबंध का प्रवधान किया गया था। संस्थान के सभी छात्रों के लिए प्रति वर्ष जुलाई में पंजीकरण के साथ ऑन लाईन रेंगिंग रोधी अनुबंध भरना अनिवार्य है।

दिनांक 31-3-2017 को शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण

1. आचार्य पी. के. दास, निदेशक, नेरिस्ट	-अध्यक्ष
2. आचार्य पी. के. त्रिपाठी, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)	-सदस्य
3. आचार्य मो. अनवर हुसैन, संकायाध्यक्ष (योजना व विकास)	-सदस्य
4. आचार्य बिनय सिंह, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले)	-सदस्य
5. आचार्य एम. एफ. हुसैन, संकायाध्यक्ष (प्रशासन)	-सदस्य
6. आचार्य एन. एस. रघुवंशी, कृषि विभाग, आई.आई.टी., खड़गपुर	-सदस्य
7. आचार्य एस. सी. डेका, खाद्य अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, तेजपुर विश्वविद्यालय	-सदस्य
8. आचार्य डी. एन. दास, संकायाध्यक्ष, जीव विज्ञान, रा.गा. वि., दोईमुख, अरूणाचल प्रदेश	-सदस्य
9. आचार्य डी. दास, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य प्रशासन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम	-सदस्य
10. आचार्य टोमो रिबा, संकायाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान, रा.गा.वि., दोईमुख, अरूणाचल प्रदेश	-सदस्य
11. आचार्य अंजन दत्त, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, आई आई टी, गुवाहाटी	-सदस्य
12. इंजि. टालो पोटोम, अतिरिक्त जिला न्यायाधिश सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी	-सदस्य
13. आचार्य जे. चौबे, गणित विभाग	-सदस्य
14. आचार्य एस. के. सिंह, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
15. आचार्य मुबारक हुसैन, रसायन विज्ञान विभाग	-सदस्य
16. आचार्य एच. एस. यादव, रसायन विज्ञान विभाग	-सदस्य
17. आचार्य एम. मुरलीधरण, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
18. आचार्य एस. के. पांडे, गणित विभाग	-सदस्य
19. आचार्य (श्रीमती) पी. रेथी, वानिकी विभाग	-सदस्य
20. आचार्य पी. आर. अलापति, भौतिकी विभाग	-सदस्य
21. आचार्य पी. पी. दबराल, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
22. आचार्य एल. के. अरोरा, गणित विभाग	-सदस्य
23. आचार्य के. डी. राम, रसायन विभाग	-सदस्य
24. आचार्य के. एन. देवांगन, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

25.आचार्य शैबाल चटर्जी, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
26.आचार्य बी. डी. नायक, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग	-सदस्य
27.आचार्य सी. एल. शर्मा, वानिकी विभाग	-सदस्य
28.आचार्य ए. एस. राय, गणित विभाग	-सदस्य
29.आचार्य एन देव, रसायन विभाग	-सदस्य
30.विभागाध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी	-सदस्य
31.विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी	-सदस्य
32.विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी	-सदस्य
33.विभागाध्यक्ष, विद्युतीय अभियांत्रिकी	-सदस्य
34.विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना अभियांत्रिकी	-सदस्य
35.विभागाध्यक्ष, यंत्रिक अभियांत्रिकी	-सदस्य
36.विभागाध्यक्ष, भौतिकी	-सदस्य
37.विभागाध्यक्ष, रसायन	-सदस्य
38.विभागाध्यक्ष, गणित	-सदस्य
39.विभागाध्यक्ष, वानिकी	-सदस्य
40.विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं समाज विज्ञान	-सदस्य
41.केंद्र अध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन केंद्र	-सदस्य
42.केंद्र अध्यक्ष, सी.ए.टी.ए.आर.डी	-सदस्य
43.डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, सह आचार्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
44.श्री डी. के. श्यामल, सह आचार्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
45.डॉ. आर. के. मेहता, सह आचार्य, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
46.डॉ. एम. पी. थेड्युस, सहायक आचार्य, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
47.श्री टी. वी. पी. सिंह, सहायक आचार्य, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
48.श्री के. लेगोह, सहायक आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	-सदस्य
49.परीक्षा नियंत्रक	-सदस्य
50.डॉ. आर पी भट्टाचार्य, कुलसचिव, नेरिस्ट	-असदस्य सचिव

अनुभाग - 4

विभाग

4.1 वानिकी विभाग

संस्थान के उद्गम के साथ ही वानिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1986 में पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के विद्यार्थियों को वानिकी की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह विभाग इस समय चार वर्ष के वानिकी में उपाधि, दो वर्ष की एम.एससी. तथा पी.एच. डी कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। विभाग को इस तरह सुविधायुक्त बनाया गया है कि वानिकी के क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों की सामना करने के लिए योग्य पेशेवर यहाँ से निकल सकें जो प्रबंधन में भी दक्षता रखते हों। वानिकी के क्षेत्र में पाठ्यक्रमों का निर्धारण राष्ट्रीय वन नीति, 1986 के अनुरूप की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में वनों का संरक्षण करना है। हमारे देश का पूर्वोत्तर क्षेत्र सघन वनों से अच्छादित है, जिनके संरक्षण एवं समुचित प्रबंधन के लिए बौद्धिक मानव संसाधन की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है जो न केवल जैव विविधता का धनी है बल्कि यहाँ कई दुर्लभ, लूप्तप्राय प्रजाति के मूल्यवान प्रजाति के पेड़ पौधे पाए जाते हैं। अगर मानव का उचित साथ और संरक्षण नहीं मिला तो इनमें से कुछ प्रजातियों के निकट भविष्य में लुप्त होने का भी खतरा है। यहां के छात्र अपने उच्च कोटि के अध्ययन के बल पर वनों के संरक्षण, उनके उपयोग में तालमेल एवं उनके निरन्तर विकास के कार्य को निष्पादन करने में सफल होंगे। विभाग के छात्रों को ग्रीष्मकालिन परियोजनाओं एवं प्रायोगिक अध्ययन द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से वानिकी की विभिन्न विधाओं से अवगत कराया जा रहा है।

विभाग के शैक्षिक कार्यों के सफल निष्पादन का पूर्ण श्रेय संकाय सदस्यों को जाता है, जिन्हें वानिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे वन वातावरण, काष्ठ विज्ञान, वन भू-सूचना, काष्ठ विज्ञान व प्रौद्योगिकी, उद्यान कला, पौध संरक्षण, नैतिक पौध विकास, वन वर्धन, जैव विविधता संरक्षण, वन्य जीव प्रबन्धन, जैव प्रौद्योगिकी, शूक्ष्म जीव विज्ञान, वन संरचना, वन्य अर्थनीति एवं प्रबन्धन में विशेषज्ञता प्राप्त है। अध्यापन कार्य के अलावा, संकाय सदस्य अनुसंधान कार्यों में भी सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, तथा अपने क्षेत्र विशेष में पीएच. डी. छात्रों का मार्ग दर्शन कर रहे हैं। इस विभाग ने पीएच. डी. उपाधि के 41 शोध ग्रन्थों को पूरा कर लिया है।

सकाय सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	पद	विशेषज्ञता
1.	डॉ. बी सिंह	आचार्य	उद्यान कला एवं कृषि वानिकी
2.	डॉ. सी.एल. शर्मा	आचार्य	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
3.	डॉ. (श्रीमती) एम शर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	काष्ठ विज्ञान एवं वन्य उत्पाद

4.	डॉ.(श्रीमती) के श्रीवास्तव	आचार्य	सुक्ष्म जीव आणविक जीव विज्ञान
5.	डॉ. पी.आर. गुजराल	सह आचार्य	परम्परागत उद्यान पौध विज्ञान एवं औषधी पौधे
6.	डॉ. एस. सुरेश कुमार सिंह	सह आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी, सुक्ष्म जीव वातावरण एवं जैव सूचना प्रणाली
7.	डॉ. ए. कुमार	सह आचार्य	वन्य प्राणी प्रबन्धन
8.	डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी	सह आचार्य	वन्य वातावरण जैव विविधता संरक्षण एवं दूर संवेदी
9.	डॉ. एल .बी. सिंघा	सह आचार्य	वन्य वातावरण जैव रसायन एवं तनाव प्रबन्धन
10.	श्री जी. पांगिग	सहायक आचार्य	वन अर्थ शास्त्र एवं प्रबन्ध
11.	डॉ. आसिथ पाल	सहायक आचार्य	वातावरण व जैव-विविधता संरक्षण
12.	डॉ. प्रदीप कुमार	सहायक आचार्य	जैव-प्रौद्योगिकी, पौध चिकित्सा व जैव नियंत्रण
13.	डॉ. मधु कामले	सहायक आचार्य	पौध जैव-प्रौद्योगिकी, फंगस व पौध संचार

4.1.2 शैक्षणिक गतिविधियां

यह संस्थान पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में स्थित है, जो कि जैव विविधता का एक प्रमुख स्थान है। प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता को तथा उसपर मंडराते विविध खतरों को देखते हुए संस्थान द्वारा प्रदान की जा रही शिक्षा इस विश्व जैव विविधता क्षेत्र के संरक्षण में बहुमूल्य है। इस तरह हमारे द्वारा चलाये जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों से निष्पादित जनशक्ति वन्य उपयोग, प्रबन्ध, नीति निर्धारण, उत्पादन-सह-उपयोग करने में तथा राष्ट्र का सामाजिक आर्थिक विकास करने में सक्षम है। विभाग का मुख्य उद्देश्य वानिकी एवं इससे संबन्धित विषयों में शिक्षा प्रदान करना तथा अनुसंधान करना है। विभाग द्वारा वानिकी में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

क्र.सं.	कार्यक्रम	अवधि
1	बी.एस सी. (वानिकी)	04 वर्ष
2	एम. एससी.	02 वर्ष
3	पी एच. डी.	न्यूनतम 03 वर्ष सह 01 वर्ष पठन कार्य

वानिकी की समस्त प्रमुख विधाओं जैसे वन प्रबन्धन, संरक्षण, रक्षा एवं उपयोगिता, वन नीति एवं योजना, वन्य जीवविज्ञान, वन्य जीव प्रबंधन, वन वर्धन, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दूर संवेदी उपयोग से भू-सर्वेक्षण, मृदा जीव विज्ञान एवं प्रबन्धन, सूक्ष्म जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी तथा अन्य संबन्धित विषयों जैसे जैव रसायन, जैव सांख्यिकी, सर्वेक्षण, वाणिज्य आदि की शिक्षा बी.एससी के छात्रों को प्रदान की जा रही है। विभाग में वानिकी की उच्च कोटि की शिक्षा प्रदान करने का सामर्थ्य है। बी.एससी. के पाठ्यक्रम में छात्रों को गहन ग्रीष्मकालिन प्रशिक्षण का प्रावधान है, जिनके लिए इनको विविध उद्यानों, अनुसंधान संस्थाओं, गैरशासकीय संगठनों जैसे एम.एस.

स्वामीनाथन अनुसंधान संस्थान, डब्लू.डब्लू.एफ., विमको, प्रदान आदि में भेजा जाता है। प्रशिक्षण में विशेष रूप से प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन, वन्य जीव प्रबन्धन, चाय उत्पादन सह प्रबन्धन, ग्रामीण प्रबन्धन, दूर संवेदी एवं वन्य वातावरण विषयों पर कार्य किया जाता है।

विभाग ने अब तक 55 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य पूरा कर लिया है, तथा 08 पर कार्य प्रगति पर है। परियोजनाओं में कार्य करने वाले छात्रों को पीएच.डी. उपाधि के लिए पंजीकरण करवाया जाता है, जिससे अब तक विभाग ने 50 छात्रों को पीएच. डी. उपाधियाँ प्रदान की हैं। संकाय सदस्यों का इन कार्यों में विशेष योगदान रहा है, तथा विभाग के संकाय सदस्य राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध लेखों का प्रकाशन कर रहे हैं। यह विभाग राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विविध संगठनों के साथ आपसी सहयोग से कार्य कर रहा है।

4.1.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

विभाग में प्रायोगिक कक्षाओं, अनुसंधान एवं विकास के लिए सात प्रयोगशालायें तथा तीन क्षेत्र प्रयोगशालायें कार्य कर रही हैं। विभाग की प्रयोगशालायें उपकरणों से सुसज्जित हैं जो शोध कार्यों के लिए आवश्यक मांगों को पूरा करती हैं। विभाग की अनुसंधान प्रयोगशाला शोध कार्य करने के लिए उपयुक्त है। अब तक विभाग ने प्रायोजित संगठनों मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, युनिस्को, जी. बी. पन्त संस्थान, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, आइसीफेरे, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इसरो, एफ एन डी पी के 65 से अधिक परियोजनाओं पर कार्य निष्पादन किया है, जिनमें कुछ पूरे हो गए हैं, तथा कुछ पर कार्य प्रगति पर है। विभाग की प्रयोगशालाओं में परम्परागत उपकरणों के अलावा, विशिष्ट उपकरण जैसे बीज अंकुरण यंत्र, आक्सीकरण यंत्र, पत्ती क्षेत्रफल मापी यंत्र, परत-सह-परत हवा वहन मापी यंत्र, रोटरी मिश्रक, शितलक एकाग्री यंत्र फ्रिज, गर्म हवा भट्टी, स्पेक्ट्रम मापी, चिंगारी प्रकाश मापी, इलेक्ट्रानिक तुला, गोलाकार छिलन यंत्र, शूक्ष्मदर्शी, काष्ठ गुणवत्ता यंत्र, स्वचालित मौसम यंत्र, पी सी आर प्रणाली, गैस यंत्र एवं कैल्पलस यंत्र आदि विभिन्न प्रायोगिक अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं। विभाग में एक उन्नत कम्प्यूटर केन्द्र तथा पुस्तकालय हैं। विभाग में अनेक कम्प्यूटरों पर स्थानीय नेटवर्क सहित इन्टरनेट और प्रिंटिंग की सुविधा उपलब्ध है।

मौजूदा प्रयोगशालाएं:

प्रयोगशाला संख्या	प्रयोगशाला का नाम और सुविधाएं	प्रभारी
1	काष्ठ विज्ञान एवं वन उत्पाद	डॉ. एम. शर्मा
2	पौध सुक्ष्म जैव विचरण एवं सुक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी	डॉ. के. श्रीवास्तव
3	वन्य प्रणाली पौध विज्ञान एवं उधान कला	डॉ. पी. आर. गुजरेल
4	पर्यावरण एवं वातावरण एवं विविधता	श्री जी. पेंगिंग
5	पौधशाला वन्य वातावरण एवं जैव विविधता	डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी
6	वन्य प्राणी संरक्षण	डॉ. ए. कुमार
7	दूर संवेदी तथा भू-सूचना प्रणाली	डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी

सुविधाएं 1	कम्प्यूटर सूविधा	डॉ. ए. कुमार
सुविधाएं 2	विभागीय पुस्तकालय	डॉ. ए. कुमार
सुविधाएं 3	वन संग्रहालय	डॉ. पी. आर. गुजरेल
सुविधाएं 4	वानिकी वनस्पति संग्रहालय	डॉ. पी. आर. गुजरेल
सुविधाएं 5	जैव सूचना प्रणाली केन्द्र	डॉ. एस एस सिंह

4.1.4 स्नातकोत्तर/पीएच.डी. छात्रों द्वारा प्रस्तुत परियोजनायें/ शोध ग्रन्थ

(i) पीएच.डी. शोध ग्रन्थ (उपाधियाँ प्रदान की गईं)

नाम, पंजीकरण संख्या	पर्यवेक्षक	स्थिति	पीएच.डी. शोध ग्रन्थ का शीर्षक
सुश्री पल्लवी भरली पीएच.डी.(एफटी)/11/वा/08	डा. सी. एल. शर्मा डॉ. बी. सिंह	निर्णयित	अरुणाचल प्रदेश और असम और के चयनित समुदायों द्वारा परम्परागत उपयोग की जानें वाली वनस्पतियों व मसालों की आर्थिक क्षमता का मूल्यांकन।
सुश्री मालती कुमारी सिंह	डॉ एम. बी शर्मा डा. सी. एल. शर्मा	निर्णयित	काष्ठ की गुणवत्ता और पहचान के संदर्भ में पूर्वोत्तर भारत में स्थित आसाम की कुछ प्रजातियों की काष्ठ विशेषताओं का मूल्यांकन
श्री एन. प्रेम कुमार सिंह पीएच.डी.(पीटी)/वा/09/01	डॉ.पी. आर गुजरेल डॉ. पी. रीती	निर्णयित	उत्तर पूर्वी भारत के नागालैंड राज्य की जनजातियों द्वारा मलेरिया और पीलिया का परम्परागत औषधि पौधों द्वारा उपचार पद्धतियों पर अध्ययन
श्री अमल बावरी पीएच.डी.(एफटी)//वा/11/01	डॉ.पी. आर गुजरेल डॉ. एम. एल. खान	निर्णयित	अरुणाचल प्रदेश में पौध प्रामुला एल की कुछ चयनित प्रजातियों की विविधता और जनसंख्या संरचना
सुश्री चुम्मी खानिकार पीएच.डी.(एफटी)//वा/09/1/01	डा. एस. एस. सिंह,	निर्णयित	पूर्वोत्तर भारत के महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की रयोजोस्फीरी मिट्टी में रूपात्मक और आणविक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए कार्यात्मक विविधता का अध्ययन।
सुश्री जानमोनी कलिता पीएच.डी.(एफटी)//वा/09/1/01	डा. एस. एस. सिंह डॉ एम. एल. खान	निर्णयित	पूर्वोत्तर भारत में उपलब्ध क्लोरोडेंड्रम एसपीपी के आण्विक और जैव रासायनिक विशिष्टताये

श्री अनुप कुमार दास	डॉ एल. बी. सिंह डॉ एम. एल. खान	निर्णयित	अरुणाचल प्रदेश, भारत के अंजौ जिले में <i>पिनस मर्कुसी</i> जुग और डी वर्से का पुनर्जनन पर्यावरण
श्री सी. मुरली कृष्ण पीएच.डी.(एफटी)/वा/11/05	डॉ ए. कुमार डॉ ओ. पी. त्रिपाठी	निर्णयित	अरुणाचल प्रदेश, भारत में लाल विशालकाय उड़ने वाली <i>गिलहरी</i> (<i>पेटुरिस्ता पेटुरिस्ता</i>) के विशेष संदर्भ में उड़ने वाली <i>गिलहरीयों</i> की विविधता एवं पारिस्थितिकी
श्रीमती मिशी ममुंग पीएच.डी.(पीटी)/वा/09/1/04	डॉ ए. कुमार	निर्णयित	कोरचिया सेफालोनिका (स्टैनटन) की वृद्धि एवं विकास का विभिन्न लार्वा आहार की उपयुक्तता तथा ट्राइचोग्रामाटोडिया बैक्टेस (नागराज) के परजीवी दक्षता पर इसका प्रभाव
श्री परिमल चंद रे पीएच.डी.(एफटी)/वा/11/06	डॉ ए. कुमार डॉ एम. एल. खान	निवेदित	पश्चिमी हूलाँक गिबोन (<i>हूलाँक हूलाँक</i>) के पारिस्थितिकीय और नामधाफा राष्ट्रीय उद्यान, अरुणाचल प्रदेश, भारत में उनकी सबसे पसंदीदा खाद्य पौधों की पुनर्जनन स्थिति
सुश्री गति राम पीएच.डी.(एफटी)/12/वा/05	डॉ ओ पी त्रिपाठी	निवेदित	अरुणाचल प्रदेश, भारत के तल्ले वन्यजीव अभ्यारण्य में ऊपरी सतह के जैव पदार्थ और कार्बन संवेदन पर अध्ययन
सुश्री करबी देवी पीएच.डी.(पीटी)/वा/09/1/07	डॉ के. श्रीवास्तव	निवेदित	असम, भारत के कामरूप जिले में शुष्म फंगस की विविधता पर अध्ययन

(ii) स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

विद्यार्थी का नाम / रोल क्रमांक	शीर्षक	पर्यवेक्षक
श्री कर्म ताशी शेरपा (एमएस / 14 / वा / 01)	मेरु-कवक विविधता तथा अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिले में स्थानीय लोगों द्वारा इसके उपयोग की विधि	डॉ. के. श्रीवास्तव
श्री हज तातु (एमएस / 14 / वा / 02)	अरुणाचल प्रदेश, भारत में ताले वन्यजीव अभ्यारण्य और आसपास की वन्यजीव प्रजातियों की वर्तमान स्थिति व संरक्षण	डॉ ए. कुमार

श्री विष्णु दत्त (एमएस / 14 / वा / 03)	पापुम पारे जिले में वनों में भू-स्थानिक दृष्टिकोण से वनस्पति विविधता एवं ऊपरी सतह के जैव पदार्थ की गुणवत्ता	डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी
श्री इमालीपोकम पांजनर (एमएस / 14 / एफओ / 04)	नागालैंड के एओ जनजाति द्वारा उपयोग किए गए जंगली खाद्य और औषधीय पौधे	डा. पी. आर. गुजरेल
सुश्री तांगव लकआंग (एमएस / 14 / वा / 05)	मेघालय के पूर्व और दक्षिण-पश्चिम खासी पहाड़ी जिलों में मेघालय के एक संकटग्रस्त पौष्टिक पौधे नेनिथेस ख्यासियाना हुक की पारिस्थितिक स्थिति और पुनर्जनन स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण	डॉ. एल. बी. सिंह
श्री सेवियर जे. संगमा (एमएस / 14 / वा / 06)	पूर्वी हिमालय में पारंपरिक कृषि पद्धति प्रणालियों में प्रयुक्त पेड़ प्रजातियों का ज्ञान और मूल्यांकन - अरुणाचल प्रदेश के दोईमुख वन क्षेत्र के गांवों पर एक अध्ययन	श्री जी पांगिंग
श्री नगे मेपोल्ला (एमएस / 14 / वा / 07)	विभिन्न उपचारों के माध्यम से दो आर्थिक महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के अंकुरण प्रदर्शन का अध्ययन	डॉ. बी. सिंह
श्री कन्फर्म मॉट्सन (एमएस / 14 / वा / 08)	मेघालय के जैनतिया समुदाय द्वारा अपनाई जाने वाली परम्परागत रोग निवारण सह विषाणु रोधी नृवंशिक प्रथाओं पर अध्ययन	डा. एस. एस. सिंह,
श्री मॅडड बगे (एमएस / 14 / वा / 10)	अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिला की कुछ घास प्रजातियों का लुगदी और कागज के निर्माण संबंधी विशेषताओं का मूल्यांकन	डॉ एमबी शर्मा और डा। सी। एल। शर्मा
सुश्री किमकोहोई चांगलोई (एमएस / 14 / वा / 11)	नागालैंड में उपलब्ध शियाजोस्टाच्यम डोलो, शियाजोस्टाच्यम फूशियानम और स्कीजोस्टाच्यम पॉलीमोरफम की भौतिक विशिष्टताओं का अध्ययन	डॉ. एम. बी. शर्मा डा. सी. एल. शर्मा
सुश्री धनश्री लेशराम (एमएस / 14 / वा / 12)	मणिपुर में उपलब्ध स्कीजोस्टाच्यम मणि, स्कीजोस्टाच्यम मुनरोई और शियाजोस्टाच्यम परगेसाईल की भौतिक विशिष्टताओं का अध्ययन	डॉ. सी. एल. शर्मा डॉ. एम. बी. शर्मा
सुश्री सोनिया पादु (एमटी / 14 / ईएसई / 09)	नाहर (मेसुआ फेरेआ) के विशेष संदर्भ में कूड़े की अपघटन प्रक्रिया का सौन्दर्य उद्यान के विकास में योगदान का मूल्यांकन ।	डा. एस. एस. सिंह,

4.1.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

नाम	शीर्षक	निधीकरण	कार्यक्रम-स्थल	अवधि
आचार्य एम. शर्मा डॉ. पी. आर. गुजरेल	पूर्वोत्तर भारत जैव विविधता पोर्टल पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला	एट्री, पूर्वी हिमालय क्षेत्र	नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश	24 सितम्बर, 2016
आचार्य बी. सिंह डॉ. पी. आर. गुजरेल	दवाओं और सुगंधित पौधों के खेती और प्रबंधन पर किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	उत्तर पूर्वी परिषद, भारत सरकार की परियोजना के अंतर्गत	पासीघाट	4-5 जून, 2016
			दोईमुख लोवर सुबानसिरी	4-5 फ़रवरी, 2017
			लालुक, लखिमपुर जिला	25 मार्च, 2017
डा. एस. एस. सिंह,	बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के गेंड लेखन कौशल और प्रबंधन में क्षमता निर्माण पर कार्यशाला	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली	नाहरलगुन	28-30 अगस्त, 2016

4.1.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की उपस्थिति

डॉ. करुणा श्रीवास्तव	i) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "वैश्विक जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास" 15-18 अक्टूबर, 2016, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश में भाग लिया था।
आचार्य बी. सिंह	i) 14 वॉ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन व्यापार, अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान और मानविकी, 30-31 मार्च 2017, तेपेई, ताईवान में भाग लिया तथा शोध पत्र कैनियम सिकुड़ रोक्सब का पुनर्जनन - पूर्वोत्तर भारत की एक उच्च सामाजिक - आर्थिक महत्व की वृक्ष प्रजाति प्रस्तुत किया था।
डा. पी. आर. गुजरेल	i) जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सौजन्य से जैव प्रौद्योगिकी हब, वानिकी विभाग, नेरिस्ट, निर्जुली द्वारा आयोजित कार्यशाला बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के कौशल एवं प्रबंधन में क्षमता निर्माण 28-30 नवम्बर, 2016 ii) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जैवविविधता, जलवायु परिवर्तन आकलन एवं इसका आजीविका पर प्रभाव के एक सत्र में भाग लिया और आलेख प्रस्तुत किया था। जनवरी 10-12, 2017, ट्रिबर्न विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल iii) यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट द्वारा 17-18 अक्टूबर, 2016 को आयोजित

	कार्यशाला जैव-डीजल उत्पादन कार्यशाला में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया था। iv) 9 फरवरी, 2017 को कोल्हापुर विश्वविद्यालय में यूजीसी नामिती के रूप में पीएएमसी की बैठक में भाग लिया था।
डॉ. एस. सुरेश कुमार सिंह	i) अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला समाज के लिए जैव प्रौद्योगिकी-विज्ञान के 30 वर्ष, 5-6 फ़रवरी, 2016 में भाग लिया था। विज्ञान भवन, डीबीटी, भारत सरकार, नई दिल्ली ii) 28 वीं अखिल भारतीय बीटीआईएस नेट (डीबीटी-बी.आई.एफ/ बी.आई.सी /एस.डी.आई.सी) समन्वयकों की सभा में भाग लिया था। 3-4 मार्च, 2016, कुमाऊं विश्वविद्यालय, उत्तराखंड। iii) 6 वें पूर्वोत्तर क्षेत्र में डीबीटी-बायोटेक-केन्द्रों के समन्वयकों की समीक्षा सभा में भाग लिया था। 24-25 जून, 2016 मिज़ोरम विश्वविद्यालय, आइजोल।
डॉ. ए. कुमार	i) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और प्रौद्योगिकी रुझान में भाग लिया था। 27-29 मार्च, 2017 उन्नत अध्ययन के केंद्र, जीवन विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, भारत।
डॉ. एल. बी. सिंह	i) 25-27 अप्रैल, 2016 को जैव सूचना केन्द्र, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला, उच्च प्रतिरूपण श्रृंखला बद्धता-जैव सूचना एवं आंकड़ा विश्लेषण में भाग लिया था। ii) राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनी हिल्स, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'वैश्विक जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास' (आईसीबीसीएस-2016) में भाग लिया था एव इसमें अपना आलेख भारतीय पूर्वी हिमालय में ग्रेगरीय फूलों के कारण बांस संसाधनों का खतरा और उनके संरक्षण के उपाय प्रस्तुत किया था।
श्री जी पांगिंग	i) जवांहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन रणनीति -2016 में 11-13 दिसम्बर, 2016 को भाग लिया था। ii) बायोटेक कंसोर्टियम भारत लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के लिए नहारलागुन में 28-30 सितम्बर, 2016 को आयोजित कार्यशाला बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के कौशल एवं प्रबंधन में क्षमता निर्माण में भाग लिया था। iii) यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट द्वारा 17-18 अक्टूबर, 2016 को आयोजित कार्यशाला जैव-डीजल उत्पादन कार्यशाला में भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किया था। iv) डिजिटल राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स की एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से 24 अगस्त, 2016 को नेरिस्ट में आयोजित कार्यशाला डिजिटल इण्डिया में भाग लिया था।

	v) जी.बी.पी.एच.ई.डी., ईटानगर तथा हेस्को देहरादुन द्वारा 28 नवम्बर, 2016 को आयोजित कार्यशाला सतत आजीविका विकास: मुद्दे, विकल्प और अरुणाचल प्रदेश में चुनौतियों में भाग लिया एव अपना आलेख अरुणाचल प्रदेश के लिए संभावित टिकाऊ आजीविका के विकल्प परस्तुत किया था।
डॉ. ए. पॉल	ii) टीईक्यूआईपी-द्वितीय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय-विश्व बैंक परियोजना) के सौजन्य से नेरिस्ट, निर्जुली में रा.त.शि.प्र.अं.सं, भोपाल द्वारा 16 -17 मार्च, 2017 में को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 'परिणाम आधारित शिक्षा के लिए शिक्षण प्रशिक्षण' में भाग लिया था। iii) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "वैश्विक जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास" 15-18 अक्टूबर, 2016, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश में भाग लिया था।
डॉ प्रदीप कुमार	i) टीईक्यूआईपी-द्वितीय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय-विश्व बैंक परियोजना) के सौजन्य से नेरिस्ट, निर्जुली में रा.त.शि.प्र.अं.सं, भोपाल द्वारा 16 -17 मार्च, 2017 में को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 'परिणाम आधारित शिक्षा के लिए शिक्षण प्रशिक्षण' में भाग लिया था। ii) गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पती विज्ञान विभाग द्वारा 20-21 जनवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन कम उपयोग में लाये जाने वाले पौधे, खाद्य सुरक्षा एवं वातावरण में भाग लिया था ओर पोस्टर प्रस्तुति की थी।
डॉ. मधु कमले	i) टीईक्यूआईपी-द्वितीय (मानव संसाधन विकास मंत्रालय-विश्व बैंक परियोजना) के सौजन्य से नेरिस्ट, निर्जुली में रा.त.शि.प्र.अं.सं, भोपाल द्वारा 16 -17 मार्च, 2017 में को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 'परिणाम आधारित शिक्षा के लिए शिक्षण प्रशिक्षण' में भाग लिया था। ii) गोरखपुर विश्वविद्यालय के वनस्पती विज्ञान विभाग द्वारा 20-21 जनवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन कम उपयोग में लाये जाने वाले पौधे, खाद्य सुरक्षा एवं वातावरण में भाग लिया था ओर पोस्टर प्रस्तुति की थी।

4.1.7 संकाय सदस्यों को पुरस्कार/सम्मान व सदस्यता

डा. पी.आर. गुजरेल

- भारतीय पुनः प्रतिपादन जीव वैज्ञानी महासभा के जीवन पर्यन्त सदस्य।

डा. एस. सुरेश कुमार सिंह

- भारतीय शूक्ष्म जीव विज्ञान महासभा के जीवन पर्यन्त सदस्य

डा. ए. कुमार

- अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन प्राकृतिक संसाधन प्रबन्ध एव प्रौद्योगिकी रुझान, उच्च अध्ययन केन्द्र, जीवन विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, भारत में प्रस्तुत आलेख को सर्वश्रेष्ठ आलेख के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

डा. जी. पांगिंग

- जवांहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन पर्यावरण संरक्षण और प्रबंधन रणनीति - 2016 में 11-13 दिसम्बर, 2016 में प्रस्तुत पोस्टर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में परम्परागत रूप से उपयोग लाई जाने वाले पौधों का ज्ञान आधारित मूल्यांकन को सर्वश्रेष्ठ आलेख के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- भारतीय विज्ञान कांग्रेस महासभा, कोलकता के सत्र 2016-17 हेतु सदस्य।

डा. ए. पाल

- विश्लेषक - ब्राजिलीयन जरनल ऑफ बोटनी (स्प्रिंगर)

डा. पी. कुमार

- शूक्ष्म अणू महासभा के जीवन पर्यन्त सदस्य 2017 (आई.डी.एन.एम.एस/2014/एल.एम./035)

डा. मधु कामले

- शूक्ष्म अणू महासभा के जीवन पर्यन्त सदस्य 2017 (आई.डी.एन.एम.एस/2014/एल.एम./036)

4.8 बाह्य निकायो. द्वारा प्रदान अनुसंधान परियोजनायें

प्रधान अनुसंधान कर्ता	परियोजना	वित्त निकाय	अवधी	धनराशि (लाख)
डा. बी. सिंह डा. पी. आर. गुजरेल	भू-सूचना प्रणालीव आणविक तकनीकी से अरुणाचल प्रदेश के औषधि पौधों का प्रबन्ध व विश्लेषण	उत्तर-पूर्वी परिषद	4 वर्ष (2013-16)	212.00
डा. पी.आर. गुजरेल	जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों के उपयोग से संकटग्रस्त औषधि पौधों का संरक्षण एवं रख-रखाव	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	5 वर्ष (2012-17)	8.41
डा.एम. शर्मा	पूर्वोत्तर भारत वन्य प्रणियों व जैव विविधता संरक्षण में कृषि वानिकी प्रणाली के योगदान का अध्ययन	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद	3 वर्ष (2013-16)	28.1072 1
डा. ओ.पी. त्रिपाठी	अरुणाचल प्रदेश के हिमाद्री चिढ़ के वन	इसरो-साँक अहमदबाद	4 वर्ष (2013-16)	24.00
डा. ओ.पी. त्रिपाठी	पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य के वहनिय विकास एवं भूमि प्रबन्ध के लिए वातावरण एवं परम्परागत कृषि वानिकी का विश्लेषण।	विज्ञान एव प्रौद्योगिकी विभाग, नई (दिल्ली)	2 वर्ष (2014-16)	18.702
डा. ओ.पी. त्रिपाठी	अरुणाचल प्रदेश के वृहद भू-उपयोग क्षेत्रों में कार्बन भण्डार तथा कार्बन चक्र का आकलन	विज्ञान एव प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	3 वर्ष (2015-18)	84.62

डा. ओ.पी. त्रिपाठी	भारत में जैव पदार्थ एवं कार्बन आकलन, भाग-II	इसरो	3 वर्ष (2015-18)	14.00
डॉ. के. श्रीवास्तव	उत्तर-पूर्वी भारत में सांस्कृतिक संग्राहलय की स्थापना, भाग-II	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	3 वर्ष (2017-20)	27.104
डॉ. ए. कुमार	अरुणाचल प्रदेश में स्थित टाली घाटी वन्य प्राणी आरक्षी क्षेत्र में वन्य जीवों के विस्तार के विशेष संदर्भ में जैव विविधता का संरक्षण	वन एवं पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली	3 वर्ष (2016-18)	38.9664

4.1.9 आलेखों का प्रकाशन

(ए) संदर्भ अनुसंधान जर्नलों में प्रकाशित आलेख

बाबू. वी., सिंह, एस.के., वेंकटसब्रममानी, पी. एवं गजुरेल, पी.आर. (2016) दक्षिण भारतीय बाजारों में नलिका युक्त पौधों में प्रमुख एलिकाइड का तुलनात्मक विश्लेषण- चयनित नमूनों में मुख्य जात घटक 'पिप्पली' की अनुपस्थिति में उद्यम। करन्ट साइन्स, 101, 952-958.

वाजपेई, आर., शुक्ला, वी., सिंह, सी.पी., त्रिपाठी, ओ.पी., नायक, एस. एवं उपरीती, डी.के. (2016) अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में लम्बीन सामुदायिक की संरचना-जलवायु परिवर्तन देखरेख के लिए दीर्घकालिक प्रारूप। *प्रक्रिया राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, जीव विज्ञान, भारत, डीओआई* 10.1007 / s40011-016-0830-z

बमीन, वाई., गजुरेल, पी.आर. एवं पॉल, ए. (2017) अरुणाचल प्रदेश, भारत में जिरो घाटी के एनटीएफपी की सामुदायिक संरचना, प्रजातियों की रचना व संख्यात्मक स्थिति। *जर्नल ऑफ फॉरेस्ट एंड एनवायरनमेंटल साइंस*, 33 (3): (स्वीकृत)

बावरी, ए, गजुरेल, पी.आर. एवं खान, एम.एल. (2016) *प्रिम्युला काल्ड्रियाना बवाई* (प्रिमलसेई): अरुणाचल प्रदेश, भारत से एक नई पौध उप-प्रजाति। *फाइटोता*, 265 (1): 67-72

भारली, पी., शर्मा, सी.एल., सिंह, बी. और शर्मा, एम.(2017) असम के कुछ समुदायों द्वारा उपयोग में लाये जाने वाले परम्परागत पौधों का अध्ययन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अग्रिम्स इन सायंटिफिक रिसर्च*, 3 (01): 01-11.

भरली, पी., शर्मा, एम., शर्मा, सी.एल. एवं सिंह, बी. (2017) अरुणाचल प्रदेश के कुछ जनजातियों द्वारा उपयोग में लाये जाने वाले परम्परागत पौधों का सर्वेक्षण। *जर्नल ऑफ मेडिसिनल प्लांट्स स्टडीज* 5 (1): 101-10 9

भारली, पी. सिंह, बी. एवं शर्मा, सी.एल., (2016) अरुणाचल प्रदेश, भारत से गालो जनजाति का परम्परागत ज्ञान। *इंट/ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोसाइन्स प्लांट्स*, 3(6), 139-148.

दास, ए.के., सिंह, एल.बी. एवं खान, एम.एल. (2016) पूर्वी हिमालय, अरुणाचल प्रदेश, भारत में वनों में पिंटस *मर्कुसी* जुग तथा डी-वेरीस समूह की संरचना और प्रजातियों की विविधता की। *ट्रोपिकल इकोलोजी*, (स्वीकृत)

डेका, जे., यमनाम, जे.ई., महंत, पी. एवं त्रिपाठी, ओ.पी. (2016) लैंडसैट टीएम डाटा के

अंश प्रतिबिंब का उपयोग करके *अल्बिज़िया लीबबेक* की सतह के ऊपर जैव पदार्थ का संघन।
आईजेपीईएन, डीओआई संख्या: 10.18811 / ijpen.v1i1.7118

देवी, के. एवं श्रीवास्तव, के. (2016) असम के कामरूप जिले के 'जलकुमारी आरक्षी वन' में लघु-फंगस की विविधता। *एडवान्सेज इन एप्लाइड साइंस रिसर्च*, 7 (1): 115-119.

देवी, के.एस., वेणुगोपाल, एन. एवं सिंघा, एल.बी. (2016) उत्तरपूर्व भारत के स्थानिक और लुप्तप्राय पौधे (*नेपेंथस खासायाना* हुक एफ) की पाचन ग्रंथियों पर एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। *नेबियो*, 7 (3): 98-100

देवी, के.एस., वेणुगोपाल, एन. एवं सिंघा, एल.बी. (2016) उत्तरपूर्व भारत के प्रमुख ब्लाडरवार्ट्स की शुष्म अन्वेषी विशेषताएं। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बेसिक साइंसेस एंड एप्लाइड कंप्यूटिंग*, 2 (1): 5-9

देवी, डब्लू.डी., गजरेल, पी.आर. एवं रेथी, पी. (2016) *नलिकायुक्त मुल्लेसिया* बुकानन-हैमिल्टन एक्स डी. डॉन (पिपरेसेए) की *विशिष्टताये* - एक महत्वपूर्ण औषधीय पौधा। *पिलिनियो*, 10 (2): 23 9-247.

दत्ता, जे., बालासुब्रमैनियन, डी., अरुणाचलम, ए. एवं सिंह, एस.एस.(2016) पूर्वी-हिमालय की तलहटी में उच्च ऊंचाई वाली आर्द्र भूमि चावल-कम-मछली एकीकृत कृषि प्रणाली से मीथेन (सीएच-4) उत्सर्जन। *क्लाइमेट चेंज एण्ड एनवाइरलमेंट ससटेनेबिलिटी*, 4 (1): 68-75

दत्ता, जे., मुआंग, ओ., बालासुब्रमण्यम, पांगिंग, जी. और अरुणाचलम, ए. (2017) अरुणाचल प्रदेश में अपतानी जनजातियों के वर्चस्व वाले जीरो घाटी की पवित्र गुफायें। *इण्डियन जर्नल ऑफ इनहिल्स फार्मिंग* 30 (1) 1-7

हक, एस., कुमार, पी. सिंह, आर.के, वर्मा, एस.के., भट्ट, आर, शर्मा, एम., कुचवाहा, एस. एवं कोठारी, एस.एल. (2016) थोक अलगाव विश्लेषण और हस्तांतरण के लिए ईएसटी-एसएसआर का विकास - गन्ने की उपज में और चीनी के प्रतिपादन में उपयोगिता। *जेनेटिक रिसर्च इंटरनेशनल/ अनुच्छेद आईडी 7052323*

कमले, एम., वाजपेयी, ए., कालीम, एस. एवं चंद्र, आर. (2016) *साइकिम गजावा* एल - पुनरावृत्तभ्रूणजनन सह पुनर्जनन। *ब्राजीलियाई आरचिक्स ऑफ बायोलोजी एण्ड टेक्नोलोजी*, 59, ई16150170, <https://dx.doi.org/10.1590/1678-4324-2016150170>.

कमले, एम., बार, ई., लेविंसहन, डी., शविता, ई., रोथ-बेजररोनो, एन., कगन-जुर, वी., गाय, ओ., जदादी, ई., लेविनसॉ, ई. एवं सीताट, वाई. (2016) नेगेव रेगिस्तान से खाद्य प्रतिपादन-आकृति विज्ञान, वाष्पशील आणविक प्रभावों का प्राकृतिक प्रभाव। *जे एग्लिक फूड केम*, <Http://pubs.acs.org/doi/pdf/10.1021/acs.jafc.6b04063>.

कुमार, पी., महतो, डी.के, कमले, एम., महन्ता, टी.के. एवं कांग, एस.जी.(2017) अफलेटोक्सिन: खाद्य सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य और उनके प्रबंधन के लिए एक वैश्विक चिंता। *फ्रन्ट माइक्रोबायो.7*: 2170 डीओआई : 10.338 9 / एफएमसीबी.2016.02170.

कुमार, पी., कमले, एम., मिश्रा, ए.के., ओ डोनोवन, ए., पागानो, एम. एवं मोदी, डी. आर. (2016) भारत में आम खराबी के रोगजनन के रूप में *फ्यूसरियम मैंगिफेरे* की पहचान और लक्षण वर्णन। *ब्राजीलियाई आरचिक्स ऑफ बायोलोजी एण्ड टेक्नोलोजी*, 59, ई16160280

कुमार, पी., पागानो, एम. एवं ओ डोनोवन, ए. (2017) पौधों के लिए लाभकारी कवक में जैव प्रौद्योगिकी प्रगति का योगदान। *माइक्रोस्पेयर-जर्नल ऑफ फंगल बायोलोजी*। 8 (3) 445-455.

कुमार, पी., तिवारी, ए.के. एवं कांग, एस.जी. (2016) भारत में गन्ना के प्रमुख कवक रोगों की वर्तमान स्थिति: एक सिंहावलोकन। *ब्राजीलियाई आरचिक्स ऑफ बायोलोजी एण्ड टेक्नोलोजी*, अंक-60: ई17160477 डीओआई: 10.1155/2011/929507

कुमार, एस. दास, जी. शिन, एच.एस., कुमार, पी. एवं पेट्रा, जे.के. (2016) भारत के पूर्वी घाट से कम ज्ञात कोहड़ा *जिम्नोपेटल्यूम चिंएस* (लौर) मेर के औषधीय मूल्यों का मूल्यांकन, । *ब्राजीलियाई आरचिक्स ऑफ बायोलोजी एण्ड टेक्नोलोजी* , अंक-60: ई17160580 डीओआई: 10.1155/2011/929507.

मामुंग, एम. एवं कुमार, ए. (2016) अरुणाचल प्रदेश में प्रयोगशाला वातावरण में *नागराज* कोरचिरा सेफालोनिका (हाईमेनोपेट्रा त्रिचोगामोटोडीया) के प्रजनन, दीर्घायु, और उद्भव के प्रतिशत पर अलग आहार का प्रभाव। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड पावर साइंस एंड एग्रीकल्चर* , 2 (4): 122-126

मेडक, बी. और सिंघा, एल.बी. (2016) अरुणाचल प्रदेश के पापुम पेरे जिले के कुछ चयनित वन्य खाद्य पौधों के पोषण संबंधी तथ्य। *जरनल ऑफ बायोरिसोर्ससेज* , 3 (2): 17-21

महंन्ता, टी.के., कुमार, पी., एवं बाए, एच. (2017) पौधों में कंडोडाडुलिन तथा कंडोडाडु जीनोमिक्स वसा में कैल्शियम की उपलब्धता का आकलन। *बीएमसी प्लांट बायोलॉजी*। 17:38 डीओआई: 10.1186 / s12870-017-098 9-3

मुरली सी. के., कुमार, ए. और त्रिपाथ, ओ.पी. (2016) भारतीय पश्चिमी हिमालय के उष्णकटिबंधीय वर्षावन में लाल विशाल गिलहरी *पेटुर्विस्टा पेटुर्विस्टो* की गतिशिलता का आकलन, *वाइल्डलाइफ बायोलोजी*, 22: 7-12, 2016, डीओआई:10.2981 / डब्लूएलबी.00120

मुरली, सी. के., कुमार, ए., त्रिपाठी, ओ. पी. और कोप्रोव्स्की, जे. एल. (2016) भारत में पूर्वी हिमालय के संरक्षित और गैर- संरक्षित क्षेत्रों में गतिशिल गिलहरी की विविधता, वितरण और स्थिति । *हाइस्ट्रीक्स- इटालियन जर्नल ऑफ मैमोलॉजी*, डीओआई: 10.4404 / हाइस्ट्रीक्स-27.2-11688

पांडे, ए.के., कुमार, पी., सिंह, पी., त्रिपाठी, एन.एन. और बाजपेई, वी.के. (2017) आवश्यक तेल-विशाणुरोधक एवं खाद्य संरक्षक। *फ्रन्ट माइक्रोबायो*: 7: 2161। डीओआई: 10.338 9 / एफएमसीबी.2016.02161.

पांगिंग, जी. एवं मंडल, एस. (2017) चाय बागान के छायादार पेड़ों और चाय-श्रमिकों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का आकलन: बंदरदेवा वन क्षेत्र के आसपास चाय बागानों का अध्ययन । *बुलेटिन ऑफ अरुणाचल टी रिसर्च। आईएसएसएन 0970-9487 (स्वीकृत)*

पांगिंग, जी., एओ, ए. और दास, ए.के. (2017) सिंगाफन वन्यजीव अभ्यारण्य, नागालैंड, भारत में तीन संकटग्रस्त वर्णों में *डीप्टरोकारपस मैक्रोकारपस* , *सैपियम बेकाकटम* और *स्ट्रेरोस्पर्मम इनिटाटम* की जनसंख्या संरचना और उत्थान स्थिति। *इन्वायरनमेंट एण्ड इकोलोजी*, 35 (2 सी) 1287-1290 (स्वीकृत)

पांगिंग, जी., शर्मा, एम., शर्मा, सी.एल. एवं शर्मा, ए.एस. (2016) पूर्वी हिमालय में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन: शेरगांव वन विभाग, अरुणाचल प्रदेश के गांवों पर एक अध्ययन। करन्ट वर्ड इन्वायरमेंट, 11 (3): 800-807

पैनेमी, आर., गजरेल, पी.आर. एवं सिंह, बी.(2016) पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर राज्य के रोंगमेई जनजाति द्वारा इस्तेमाल किए गए कुछ चयनित वन्य खाद्य पौधों की पोषण संबंधी आकलन। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ एप्लाइड बायोलोजी एण्ड फारमास्युटीकल टेक्नोलोजी। 7 (2): (ऑनलाइन प्रकाशित डीओआई: 10.21276.

रोनाल्ड, के.एच., गजरेल, पी.आर., बुरागोहेन, आर, रेथी, पी. एवं सिंह, बी.(2016) पूर्वी हिमालय में औषधीय पौधों की खराब समाजीक स्थिति: कुछ दुर्लभ और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय पौधों के वर्तमान परिदृश्य पर एक अध्ययन। फ़ोलिया मलेशियाना, 18 (1) 2016: 43-56

रॉय, एम., रॉय, एस., सिंह, के.एस., कलिता, जे. एवं सिंह, एस. एस.(2016) अमीनो बेंजोइक एसिड और रेसरसीनॉल से प्राप्त ट्रिनोरगान्टिन (IV) एजो-कार्बोक्जिलेट्स के संश्लेषण, लक्षण वर्णन और मधुमेह संबंधी उपयोग : 48 अवयव मैक्रोकसायक्लिक टेट्रामरिक ट्राइमथाइल्टाइन (IV) मिश्रण की संरचना पर एक अध्ययन। इन्ऑर्गेनिक चिमिका एक्टा, 439: 164-172

रॉय, एम., रॉय, एस, सिंह, के. एस., कलिता , जे. एवं सिंह, एस.एस.(2016) डाइरगानोटिन (IV) एजो-कार्बोक्जिलेट्स का संश्लेषण, लक्षण वर्णन तथा मधुमेह रोधी गुणों का आकलन: एजो-डाइकार्बोक्जिलिक अम्ल और इसकी चक्रीय त्रि-डाइमिथैल्टाइन (IV) कॉम्प्लेक्स क्रिस्टल प्रारूप। न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 40: 1471-1484

सलम, डी., सिंह, एल.बी., सिंह, एस.सी., खान, एम.एल. (2016) डेंड्रोकेलेमस हैमिल्टनिया नीस और मेलोकाना बेसीफेरा (रॉक्सब) वन चक्र के विभिन्न चरणों के दौरान नाईट्रोजन, फॉस्फोरस तथा पोटेशियम की मात्रा में परिवर्तन। जरनल ऑफ बम्बू एण्ड रत्न, केएफआरआई, केरल, भारत (संप्रेषित)

सारानिया, बी., देवी, ए., कुमार, ए., शर्मा, के. एवं गुप्ता, ए.के. (2016) अरुणाचल प्रदेश, भारत में लुप्तप्राय मकाका मुंजाला की संख्या व विस्तार की स्थिति। अमेरिकन जर्नल ऑफ प्रामाटोलॉजी, डीओआई: 10.1002 / एजेपी. 22592

शर्मा और कुमार, ए. (2016) अरुणाचल प्रदेश में, भारत में पाये जाने वाले पूर्वी स्तनधारी लंगूर हूलाक ल्यूसाँन्निज़ के दैनिक विचरण पथ की लंबाई का आकलन। जरनल ऑफ थ्रेटेन्ड टेक्सा। 8 (4): 8641-8651

शर्मा, के., मजूमदार, के. एवं कुमार, ए. (2016) पूर्वी हूलाक गिब्टन की शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से निजी स्वामित्व वाले क्षेत्र में संरक्षण की आवश्यकता। जूज़ प्रिंट 31, 4(3):3-4

श्रीवास्तव, के., देवी, के. एवं ब्रह्मा, जे. (2016) पूर्वोत्तर भारत के असम राज्य के चिरांग जिले में वन्य लधु कवक की विविधता और उपयोग, जर्नल आफ बेसिक एण्ड एप्लाइड माइकोलॉजी के, 12 (I व II): 16-23

सिंह, एल.बी., दिलीप, एस., देवी, के. एस. और सिंह, एस.सी. (2016) भारत के पूर्वी हिमालय में सबसे लंबे समय तक खिलने वाला बांस स्कीहोस्टाच्यम अरुणाचलेंसिस नाथानी ।

नेबियो, 7 (3): 98-100

उलमान, वाई., शर्मा, एम. और कुमार, ए. (2016) एवियन प्रजातियों के लिए आवास के रूप में कृषि वानिकी प्रणाली: संरक्षण की भूमिका का मूल्यांकन। प्रक्रिया प्राणीविज्ञान समिति, स्प्रिंगर्स डीओआई: 10.1007 / s12595-016-0198-3

यम, जी., त्रिपाठी, ओ.पी. (2016) ताली वन्यजीव अभयारण्य, अरुणाचल प्रदेश, पूर्वी हिमालय, भारत में वृक्ष विविधता और समुदाय विशिष्टताये। *जर्नल ऑफ एशिया-पैसिफिक बायो डाइवर्सिटी*, 9 (2016) 160e165 डीओआई: संख्या: 10.18811 / ijpen.v1i1.71118

(बी) पुस्तकें, सम्मेलन की कार्यवाही आदि में प्रकाशित अनुसंधान आलेख

कलिता, जे., सिंह, एस.एस. एवं खान, एम.एल. (2016) पूर्वोत्तर भारत में *पाई जानै वाली क्लोरोडेंड्रम* एसपीपी की विविधता तथा औषधीय गुणों का अध्ययन। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन "विश्व जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास-2016" राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, 15-18 अक्टूबर, 2016

कमले, एम. एवं कुमार, पी. (2016) *कोलेटोट्रिचम ग्लोएस्पोरियाइड्स* : आम में एंथ्रेकोनोज रोग रोगाणु (मंगिफेरा इंडिका एल) के उपचार में सहायक। पुस्तक-करन्ट ट्रैण्डस इन प्लांट डिजीज डायग्नोस्टिक्स एंड मैनेजमेंट प्रैक्टिसिस, सम्पादक-कुमार आदि, स्प्रिंगर, स्विट्जरलैंड, 207-219.

खानिकार, सी. एवं सिंह, एस.एस. (2016) औषधीय पौधे की रयोजोस्फीयर मिट्टी से प्रतिपादित एक नए कवक एस्प्रीगुस एसपी. एनएफएमएल-137 की पहचान और इसके विषाणुरोधी गुण। 57वाँ वार्षिक सम्मेलन एवं सूक्ष्म जीव विज्ञानियों के संघ की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, 24-27 नवम्बर, 2016

खानिकार, सी. एवं सिंह, एस.एस. (2016) रूपात्मक और आणविक तकनीकों द्वारा पूर्वोत्तर भारत के पांच औषधीय पौधों की रूफोज़फील मिट्टी में शुक्ष्म फंगस विविधता। एनई इंडिया के की माइनरफंगल विविधता, जो कि प्रकट हुई है। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन "विश्व जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास-2016" राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, 15-18 अक्टूबर, 2016

कुमार, पी. एवं मिश्रा, ए. के. (2016) आम की खराबी और इसकी प्रबंधन रणनीतियों का वर्तमान परिदृश्य - एक सिंहावलोकन। पुस्तक-करन्ट ट्रैण्डस इन प्लांट डिजीज डायग्नोस्टिक्स एंड मैनेजमेंट प्रैक्टिसिस, सम्पादक-कुमार आदि, स्प्रिंगर, स्विट्जरलैंड, 221-236.

कुमार, पी., कमले, एम., मिश्रा, एस.के. एवं गुप्ता, वी.के. (2016) *ट्रायकोडर्मा* : कृषि प्रबंधन और जैव प्रौद्योगिकी के लिए उपयोग। पुस्तक: *हैंडबुक ऑफ माइक्रोबायल बायो रिसोर्सज*, संपादक- गुप्ता, वी.के, शर्मा, जी.डी., टूओही, एम.जी., गौर, आर. सीएबीआई, यूएसए, पृष्ठ 29-55 डीओआई: 10.1155/2011/929507.

मौर्य, पी.के, कुमार, पी., कुमार पी. एवं ब्रीएट्जके, ई. (2016) पारंपरिक और उन्नत लघु रोग पुष्ठी विधियों का उपयोग करके ऑक्सीजन तनाव की निगरानी के उपाय। सम्पादक- डॉ.

प्रांजल चन्द्र, पुस्तक- नैनोबायसेंसर्स फॉर परसनाइज्ड एण्ड ओन साईट बायोमेडिकल डायोगनोसिस्ट (आईएसबीएन: 978-81-8465-954-2.)

पॉल, ए., खान, एम.एल. एवं दास, ए.के. (2016) पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश, रोडोडेंड्रस के केंद्र: तत्काल संरक्षण की आवश्यकता। सम्पादक- उपाध्याय, के. पुस्तक- बायोडावरसिटी एंड इन्वायरनमेंट कन्जरवेशन। जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण। प्रथम संस्करण, डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत। पृष्ठ 185-201 (आईएसबीएन: 978-81-8465-954-2.)

रानीबाला , जी, सिंह, एस.एस. एवं खान, एम.एल. (2016) अरुणाचल प्रदेश में, उत्तर पूर्वी भारत में केले की विविधता (मूसा प्रजाति): सजावटी प्रजातियों पर ध्यान। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन "विश्व जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास-2016" राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, 15-18 अक्टूबर, 2016

सिंह, के.के, सिंह, एस.एस. और शर्मा, सी.एल. (2016) उत्तर पूर्वी भारत के मणिपुर राज्य के छह कम ज्ञात औषधीय पौधों के विणाणुरोधी गुण। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन "विश्व जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास-2016" राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, 15-18 अक्टूबर, 2016

तिवारी, ए., सिंह, ए., दागर, ए., कुमारी, के., कुमार, डी., पांडे, एन. और कुमार, पी. (2017) भारत में गन्ना के प्रमुख कवक रोगों का अवलोकन: जांच और प्रबंधन रणनीतियाँ पुस्तक-मोलीक्युलर मारकर्स इन माइकोलोजी, फंगल बायोलोजी, सम्पादक- बी. पी. सिंह, वी. के. गुप्ता आदि, स्प्रिंगर, स्विट्जरलैंड 2016, आईएसबीएन: 978-81-8465-954-2.

4.1.10 विभाग के संकाय सदस्यों का बाह्य निकायों से सम्पर्क

वानिकी विभाग के संकाय सदस्यों का निम्नलिखित बाह्य निकायों से शैक्षिक व विकास कार्यों के लिए के लिए सम्पर्क रहता है।

- भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकता, शिलांग एवं ईटानगर
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली
- विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली
- रसायन विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला के साथ जीव विज्ञान गतिविधियों व मिश्रणों के विश्लेषण हेतु।
- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून
- भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून
- स्थानिय स्वास्थ्य परम्परायें संगठन, बैंगलूर
- भारतीय दूर संवेदी संस्थान, देहरादून
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, अहमदाबाद
- उत्तर पूर्वी परिषद, शिलांग
- बहु-कौशल अनुसंधान ईकाई, भारतीय औषधि अनुसंधान परिषद, नाहारलागुन अरुणाचल प्रदेश शासन।

- उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय। परियोजनाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं व प्रायोगिक परीक्षाओं में विशेषज्ञ सेंवार्यें

4.1.11 अन्य सूचनायें

निम्नलिखित महत्वपूर्ण गतिविधियों का निस्पादन किया गया था -

विकास कार्य - वानिकी पौधशाला में विविध पौधों का निरन्तर विकास किया गया था।

प्रयोगशालाओं के नये उपकरणों की खरीद -

क्र.सं.	उपकरण	प्रयोगशाला संख्या
6.	अकीय छायांकन -सह- लघु अनुयापन सुविधा प्रणाली (रु. 1.9 लाख)	2

4.2 कृषि अभियांत्रिकी विभाग

4.2.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

कृषि अभियांत्रिकी मूलतः कृषि में अभियांत्रिकी सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। कृषि अभियांत्रिकी कृषि उपभोक्ता शृंखला के साथ साथ फसल उत्पादन, फसल के रखरखाव और प्रसंस्करण समस्याओं के लिए उचित समाधान प्रस्तुत करता है। यह विभाग राष्ट्र निर्माण एवं किसानों के कल्याण के लिए सुरक्षित वातावरण में बहु-आयामी गतिविधियों का भी संचालन करता है।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग ने बी. टेक. कार्यक्रम का शुभारम्भ वर्ष 1986 में किया था। यह विभाग डिग्री स्तर की शिक्षा माँड्यूलर पद्धति द्वारा प्रदान कर रहा है। जिसमें तीन मोड्यूलस हैं : प्रमाण पत्र (i) खाद्य प्रसंस्करण और (ii) ट्रेक्टर मेकानिक के दो पृथक व्यवसाय), डिप्लोमा और उपाधि। तदनुसार प्रत्येक कार्यक्रम प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा एवं उपाधि में शिक्षा समाप्ति एवं उच्च माँड्यूल में प्रौन्नति का प्रावधान है। बी.टेक. डिग्री के पश्चात छात्र एम. टेक. कार्यक्रमों में भी प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं तथा पीएच.डी. भी कर सकते हैं। इस समय एम. टेक. कार्यक्रम कृषि यंत्र तथा शक्ति में 07 छात्र; एम.टेक. कार्यक्रम मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी में 12 छात्र तथा पीएच.डी. कार्यक्रम में 10 छात्र पंजीकृत हैं।

विभाग में इस समय 16 संकाय सदस्य अपनी सेवार्यें प्रदान कर रहे हैं। यह विभाग कृषि अभियांत्रिकी के उभरते क्षेत्रों में 5 प्रायोजित शोध परियोजनाओं (एस.ए.सी., आई.एस.आर.ओ, एम.ओ.ई.एफ., सी.एस.आई.आर.) का संचालन कर रहा है। वर्तमान विभाग में मानव अभियांत्रिकी में ए.आई.सी.आर.पी. और कृषि में सुरक्षा पर समन्वयक शोध परियोजना पर काम चल रहा है जो भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है।

4.2.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

- | | |
|------------------------------------|--------|
| (क) वर्तमान पाठ्यक्रमों में संशोधन | : नहीं |
| (ख) नये वैकल्पिक विषयों का समावेस | : नहीं |

- (ग) प्रयोगशाला वर्क शीट डिजाइन : नहीं
 (घ) पाठ्यक्रम में ढाचागत परिवर्तन : नहीं

4.2.3 विभाग की प्रयोगशालायें

- कृषि शक्ति प्रयोगशाला
- कृषि यंत्र प्रयोगशाला
- खाद्य प्रशसकरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- दुग्ध एवं खाद्य अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- सिंचाई एवं जल निस्कासन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

प्रयोगशाला विकास

- खाद्य प्रशसकरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला हेतु एक शितलन प्रणाली आर क्यू वी-660 प्लस खरीदी गई थी, जिसका मुल्य रू. 3,42,012/- था।

3.2.4 पीएच.डी, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों द्वारा पूर्ण परियोजना (मई, 2016)

क. पीएच.डी.

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	गाइड का नाम	छात्र का नाम
1.	पूर्वोत्तर भारत के नम क्षेत्रों में संदर्भ बाष्पीकरण का प्रतिमान	डा. पी. पी. डाबरल	श्री पी. के. पांडेय पीएच.डी.(पीटी) /10/एई/ 01

ख. स्नातकोत्तर, एम टेक (मृदाएवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी/ कृषि यंत्र एवं शक्ति) परियोजना

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	परामर्शदाता	छात्र का नाम
1	वर्षा समय श्रृंखला के प्रतिमान एवं पूर्वानुमान	डा. पी. पी. डाबरल डॉ. पी. के. पांडे	सुश्री महरोनी जेड मरी
2	सतलज नदी घाटी के जल उपलब्धता आकलन	डॉ. एस. के. श्रीवास्तव	अफिया ताना
3	जलाशय संचालन और पिचालन -टेरी पर एक अध्ययन	डा. डी. झाझरिया	तेची यबे
4	पूर्वी हिमालयक्षेत्र के लिए सांख्यिकीय डाउनस्केलिंग प्रतिरूप(एसडीएसएम) का उपयोग करते हुए में भविष्य तापमान के परिवर्तन	डॉ. ए. बैण्डोपाध्याय डॉ. ए. भद्र	वी. विक्टोरिया जापु

5	कृषि भूमि में ट्रैक्टर संचालन के दौरान के शोर उत्सर्जन का मूल्यांकन और चालककी श्रवण पर इसके प्रभाव।	आचार्य के.एन. दिवानगन डा टी. पटेल	श्री लालरेमृता
6	ट्रैक्टर कार्यान्वयन संयोजन के लिए पुल की रेखा के साथ आभासी हिच बिंदु का मिलान	डॉ. पी. के. प्रणव श्री ए. पाल	श्री अविनाश कुमार
7	पेडल से संचालित धान के थ्रेसर के डिजाइन का अनुकूलन तथा प्रतिक्रिया की सतह का उपयोग करते हुए डिजिटल तकनीक विधि	डा. टी. पटेल आचार्य के.एन. दिवानगन	श्री शदाद मोहम्मद खायेर
8	विकास इंजन की गति में कमी से ट्रैक्टर पहियाबल निर्धारित करने के लिए प्रणाली का विकास	श्री ए. पाल डॉ. पी. के. प्रणव	बिट्टु हजारिका

ग. स्नातक (बी.टेक) परियोजनाएं

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	गाइड का नाम	छात्र का नाम
1.	सूखे की पहचान और लक्षण वर्णन - एक अध्ययन	डा. पी. पी. डाबरल डॉ.पी. के. पांडेय	आशीष चौधरी पी अगासीर मारक
2	पकड़ शक्ति पर विश्लेषण	आचार्य के.एन. दिवानगन	सुश्री भावना (डी/ 14 / एई / 005) सुश्रीजेंडोनो हम्सत्सो (डी/ 14 / एई / 002)
3.	फसल गुणांक वक्र का विकास - एक अध्ययन	डा. डी. झाझरिया डॉ. पी. के. पांडे	सुश्री प्रम्पा लमू भूटिया (डी/ 14 / एई / मृदुसुमती बर्मन (डी/ 14 / एई / 003)
4.	विभिन्न गहराई पर 2 डब्लू डीट्रैक्टर के लिए वजन अंतरण का मापन	डॉ. पी. के. प्रणव	येंडरंभम फामनीबा सिंह (डी/ 14 / एई / 004) टैपो निगुटे गोंसार (डी/ 14 / एई / 004)
5	अरुणाचल प्रदेश में ट्रैक्टर संचालित जुताई का प्रदर्श-सह- मूल्यांकन।	श्री एम. यू. सिंह	एल. चिंशाक पॉल्लोगफोम (डी/ 13 / एई / 052) श्री कैमुक यिमचंगेर (डी/ 14 / एई / 006)

6	ट्रे-सुखान विधि का उपयोग करके अदरक को सुखाने की गतिकी	श्री अरुण कुमार चौधरी श्री डीके सैनामल	रूटाफेला डार्लिंग (डी/ 13 / ई / 13)
7	इंजन गति कम होने पर शक्ति हॉस का अनुमान लगाने के लिए कंप्यूटर प्रोग्राम का विकास	श्री ए. पाल	सुश्री सबिता बसनेट श्री लिमपाउन्ग इम्केम

ग. डिप्लोमा परियोजनाएं

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	परामर्शदाता का नाम	छात्र का नाम
1.	अदरक और लहसुन का सुखाना	श्री डी. के. श्यामल	लेहिनाइटिंग टूथांग कागो नानू
2	पैन वाष्पीकरण पर मौसम संबंधी परिवर्तन का प्रभाव	डॉ. डी. झाझारिया	रिचिक केम्परी इम्वो इमचेन नारंग तसांग
3.	अरुणाचल प्रदेश में उंचाई पर स्थित हिमालय जलग्राही में मृदा के भौतिक-रासायनिक गुणों में विविधताएं	डॉ. ए. भद्र	नीइघम बोले, लीजुम निरिन, तारक गोलोम
4.	अरुणाचल प्रदेश के तीन क्षेत्रों के लिए स्टेज-डिस्चार्ज रेटिंग वक्र का विकास	डॉ. ए. बंदोपाध्याय	लिकी ईटे, अरिशन्नो लॉन्गकूमर, रोनी सामग्री
5.	अग्रिम एक्सल की उंचाई में बदलाव से ट्रैक्टर के गुरुत्व केंद्र में परिवर्तन	डॉ. पी. के. प्रणव	राहुल कुमार ठाकुर गौरव कुमार महरोनी वाई. एजंग
6.	ऑकडा स्थिति के न्युनीकरण द्वारा पैन वाष्पीकरण का आकलन	डॉ. पी. के. पांडे डा. पी. पी. डाबरल	नेन्तिलो वोक वनलालमाउपुईया ताके रॉबिन
7.	वातावरण अनुमापन संबद्धी अंतर एवं अंतरा निरीक्षण त्रुटि	डा. टी. पटेल	मीता दादा अन्नी रिलो
8	सौर जल उष्मक का अर्थशास्त्र	श्री एम. यू. सिंह	नानी कानी अमन वेनिया संजीत जमैतिया
9	महिंद्रा बी 275-डीआईट्रैक्टर के लिए अंश-लोड-पार्ट-थ्रॉटल वक्र का विकास	श्री अनुपभ पाल	मृगंका शर्मा जयंतफुल हुजोन

10	बड़ी इलायची के अभियांत्रिकी गुण	श्री अरुण कुमार चौधरी	रोसेलिना डेका नचुम्बरी एम ओडीयू लोपेज़ चन्द्र मारक
----	---------------------------------	-----------------------	----------------------------------------------------------

4.2.5 अल्पकालिक पाठ्यक्रमों/ कार्यशालाओं/ सम्मेलनोंका आयोजन:

डॉ. के.एन. देवांगान तथा डॉ. टी. पटेल ने संस्थान-उद्योग सम्पर्क कार्यशाला श्रमदक्षता-सुरक्षा तथा व्यवसायिक स्वास्थ्य-2016 का आयोजन नेरिस्ट निर्जुली में किया था।

4.2.6 संकाय सदस्यों की अल्पकालिक पाठ्यक्रमों/ कार्यशालाओं/ सम्मेलनोंमें सहभागिता

1. डा. के.एन. दवानगान ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर में 8-11दिसंबर, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन श्रमदक्षतामे भाग लिया था तथा एक सत्र की अध्यक्षता की थी।
2. डॉ. ए. बंदोपाध्याय ने 05-09 जून, 2016 को क्योटो, जापान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जल संसाधन और पर्यावरण अनुसंधान (आईसीडब्ल्यूआरईआर 2016)में एक आलेख प्रस्तुत किया था।
3. डॉ. ए. बंदोपाध्याय ने संसाधन व्यक्ति के रूप में, सितंबर 26-30, 2016 को राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, गुवाहाटी में आयोजित जल विज्ञान पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया था।
4. डॉ. ए. भद्र ने 05-09 जून, 2016 को क्योटो, जापान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जल संसाधन और पर्यावरण अनुसंधान (आईसीडब्ल्यूआरईआर 2016)में एक आलेख प्रस्तुत किया था।
5. डॉ. ए. भद्र ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिलचर में 19-23 अक्टूबर, 2016 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम जलवायु परिवर्तनआकलन-जलविज्ञान परिपेक्ष में भाग लिया था।
6. डॉ. टी. पटेल ने भुवनेश्वर, ओडिशा में 19-21, जनवरी, 2017 को आयोजित 50वें आईएसईई वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया एव अपना आलेख प्रस्तुत किया था।
7. डॉ. टी. पटेल नेगुवाहाटी, असम में 25-26 फरवरी, 2017 कोराष्ट्रीय संगोष्ठी भाग लिया था तथा एक आलेख प्रस्तुत किया था।
8. डॉ. टी. पटेल ने अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात)में 17-18 मार्च, 2016 को 7^{वें} अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी में भाग लिया था तथा एक आलेख प्रस्तुत किया था।
9. डॉ. टी. पटेल ने पटया (थाईलैंड) में 14-15 दिसम्बर, 2016 को आयोजित 8^{वें} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी में भाग लिया था तथा एक आलेख प्रस्तुत किया था।
10. श्री ए.के. चौधरी ने खाद्य कृषि में प्रसंस्करण, मूल्य वर्धन और उद्यमशीलता के विकास पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था।सीआईजीएचईटी लुधियाना,14-21 नवंबर, 2016.

11. श्री ए.के. चौधरी ने 16-17 मार्च, 2017 से नेरिस्ट द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम परिणाम आधारित शिक्षा के लिए शैक्षणिक प्रशिक्षण में भाग लिया था।
12. श्री ए. के. चौधरी और श्री ए. पाल ने कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 30 सितम्बर से 1 अक्टूबर, 2016 को आयोजित संस्थान-उद्योग सम्पर्क कार्यशाला श्रमदक्षता- सुरक्षा तथा व्यवसायिक स्वास्थ्य-2016 में भाग लिया।
13. श्री ए. के. चौधरी ने 24 अगस्त, 2016 को नेरिस्ट द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजिटल इण्डिया में भाग लिया।
14. श्री ए. पाल ने 16-17 मार्च, 2017 को एनआईटीटीआर, भोपाल द्वारा नेरिस्ट, निर्जुली में के दौरान एनईआरआईआईएसटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम परिणाम आधारित शिक्षा में भाग लिया था।

4.2.7 संकाय द्वारा प्राप्त नई उपाधियाँ/ व्यावसायिक सदस्यता

- डॉ. टी. पटेल को एशिया प्रशांत रसायन, जैविक और पर्यावरण इंजीनियरिंग सोसायटी की सदस्यता से सम्मानित किया गया था।
- श्री ए. चौधरी को आईएसई (एलएम -11261) की जीवन पर्यन्त सदस्यता प्रदान की गई थी।

4.2.8 संकाय की उपलब्धियाँ / पुरस्कार / मान्यता आदि

1. आचार्य पी. पी. डबराल को 18 फरवरी, 2017 को भारतीय जल-विज्ञानी बंमहासभा के सभाषद से सम्मानित किया गया था।
2. डॉ. टी. पटेल को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अनुप्रयुक्त मानव अवयव एवं श्रमदक्षता (एचएफई 2017), लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया, यूएसए के दौरान श्रमदक्षता डिजाइन मण्डल का सदस्य मनोनित किया गया था।
3. डॉ. टी. पटेल को हांगकांग, कनाडा में आयोजित 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मानव-कम्प्यूटर संवाद में अंकीय मानव प्रतिमान का स्वास्थ्य, सुरक्षा, श्रमदक्षता व जोखिम प्रबन्ध मण्डल का सदस्य मनोनित किया गया था।
4. श्री ए. पाल को पटाय, थाईलैंड में आयोजित 8 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएफई 16 में अपना आलेख इंजन गति कम होने पर शक्ति हॉस का अनुमान लगाने के लिए प्रणाली का विकास प्रस्तुत किया था, जिसे सत्र के सर्वश्रेष्ठ आलेख के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

4.2.9 बाह्य वित्त निकायों द्वारा प्रदत्त परियोजनायें

ए. भद्रा (प्रधान-अनुसंधानकर्ता) तथा ए. बन्दोपाध्याय (सह-अनुसंधानकर्ता) हिमालय क्षेत्र में वर्ष पिघलने के प्रतिमान के लिए जल विज्ञान माड्युल का विकास, प्रकृति-II, जल विज्ञान परियोजना, भा.अ.अ.सं., अंतरिक्ष मंत्रालय, अहमदाबाद, दिसम्बर, 2013 से मार्च, 2017, वित्त बजट - 26,12,000/-, वर्ष के दौरान प्राप्त वित्त-4,50,000/-

ए. भद्रा (प्रधान अनुसंधानकर्ता) तथा ए. बन्दोपाध्याय (सह-अनुसंधानकर्ता) उत्तर पूर्वी भारत में जलवायु भेददयता -सह- बाढ़ तथा सूखे का जल विज्ञान। आई एन सी एस डब्लू, जल संसाध्यन मंत्रालय, नयी दिल्ली, बजट वित्त- 30,71,880/-, वर्ष के दौरान प्राप्त वित्त-5,22,000/-

4.2.10 प्रकाशन

(ए) संदर्भ जर्नलों में प्रकाशित आलेख

1. चौधरी, पी., डाबरल, पी. पी. एवं सिंह आर.के. (2016) विभिन्न कृषि भूमि के तहत पहाड़ी जल प्रवाह के उपयोग के लिए वर्षा-विस्थापन प्रतिमान। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिजिकल एण्ड एप्लाइड साइंस, 3 (1): 80-93
2. डाबरल, पी.पी., कुमार, ए., ताना, जी. (2016) सतह के जल निकासी गुणांक का निर्धारण- दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश, भारत पर एक अध्ययन। एग्रिकल्चर इंजीनियरिंग इंटरनेशनल: सीआईजीआर जर्नल, 18 (4): 1-10
3. पांडे, पी.के., डाबरल, पी.पी., पांडे, वी. (2016) भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के संदर्भ में वाष्पीकरण के प्रारूप का मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोयल एण्ड वाटर कन्जरवेशन, 4: 56-67
4. डाबरल, पी.पी., शारिंग, टी. एवं झाझरिया, डी. (2016) जोरहाट, असम, भारत की जलवायु परिवर्तन का आकलन करने के लिए मासिक वर्षा और तापमान का समय श्रृंखला प्रारूप, ग्लोबल एनईएसटी जर्नल, 18 (3): 494-507
5. डाबरल, पी.पी., चौधरी, ए., बर्मन, एम. एवं पांडे, पी. के. (2016) निरजुली, अरुणाचल प्रदेश, के आसपास के क्षेत्र में अलग-अलग भू-उपयोग करने की क्षमता का निर्धारण। 15 (4): 292-955
6. डाबरल, पी.पी., चौधरी, के. एवं देबबर्मा, एस. (2016) दोईमुख (इटानगर), अरुणाचल प्रदेश 5-दिवसीय अलग-अलग अवधि के दौरान पूर्ववर्ती वर्षा का विश्लेषण। 44 (3): 332-335
7. डाबरल, पी.पी., पांडे, पी.के.(2016) मिट्टी की नमी अवधारण सीमा और संतृप्त जल संचरण का आकलन करने के लिए प्रतिरूप। जर्नल इण्डियन वाटर रिसोर्स सोसाईटी, 59, 2873-2876
8. हमोयोदा, के., राखेजा, एस,मरकोटे, पी. एवं देवांगन, के. एन. (2016) कंपन कम करने वाले दस्तानों की अंगुली कंपन संवहन दक्षता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एर्गोनॉमिक्स, <http://dx.doi.org/10.1016/j.ergon.2016.11.012>
9. सेनेबा, के.टी., राजकुमारी, एस., भद्र, ए., बांदोपाध्याय, ए. (2016) भारत के पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में अनुमानित जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों का झरना प्रवाह पर प्रभाव। जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, स्प्रिंगर, 125 (3): 443-457 डीओआई 10.1007/s10661-011-2391-1

10. मिश्रा, पी., झापु, वी.वी., मोनिका, एन, भद्र, ए., बंद्योपाध्याय, ए. (2016) पूर्वी हिमालयी जलग्रहण के लिए मोडीज आंशिक बर्फ कवर उत्पाद का सटीक मूल्यांकन। जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग, स्प्रिंगर, 44 (6): 977- 9 85। डीओआई 10.1007/s10661-011-2391-1।
11. पांडेय, पी. के. एवं वी. पांडे (2016) तापमान-आधारित पैमैन-मोंटेथ (टीपीएम) मॉडल का नम वातावरण के तहत मूल्यांकन। (प्रकाशन दिनांक 2016/9/1) मॉडलिंग अर्थ सिस्टम एण्ड इन्वायरमेंट 2 (3): 152
12. पी.के. प्रणव, थानेसर पटेल, के. पदमशोर सिंह (2017) जैव-डीजल का उपयोग कर इंजन के प्रदर्शन मापदंडों की भविष्यवाणी के लिए आँकड़ा प्रबन्ध तथा गणितीय प्रारूप का विकास। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर और बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग, 10 (3): 121-129।, डीओआई: 10.3965/ जे.जेबी.20171003.178 9
13. टेल, टी., मोरू, आर.एल., विधु, के.पी., कुमार, ए., एवं सिंह, वाशिंगटन (2016) भार संवहन की शेरपा विधि में शारीरिक और अवधारणात्मक प्रतिक्रियाएं: कमर बेल्ट और कंधे के पट्टे की भूमिका। एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग इंटरनेशनल: सीआईजीआर जर्नल, 18 (4), 157-164
14. संजोग, जे., बारुआ, आर.एल., पटेल, टी., और कर्मकार, एस. (2016) भारत में कार्यशालाओं में उपस्करों की सुव्यवस्था से कार्य-चक्रों में कमी द्वारा श्रमदक्षता। पुस्तक - एडवान्सेज इन एर्गोनोमिक्स डिज़ाइन, (पृष्ठ 219-232)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल प्रकाशन।
15. पटेल, टी., संजोग, जे., चटर्जी, ए., और कर्मकार, एस. (2016) पूर्वोत्तर भारत से कृषि श्रमिकों के एकत्रित मानव कृष्णिक आंकड़ों की सांख्यिकीय व्याख्या और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डेटाबेस के साथ इसकी तुलना। आईईई ट्रांजेक्सन्स ओन आक्युपेशनल इरजोनोमिक्स एण्ड हुमन फेक्टर्स। 1-14.
16. पटेल, टी., संजोग, जे., एवं कर्मकार, एस. (2016) कृषि अनुसंधान में श्रमदक्षता परिप्रेक्ष्य: सीएडी और डिजिटल मानव मॉडलिंग (डीएचएम) तकनीकी का इस्तेमाल करते हुए एक उपयोगकर्ता-केंद्रित दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) : सीरीज ए, 1-10
17. प्रणव, पी.के., और पटेल, टी. (2016) भारत में पहाड़ी क्षेत्र के मजदूरों के बीच हाथों से नारंगी एकत्र करने में श्रमदक्षता हस्तक्षेप का प्रभाव। वर्क: ए जर्नल ऑफ प्रिवेंशन, अससमेंट एण्ड रिहबिलीटेशन, 54 (1), 17 9 -187
18. कुमार, पी., चक्रवर्ती, डी., पटेल, टी., एवं चौधरी, ए. (2016) पूर्वोत्तर भारत की लघु फल प्रसंस्करण इकाइयों में अनानास छीलने से जुड़े श्रमिकों के बीच काम से संबंधित दर्द। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इस्ट्रोजन इर्गोनॉमिक्स, 53, 124-129
19. संजोग, जे., पटनायक, बी., पटेल, टी., और कर्मकार, एस. (2016) मिश्रण वर्कस्टेशन के डिजाइन में संदर्भ-विशिष्ट हस्तक्षेप: एक श्रमदक्षता परिप्रेक्ष्य। जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग, 33 (1), 32-50

(ख) सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

1. लालरेमरूटा, पटेल, टी., देवांगन, के.एन. एवं राखेजा, एस. (2016) कृषि कार्य के दौरान ट्रैक्टर चालकों पर शोर का प्रभाव। अन्तरराष्ट्रीय श्रमदक्षता सम्मेलन-2016, इंटरनेशनल इर्गोनोमिक्स कॉन्फ्रेंस (एचडब्ल्यूडब्ल्यूई) -2016, मानवीकरण कार्य और कार्य वातावरण की प्रक्रिया में प्रकाशित।
2. देवांगन, के.एन. एवं राखेजा, एस. एवं मार्कोटे, पी. (2016) लचकदार सीट पर बैठे मनुष्यों के ऊर्ध्वाधर सम्पूर्ण शरीर कंपन का लिंगात्मक प्रभाव। अन्तरराष्ट्रीय श्रमदक्षता सम्मेलन-2016, इंटरनेशनल इर्गोनोमिक्स कॉन्फ्रेंस (एचडब्ल्यूडब्ल्यूई) -2016, मानवीकरण कार्य और कार्य वातावरण की प्रक्रिया में प्रकाशित। डा. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर-144 011, भारत
3. देवांगन, के.एन. एवं राखेजा, एस. एवं मार्कोटे, पी. (2016) लचकदार कम्पित सीट पर बैठे मनुष्य के लम्बवत सीट से शिर्ष पर कंपन का प्रभाव। 6वें अमेरिकी सम्मेलन कम्पन की प्रक्रिया में प्रकाशित। *विस्कॉन्सिन एवं मार्कक्वेट विश्वविद्यालय, मिल्वौकी, विस्कॉन्सिन, यूएसए, पीपी 89-90*
4. भद्र, ए., मिश्रा, पी., राजकुमारी, एस., कुमार, ए., त्रिपाठी, एस. (2016) अरुणाचल प्रदेश, भारत के नूरानंग तलहटी के लिए सूखी और गीले हिमपात में परिवर्तन का आकलन। 7 वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जल संसाधन और पर्यावरण अनुसंधान (आईसीडब्ल्यूआरईआर 2016) की प्रक्रिया में प्रकाशित। क्योटो, जापान, जून 05-09, 2016: जी 001-01-1-6
5. बांदोओपाध्याय, ए., मिश्रा, पी., चींग, एन., कुमार, ए., त्रिपाठी, एस. (2016) पूर्वी हिमालय के लिए एवीआईएफएफ से प्राप्त ब्रॉडबैंड स्नो अल्बेडो की पुष्ठी। 7 वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जल संसाधन और पर्यावरण अनुसंधान (आईसीडब्ल्यूआरईआर 2016) की प्रक्रिया में प्रकाशित। क्योटो, जापान, जून 05-09, 2016: जी 001-01-1-6
6. किबा, एल.जी., सिंह, डब्लू.आर., झपा, वी.वी., बांदोपाध्याय, ए., भद्र, ए. (2016) अरुणाचल प्रदेश के प्रमुख वनस्पति विस्तार हेतु एनडीवीआई हस्ताक्षर आकलन। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए प्रौद्योगिकी (आईसी 3 एमटीए- 2016) की प्रक्रिया में प्रकाशित। सिनोड कॉलेज, शिलांग -793002, मेघालय, भारत, जून 20-21, 2016: 19 -26 (आईएसबीएन: 978-81-8465-954-2.)
7. नैगजूजम, जी., मिश्रा, पी., खत्सो, वी., मंडल, एन.के., मैथ्यू, टी., मिशेल, के., भद्र, ए., एवं बांदोपाध्याय ए. (2016) थिस्सेन बहुभुज विधि का उपयोग करके अरुणाचल प्रदेश की औसत वर्षा में अंतर-वार्षिक विविधता। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन जलवायु परिवर्तन अनुकूलन के लिए प्रौद्योगिकी (आईसी 3 एमटीए- 2016) की प्रक्रिया में प्रकाशित। सिनोड कॉलेज, शिलांग -793002, मेघालय, भारत, जून 20-21, 2016: 27-33, (आईएसबीएन: 978-81-8465-954-2.)
8. मिश्रा, पी., निरील, एल., गोलम, टी., बोले, एन., भद्र, ए., बंद्योपाध्याय, ए. (2016) अरुणाचल हिमालयी क्षेत्र में उच्च ऊंचाई वाले जलग्रहण पर मृदा भौतिक-रासायनिक गुणों

के अतिउद्देशीय परिवर्तन। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी में उदयमान प्रौद्योगिकीयाँ (ईटीएई-2016), की प्रक्रिया में प्रकाशित। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, 27-30 दिसंबर, 2016: 281-291। (आईएसबीएन: 978-81-8465-954-2.)

9. मिश्रा, पी. सिंह, डब्ल्यू.आर., सेनेबा, के.टी., बंदोपाध्याय, ए., भद्र, ए. (2016) पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में एक बर्फ-कवर पानी के औसत अवमूल्यन प्रारूप पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन कृषि और खाद्य अभियांत्रिकी में उदयमान प्रौद्योगिकीयाँ (ईटीएई-2016), की प्रक्रिया में प्रकाशित। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, 27-30 दिसंबर, 2016: 352-363, (आईएसबीएन: 978-81-8465-954-2.)
10. थानेसर पटेल, जे. संजोग, अभिरुप चटर्जी, अरविंद श्रॉफ, सिद्धार्थ शंकर प्रस्थी, सिबासीस महापात्र, सौगीता कर्मकार (2017) पर्वतीय क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त धान के थ्रेसर के लिए आभासी श्रमदक्षता युक्त डिजाइन संकल्पना एव उसका मूल्यांकन। रिसर्च इनटू डिजाईन फॉर कोमनिटीज, खंड 1, 02/2017: पृष्ठ 503-512 ; , आईएसबीएन: 978-981-10-3517-3, डोआई: 10.1007/ 978 -981-10-3518-0_44
11. संजोग, जे., बारुआ, आर.एल., पटेल, टी., और कर्मकार, एस. (2016) भारत में कार्यशालाओं में उपस्करों की सुव्यवस्था से कार्य-चक्रों में कमी द्वारा श्रमदक्षता। पुस्तक - एडवान्सेज इन एर्गोनोमिक्स डिजाईन, (पृष्ठ 219-232) , आईएसबीएन: 978-3-31 9-41982-4, डोआई: 10.1007 / 978-3-31 9-41983-1_20
12. पाल, ए. (2017) इंजन की गति में गिरावट से क्षेत्र की स्थिति में ट्रैक्टर एक्सल अधिभार को निर्धारित करने के लिए एक प्रणाली का विकास। पटया, थाईलैंड मे 18-19 अप्रैल 2017 को आयोजित 8^{वें} अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएएफई-16 की प्रक्रिया में प्रकाशित।

(सी) पुस्तकों में अध्याय:

1. थानेसर पटेल: भारत में जैव प्रौद्योगिकी की प्रगति। प्रथम सम्पादक-एस.सी. एवं ए. मलिक, 05/2017: अध्याय - भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और संचालन, पृष्ठ 16-29; ईएनवीआईएस जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र, आईएसबीएन: 978-93-5267-783-2 (एचबी) तथा 978-93-5267-784-9 (पीबी)
2. पी. के. प्रणव, थानेसर पटेल, वाई. के. राव: डॉक्ट्राफ्ट गैसीफायर के उपयोग से जैव पदार्थ सामग्री का एक तुलनात्मक अध्ययन। पुस्तक- इन्जिनियरिंग प्रेक्टीसेज फॉर एग्रिकलचरल प्रोडक्सन, सम्पादक- मेघ आर गोयल, आर. के. सिवनप्पन, 03/2017 अध्याय - कृषि में अक्षय ऊर्जा उपयोग: पृष्ठ 263-275; वैबसाईट- <https://www.crcpress.com/Practices-for-Agricultural-Production-and-Water-Convention/> Goyal- Sivanappan /p/book/97817718845181, आईएसबीएन: 978-1-77188-451-8, डीओआई : 10.1201 / 9781315365954-18
3. थानेसर पटेल, जी. आर. रामकृष्ण मूर्ति: प्रेसिजन उर्वरक प्रक्षेपण: स्थानीय और उप-सतही कृषि उपचार। पुस्तक- इन्जिनियरिंग प्रेक्टीसेज फॉर एग्रिकलचरल प्रोडक्सन, सम्पादक-

मेघ आर गोयल, आर. के. सिवनप्पन, 03/2017 अध्याय - मृदा व जल संरक्षण प्रबन्ध:
वैबसाईट-[https://www.crcpress.com/](https://www.crcpress.com/Engineering-Practices-for-Agricultural-Production-and-Water-Convention/Goyal-Sivanappan/p/book/) Engineering-Practices-for-Agricultural-
Production-and-Water Convention/Goyal-Sivanappan/p/book/ 97817718845181,
आईएसबीएन: 978-1-77188-451-8, आईएसबीएन: : 10.1201 / 9781315365954-6

4.2.11 बाहरी निकायों के साथ संकाय/ विभाग का सम्पर्क

1. डॉ. के. एन. देवागन ने कॉर्कोर्डिया विश्वविद्यालय, मॉन्ट्रियल में कन्काइव रिसर्च सेंटर का दौरा किया था तथा आचार्य एस. राखीजा के साथ 2016 में गर्मी की छुट्टी के दौरान वहां के वैज्ञानिकों के साथ काम किया था।
2. डा. के. एन. देवागन को कृषि विभाग के एम.टेक शोध मूल्यांकन के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में खाद्य अभियांत्रिकी विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर में आमंत्रित किया गया था।
3. डा. के. एन. देवागन को असम विश्वविद्यालय, सिलचर में आयोजित कार्यशाला कृषि यंत्र, शक्ति व उर्जा प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।
4. डॉ. ए. बंदोपाध्याय एवं डॉ. ए. भद्र ने बहु-संस्थागत परियोजना "मेजरमेंट टू मैनेजमेंट (एम 2 एम) में आई.आई.टी. खड़गपुर, आई.आई.टी. गांधीनगर, आई.जी.के.वी. रायपुर और ए.ए.यू. गोधरा के साथ काम किया था: प्रयोगात्मक सेंसर नेटवर्क के माध्यम से बेहतर पानी उपयोग क्षमता और कृषि उत्पादकता" (बजट: रु. 23,66,000 / -; प्रायोजन निकाय: आईटीआरए, मीडिया लैब एशिया, डेआईटी, संचार मंत्रालय, वित्त अवधि: अक्टूबर 2015 से जुलाई 2017).
5. डॉ. ए. भद्र एवं डॉ. ए. बंदोपाध्याय ने बहु-संस्थागत परियोजना "हिमालय क्षेत्र में बर्फ पिघलने की रोकथाम हेतु जलविज्ञान मॉड्यूल का विकास" में आई.आई.टी. खड़गपुर, आई.आई.टी. गुवाहाटी, और आई.आई.एस.सी. बेंगलोर के साथ काम किया था। (बजट: रु. 26,12,000/ -; प्रायोजन निकाय: एसएसी, इसरो, अहमदाबाद; वित्त वर्ष की अवधि: दिसंबर 2013 से मार्च 2017)
6. डॉ. ए. बंदोपाध्याय को जल संसाधन, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, गुवाहाटी, में सितंबर 26-30, 2016 को आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।
7. डॉ. ए. भद्र को एनआईटी सिलचर द्वारा अक्टूबर, 19-23, 2016 को आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम जलवायु परिवर्तन आकलन में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।

4.2.12 सलाहकार परियोजनाओं पर कार्य

-नहीं-

4.2.12 छात्रों की उपलब्धियाँ

कुमारी भावना (डीई/14/एई/05) ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की कनिष्ठ अनुसंधान फेलो परीक्षा 2016 में सफलता प्राप्त की थी

4.3 भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग

4.3.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

भवन निर्माण अभियांत्रिकी विभाग का उदगम वर्ष 1985 में संस्थान की स्थापना के साथ ही हुआ था। समय के साथ-साथ यह विभाग विकास करता रहा तथा इसे उत्तर पूर्वी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अभियांत्रिकी विभाग होने का गौरव प्राप्त हुआ। विभाग का मुख्य उद्देश्य उच्च कौशल तकनीकी श्रमशक्ति का निष्पादन अपने प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा तथा उपाधि कार्यक्रमों के माध्यम से करना है। इस तकनीकी श्रमशक्ति का मुख्य उद्देश्य पूर्वोक्त क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करना है। संस्थान के मानक विश्वविद्यालय के स्तर को प्राप्त कर लेने के पश्चात विभाग ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम तथा पीएच. डी. कार्यक्रमों की शिक्षा प्रदान करना भी आरम्भ कर दिया है।

विभाग में छात्रों को योग्य शिक्षकों और कर्मचारियों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की क्षमता है। वर्तमान में, सिविल अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले 16 योग्य संकाय सदस्य कार्यरत हैं। विभाग के एक संकाय डा. डी. पाल को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है। विभाग के दो एसोसिएट प्रोफेसरों को प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया है, और एक सहायक प्रोफेसर को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में चयनित किया गया है।

विभाग में दो तकनीकी अधिकारी, तीन वरिष्ठ अनुदेशक, एक वरिष्ठ तकनीशियन, एक तकनीशियन, पांच प्रयोगशाला परिचर सेवारत हैं। स्टाफ के सदस्यों को अच्छी तरह से प्रशिक्षित है, तथा एक वरिष्ठ अनुदेशक, डॉ. पी. शिवकुमार को नेरिस्ट से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है।

विभाग की प्रयोगशालायें स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए सभी आवश्यक आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। यह विभाग ढाचा अभियांत्रिकी, भू-प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी, ढाचा गतिकी, भू-कंप अभियांत्रिकी, भवन निर्माण में कम्प्यूटर प्रविधियाँ, उच्च ठोस यांत्रिकी, जल शक्ति तथा जल संसाधन अभियांत्रिकी, द्रव यांत्रिकी, पर्यावरण विज्ञान, यातायात अभियांत्रिकी, सर्वेक्षण अभियांत्रिकी, भवन विज्ञान, नगर योजना, मूल्य गणना आदि विषयों की शिक्षा प्रदान कर रहा है। विभाग में डिप्लोमा तथा डिग्री छात्रों को शैक्षिक उत्कृष्टता तथा उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुसार परियोजना कार्य करवाया जा रहा है। विभाग में उच्च कोटि की सलाहकार सेवाओं तथा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करने की क्षमता है। यह विभाग तकनीकी ज्ञान के विस्तार के लिए कार्यशालाओं एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश शासन के अधिकारियों, अध्यापकों, गैर सरकारी संगठनों एवं ग्रामीण लोगों के लिए आयोजित करता है।

4.3.2 दृष्टि

देश के सबसे अच्छे सिविल अभियांत्रिकी विभागों में से एक बनने के लिए और छात्रों को शिक्षा के एक अभिनव मॉड्यूलर प्रणाली के साथ वैश्विक मानकों को पूरा करने और राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने योग्य बनाना।

4.3.3 उद्देश्य

विभाग का उद्देश्य:

- सिविल अभियंत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचागत योजनाओं के नियोजन, विश्लेषण, डिजाइन और कार्यान्वयन में सक्षम तकनीकी ज्ञान और कौशल युक्त अभियन्ताओं का निष्पादन करना।
- विद्यार्थियों में व्यावसायिक नैतिकता के साथ-साथ नेतृत्व गुणों और संचार कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए सिविल अभियंत्रिकी के क्षेत्रों में नवीन विचारों को उपलब्ध कराते हुए उन्हें निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने योग्य बनाना।
- समाज के सतत विकास की दिशा में प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी रखने वाले अभियन्ताओं का निष्पादन करना।
- नागरिकों के समग्र विकास और आजीवन शिक्षा के लिए प्रेरणा के लिए सह-पाठ्यचर्या और अध्यापन गतिविधियों के लिए अवसर प्रदान करना।

4.3.4 कार्यक्रम शिक्षा उद्देश्य (पीईओ)

सिविल अभियंत्रिकी में स्नातक उपाधि प्राप्त छात्र -

- सिविल अभियंत्रिकी में उच्च अध्ययन, अनुसंधान के क्षेत्रों में नवाचारों के साथ सफल तकनीकी पेशेवर बनें।
- नैतिक निर्णय करें और पेशे, समाज और राष्ट्र की सेवा के प्रति प्रतिबद्धता बनाएं।
- आजीवन शिक्षा का अर्जित करें, और अपने चयनित व्यवसाय और अन्य गतिविधियों में दोनों अग्रणी बनें।

4.3.5 कार्यक्रम के परिणाम (पीओ)

सिविल अभियंत्रिकी के स्नातक कार्यक्रम को पूरा करने के बाद छात्र में निम्नलिखित क्षमताएँ होनी चाहिए:

- सिविल अभियंत्रिकी समस्याओं को हल करने के लिए गणित, विज्ञान और अभियंत्रिकी के बुनियादी सिद्धांतों का ज्ञान लागू करें।
- डिजाइन और आचरण प्रयोगों / सिमुलेशन के साथ ही डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करना।
- आर्थिक, पर्यावरण, सामाजिक, सुरक्षा और स्थिरता जैसी यथार्थवादी बाधाओं के भीतर वांछित जरूरतों को पूरा करने के लिए एक प्रणाली, घटक या प्रक्रिया तैयार करें।
- सिविल अभियंत्रिकी समस्याओं की पहचान और हल।
- अभियंत्रिकी प्रथाओं के लिए आवश्यक तकनीक, कौशल और आधुनिक अभियंत्रिकी उपकरण का उपयोग करें।

- अभियांत्रिकी और प्रबंधन पहलुओं को प्रभावी ढंग से समझें और विविध और बहुआयामी टीमों पर कार्य करने में सक्षम हो।
- समाज के लिए सिविल अभियांत्रिकी परियोजनाओं के लाभ का विस्तार करने के लिए व्यावसायिक नैतिकता और जिम्मेदारी को समझें।
- समकालीन और पर्यावरण के मुद्दों के प्रकाश में वैश्विक, आर्थिक और बहुसांस्कृतिक सामाजिक संदर्भ में अभियांत्रिकी समाधानों के प्रभाव को समझें।
- अभियांत्रिकी समुदाय के भीतर और समाज में लोगों के साथ प्रभावी ढंग से दोनों मौखिक और लिखित रूप से संवाद करें।
- तकनीकी नवाचारों को शामिल करने के लिए आजीवन सीखने की आवश्यकता के लिए, और क्षमता की पहचान करें।

4.3.6 विभाग की प्रयोगशालायें

1. कम्प्यूटर प्रयोगशाला
2. चित्रण अनुभाग सह कम्प्यूटर आद्वारित डिजाइन सुविद्या
3. भू- अभियांत्रिक प्रयोगशाला
4. पर्यावरण अभियांत्रिक प्रयोगशाला -I
5. पर्यावरण अभियांत्रिक प्रयोगशाला -II
6. क्षेत्र अभियांत्रिक प्रयोगशाला
7. भू- प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला -I
8. भू- प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला -II
9. राजमार्ग अभियांत्रिक प्रयोगशाला
10. सामाग्री परीक्षण प्रयोगशाला
11. ढाचा प्रयोगशाला
12. सर्वेक्षण प्रयोगशाला
13. जल संसादन अभियांत्रिक प्रयोगशाला

इसके अतिरिक्त विभाग में सभी सुविद्याओं से सम्पन्न एक सभागार है। विभाग की सभी प्रयोगशालायें आद्युनिक उपकरणों से सुसज्जित तथा सलाहकार सेवाओं व प्रयोगों के लिए उपयुक्त है।

4.3.7 नये संकाय सदस्यों द्वारा पदभार ग्रहण

-नहीं-

4.3.8 शैक्षिक कार्यकलाप

वर्तमान पाठ्यक्रम में संशोधन की प्रक्रिया जारी है।

4.3.9 प्रयोगशाला विकास

खरीदे गए नए उपकरणों की सूची

वर्ष के दौरान खरीदे किए गए उपकरणों की सूची निम्न हैं।

अ.क्र.	प्रयोगशाला	उपकरण का नाम	मात्रा	निर्माता	कुल कीमत (रु.)
1.	कंप्यूटर प्रयोगशाला	कंप्यूटर एप्पल	1	आई-मैक	9,38,999.00
2	सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला	एआईएम-334 जेरिंग ऐप	2	एईमिल	27,996.00
		एआईएम-334,यू-बॉक्स टेस्ट ऐप	2	एईमिल	11,323.00
		एल - एल बॉक्स टेस्ट ऐप	2	एईमिल	13,809.00
		वी. फ़नल ऐप	2	एईमिल	9,419.00
		कॉम्पैक्टिंग कोन के सहित फ़लो टेबल सेल्फ	2	एईमिल	12,353.00
		पारगम्यता ऐप	2	एईमिल	2,03,056.00
		पारगम्यता ऐप हवा कंप्रेसर दबाव	2	एईमिल	89,443.00

4.3.10 स्नातक छात्रों द्वारा पूर्ण परियोजनाएं (बी.टेक. और डिप्लोमा, मई 2016)

(ए) डिप्लोमा परियोजनाएं

क्रम सं	शीर्षक	छात्रों का नाम	मार्गदर्शक
1.	खुली पतली दीवार अवयवों के लिए अपरूपण केंद्र	पूनम कुमारी तदार दीपा मोमी देब मुकेश कुमार प्रसाद नूर मोहम्मद मुसा कलिमुल्ला	एस के साहू
2	1: 3 सीमेंट रेत गारे की शक्ति पर रेत के प्रभाव का निर्धारण	चरखो एन चाह अमित शर्मा सोनजराज पेगु तिलीग तासर	एस मिश्रा

3.	मिट्टी के गुणों पर बजरी प्रतिशत का प्रभाव	अरीबिन ठाकुर अनंत गौतम ताहिर अहमद लस्कर हेमंत लाकड़ा लोकेश कुमार सिंह	दीपिका देवी
4.	मिलावट के कारण मिट्टी के भू-तकनीकी गुणों पर प्रभाव का अध्ययन	मोबया निकांग गली बसार अनिल सांगो तेची ताराम यांगसापिला टी अनार	एम पुमिंग
5.	अरुण डेयरी फार्म करसिंगसा से अपशिष्ट जल के भौतिक-रसायन गुणों का विश्लेषण	ओन्नमनलल गइते थौओओजाम आशानंद मनीष लैशराम ब्लैसिस पायनेग्रो लोयांगबा थोकचॉम	वाई बी देवी
6.	नेरिस्ट परिसर में मौजूदा आवागमन प्रवाह का संशोधन: एक अध्ययन	के लालमांगाहहुजुली प्रकाश लामिचेन चंद्रोदय बोरा लक्षि मेना	एनजी सोराम
7.	वाहनों के आगे निकलने की प्रक्रिया में यातायात मापदण्डों पर अध्ययन	बरसा शर्मा लामटर नासी मेडोजोनुओ रूथ केलिए सौमीनेंट पोलेंग राजबहादुर रियांग	दिइबेदू पॉल

(बी) बी.टेक. परियोजनाएं, मई 2016

क्रम सं	शीर्षक	छात्रों का नाम	मार्गदर्शक
1.	संस्थान के परिसर के लिए जल आपूर्ति मांग और एक उपयुक्त ओवरहेड टैंक की डिजाइन का आकलन	नारायण चंद्र देबनाथ मोहित सिंह नविन अहंथेम प्रतीक कुमार तपस त्रिपुरा	एस के सिंह
2	नेरिस्ट परिसर के जल तालिका प्रारूप का अध्ययन	जे एम खानकर, एम मुखर्जी, एल चेडा, टीए लास्कर, सोहिनी दास	आर के प्रसाद

3.	पर्वतीय ढाल की सहायता के लिए प्रबलित मृदा बनाए रखने वाली दीवार का डिजाइन	तेची ताडीर पायोमिलेम टावोथंग ग्रामिसा च संगमा दीपोजई रे असुइल लेगिस	एस बेण्या
4	विभिन्न उच्च और परिवेश तापमान पर भूरे प्लाइमर कंकरीट के संकुचित बल की विविधता पर अध्ययन	लशनलांग रिनजह मोहम्मद अमीर हुसैन जोब लालचंद टेगे डॉले	एस मिश्रा
5	मैट लैब के उपयोग से बीम और फ्रेम के परिमित तत्वों का विश्लेषण	सुश्री मोहा मानेगलंबम नबाजित सरकार रजत कांती साहा मिलो डांटे जॉन ताना	दीपिका देवी
6.	एससीएस-सीएन पद्धति का उपयोग कर इरिल जलग्रहण वर्षा जल प्रतिमान	सौरभ च। दास अजय देब लिकेन काम्गो सोबम मोनिका देवी शाहह जोमोह	के जेम्स सिंह
7.	कोहरा प्रभावित क्षेत्रों में लचीले फुटपाथ का गुणवत्ता सुधार	ज्योतिष राजकोणवर बिजयोग दास अजय सरकार कल्याण बिस्वास रितेश कुमार	यामेम तामुत
8	लेन रहित अनुशासित यातायात के मध्य-खंड अनुभाग में वाहनों का घनत्व	लेशनललांग रिनजह जाब लालचंद कपू संजय	दिइबेंदू पॉल

(सी) एम. टेक. परियोजनाएं (वर्ष-2016)

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	परियोजना का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
1.	जंगम गहजा	नमचि-रिमा नदी घाटी के भूमि उपयोग व भूमि आच्छादन का आरएस एवं भू-सूचना प्रणाली का उपयोग करते अनुमापन	के जेम्स सिंह
2	अब्दुल खालिद	एचईसी-एचएमएस का उपयोग करके वर्षा जल संग्रहण प्रतिमान	आर के प्रसाद

3.	कमल कालई,	मैटलेब का उपयोग करके स्तरित और अ-रेखिय मिट्टी में पट्टीका आधार का परिमित तत्व विश्लेषण	दीपिका देवी
4.	तदाक लार्डक मुर्तेम	कृत्रिम रेसा तथा राख मिश्रित मिट्टी का शक्ति परीक्षण	अजंता कलिता
5.	बोकेन जेम्पेन	बांस फाइबर प्रबलित मिट्टी के शक्ति लक्षण	दीपिका देवी
6.	खोप मेकरिसुह	गैर-रेखिक विंकलर भूकंपी अधिभारीत उथली एवं 2-डी परिमित निव हेतु निव का तुलनात्मक अध्ययन	एस बेण्या
7.	तोबा कार्गा	इटानगर कैपिटल कॉम्प्लेक्स रीजन के लिए मृदा नौकायन	वाई तामुत
8.	रिसो जॉनी	भूगर्भीय प्रबलित दीवार के उपयोग से जुलॉग मार्ग के लिए ढलानों की स्थिरता।	वाई तामुत
9.	हेज अरुणा	सिकन्किव से दोइखुख को संचालित डिक्रांग नदी के पानी की गुणवत्ता और प्रदूषण स्थिति पर एक अध्ययन	वाई तामुत
10.	मिनम मिबांग	तेज ढलान में वर्षा प्रेरित भूस्खलन का अध्ययन	एस के सिंह
11.	मपुंग डोडम	इटानगर की मिट्टी के उपयोग द्वारा मिट्टी सुदृढीकरण युक्त जूट जियो-टेक्सटाइल की विशेषता	एस के सिंह
12.	डरे भाहघांग	इटानगर कैपिटल कॉम्प्लेक्स के आसपास पत्थर केशर द्वारा निलंबित लघुकण एवं गैसीय प्रदूषक पर अध्ययन	डॉ अजय भारती
13.	यापुक यूडीक ताबा	निर्माण चरण के दौरान पारे जल विद्युत परियोजना के पर्यावरण प्रभाव का आकलन	डॉ अजय भारती
14.	मोबया ताट	जल शोधन प्रक्रिया के लिए रजत लघुकण युक्त प्रणाली की विषाणु रोधी क्षमता का अध्ययन	डॉ अजय भारती एवं डॉ बिनद पोखरेल
15.	सोनिया पादन	संदर्भ में सौद्रय बागानों पर नाहर (मेसुआ फेरेआ) की पत्ती अपघटन प्रक्रिया के प्रभाव का मूल्यांकन	डॉ अजय भारती एवं डा. एसएस सिंह,

(डी) पीएच. डी. उपाधि

अ. क्र.	विद्यार्थी का नाम	वर्ष	अनुसंधान का विषय	पर्यवेक्षक का नाम
1.	श्री पी. शिवकुमार	2018	जल वितरण नेटवर्क का हाइड्रोलिक समाकलन एवं गुणवत्ता और अनिश्चितता का विश्लेषण निर्णयित	डॉ. आर. के. प्रसाद और डॉ एस चंद्रमौली
2	सुश्री नबुम रिच	2016	नगरपालिका ठोस अपशिष्ट के अपघटन में नाइट्रोजन और कार्बन परिवर्तन प्रक्रिया। (शोध ग्रन्थ प्रस्तुत)	डॉ अजय भारती तथा डॉ सुनील कुमार
3	सुश्री नीली दास	2016	सिविल अभियांत्रिकी अनुप्रयोगों के लिए ब्राउन अपशिष्ट सामग्रियों की उपयुक्तता पर एक अध्ययन (शोध ग्रन्थ प्रस्तुत)	प्रोफेसर एस के सिंह

4.3.11 विभाग द्वारा संगोष्ठी/ कार्यशालाओं का आयोजन

दीपिका देवी ने टीईक्यूआईपी -II एवं आईडीएसी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे के सहयोग से एक उद्योग-संस्थान सम्पर्क कार्यक्रम का आयोजन किया था। नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश , सितंबर 19 -20, 2016.

डिबेंडु पाल ने टीईक्यूआईपी -II एवं आईसीएलएटी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स, हैदराबाद के सहयोग से 25-26 सितंबर, 2016 के दौरान नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में उद्योग संस्थान के सम्पर्क कार्यक्रम का आयोजन किया था।

4.3.12 संकाय की संगोष्ठीयो वकार्यशालाओं में सहभागिता

- विभाग के संकाय सदस्यों आर. के. प्रसाद, डिबेंडु पाल, एस. मिश्रा, अजय भारती, एस. के. साह, दीपिका देवी, ए. कलिता, के.जे. सिंह, वाई. बी. देवी, एम. पमिंग एस. बैष्या तथा वाई. तामूत ने टीईक्यूआईपी -II के सहयोग से संयुक्त रूप से एन.आई.टी.टी.आर. भोपाल एवं यंत्रिक अभियंकी विभाग, नेरिस्ट, निर्जुली में 16-17 मार्च, 2017 को आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम परिणाम आधारित शिक्षा के लिए शैक्षणिक प्रशिक्षण मे भाग लिया था।
- **द्विवेन्दु पाल** ने 23-25 मार्च, 2017 को अभातशिप के सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर में आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर शहरी परिवहन व्यवस्था मे भाग लिया था।

संकाय के सदस्यों द्वारा प्राप्त नई डिग्री / व्यावसायिक सदस्यता

- देबेन्दू पाल को दिनांक 19 अप्रैल 2016 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा यातायात अभियांत्रिकी में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई थी।
- देबेन्दू पाल को विश्व सम्मेलन यातायात अनुसंधान की जुलाई 2016 से मई 2019 तक सदस्यता प्रदान की गई थी।

4.3.13 बाह्य निकायों द्वारा प्रदत्त परियोजनाएं

अ. क्र.	परियोजना का नाम	प्रधान अनुसंधानकर्ता का नाम	सह-अनुसंधानकर्ता का नाम	से शुरू करें	परियोजना की अवधि	उपयोग में मानव शक्ति की संख्या (पदनाम और वेतनमान के साथ)	परियोजना की राशि
1.	पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश (आठ जिलों अर्थात् तवांग, वेस्ट कामेंग, ईस्ट कामेंग, पापुम्पारे, कुरुंग कुमी, वेस्ट सियांग, अपर सुबानसिरी और लोअर सुबनसिरी में यूरेनियम और संबंधित जल गुणवत्ता मानकों का स्थानिक वितरण	डॉ अजय भारती	1. श्री के. जेम्स सिंह 2 श्री एन. घनश्याम सिंह	06 जनवरी 2017	2 वर्ष	जेआरएफ 01 रु. 25,000/- +10% एचआरए = 27,500/-	रु. 35,66,300 (रुपए पैतिस लाख छियासठ हजार, तीन सौ केवल)

आलेखों का प्रकाशन :

(ए) संदर्भित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख :

दास, नीलू एवं शशिकांत सिंह (2016) मिश्रित सीमेंट में उपयोग के लिए पॉज़ोलानिक सामग्री के रूप में जल जलकुंभी राख का मूल्यांकन। जरनल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, साईन्स एण्ड टेक्नोलॉजी, 7, संख्या-1. पृष्ठ 1-8

दास, नीलू एवं शशिकांत सिंह (2016) जल आच्छादित सुपारी राख का लाटेटिक मिट्टी के प्लास्टिक गुणों पर प्रभाव। "एडीबीयू जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी", 4 (1), 2016 पृष्ठ 14 9 -151

दास, नीलू एवं शशी कांत सिंह (2017) ब्राउन वेस्ट और सिंथेटिक फाइबर के साथ प्रबलित लेटेटिक मिट्टी की भू-तकनीकी विशिष्टतायें। इन्टरनेशनल जरनल ऑफ जिओटेक्निकल इंजीनियरिंग, 2017, <https://doi.org/10.1080/19386362.2017.1344002>

कोंगजाम मोनिका, एस के सिंह, एवं थ. किरानाबाला देवी (2017) अनुपचारित और उपचारित मिट्टी पर एक अध्ययन। "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी साइंस एंड रिसर्च", आईजेईटीएसआर, अंक 4, संख्या 3, मार्च 2017, पृष्ठ 225-234

ओरी, के., और भारती, ए. (2017), उंचई पर स्थित अपार्टमेंट से रसोई अपशिष्ट का निपटान, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) जर्नल: सीरीज़-सिविल, आर्किटेक्चरल, एनवायरमेंटल एंड एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग आईएसएसएन 2250-2149, भारत, डीओआई 10.1007/s40030-017-0213-3

रॉय, ए.यू., और भारती, ए. (2016), भारत में पर्यावरण कानून - एक सिंहावलोकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पोलूशन एण्ड नोईज कंट्रोल।

टैबा, वाई., वाई., रॉय, ए. यू., एवं भारती, ए. (2016), निर्माण चरण के दौरान जल विद्युत परियोजना का पर्यावरणीय प्रभाव आकलन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पोलूशन एण्ड नोईज कंट्रोल।

रॉय, ए.यू., भारती, ए., एवं प्रसाद, आर. के. (2016), भारत में सुरक्षित ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास के लिए जल विद्युत - एक परिप्रेक्ष्य। आईओएसआर जर्नल ऑफ मैकेनिकल एंड सिविल इंजीनियरिंग, ई-आईएसएसएन 2278-1684, पी-आईएसएसएन 2320-334X (प्रभाव फैक्टर 3.781, 2015-16 अफ्रीकी जर्नल गुणवत्ता केंद्र)

पोखरेल, बी., निलिंग, जे. जे., ईटे, टी., एवं भारती, ए. (2017), ईशोर्बिआ मिलि अर्क के उपयोग करते हुए स्थिर चांदी लघुकणों का हरित संश्लेषण और एसेरिचीया कोली हेतु इसकी रोगाणुरोधी गतिविधि का अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल स्टडीज, 2017; 5 (4): 1124-1128, पी-आईएसएसएन: 2349-8528, ई-आईएसएसएन: 2321-4902।

प्यूमिंग एम., मोनोवर एच., गैली बी. एवं मोबया एन., (2016), चावल छिलके एवं बेंटोनाइट का उपयोग करके मृदा सुधार पर एक अध्ययन। आईजेरसेट, संख्या 5, अंक 7, जुलाई 2016, 12938-12944, डीओआई: 10.15680 / आईजेरसीटी.2016.0507156 प्रभावी कारक 6.209.

पमिंग एम., मोनोवर एच., मिडो एन., एवं शिवान डी., (2016), लीचेट के रासायनिक गुणों ओर इसके मिट्टी पर भू-तकनीकी प्रभाव का अध्ययन। "आईजेईटीएसआर" संख्या 3, अंक 7, जुलाई 2016, आईएसएसएन 2394-3386 प्रभावी कारक 2.120

पंपिंग एम., जमीनी एम., एवं ग्रामिसा ए. (2016), घरेलू आपूर्ति के जल गुणवत्ता में सुधार के लिए स्व-संचालित किफायती जल फ़िल्टर का डिजाइन। "आईजेईटीएमएस" संख्या 4, अंक 6, जून 2016, आईएसएसएन 2349-4476 प्रभावी कारक 2.24

पाल, डी., एवं मल्लिकार्जुन, सी. (2016), यातायात संचरण के द्वाँरान वाहनों के मध्य अन्तराल को बनाए रखने के पार्श्विक अंतर के प्रभाव का विश्लेषण। " प्रोसीडिया इंजीनियरिंग, एल्सेवियर" , 142, 197-203

ओमो, वाई. एवं कलिता, ए। (2017), मृदु-राख मिश्रण की सीबीआर सूचकांक में ग्लास फाइबरस आच्छादन से सुधार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एकस्प्लोरिंग इमर्जिंग ट्रेंड्स इन इंजीनियरिंग, संख्या 04, अंक 01, जनवरी-फरवरी 2017, पृष्ठ 40 - 45

एस. मिश्रा, गणेश लंगथासा, कागो कानी, पारवे प्रधान एवं तारह सोनू (2016), कंक्रीट कास्ट इन-सिटू दिवार निर्माण इष्टतम सीमेंट सामग्री की आवश्यकता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्नोवेटिव रिसर्च इन साइंन्स। संख्या 5, अंक 5, मई 2016; पृष्ठ 9105 - 9109

(बी) सम्मेलन आलेख:

एस. के. सिंह एवं कौगाजाम मोनिका, (2016), अनुपयुक्त और उपचारित व अनुपचारित मृदा पर शैल फाउंडेशन की भार ग्रहण क्षमता, भारतीय भू-तकनीकी सम्मेलन, आईजीसी-2016, 15-17 दिसंबर, 2016, आई.आई.टी. मद्रास, चेन्नई।

दास, नीलू एवं शशिकांत सिंह (2017), पार्श्विक मिट्टी पर अपशिष्ट और सिंथेटिक फाइबर सुदृढीकरण का प्रभाव। अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन अभियंत्रिकी, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिची, आलेख संख्या 00397, 31 मार्च, 2017-अप्रैल 01, 2017,

प्रसाद, आर. के. एवं तार्केग, आर. (2017), इटानगर, अरुणाचल प्रदेश, भारत के राजधानी क्षेत्र के नगरपालिका ठोस अपशिष्ट की विशेषता - एक अध्ययन। 9वाँ अंतराष्ट्रीय सम्मेलन, जल संसाधन और पर्यावरण का अंतराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, एएससीई, 4-6 जनवरी 2017, वुहान, चीन।

अब्दुल, के. एवं प्रसाद, आर. के. (2017), एचईसी-एचएमएस के उपयोग से वर्षा आकलन प्रतिमान। अंतराष्ट्रीय सम्मेलन, आई.सी.एम.ई.डब्ल्यू.आर.एस., हार्कोर्ट बटलर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, भारत, मार्च 24-26, 2017.

शिवकुमार, पी. एवं प्रसाद, आर. के. (2017), लूपड डब्ल्यू.डी.एन.एस. में पी.आर.वी. के प्रयोग से दबाव न्यूनता वाले नेटवर्क का विस्तारित अवधि समाकलन। आई.सी.एम.ई.डब्ल्यू.आर.एस., हार्कोर्ट बटलर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर, भारत, मार्च 24-26, 2017.

पाल, डी., एवं मल्लिकार्जुन, सी. (2016), प्रायोगिक मोड अपघटन के उपयोग से वाहन ट्रेजीकोट्री सुधार। 12वीं सभा, विकासशील देशों के लिए परिवहन योजना और कार्यान्वयन विधि। (टीपीएमडीसी), आई.आई.टी., बॉम्बे, मुंबई, भारत, दिसंबर 19-21, 2016.

पाल, डी., एवं मल्लिकार्जुन, सी. (2016), मैक्रोस्कोपिक यातायात सम्पर्क पर वाहनों के मध्य पार्श्विक अंतर बनाए रखने का प्रभाव। 14वाँ विश्व सम्मेलन, परिवहन अनुसंधान (डब्ल्यूसीटीआर). शंघाई, चीन, 11-16 जुलाई, 2016

सिंह, के.जे., (2017), भारत के तिपाईमुख बांध का जल मग्न क्षेत्र। राष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार, एम.आई.टी. मणिपुर।

(सी) पुस्तकें:

मुडो पमिंग एवं आर. के. प्रसाद ने एक अध्याय अरुणाचल प्रदेश में रंगनाडी जल विद्युत परियोजना के पर्यावरण प्रवाह के हेतु इष्टतम जलाशय संचालन का योगदान दिया, पुस्तक - अरबन हाईड्रोलोजी, वाटरशेड मैनेजमेंट एण्ड सोसियो इकोनोमिक एस्पेक्ट। स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित, डीओआई-10.1007/978-3-319-40195-9_17.

4.3.15 बाह्य निकायों से विभाग का सम्पर्क

एस. के. सिंह ने अभातशिप, नई दिल्ली के अखिल भारतीय अभियंत्रिकी एवं तकनीकी स्नातक (एआईबी-यूजीईटी) बोर्ड के सदस्य हैं।

एस. के. सिंह ने अध्ययन बोर्ड, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजवाल के सदस्य का कार्यनिष्पादन किया था। आप अरुणाचल प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद, इटानगर के भी सदस्य हैं।

आर. के. प्रसाद जल ने 9वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जल संसाधन एवं पर्यावरण का अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में एक सत्र जल आपूर्ति और उपचार की अध्यक्षता की थी। ए.एस.सी.ई., 4-6 जनवरी 2017, वुहान, चीन।

डी. देवी केन्द्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति की 2 वर्षों के लिए के सदस्या हैं। आप के.जी. स्कूल प्रबंधन समिति की भी 4 वर्षों के लिए सदस्या हैं।

अजय भारती जन स्वास्थ्य अभियंत्रिकी एवं जल आपूर्ति विभाग, अरुणाचल प्रदेश शासन की राज्य तकनीकी एजेंसी के नोडल अधिकारी हैं।

अजय भारती एस.ई.आई.ए.ए. (राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण), अरुणाचल प्रदेश के सदस्य हैं।

दीपिका देवी ने टीईक्यूआईपी -II एवं आईडीएसी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे के सहयोग से एक उद्योग-संस्थान सम्पर्क कार्यक्रम का आयोजन किया था। नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश, सितंबर 19-20, 2016.

डिबेंडु पाल ने टीईक्यूआईपी -II एवं आईसीएलएटी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स, हैदराबाद के सहयोग से 25-26 सितंबर, 2016 के दौरान नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में उद्योग संस्थान के सम्पर्क कार्यक्रम का आयोजन किया था।

दिब्येंदु पाल सिविल इंजीनियरिंग की उपाधि के छात्रों के साथ दिसंबर, 2016 के में विभिन्न उद्योगों का दौरा किया था।

अजंता कलिता, तीन सितारा होटल की संरचनात्मक व्यवस्था / मृदा प्रारूप की जांच के लिए गठित पापुम पेरे जिला प्रशासन, अरुणाचल प्रदेश द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की सदस्या रही हैं।

एस. मिश्रा ने एनआईआरएफ -017 के लिए नोडल अधिकारी, नेरिस्ट के रूप में कार्य किया।

एस. के. साहू और एस. मिश्रा परिसर योजना एवं अवलोकन समिति के सदस्य हैं।

4.3.16 विभाग द्वारा परामर्शी सेवाओं का निष्पादन

विभाग द्वारा निष्पादित परामर्शी सेवाओं के विवरण इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	परामर्श का नाम, कार्य / निकाय	राशि (₹.)	कार्य का विवरण	संकाय और तकनीकी कर्मचारी शामिल
1	कोन्सी इन्टरप्राइज के लिए ठोस क्यूब्स का परीक्षण, निर्जुली 17 मई, 2016	2061.00	घन परीक्षण	एम. पुमिंग ए.एस.आर. प्रसाद

2	पीजीसीआईएल, रोडिंग के लिए कंक्रीट क्यूब्स, का परीक्षण, 3 जून, 2016	6210.00	घन परीक्षण	एम. पुमिंग ए.एस.आर. प्रसाद
3	पीजीसीआईएल, रोडिंग के लिए ईट का परीक्षण, जून, 2016	4140.00	ईट परीक्षण	एम. पुमिंग ए.एस.आर. प्रसाद
4	सहायक अभियन्ता, केंद्रीय उपखंड, सी.पी.डब्ल्यू.डी., इटानगर	60201.00	एम 20 ग्रेड का कंक्रीट मिक्स डिजाइन (दो मिक्स) और एम 25 ग्रेड	एस. मिश्रा ए.एस.आर. प्रसाद
5	सहायक अभियन्ता, केंद्रीय उपखंड सी.पी.डब्ल्यू.डी, किमीन			
6.	एस.पी. कन्सट्रक्शन	20038.00	एम 25 ग्रेड कंक्रीट	एस. मिश्रा ए.एस.आर. प्रसाद

4.3.17 छात्रों की उपलब्धियाँ

जून 2016 में निम्नलिखित छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था -

क्र. सं.	छात्रों का नाम	अनुक्रमांक	प्रतिष्ठान	दिन संख्या	कमी (यदि कोई हो)	क्या सेमिनार सफलतापूर्वक पूरा हुआ
1	बिर्सुरंग डाइमरी	डी/15/सीई/01	आईओसीएल, डिगबोई	25	नही	हाँ
2	मेहबूब अहमद लस्कर	डी/15/सीई/02	आईओसीएल, डिगबोई	25	नही	हाँ
3	अग्नि भट्टाचार्य	डी/15/सीई/03	आईओसीएल, डिगबोई	25	नही	हाँ
4	सम्पा सिंह चौधरी	डी/15/सीई/04	नीपको, दोड़खुख	26	नही	हाँ
5	विशवासु पॉल	डी/15/सीई/05	जल संसाधन विभाग, इटानगर	22	नही	हाँ
6	अंकिता चक्रवर्ती	डी/15/सीई/06	ए.ए.आई, कोलकाता	22	नही	हाँ
7	सरबनी राँय	डी/15/सीई/07	पीडब्ल्यूडी, कैलाशहर	22	नही	हाँ
8	तुसुटसोउ काप्फो	डी/15/सीई/09	एमईसीएल, मेघालय	20	नही	हाँ
9	तापी रिमु	डी/15/सीई/10	एमईसीएल, मेघालय	20	नही	हाँ
1	जयंता कालाई	डी/15/सीई/11	एमईसीएल, मेघालय	20	नही	हाँ
11	अर्पन अंशु	डी/15/सीई/12	पीडब्ल्यूडी, कैलाशहर	22	नही	हाँ
12	बाशानोर खरगाना	डी/15/सीई/13	एमईसीएल, मेघालय	20	नही	हाँ
13	संजय तमांग	डी/15/सीई/14	मध्य भारत कं, सिक्किम	26	नही	हाँ
14	बिशल बासनेट	डी/15/सीई/15	मध्य भारत कं, सिक्किम	26	नही	हाँ

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

15	मूडो नायडू	डी/15/सीई/16	एएआई, कोलकाता	22	नही	हाँ
16	अभिषेक कुमार	डी/15/सीई/17	एएआई, कोलकाता	22	नही	हाँ
17	कुमार रजनीश	डी/15/सीई/18	जल संसाधन विभाग, इटानगर	22	नही	हाँ
18	बिजोदा दास	डी/15/सीई/19	एएआई, कोलकाता	22	नही	हाँ
19	बिशल देबनाथ	डी/15/सीई/20	आईओसीएल, डिगबोई	25	नही	हाँ
20	जे एच पौमीनियामा	डी/15/सीई/21	मध्य भारत कं, सिक्किम	26	नही	हाँ
21	शिव दक्कू	डी/15/सीई/22	नीपको, दोड़खुख	26	नही	हाँ
22	अदानी नेली	डी/15/सीई/23	आईओसीएल, डिगबोई	25	नही	हाँ
23	नगंगबाम आकाश सिंह	डी/15/सीई/24	पीडब्ल्यूडी, मणिपुर	22	नही	हाँ
24	नोंगथंबैम रॉबर्ट मीटिंगी	डी/15/सीई/25	पीडब्ल्यूडी, मणिपुर	22	नही	हाँ
25	शुभश कुमार	डी/15/सीई/26	नीपको, दोड़खुख	26	नही	हाँ
26	बापू टैगींग	डी/15/सीई/27	एएआई, कोलकाता	22	नही	हाँ
27	अकुमटोंग लॉन्गकूमर	डी/15/सीई/28	पीडब्ल्यूडी, मणिपुर	22	नही	हाँ
28	निनथोउजम जिमसन सिंह	डी/15/सीई/29	पीडब्ल्यूडी, मणिपुर	22	नही	हाँ
29	जोतीस थोड़ंगजम	डी/15/सीई/30	पीडब्ल्यूडी, मणिपुर	22	नही	हाँ
30	गिशन सेब	डी/15/सीई/31	पीडब्ल्यूडी, मणिपुर	22	नही	हाँ
31	कुरु मुन्या	डी/15/सीई/32	नीपको, दोड़खुख	26	नही	हाँ
32	दीपक पांडे	डी/15/सीई/33	मध्य भारत कं, सिक्किम	26	नही	हाँ
33	कागो ताडा	डी/15/सीई/35	एमईसीएल, मेघालय	20	नही	हाँ
34	अबीर महंत	डी/15/सीई/37	नीपको, दोड़खुख	26	नही	हाँ
35	इनाम त्रिपुरा	डी/14/सीई/101	एमईसीएल, मेघालय	20	नही	हाँ
36	अलक सिंह	डी/14/सीई/102	त्रिपुरा आवास और निर्माण बोर्ड, अगरतला	24	नही	हाँ
37	प्रीतिम साहा	डी/14/सीई/103	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड, पलटन, त्रिपुरा	26	नही	हाँ
38	रशीदुल इस्लाम	डी/14/सीई/104	होम प्लानर्स एंड पार्टनर्स, सिलचर	26	नही	हाँ
39	प्रियकी कलिता	डी/14/सीई/105	नीपको, दोड़खुख	26	नही	हाँ

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

40	डोरजी पिंटो भूटिया	डी/14/सीई/106	मध्य भारत कं, सिक्किम	26	नही	हाँ
41	लालचाओपुरई	डी/14/सीई/107	एनसीएस, मिजोरम	26	नही	हाँ
42	सिल्होतो कीहो	डी/14/सीई/108	एमईसीएल, मेघालय	20	नही	हाँ
43	सप्तर्षि दास	डी/14/सीई/109	पीडब्ल्यूडी त्रिपुरा	22	नही	हाँ
44	देबानजली चक्रवर्ती	डी/14/सीई/110	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड, पलटन, त्रिपुरा	26	नही	हाँ
45	किटकूपर खड़ीम	डी/14/सीई/111	एमईसीएल, मेघालय	20	नही	हाँ
46	ताली हली	डी/14/सीई/112	नीपको, दोइखुख	26	नही	हाँ
47	तेली पासो	डी/14/सीई/113	नीपको, दोइखुख	26	नही	हाँ
48	टेची पारू	डी/14/सीई/114	नीपको, दोइखुख	26	नही	हाँ
49	श्री हरिवंश नारायण	डी/14/सीई/151	नीपको, दोइखुख	26	नही	हाँ

परिसर नियोजन - अप्रैल 1, 2016 से मार्च 31, 2017 तक

क्र.सं.	नाम	अनुक्रमांक	संगठन
1	अंकिता चक्रवर्ती	डी/15/सीई/06	टेक महिंद्रा
2	बिजोदा दास	डी/15/सीई/19	कॉर्टेक्स कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशंस
3	सम्पा सिंह चौधरी	डी/15/सीई/04	जेएम प्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड, मुंबई
4	आलोक सिंह	डी/14/सीई/102	जेएम प्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड, मुंबई
5	अभिक कुमार	डी/15/सीई/17	श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कं
6	आलोक सिंह	डी/14/सीई/102	Powrgrid कॉर्प की (आई) लिमिटेड
7	बिजोदा दास	डी/15/सीई/19	Powrgrid कॉर्प की (आई) लिमिटेड

गेट - 2017 के सफल छात्रों का विवरण

क्र.सं.	नाम	अनुक्रमांक:	प्राप्तांक (100)
1.	अलक सिंह	डे / 14 / सीई / 102	53.84
2	अर्पन एन्सु	डे / 15 / सीई / 012	44.00
3.	बिसुरंग डाइमरी	डे / 15 / सीई / 001	37.93
4.	कुमार रजनीश	डे / 15 / सीई / 018	37.23
5.	बिजोदा दास	डे / 15 / सीई / 019	37.20
6.	कुरु मुन्या	डे / 15 / सीई / 032	36.10
7.	सपा. एस. चौधरी	डे / 15 / सीई / 004	33.24
8	साराबनी रॉय	डे / 15 / सीई / 007	31.06
9	विश्वज्योति पॉल	डे / 15 / सीई / 005	31.00

10.	डोरजी पिंटो भूटिया	डे / 14 / सीई / 106	27.54
11.	मीडो नायडू	डे / 15 / सीई / 016	25.50
12	अदानी नेली	डे / 15 / सीई / 023	23.40
13.	जियान सेब	डे / 15 / सीई / 031	20.20

4.3.18 कोई अन्य सूचना

ए.आई.एम.आई.एल. इंडिया लिमिटेड ने विभाग से वृहद परियोजना परामर्शी सेवाओं हेतु संपर्क किया है। तदनुसार प्रक्रिया के तहत कानूनी पहलुओं को पूरा करने के बाद, संस्थान का सिविल अभियांत्रिकी विभाग ए.आई.एम.आई.एल. इंडिया लिमिटेड के साथ प्रमुख परामर्श कार्य करने में सक्षम होगा।

सुश्री निरंगी लिंगी को अप्रैल 11-12, 2017 को सी.एस.आई.आर., निरी, नागपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विकासशील देशों में समेकित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं में प्रस्तुत पोस्टर को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया था।

4.4 कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

4.4.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग का उद्गम संस्थान के अस्तित्व में आने के साथ ही वर्ष 1986 में हुआ था। यह विभाग अपने छात्रों को पाठ्यक्रमों एवं परियोजनाओं के माध्यम से कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह विभाग मॉड्यूलर पद्धति से कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में डिप्लोमा व बी. टेक. कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम.टेक कार्यक्रम 2008 में आरम्भ किया गया था, 2011 में सूचना प्रौद्योगिकी में एम.टेक. कार्यक्रम (इलेक्ट्रॉनिकी व संचार विभाग से स्थानांतरित) और 2017 में पीएचडी कार्यक्रम आरम्भ किया गया था।

यह विभाग कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के पाठ्यक्रमों कम्प्यूटर संगठन, अनुपयोग सॉफ्टवेयर, प्रचालन प्रणाली, गणित, अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी, माइक्रोप्रोसेसर, डाटाबेस प्रबन्धन प्रणाली, कंपाइलर डिजाइन, आंकडा संचार, कम्प्यूटर नेटवर्क, एल्गोरिदम का डिजाइन एवं विश्लेषण आदि पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। इन नियमित पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कुछ विशिष्ट विषयों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वीएलएसआई डिजाइन, इमेज प्रोसेसिंग, ऋटि वहनिय कम्प्युटरीकरण, सूचना सिद्धान्त, आदि की भी शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान की जा रही है।

विभाग के संकाय सदस्य औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उत्तर पूर्वी परिषद, इलेक्ट्रॉनिकी विभाग जैसे एजेंसियों द्वारा प्रायोजित विभिन्न अन्तर - विषयी अनुसंधान परियोजनाओं में कार्य कर रहे हैं।

विभाग में अत्याधुनिक मशीनों के साथ लेन के माध्यम से आपस में जुड़ी हुई प्रणाली है, जिनमें सिस्टम प्रयोगशाला, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, शूक्ष्म अन्वेषी प्रयोगशाला, हार्डवेयर प्रयोगशाला, नेटवर्क आदि शामिल हैं। विभाग में लिज्ड लाइन इन्टरनेट कनेक्टिविटी है।

हमारे यहाँ से उत्तीर्ण स्नातक इसफोसिस, एस-डॉट, सीमेन्स, टाटा टेलिकॉम, ब्रिटिश महिंद्रा टेलिकॉम, डीआरडीओ, एनआईसीएनईटी, इसरो, ऑयल, सीएसआईआर, टेलिकॉम, सीएमसी, पीसीएल, एचसीएल, आईओसी, सेल, टेल्को, टिस्को, एस्कोर्ट्स जैसे संस्थानों में नियोजन पा रहे हैं।

4.4.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

यह विभाग डिप्लोमा, डिग्री तथा एम टेककार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। विभाग के छात्र नियमित अध्ययन के अलावा द्वितीय वर्ष में परियोजनाओं पर भी कार्य करते हैं। डिग्री कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्र 50 दिनों का औद्योगिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करते हैं। औद्योगिक प्रशिक्षण के पश्चात छात्रों को संगोष्ठी में प्रशिक्षण सम्बन्धी विवरण भी प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है।

4.4.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

कम्प्यूटर प्रयोगशाला - I

इस प्रयोगशाला में कम्प्यूटर आधारित आधार मॉड्यूल और डिप्लोमा मॉड्यूल के कार्यक्रमों के लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इसमें छात्रों को विभिन्न प्रकार के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे विजुएल बेसिक, डी बेस, लोटस, विजुएल सी++ आदि का ज्ञान दिया जाता है। नेरिस्ट के सभी विभागों के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की आधारभूत जानकारी से संबन्धित प्रशिक्षण भी इस प्रयोगशाला में दी जाती है। यह प्रयोगशाला 1-3 कम्प्यूटरों, लेजरजेट प्रिन्टर, डेस्कजेट प्रिन्टर, डॉट लाईन प्रिन्टर से सुसज्जित है।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला- II

इस प्रयोगशाला में कम्प्यूटर आधारित आधार मॉड्यूल और डिप्लोमा मॉड्यूल के कार्यक्रमों के लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इसमें छात्रों को विभिन्न प्रकार के कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे विजुएल बेसिक, डी बेस, लोटस, विजुएल सी++ आदि का ज्ञान दिया जाता है। नेरिस्ट के सभी विभागों के विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की आधारभूत जानकारी से संबन्धित प्रशिक्षण भी इस प्रयोगशाला में दी जाती है। यह प्रयोगशाला 1-5 कम्प्यूटरों से सुसज्जित है।

प्रणाली प्रयोगशाला - I

प्रणाली प्रयोगशाला - I में सर्वरों तथा लिनक्स, युनिक्स एवं विण्डोज वातावरण में कार्य करने की क्षमता सम्पन्न कम्प्यूटरों की स्थापना की गई है। इस प्रयोगशाला में डिप्लोमा एवं डिग्री छात्रों के लिए प्रायोगिक कक्षाओं का आयोजन किया जाता है। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयरों जैसे सी, सी++, फोर्टन आदि तथा आरडीबीएमएस सॉ फ्टवेयर जैसे ओरेकल व एसक्यूएल सर्वर, विजुएल स्टूडियो .नेट, मैटलैब आर-2016 आदि की सुविधा इस प्रयोगशाला में उपलब्ध है। इस प्रयोगशाला में एच सी एल इन्फिनिटि ग्लोबल लाइन सर्वर को आई-5 तथा आई-मेंक कम्प्यूटरो से जोड़ा गया है। इस प्रयोगशाला में लेजर प्रिन्टर, लाइन प्रिन्टर, डॉट मेट्रिक्स प्रिन्टर, स्केनर आदि की सुविधा भी

उपलब्ध है। इन सभी कम्प्यूटरों को नेरिस्ट स्थानीय नेटवर्क द्वारा जोड़ा गया है, तथा सभी में इन्टरनेट की सुविधा है। विद्यार्थियों को यहाँ नेटवर्क संबंधी परियोजनाओं को करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रणाली प्रयोगशाला - II

प्रणाली प्रयोगशाला - II में एच सी एल सर्वर की स्थापना की गई है, जो कि रेड हट लिनेक्स 4.0 स्वचालन प्रणाली के माध्यम से कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त खासकर यूनिक्स/लिनक्स वातावरण में काम करने के लिए एक एक सन् एल्ट्रा स्पार्क - 10 एस तथा कई एचपी थिन क्लाइंट्स उपलब्ध हैं। इस प्रयोगशाला में आई-7 तथा मैक कम्प्यूटरों की स्थापना की गई है। यहाँ डिग्री एवं एम. टेक कार्यक्रम के विद्यार्थियों की प्रायोगिक कक्षाएँ ली जाती हैं।

माइक्रोप्रोसेसर तथा डिजिटल प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला की स्थापना विभिन्न प्रकार के माइक्रोप्रोसेसर तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर के अध्ययन के लिए की गई है। इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के माइक्रोप्रोसेसर, अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी उपकरणों की स्थापना की गई है, जो कि कम्प्यूटर यंत्र कार्य प्रणाली उपकरणों के अध्ययन के लिए आवश्यक है। इस प्रयोगशाला में विभाग के डिप्लोमा तथा डिग्री कार्यक्रमों के विद्यार्थी प्रायोगिक कार्य करते हैं। इस प्रयोगशाला में आवर्ती गणना यंत्र, मल्टी मीटर, शक्ति उपकरणों, डिजिटल परिपथ परीक्षण उपकरणों, बहु आवर्ती यंत्रों, ध्वनि उत्सर्जन यंत्रों, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट स्टार-85, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट -68 के, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट -6802, माइक्रोप्रोसेसर ट्रेनर किट- डीवाईएनए86, माइक्रोप्रोसेसर कंट्रोलर डीवाईएनए51, कम्प्यूटरों के लिए एसटीडी आधारित कार्ड, सर्वो नियंत्रित वोल्टेज स्टेबिलाइजर, आइसोलेशन ट्रांसफार्मर, ब्रेड बोर्ड, 85 किट के लिए बुश मॉनिटर रंगीन टेलीविज़न आदि की स्थापना छात्रों के अध्ययन के लिए की गई है।

हार्डवेयर प्रयोगशाला

कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी विभाग के हार्डवेयर प्रयोगशाला की स्थापना कम्प्यूटर उपकरणों, कम्प्यूटरों को जोड़ने, त्रुटि निवारण आदि तथा संबन्धित अन्य विषयों के अध्ययन के लिए की गई है। इन कक्षाओं के सुचारु संचालन के लिए इस प्रयोगशाला में पेन्टीयम कम्प्यूटर (100 मेगाहर्ज, 16 एम बी रेम, 2.1 जीबी हार्डडिस्क), पीसी ओआरजी सिस्टम एक्सटी पीसी जैसे विभिन्न 386 मशीन, पीसी ओरबिट एक्सटी, पीसीएल पीसी एटी 386, विप्रो जीनियस 386, ईएसपीएल सुपरहिट एक्सटी, ईएसपीएल सुपरहिट एटी, पीसीएल हॉल मार्क-II, तथा जेब्स कलर मॉनिटर, डीओएसएल/50, मोनो मॉनिटर, एचसीएल जीआर-86 वीडियू, वेबेल मॉनिटर जैसे विभिन्न प्रकार के मोनीटर, एक रंगीन टेलीविज़न, टीवीएसई, एल एंड टी और इंकजेट प्रिन्टर, 1 केवी यूपीएस तथा आईएसए पोस्टकार्ड जैसे टूलकित (हार्डवेयर परिचायक कार्ड) एड्वान्स्ड हार्डवेयर डिबगर कार्ड पीसी प्रशिक्षक सह प्रदर्शनकारी आदि उपलब्ध हैं।

नेटवर्क प्रयोगशाला

विभाग ने नेटवर्क प्रयोगशाला स्थापित की गई है जिसमें एलएएनटी-एनआईयू, एलएएनटी सॉफ्टवेयर सहित लैन टी, लैन टी पीएस जैसे उपकरणों से सुसज्जित है। यहाँ इसेक्यूरिट - एक

नेटवर्क तथा डाटा सुरक्षा प्रशिक्षण प्रणाली भी स्थापित है। इस प्रयोगशाला में आई-5 तथा आई मैक कम्प्यूटरों की स्थापना की गई है। यहाँ डिग्री एवं एम. टेक कार्यक्रम के विद्यार्थियों की परियोजनायें/प्रायोगिक कक्षाएँ ली जाती हैं।

4.4.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

एम. टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) परियोजनायें

परियोजना का शीर्षक	परामर्श दाता
1) संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में दूरी-आधारित आउटलियरप्रविधि का उपयोग करते हुए एसएसडीएफ आघात की रोकथाम	डा. एन. मारचांग
2) जीन अभिव्यक्ति की खोज- एक बायिसियन परिप्रेक्ष्य (भाग I)	श्री ए. के. पात्रा
3) जीनप्रविधि का उपयोग करके लेखन खनन	श्री एम. मारजीत सिंह
4) सेंसर परिनियोजन ज्ञान का उपयोग करते हुए डब्ल्यूएसएन के लिए कुंजी प्रस्तुति योजना	श्री मंन्जुल सैकिया

एम.टेक. (सूचना प्रौद्योगिकी) परियोजनायें

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	परामर्श दाता
1	संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में विचलन-आधारित आउटएयर डिटेक्शन का उपयोग करते हुए एस.एस.डी.एफ आघात का मुकाबला करना	डा. एन. माचांग
2	संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क के लिए प्राथमिक चैनल उपयोग का अध्ययन	श्री अमर टैगु
3	संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में स्पेक्ट्रम संवेदी सुधार (भाग I)	श्री ए. के. पात्रा
4	तार रहित संवेदी नेटवर्कों के कार्यकाल संवर्धन तकनीकों का तुलनात्मक अध्ययन	श्री एम। मारजीत सिंह
5	तार रहित संवेदी नेटवर्कोंके लिए सुरक्षित रूटिंग प्रविधि	श्री मोनजुल सैकिया

बी.टेक. परियोजनायें

क्र.सं.	परियोजना का शीर्षक	परामर्श दाता
1	सीआरएन में हाइब्रिड दूरी-आधारित बाह्य प्रविधि का उपयोग करते हुए में आघात प्रतिरोधी सहयोगात्मक स्पेक्ट्रम संवेदन	डा. एन. माचांग
2	संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में रूकावटका गेम सिधान्त आधारित निराकरण	श्री अमर टैगु

3	बेहतर चिकित्सा निदान के लिए एक निर्णय संवरधन प्रणाली।	श्री ए. के. पात्रा
4	डब्लू एस एन के लिए पहचान-आधारित कूटलेखन का कार्यान्वयन"	श्री मंजुल सैकिया

4.4.5 लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों/ कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की सहभागिता

श्री ए. के. पात्रा

1. अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वचालित नियंत्रण प्रणाली अभियांत्रिकी एवं डिजाईन। आई.आई.आई.एस.टी., त्रिवेंद्रम, 27 से 30 दिसंबर, 2016
2. अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यशाला कम्प्यूटरीकृत सूचना प्रसशरण, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकता द्वारा एस.एम.आई.टी., सिक्कीम में आयोजित। 23 से 25 मार्च, 2017.
8. अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम"कॉर्पोरेट वर्ल्ड के लिए हो रही है तैयारी", विद्युत अभियांत्रिकी विभाग एवं प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र, नेरिस्ट का संयुक्त आयोजन। फरवरी, 18-19, 2017.

श्री मंजुल सैकिया, सहायक प्रोफेसर

1. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीए-2016), कम्प्यूटरीकरण, संचार एवं स्वचालन, ग्रेटर नोयडाँ, भारत, 14-18 दिसम्बर, 2016
2. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीए-2017), कम्प्यूटरीकरण, संचार एवं स्वचालन, गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोयडाँ, भारत, 5-6 मई, 2017

श्री अमर टागु, सहायक प्रोफेसर

1. अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम,संज्ञानात्मक रेडियो एवं तार रहित संचार, सिधान्त प्रयोग एवं सुरक्षा,आईआईटी, कानपुर,1-10 सितम्बर,2016.

श्री अजीत कुमार सिंह यादव, सहायक प्रोफेसर

1. लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम"शोध कार्यप्रणाली",दिल्ली प्रबंधन महाविद्यालय,डीटीयू, नई दिल्ली। 14-18 दिसम्बर, 2016
2. लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम"कूटलेखनएवं बीजीय कोड सिद्धांत",इन्द्रप्रस्थअभियांत्रिकी महाविद्यालय, गाजियाबाद। 14-18 मार्च, 2017.
3. लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम"एनपीटीईएल स्थानीय अध्याय की भूमिका" नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश। 29 अप्रैल, 2017.

श्री प्रदीप कामबोज, सहायक प्रोफेसर

1. लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम"शोध कार्यप्रणाली",दिल्ली प्रबंधन महाविद्यालय,डीटीयू, नई दिल्ली। 14-18 दिसम्बर, 2016
2. लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम"परिणाम आधारित शिक्षा के लिए शिक्षण प्रशिक्षण"निट्टर, भोपाल, द्वारा नेरिस्ट, निर्जुली में आयोजित। 16-17 मार्च, 2017.
3. लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम"एनपीटीईएल स्थानीय अध्याय की भूमिका" नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश। 29 अप्रैल, 2017.

4.4.6 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधियाँ/ व्यावसायिक सदस्यता: -नहीं-

4.4.7 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित सम्मान/ पुरस्कार आदि -नहीं-

4.4.8 विभागों को बाह्य निकायों द्वारा प्रदत्त परियोजनाएं:

संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क पर मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवा संवर्धन", एक नवीन सहभागी संस्खान (पिन) (आईटीआरए/15 (63) / मोबाइल / एमबीएसएससीआरएन/ ओ2/2015.

प्रधान अनुसंधान कर्ता -डॉ. निन्नग्रिलामार्चांग, सह-अनुसंधान कर्ता:श्री अमर टागु

अनुदान निकाय: - आईटीआरए (मीडियालेब एशिया),सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार भारत

दिनांक: 23 जुलाई, 2015 से निरन्तर

धनराशि-रु. 35.94 लाख

4.4.9 आलेखों का प्रकाशन:

संदर्भ जर्नलो में प्रकाशित आलेख

डॉ. निन्नग्रिलामार्चांग

निन्नग्रिलामार्चांग, राजा दत्ता एवं सजल के दास,(2017), "मोबाइल तदर्थ नेटवर्क में अनुदेशन प्रणाली के लिए एक आदर्श दृष्टिकोण", आई.ई.ई.ई.संवहन परिचालन तकनीकी, अंक: 66, अंक: 2, पृष्ठ: 1684 - 1695, डीओआई: [10.110 9 / टीवीटी.2016.2557808](https://doi.org/10.1109/9/10.110.9/टीवीटी.2016.2557808)

केनॉन्ग रीना, शिकमोनी नाथ, निन्नग्रिलामार्चांगएवं अमर टागु,(2016)क्या क्लस्टरिंग का उपयोग संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में स्पेक्ट्रम संवेदन के दौरान अनुदेशन का पता लगाने के लिए किया जा सकता है?", (मुद्रण में) जून, 2016, आई.ई.ई.ई. सिस्टम जर्नल, लिए स्वीकार। डीओआई: [10.110 9 / जेएसआईएसटी.2016.258408](https://doi.org/10.1109/9/जेएसआईएसटी.2016.258408)

रोशनी राजकुमार एवंनिन्नग्रिलामार्चांग, मॉडलिंग और माइग्रेटिंग स्पेक्ट्रम सेंसिंग संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में गैर-सहयोग आक्रमण, मई, 2016 में स्वीकृत, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडहोक एण्ड ओबीक्युस कम्प्युटींग(इंडरसाईन्स)

भट्टाचार्य एस. और मार्चग एन., "संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में अ-सहयोगी स्पेक्ट्रम संवेदन के निदान हेतु प्रतिमान। (मुद्रण में), अप्रैल, 2017, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडहोक एण्ड ओबीक्युस कम्प्युटींग(इंडरसाईन्स)

श्री अमर टागु

केनॉन्ग रीना, शिकमोनी नाथ, निन्नग्रिलामार्चांगएवं अमर टागु,(2016)क्या क्लस्टरिंग का उपयोग संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में स्पेक्ट्रम संवेदन के दौरान अनुदेशन का पता लगाने के लिए किया जा सकता है?", (मुद्रण में) जून, 2016, आई.ई.ई.ई. सिस्टम जर्नल, लिए स्वीकार। डीओआई: [10.110 9 / जेएसआईएसटी.2016.258408](https://doi.org/10.1109/9/जेएसआईएसटी.2016.258408)

सम्मेलनों की प्रक्रिया में प्रकाशित आलेख

डॉ. निन्नथिनला मार्चांग

दिकीता सलाम, ए. तागु एवं निंगरीला मार्चांग, "एक प्रभावी ईमिटर-स्रोत का स्थानिकरण आधारित संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में पीयूईए खोजी तंत्र", आईसीएसीसीआई, 21-24 सितंबर, 2016, जयपुर, भारत।

श्री ए. के. पात्रा

एस. चौधरी, ए. के. पात्रा, ए. के., परिदा, एस. चटर्जी (2016) ऑनलाईन उपभोक्ता सामग्री की खरीद आवर्ती अनुमान हेतु अन्तराल प्रकार-II फ्युजी समुह निर्णय। 6^{वाँ} अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन समस्या निदान हेतु सॉफ्ट कम्प्युटरीकरण। (सोशप्रोक-2016), थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला, 23-24 दिसम्बर, 2016.

एस. चौधरी, ए. के. पात्रा, ए. के.परिदा, एस. चटर्जी (2016) "फजी समय श्रृंखला के माध्यम से ऊर्जा मांग की भविष्यवाणी का उपयोग करते हुए भारतीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए अक्षय ऊर्जा क्षमता का आकलन। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन विद्युत अभियांत्रिकी एवं अक्षय उर्जा के वर्तमान आयाम। 17-18 दिसम्बर, 2016, सिक्किम।

श्री मन्जुल सैकिया

एम. सैकिया एवं एम. ए. हुसैन (2016) संयोजक के क्लस्ट्रिंग का उपयोग करके संवेदी नेटवर्क में पूर्व कुंजी वितरण की कार्यक्षमता का संवर्धन। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्युटरीकरण, संचार एवं स्वचालन। ग्रेटर नोएडा, भारत, 2016, पृष्ठ 682-686 डीओआई: 10.1109/सीसीएए.2016.7813809

मन्जुल सैकिया, उदीप्ता कश्यप दास एवं मोहम्मद अनवर हुसैन (2017) तार रहित संवेदी नेटवर्क अबाधित उर्जा बहु-परिपथ संचालन। 4 वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संकेत प्रशसकरण एवं समाहित नेटवर्क। 2-3 फरवरी, 2017, अमेटी विश्वविद्यालय, नोएडा, भारत।

मन्जुल सैकिया, सुप्रिया भुयॉन एवं मोहम्मद अनवर हुसैन (2017) निकटतम जोड़ी कुंजी वितरण योजना में सुधार। 4 वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संकेत प्रशसकरण एवं समाहित नेटवर्क। 2-3 फरवरी, 2017, अमेटी विश्वविद्यालय, नोएडा, भारत।

मन्जुल सैकिया एवं मोहम्मद अनवर हुसैन (2017) तार-रहित संवेदक नेटवर्क में कुंजी प्रजनन योजना के लिए समूह आधारित दृष्टिकोण। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कम्प्युटरीकरण, संचार एवं स्वचालन। गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, भारत, 2017, 5-6 मई 2017, पृष्ठ 502-506

श्री अमर तागु

दिकीता सलाम, ए. तागु एवं निंगरीला मार्चांग, "एक प्रभावी ईमिटर-स्रोत का स्थानिकरण आधारित संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में पीयूईए खोजी तंत्र", आईसीएसीसीआई, 21-24 सितंबर, 2016, जयपुर, भारत।

4.4.10 छात्रों की उपलब्धियाँ

छात्रों का नियोजन

नाम	संगठन
संदीप शर्मा रॉय	विप्रो और एस.ए.पी.
प्रियंका दास	विप्रो
पामेला श्याला	बी.एच.ई.ए., बेंगलोर

4.5 इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

4.5.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1985 में हुई थी। विभाग में प्रथम बैच को वर्ष 1986 में प्रवेश प्रदान किया गया था। यह विभाग तीन पूर्व स्नातक स्तर पर प्रमाण पत्र, डिप्लोमा तथा बी.टेक. उपाधि कार्यक्रमों तथा स्नातकोत्तर एम.टेक. कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। इन कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम का निर्धारण प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम, आधारभूत ज्ञान, इलेक्ट्रानिकी एवं संचार के क्षेत्र में अपेक्षित जनशक्ति तथा राष्ट्र निर्माण के लिए शैक्षिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है। विभाग में वर्ष 2012 से स्नातकोत्तर कार्यक्रम (वी एल एस आई में एम टेक) चलाया जा रहा है। तथा इस वर्ष से इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी में एम.टेक. कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। यह विभाग वृहद समाकलन और सूचना प्रौद्योगिकी में पीएच.डी. कार्यक्रम (अंश कालिक और पूर्ण कालिक) का भी संचालन कर रहा है। विभाग में कुल 14 संकाय सदस्य हैं, जिनमें से दो क्यूआईपी अवकाश पर क्रमशः जादबपुर विश्वविद्यालय और एमएनआईटी इलाहाबाद में पीएच.डी. कर रहे हैं ।

4.5.2 शैक्षणिक गतिविधियाँ

यह विभाग नेरिस्ट की माँड्यूलर पद्धति के अनुसार शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिसमें अनुरक्षण अभियांत्रिकी में प्रमाण-पत्र, तथा इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी में डिप्लोमा तथा उपाधि की शिक्षा प्रदान की जा रही है। विभाग के एम. टेक. और पीएच.डी. छात्रों को देश भर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने और अपने शोध आलेख प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग के अंतर्गत नेरिस्ट इलेक्ट्रानिकी समिति (एन.ई.ए.स) एक महत्वपूर्ण निकाय है, जो छात्रों के लिए विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करता है। विभाग ने अन्य विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों/ विशेषज्ञों की तकनीकी सहयोगिता में कई संगोष्ठियाँ एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया था।

4.5.3 प्रयोगशाला व प्रयोगशाला विकास

विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रायोगिक अध्ययन के लिए विभाग में 14 प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। विभाग ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त वित्तीय सहायता से डी.एस.पी. प्रयोगशाला का आधुनिकीकरण किया था। विभाग वी.एल.एस.आई. और कम्प्यूटर नेटवर्क प्रयोगशाला को ओर अधिक विकसित कर रहा है। विभाग ने एम टेक (वी.एल.एस.आई.) पाठ्यक्रमों के लिए प्रयोगशालाओं को उन्नत करने का कार्य आरंभ कर दिया है जिसके लिए ओ.आर.सी.ए.डी. तथा माइक्रोविंड डिजाइन सॉफ्टवेयर व केडेंस के साथ साथ वी.एच.डी.एल. आधारित किट व जिलिंक्स, टी आई 6713 सीरीज डी.एस.पी. किट आदि का क्रय कर लिया गया है। डी एस पी और कंप्यूटर प्रयोगशाला में बिना बाधा के नियमित विद्युत आपूर्ति के लिए ऑनलाइन यूपीएस और बैटरी क्रय की गई है।

4.5.4 छात्रों द्वारा संपूर्ण परियोजनाएं:

क. स्नातकोत्तर (एम.टेक) परियोजनाएं:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	परामर्शदाता	परियोजना-शीर्षक
1	शारली जून गोगोड़	डॉ प्रणव किशोर दत्ता	हाइब्रिड सेट मोस वास्तु में डी-एफएफ का उपयोग करते हुए मेमोरी सेल का अध्ययन एवं कार्यक्षमता विश्लेषण
2	सरीता सिंह	डॉ जे. बोरा	एम.सी.एम.एल.-एफ.बी. लॉजिक का उपयोग करते हुए फिनफेट आधारित चार-बिट ट्रिप कैरी योगक का डिजाइन और विश्लेषण
3	देबीका दास	श्री त्रिपुरारी शरण	जीएम-सी फिल्टर डिजाइन में उप-संवहन विभव एवं चालित पूरक का कार्यान्वयन
4	शुभ्रत शर्मा	डॉ. मोहम्मद अनवर हुसैन	चिप पर 3-डी नेटवर्क के लिए मल्टीकास्ट रूटिंग (एनओसी)
5	श्यामोश्री गोस्वामी	श्री अको जॉन रिचा	फिनफेट आधारित ड्रम सेंस एम्पलीफायर और इसका प्रदर्शन
6	थिसरिंग इदोरी दिखिफा	श्री अनिल कुमार गौतम	कम पावर हाइब्रिड डोमिनोज लॉजिक आधारित 4-बिट ए.एल.यू.
7	संगामित्रा देबबर्मा	डॉ. स्वयंनिर्भर मजूमदार	एल.एस.बी. आधारित स्टेग्नोग्राफी का एफ.पी.जी.ए. कार्यान्वयन
8	कौशिक दास	श्री आर. के. मंगांग	अनुमानित कंप्यूटिंग और वितरित अंकगणितीय के उपयोग से एफआईआर फिल्टर डिजाइन

9	तृष्णा बर्मन	श्री त्रिपुरारी शरण	उप-संवहन विभव, वृहद-संचालित ओटीए आधारित सी.सी.आई.आई.± का डिजाइन और वर्तमान मोड फ़िल्टर डिजाइन में इसका कार्यान्वयन
10	चेल्सीया लीफहरपम	श्री एम. एडीसन सिंह	फोटॉनिक क्रिस्टल में दोष निवारण हेतु प्रकाशिय गेट का उपयोग
11	बिनिन्दा सुत्रधार	डॉ ए. दीमानी सिंह	आंशिक रूप से एडियाबेटिक लॉजिक द्वारा मुक्स आधारित एनकोडर का डिजाइन और विश्लेषण

ख. स्नातक (बी.टेक.) परियोजनाएं:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	परामर्शदाता	परियोजना-शीर्षक
1	विनय कुमार पाण्डेय हिमांशु बर्मन मुकेश कुमार गिरी ताना बापू	श्री अखो जॉन रिचा	जी.एस.एम. आधारित गृह स्वचालन प्रणाली
2	मुस्कान कुमार प्रजा जेफर खान नविन केसहरीमायुम	श्री त्रिपुरारी शरण	ओ.टी.ए. का प्रयोग करके द्वयि-घातांक फ़िल्टर का निर्माण और सत्यापन
3	शुभम चौधरी अहेम चंगीखई मेटेई अबिनाश थापा पोलेमंग हमार	डॉ. प्रणब किशोर दत्ता	कमरे के तापमान पर और तापमान पर सेट-माँस परिपथ का अध्ययन और प्रदर्शन विश्लेषण
4	शूवम चैथ्री अभिशेक कुमार	डॉ. स्वयंनिर्भर मजूमदार	सामान्य / असामान्य हृदय धवनी का रिकॉर्डिंग एवं विश्लेषण
5	मैदानन लंग्थासा रुपेश कुमार कान्त	डॉ. स्वयंनिर्भर मजूमदार	भारत की उत्तर-पूर्व भाषाओं की वास्तविक समय धवनी प्रसंस्करण
6	अरती कुमारी शाह संजीव कुमार राँय रोशनी पोर्थल निकीता पॉल	श्री अनिल कुमार गौतम	उच्च सुरक्षा परिवहन
7	करम भरत सिंह सुस्मिता राय बोर्डथुला हक पाइंसेखेमबोरांग	श्री आर. के. मंगांग	समिपस्थ कम्प्यूटरीकरण के आधार पर कैरी योजक का डिजाइन

8	राजर्षि सेन बिपलाब नाथ अभिशोक कुमार गुप्ता अंकिता चौधरी	प्रोफेसर मोहम्मद अनवर हुसैन	3 डी संवेदी नेटवर्क और संज्ञानात्मक रेडियो नेटवर्क में इसका उपयोग
9	प्रकाश कुमार अगकुश कुमार शर्मा मनीष कुमार साह अमित कुमार साह	श्री मोइरगाथम एडिसन सिंह	ई-ब्रेल रीडर: नेत्रहिन पाठकों के लिए एक स्थान परिवर्तन योग्य एवं आदर्श ई-बुक
10	भाबातोस बास अमीर हुसैन एन. उमाकान्त सिंह रोमेश सिंह	डॉ. ए. दीनामनी सिंह	भूकंप चेतावनी प्रणाली का डिजाइन
11	वाहिदा मलिक लस्कर नाबोजोवाल आचार्य टैची निकाम	डा. जायत्री बोरा	सेल्युलर नेटवर्क में सहसंबंध और सह-चैनल हस्तक्षेप का विश्लेषण

4.5.5 विभाग द्वारा आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम/ सम्मेलन

इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार संचार अभियांत्रिकी विभाग ने दो छात्र विकास कार्यक्रमों (एसडीपी) एवं उद्योग-संस्थान सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन किया टिक्क्युप-II के सहयोग से किया था-

1. प्रणाली प्रारूपीकरण एवं एफ.पी.जी.ए. नमूना। 19-24 सितम्बर, 2016
2. संवेदी डिजाइन एवं तार रहित संचार, 26 सितम्बर - 1 अक्टूबर, 2016

इन कार्यक्रमों में विभिन्न विभागों के 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया था। इन कार्यक्रमों में वक्ता उद्योग जगत से थे।

डॉ. एस. मजुमदार, आचार्य आर. बरठाकर (मानव विज्ञान व सामाजिक विज्ञान विभाग) एवं आचार्य एस. चटर्जी (विद्युत अभियांत्रिकी विभाग) ने संयुक्त रूप से सी.डी.ए.सी. सह टिक्क्युप-II के सहयोग से उद्योग-संस्थान सम्पर्क कार्यक्रम प्राकृतिक भाषा प्रशसकरण का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम के परिणाम स्वरूप सी.डी.ए.सी., भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिलचर और उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग के साथ संयुक्त परियोजना को प्रस्तुत की जा सकी थी।

क. लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ सम्मेलनों में संकाय सदस्यों की सहभागिता

डॉ. राजेश कुमार:

- कार्यशाला संकेतग्राही - डिजाइन, निर्माण और परीक्षण। इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी विभाग, जे.एस.एस. अकादमी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत। पर एक: 05 - 09 दिसंबर, 2016.

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

- आई.यू.सी.ई.ई.ई. अन्तराष्ट्रीय अभियांत्रिकी शिक्षक पूर्व प्रमाणन कार्यशाला। डॉ. नीरज बुच (एसोसिएट डीन, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा 18 से 20 जुलाई 2016 को ए.बी.एस. अभियांत्रिकी महाविद्यालय, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में आयोजित।
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित संगोष्ठी बौद्धिक संपदा अधिकार: आई.सी.टी. एवं इलेक्ट्रॉनिकी की भूमिका। 22-23 जुलाई 2016.
- अभातशिप के सौजन्य से एन.आई.टी.टी.टी.आर., चंडीगढ़ से 29 अगस्त से 2 सितंबर, 2016 (एक सप्ताह) को आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थागत उत्कृष्टता के लिए सामरिक प्रबंधन एव एस.डब्लू.ओ.टी. विश्लेषण में भाग लिया।
- ए.सी.एम. अध्याय अंतराष्ट्रीय कार्यशाला एमेच्योर रेडियो संचार और शैक्षणिक वातावरण में कंप्यूटरीकरण। ए.बी.एस. अभियांत्रिकी महाविद्यालय, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश। 14-15 सितंबर 2016.
- राष्ट्रीय संगोष्ठी समकालीन वाणिज्य में क्लाउड कम्प्यूटिंग की भूमिका। ए.बी.ई.एस. अभियांत्रिकी महाविद्यालय, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश। 1 अक्टूबर 2016.
- एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल द्वारा 16-17 मार्च 2017 को नेरिस्ट, निर्जुली, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम परिणाम आधारित शिक्षा के लिए प्रशिक्षण में भाग लिया था।

श्री पी के दत्ता:

- कार्यशाला इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी के वर्तमान आयाम। ई.टी.सी.ई. विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, जादवपुर। जुलाई, 29, 2016.

डॉ. स्वनिर्भर मजूमदार:

- एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल द्वारा 16-17 मार्च 2017 को नेरिस्ट, निर्जुली, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम परिणाम आधारित शिक्षा के लिए प्रशिक्षण में भाग लिया था।
- 19वीं उत्तर पूर्व कार्यशाला कम्प्युटरीकृत सूचना प्रशसकरण। इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी ईकाई, आईएसआई कोलकाता एवं विद्युत व इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, एस.एम.आई.टी., सिक्किम। 23-25 मार्च 2017.

श्री आर के मंगांग:

- अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम उच्च दक्षता वीडियो कोड प्रविधि एवं संरचना। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवहाटी। 5 से 9 सितंबर, 2016.

4.5.6 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधियाँ / व्यावसायिक सदस्यता: नहीं

4.5.7 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त पलब्धियाँ / पुरस्कार / मान्यता:

- श्री प्रणव किशोर दत्ता ने जर्नल ऑफ नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स की समीक्षा की है।

- डॉ. स्वयनिर्भर मजूमदार ने स्प्रिंगर के मल्टीमीडिया टूल्स एण्ड एप्लीकेशन (एमटीएपी), आईईटी बायोमेट्रिक्स एण्ड इमेज प्रोसेसिंग, एसेवीयर के जर्नल ऑफ किंग सऊद युनिवर्सिटी-सीआईएस (जेकेएसयू-सीआईएस), जर्नल ऑफ मेजरमेंट एंड कंप्यूटर मेथड्स एंड प्रोग्राम्स इन बायोमेट्रिक्स (सीएमपीबी) तथा आईईईई ट्राजेक्शन ओन सिस्टम, मैन एण्ड साइबरनेटिक्स: सिस्टम की समीक्षा की थी।
- डॉ. अहीबिम दीनामानी सिंह ने आईईटी कम्युनिकेशन एण्ड स्प्रिंगर टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम्स की समीक्षा की है।

4.5.8 विभाग के संकाय सदस्यों को बाह्य निकायों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं नहीं

आलेखों का प्रकाशन:

सुपर्ना गोस्वामी, शंजित हेसनाम सिंह एवं अहीबिम दीनामानी सिंह (2017), एबीईपी उपरी एवं निचला बी.पी.एस.के. बांड सह ओडब्लूपी विस्थापन चैनल। एडवांस इन वायरलेस एंड मोबाइल कम्युनिकेशंस, आई.एस.एस.एन. 0973-6972, अंक 10, संख्या 2, पृष्ठ 307-313.

सुपर्ना गोस्वामी एवं अहीबिम दीनामानी सिंह (2017), ओडीएपी विस्थापित चैनलों की तुलना में अंकीय संचार प्रणाली की कार्यदक्षता। ऑप्टिकल और वायरलेस टेक्नोलॉजीज (ओडब्ल्यूटी), 17-18 मार्च, 2017, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, भारत।

सुपर्ना गोस्वामी एवं अहीबिम दीनामानी सिंह (2017), "ओडीएपी विस्थापित चैनलों की तुलना में एस सी रिसीवर की कार्यदक्षता। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संचार उपकरणों और नेटवर्क पर एससी रिसीवर के प्रदर्शन", 3-4 जून, 2017, एस.एम.आई.टी., सिक्किम, भारत।

अनुप सरकार, प्रणब किशोर दत्ता, अंकुश घोष, सुदाबन्दू रे, सुबीर के. सरकार (2016), नैनो-चुंबकीय तर्क के आधार पर यूनिवर्सल गेट्स (नेनड) का मल्टीफ्रोरिक्स के उपयोग से कार्यान्वयन। क्वांटम मेटर, खंड 5, संख्या 4, अगस्त 2016, पृष्ठ 505-509 (5), अमेरिकन साइंटिफिक पब्लिकेशन, :<https://doi.org/10.1166/qm.2016.1338>

सुजीत कुमार सिंह, रुस्नी कीमा मंगांग, प्रणब किशोर दत्ता (2017) सक्षम कार पार्किंग सिस्टम का डिजाइन एंड उपयोग। इंटरनेशनल जर्नल इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल और कम्प्यूटेशनल सिस्टम, संख्या 6, अंक 3, मार्च, 2017, पृष्ठ 143-146, आई.एस.एस.एन. 2348-117X.

दयानंद राजकुमार, प्रणब किशोर दत्ता; सुबीर कुमार सरकार (2016), एसईटीएमओएस के उपयोग से 4-बिट रीपल केरी योजक का डिजाइन एवं कार्यान्वयन। आई.ई.ई.ई. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम-2016, बेंगलूर, भारत, 20-21 मई 2016, डीओआई: 10.1109/आरटीआईटीटी .2016.7807782.

स्वयंनिर्भर मजूमदार (2016), हाइब्रिड एस.वी.डी. आधारित छवि वॉटरमार्किंग - बहु-माध्यम अध्ययन एवं जैव-सूचना वॉटरमार्किंग। आई.एस.बी.एन.-13:978-3-659 -85454-5, आई.एस.बी.एन-10:3659854549, ई.ए.एन.: 9783659854545, लाम्बर्ट पब्लिसर, जर्मनी, 2016.

स्वयंनिर्भर मजूमदार (2016), शोर दृश्यता फ़ंक्शन के उपयोग से बहुउद्देशीय एस.वी.डी. आधारित छवि वॉटरमार्किंग योजना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड इवोल्यूशनरी कंप्यूटेशन (आईजेईसी) खंड 8, अंक 1, पेज 38-48, आईएसएसएन: 1942-35 9 4 डीओआई: 10.4018 / आईजेईएपी .2017010103 आईजीआई ग्लोबल प्रकाशक।

स्वयंनिर्भर मजूमदार एवं एस. मजूमदार (2016), जैव उपचार छवि प्रशसरण एवं विश्लेषण। अध्याय-6, पुस्तक - इंटेलेजेंट एनेलिसिस ऑफ मल्टीमीडिया इन्फोरमेशन। , संपादक - डॉ. सिद्धार्थ भट्टाचार्य, श्री ऋषिकेश भौमिक, डॉ. सौरव डी और डॉ. गोरान क्लेपैक। आई.जी.आई. ग्लोबल पब्लिशर्स, बुक सीरीज़ - एडवांसेज इन मल्टीमीडिया एण्ड इंटरैक्टिव टेक्नोलॉजीज। सम्पादक - जोएल जेपीसी रॉड्रिग्स, आईएसएसएन: 2327-929 एक्स, डीओआई: 10.4018/978-1-5225-0498-6.सीएच.006

बदरूथ ज़मान लस्कर एवं स्वयंनिर्भर मजूमदार (2016), जीन प्रदर्शन प्रोग्राम, पृष्ठ 269 से 292. अध्याय 10, पुस्तक - बायो-इंस्पेस्ड कंप्यूटिंग फॉर इन्फ़र्मेशन रिट्रीवल एप्लीकेशन, सम्पादक- डी. पी. आचार्य एवं अनिरबण मित्रा, आईबीएसएन 13: 9781522523758 आईएसबीएन-10:1522523758, ई-आईएसबीएन-13: 9781522523765, डीओआई: 10.4018/978-1-5225-2375-8; डीओआई: 10.4018/ 978-1-5225-2375-8.सीएच010

मानसी कालीता एवं स्वयंनिर्भर मजूमदार (2016), एक नयी कंटूरलेट ट्रांसफॉर्म विधि के प्रयोग से स्टेग्नोग्राफी। पृष्ठ 274-278, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संकेत प्रशसरण एवं संचार-2016. जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नोएडा, उत्तर प्रदेश। 26 से 28 दिसंबर, 2016. आईईईई कॉन्फ्रेंस आईडी: 39610एक्सपी, डीओआई: 10.1109/ आईसीएसपीसीम.2016.7980590.

एम. कलिता, स्वयंनिर्भर मजूमदार एवं और टी. टूथुंग (2017), पिक्सेल जोड़ी अन्तर और एलएसबी प्रतिस्थापन के उपयोग से एक स्थानिक डोमेन स्टेग्नोग्राफिक दृष्टिकोण। 4वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संकेत प्रशसकरण एवं समाकलित नेटवर्क। एमेटी विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा 2 से 3 फरवरी, 2017 तक आयोजित। सीएफपीआई 17 एसपीजे-एआरटी 978-1-5090-2797-2, सीडी-रॉम सीएफपीआई 17 एसपीजे - सीडीआर 978-1-5090-2796-5.

संगमित्र देबनाथ, मानसी कलिता एवं स्वयंनिर्भर मजूमदार (2017), एकीकृत स्टेग्नोग्राफी के हार्डवेयर कार्यान्वयन पर एक समीक्षा। आईईईई केजीईसी छात्र शाखा अध्याय द्वारा आईईईई ईडीएस कोलकाता अध्याय के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत सर्किट के लिए उपकरण। कल्याणी राजकीय अभियंत्रिकी महाविद्यालय, 23-24 मार्च, 2017.

एस. खान, एम. पाल, आर. रॉय, एस. नंदी, टी. के. बसु, एस. चटर्जी, स्वयंनिर्भर मजूमदार एवं आर. बरठाकुर (2016), अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ध्वनिकी के लिए अभियांत्रिकी अनुप्रयोग। ए.एस.आई. एवं के.आई.टी. गुरुगांव। 17-19 नवंबर 2016.

सिंह, जेस्विन चेरियन, शीलु कुमारी, पंकज भंडारी एवं स्वयंनिर्भर मजूमदार (2017), अ-हानिकारक भ्रूण ईसीजी से अनुकूल हृदय गति आकलन। राष्ट्रीय सम्मेलन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम। त्रिपुरा प्रौद्योगिकी संस्थान, 17-18 मार्च, 2017.

आर. कुमार (2017), एमईएमएस संवेदी हेतु आदर्श आयताकार ब्रैकट बीम का डिजाइन एवं इसका उर्जा प्रतिपादन अनुप्रयोग। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (स्प्रिंगर) में प्रकाशन के लिए स्वीकृत।

4.1.10 बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों / विभाग का सम्पर्क

- डा. आर. कुमार ने अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए वेब डिजाइन पर आईसीटी अकादमी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था।
- डॉ. एस. मजूमदार टीसीसीआईपी-द्वितीय द्वारा प्रायोजित व 21 सितंबर, 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तार्किक नियंत्रण, शक्ति एवं उपस्कर के टी.पी.सी. सदस्य थे। इस सम्मेलन का आयोजन आईईईई कोलकाता खंड, आईईईई पावर एंड एनर्जी सोसायटी (यूएसए और कनाडा), आईईईई सीएसएस-आईएमएस कोलकाता अध्याय के सहयोग से विद्युत अभियांत्रिकी, अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिकी और उपस्कर विभाग, आर सी सी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता द्वारा किया गया था।
- डॉ. एस. मजूमदार को एन.आई.टी. मेघालय, में 6-7 अप्रैल, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इलेक्ट्रॉनिकी, संकेत प्रशसरण एवं संचार में नवाचार (आईईएससी-2017) में टी.पी.सी. सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। ई.ई.ई. सम्मेलन रिकॉर्ड संख्या: 40615
- डां. पी. के. दत्ता और डॉ. एस. मजूमदार को इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, सिक्किम मणिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम द्वारा 3-4 जून 2017 को आयोजित आईईईई सम्मेलन संचार, उपकरण और नेटवर्क (आईसीसीडीएन-2017) में टी.पी.सी. सदस्य होने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- श्री आर. के. मंगांग, डॉ. ए. डी. सिंह, डॉ. पी. के. दत्ता एवं डॉ. एस. मजूमदार राष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार 2017 की तकनीकी समिति के सदस्य (टीपीसी) थे। इस सम्मेलन का आयोजन 20-21 मार्च 2017 को मणिपुर प्रौद्योगिकी संस्थान, इंफाल द्वारा टेकयलपेट परिसर में किया गया था।
- डॉ. एस. मजूमदार कम्प्यूटर अभियांत्रिकी विभाग, एस.एम.आई.टी., सिक्किम द्वारा भारतीय कम्प्यूटर समिति, कोलकाता के सौजन्य से 08-10 सितंबर, 2017 को आयोजित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन उन्नत कम्प्यूटरीकरण एवं संचार स्तम्भ में एक टीपीसी सदस्य थे।

4.5.11 सलाहकार परियोजनाएं

- नहीं -

4.5.12 छात्रों की उपलब्धियां

हमारे छात्रों ने महत्वपूर्ण संगठनों में नियोजन प्राप्त किया है। कुछ छात्रों ने गेट-2017 में सफलता प्राप्त की है तथा उच्च अध्ययन के लिए प्रवेश प्राप्त किया है।

4.5.13 अन्य कोई सूचना

- विभाग के स्नातक कार्यक्रम बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी) तथा स्नातकोत्तर एम. टेक. (इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी -सह- विशेषज्ञता वृहद समाकलन) को वर्तमान सत्र हेतु अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद का अनुमोदन प्राप्त है।
- डॉ. अबीबाम दीनामानी सिंह, को सितंबर, 2016 में विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के पद में पदोन्नत किया गया है।
- डॉ राजेश कुमार, हाल ही में सितंबर 2016 में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में विभाग में शामिल हुए हैं।

4.6 विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

4.6.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान की स्थापना समय से ही विद्युत अभियांत्रिकी विभाग उच्च शिक्षा संपन्न वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिक-विदों के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग से प्रथम स्नातक का बैच वर्ष 1992 में उत्तिर्ण हुआ था। विभाग अपने पूर्व स्नातक कार्यक्रमों यथा: प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा और बी.टेक. उपाधि के लिए संस्थान के दो वर्षीय माँड्यूलर ढांचे का अनुसरण कर रहा है। प्रत्येक माँड्यूलर में विद्यार्थियों का दाखिला नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा क्रमशः एनईई-I, एनईई-II और एनईई-III के माध्यम से होता है। देश में तकनीकी रूप से कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता को पूरा करने के उद्देश्य से विभाग ऊर्जा प्रणाली अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ स्नातकोत्तर (एम. टेक.) कार्यक्रम और विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में पीएच.डी. कार्यक्रम चला रहा है।

विभाग में उच्च अर्हता संपन्न योग्य संकाय सदस्य हैं, जिन्होंने अपनी डिग्रियाँ देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से प्राप्त की हैं। आवश्यक आधारभूत ढांचों और प्रयोगशाला में समय समय पर सुविधाओं को उन्नत किया जाता है ताकि विद्यार्थियों और शोधार्थियों को सीखने और कुछ नया करने के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध कराए जा सकें। विभाग सरकार तथा उद्योग जगत से प्रायोजित विभिन्न शोध परियोजनाओं पर भी काम करता रहा है।

विभाग द्वारा चलाए जा रहे स्नातक/स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के उद्देश्य निम्नवत हैं:

- प्रमाण पत्र माँड्यूलर के विद्यार्थियों को विद्युत परिपथ और प्रणाली की समस्याओं को समझने, उसे ठीक करने और उसके रखरखाव का प्रशिक्षण देना।
- डिप्लोमा माँड्यूलर के विद्यार्थियों में पर्याप्त पर्यवेक्षण और निर्देशन कौशल विकसित करना।

- बी.टेक. डिग्री के विद्यार्थियों को उद्योग जगत और अन्य जगहों के में वर्तमान आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में समस्याओं को विश्लेषित करने, डिजाइन करने नवोन्मेशी सोच विकसित करने के लिए पर्याप्त ज्ञान देना।
- स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप शोध कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करना।
- विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शोध एवं विकास।

4.6.2 कार्यक्रम

विभाग निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है:-

क) स्नातक कार्यक्रम

- प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- विद्युत अभियांत्रिकी में डिप्लोमा
- विद्युत अभियांत्रिकी में बी. टेक.

ख) स्नातकोत्तर कार्यक्रम

- शक्ति प्रणाली अभियांत्रिकी में एम.टेक

ग) पीएच डी पाठ्यक्रम

विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में

4.6.3 सुविधाएं

विभाग में विद्युत अभियांत्रिकी के सभी क्षेत्रों में काम करने के सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए 13 से अधिक समुचित रूप से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के अलावा एक पृथक पुस्तकालय भी है। प्रयोगशालाओं में उच्च क्षमता संपन्न कंप्यूटर, सर्वर तथा कई आवश्यक सॉफ्टवेयर पैकेज उपलब्ध हैं जो एक स्थानीय नेटवर्क के जरिए जुड़ा हुआ है। इंटरनेट सेवा विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

4.6.4 शोध

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग तीन प्रमुख अनुसंधान समूहों के तहत काम कर रहे हैं, (1) विद्युत शक्ति और ऊर्जा प्रणाली, (2) नियंत्रण व उपकरण और (3) विद्युत मशीन, संचालन और शक्ति इलेक्ट्रॉनिक्स। विभाग के उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

- पाठ्यक्रम की तैयारी और समीक्षा।
- संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलनों का आयोजन करना।
- बी.टेक/ एम.टेक/ पीएच.डी. परियोजना/ शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण करना।
- परामर्शी सेवाएं प्रदान करना।
- संस्थान-उद्योग के साथ सम्पर्क की सुविधा।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं/सम्मेलनों में प्रकाशन।

4.6.6 योग्यता और विशेषज्ञता के क्षेत्रों के साथ विभाग के संकाय सदस्यों की सूची -

क्र.सं.	नाम	पदनाम	विशेषज्ञता के क्षेत्र
1.	डॉ. एस. चटर्जी पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय)	आचार्य	उच्च विभव, बिजली व्यवस्था
2.	डॉ. एस. के. भगत पीएच.डी. (आई.आई.टी., बी.एच.यू., बनारस)	आचार्य	नियंत्रण प्रणाली
3.	डॉ. आर. के. मेहता पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय)	आचार्य	नियंत्रण प्रणाली
4.	डॉ. ओ. पी. राय पीएच.डी. (आई.एस.एम., धनबाद)	आचार्य	शुष्म अन्वेषी आधारित नियंत्रण एवं उपकरण, शक्ति प्रणाली की विश्वसनीयता
5.	डॉ. सरसिंग गाओ पीएच.डी (आई.आई.टी., दिल्ली)	आचार्य	विद्युत मशीन, उर्जा प्रतिपादन एवं वितरण
6.	डॉ. ए. के. सिंह पीएच. डी. (तेजपुर विश्वविद्यालय)	आचार्य	शक्ति प्रणाली, विद्युत मशीनें एवं संचालन
7.	श्री रदक ब्लंगे एम. टेक. (नेरिस्ट, निर्जुली)	सह आचार्य	नियंत्रण प्रणाली, ऊर्जा, विद्युत मशीनें एवं संचालन
8.	श्री टी. वी. पी. सिंह एम.टेक (एमएनएनआईटी, एलाहबाद)	सह आचार्य	नियंत्रण प्रणाली,, वी.एल.एस.आई. डिजाइन
9.	श्री एम. डी. सिंह एम. टेक. (तेजपुर विश्वविद्यालय)	सहायक आचार्य	शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी, डिजिटल प्रणाली
10.	श्री ए के परिदा एम. टेक. (एमआईटीएस, ग्वालियर)	सहायक आचार्य	औद्योगिक संचालन, शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी एवं उर्जा ऑडिट
11.	श्री अनु के. दास एम. टेक. (एनआईटी, शिलचर)	सहायक आचार्य	बिजली व्यवस्था स्थिरता, एवं नवीकरणीय ऊर्जा
12.	श्री एन एल मैतेई एम. टेक. (तेजपुर विश्वविद्यालय)	सहायक आचार्य	ऊर्जा प्रबंधन
13.	सुश्री सोमिला हशुनाओ एम. टेक. (जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली)	सहायक आचार्य	विद्युत शक्ति प्रणाली प्रबंधन
14.	श्री अखिलेश शर्मा एम. टेक. (एमएमएमईसी, गोरखपुर)	सहायक आचार्य	शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचालन

15.	सुश्री पियाली दास एम. ई. (जादवपुर विश्वविद्यालय)	सहायक आचार्य	उपस्कर अभियांत्रिकी, नियंत्रण प्रणाली
16.	श्री पी देवचंद्र सिंह एम.टेक. (नेरिस्ट, निर्जुली)	सहायक आचार्य	शक्ति अभियांत्रिकी प्रणाली

4.6.6 गतिविधियां

विभाग विभिन्न गतिविधियों में भाग लेता है। विभाग नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा विभिन्न संस्थानों के साथ परामर्शी कार्य तथा अन्य सहयोगात्मक कार्य कर रहा है। विभाग ने संस्थान-उद्योग के परस्पर शैक्षिक संबंध को बरकरार रखते हुए कई प्रायोजित शोध परियोजनाओं को पूरा कर लिया है एवं कुछ परियोजनाएं अभी चल रही हैं। विभाग विभिन्न विशेष क्षेत्रों में कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन आदि का आयोजन करता है जिसमें देश भर के उद्योग एवं शैक्षिक जगत के लोग भाग लेते हैं।

4.6.7 प्रयोगशालाएं

विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के अतिरिक्त व्यावहारिक ज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग बुनियादी ढांचे के साथ-साथ विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला, उच्च विभव अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, विद्युत मशीन प्रयोगशाला, शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला, डिजिटल और शुद्ध अन्वेषी प्रयोगशाला, अनुरक्षण प्रयोगशाला, विद्युत कार्यशाला, परिपथ और मापन प्रयोगशाला, नियंत्रण एवं उपकरण प्रयोगशाला, इंटरनेट के साथ कम्प्यूटर प्रयोगशाला, ऊर्जा प्रणाली प्रयोगशाला और परियोजना एवं शोध प्रयोगशाला से सुज्जित है। विभिन्न प्रयोगशालाओं में उपलब्ध उपकरण और सॉफ्टवेयर निम्नलिखित हैं:

विद्युत प्रणाली और संरक्षण प्रयोगशाला

विद्युत प्रणाली और संरक्षण प्रयोगशाला में डिस्ट्रीब्यूशन लाइन सिम्युलेटर, पीसी कंट्रोल पावर एनालाइजर, ऑयल टेस्ट सेट, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एंड स्टेतिक रिलेइस के विभिन्न प्रकार, डाइलेक्ट्रिक प्युरीफिकेशन प्लांट, एनालॉग ऑसिलोस्कोप, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप, 3-फेज वेरिफेबल इंडक्टर, 1-फेज एंड 3-फेज लोडिंग ऋहस्ताट्स, डिजिटल क्लैप और पावर मीटर्स, एलसीआर-क्यू मीटर, 3-फेज कपैसिटर बैंक, केपेसिटन्स एंड तेन डेल्टा टेस्ट सेट, सर्किट ब्रेकर एनालाइजर, लिक्विड डाइलेक्ट्रिक प्युरीफिकेशन प्लांट के साथ सुसज्जित है।

उच्च विभव अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में नवीनतम 100 केवी एसी/145 केवी डीसी डायलेक्टिक टेस्ट सेट एंड 300 केवी, 7.5 केजे, 1.2/50 माइक्रोसैकेण्ड इम्पल्स टेस्ट सेट, मीजरिंग स्फीयर गैप एमएफ-100,

इलेक्ट्रॉनिक स्फीयर ईजेडके, 2-चैनल, 200 एमएचजेड डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप के साथ ऑसिलोस्कोप से पीसी में डेटा का सीधा हस्तांतरण के लिए सॉफ्टवेयर उपलब्ध है।

विद्युत मशीन प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में विस्तृत रूप में मोटर एवं जेनरेटर के साथ डीसी कंपाउंड मोटर, डीसी कंपाउंड जेनरेटर, 3 फेज इंडक्शन मोटर, बोथ स्किउरेल केज एंड स्लिप रिंग टाईप, डीसी शंट मोटर, डीसी सीरीज मोटर, यूनिवर्सल मोटर, एसी सिंक्रोनास जनरेटर, एसी सिंक्रोनस मोटर, स्कैन ड्राइव सिस्टम डीसी के लिए और एसी ड्राइव गति नियंत्रण, मोटर फोल्ट सिम्युलेटर, लॉजिक पल्स जनरेटर, फंक्शन जनरेटर, डिजिटल स्टोरेज अस्सिलोस्कोप, 3 फेज अस्थायी शक्ति विश्लेषक, 1 फेज इंडक्शन मोटर और थाइरिस्टर नियंत्रण कक्ष, डीजी सेट, स्टोपार मोटर प्रशिक्षण प्रणाली, पीडब्ल्यूएम आधारित इंडक्शन मोटर ड्राइव, वी/एफ कंट्रोल एसी ड्राइव, डी-स्पेस रीयल टाइम सिम्युलेटर सॉफ्टवेयर हैं।

शक्ति इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में ई.एम.एम.ए. माइक्रोकंप्यूटर, फॉस्ट एडी/डीए कांवरटर, डी.डी.सी. मोटर मोड्यूल, कमांड पोटेन्टिओमीटर, एल.सी.आर.क्यू. -टेस्टर, एस.सी.आर. फायरिंग यूनिट, इंडॉस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेनर के साथ ऑसिलोस्कोप, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलोस्कोप (4 चैनल), एच.पी. कंप्यूटर (पेंटियम IV), मोशन कंट्रोल डेवलपमेंट किट, एमसीके240 डेवलपमेंट पैकेज के साथ किट, थ्यरिस्टर एंड मोटर कंट्रोल(मेक: फीडबैक, यू.के.) पावर स्कोप, ऑसिलोस्कोप (मेक-यूकोगवा), सी.ए.एस.पी.ओ.सी. सिमुलेशन सॉफ्टवेयर, बेडफोर्ड एवं परालेल इंवरटर ट्रेनर किट, नियंत्रण ट्रेनर किट के लिए माइक्रो कंट्रोलर बेस्ड फिरिंग सर्किट, यूनिवर्सल मोटर के स्पीड नियंत्रण के लिए एससीआर ट्रेनर किट का प्रयोग, 1-फेज कंट्रोल रेक्टफाइअर के साथ कोलिन फिरिंग स्कीम ट्रेनर किट, 1-फेज कंट्रोल रेक्टफाइअर के साथ रांप कोम्परेटर फिरिंग स्कीम ट्रेनर किट, आईजीबीटी विशेषताओं ट्रेनर किट, 1-फेज साइक्लो-कंवरटर ट्रेनर किट, एसी मोटर के स्पीड कंट्रोल के लिए प्रयोग टीआरआईएसी ट्रेनर किट आदि हैं।

अंकीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं शुक्ष्मअन्वेषक प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में माइक्रोप्रोसेसर प्रशिक्षण किट के जैसे डयना 8085, स्टॉर 85, वीपीएल 8086/8088, माइक्रो कंट्रोलर प्रशिक्षण किट जैसे वीएमसी-आईसीई31/51 एवं 80C196केसी, एडवांस हैंडी सिरियल प्रोग्रामर, युनिवर्सल प्रोग्रामर, यूनिवर्सल एंड एनालोग आईसी टेस्टर, डाटा ऐक्विजिशन सॉफ्टवेयर, स्टॉडी कार्ड जैसे मेमोरी डिकोडर्स, यूसार्ट, प्रोग्रामर टाइमर, डीएमए, पीपीआई के साथ टाइमर एवं लैच कार्ड्स, पीसी बेस्ड एनालोग एंड डिजिटल मोटर कंट्रोल टिचिंग सेट, रोबोटिक्स, थार्मोकॉपल, लोड सेल, एलवीडीटी एंड डीसी मोटर स्पीड कंट्रोल, 485 प्रोटोकल बेस्ड डिस्ट्रिब्यूटड कंट्रोल सिस्टम, गैन मेशरिंग के साथ सुसज्जित हैं।

विद्युत अनुरक्षण प्रयोगशाला

यह प्रयोगशाला मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों के लिए हैं जो बिजली के उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव पर पर्याप्त ज्ञान की अपेक्षा की जाती है। इसमें उपकरणों की संख्या जैसे डोमेस्टिक रेफ्रिजरेटर, एयर कांडिशनर्स, गिड्रर्स, हीट कन्वेक्टर्स, टेबल एंड सिलिंग फेंस, वैक्यूआम क्लीनर, यूपूएस सेट, वॉटर कोलार, हॉट प्लेट, इमर्शन हीटर, फिटिंग के साथ विभिन्न प्रकार के लैंप, ऑसिलस्कोप, ऑटोमोबाइल के बिजली के सर्किट के लिए मॉडल आदि हैं।

विद्युत कार्यशाला

यह प्रयोगशाला मुख्य रूप से उन विद्यार्थियों के लिए हैं जिनसे इलेक्ट्रिकल वेरिंग एवं इससे संबंधित गतिविधियों पर प्रशिक्षण एवं कुशलता की अपेक्षा की जाती है। यह प्रयोगशाला में मिनी लथे मशीन, विंडिंग मशीन, ड्रिलिंग मशीन, वेरिंग प्रेकटिस के लिए विभिन्न प्रकार के क्यूबिकल, आवश्यक उपकरणों, टूल्स डिसप्ले बोर्ड, -1 फेज एंड -3फेज ऊर्जा मीटर्स, चार्ट आदि के साथ सुसज्जित हैं।

परिपथ व अनुमापन प्रयोगशाला

वेभ एनाल्यजर, डॉबल चैनल रिकॉर्डर, एनालोग ऑसिलस्कोप, डीसी पॉवर सप्लाइ यूनिट (0-300वी), डीसी पॉवर सप्लाइ (0-60वी) एवं स्टोरेज एडप्टर, हवीटस्टोन ब्रिज, केलविन डॉबल ब्रिज, वीटीवीएम, इन्स्ट्रुमेंटेशन टूटर, डिजिटल स्टोरेज ऑसिलस्कोप (2-चैनल), एचपी कंप्यूटर (पेन्टियम-III), एलसीआर-क्यू मीटर, मेगर आदि उपकरण इस प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं।

नियंत्रण व उपकरण प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में डीसी पोजिशन सर्वो ट्रेनर यूनिट, एसी सर्वो मोटर स्पीड/ टॉर्क कंट्रोस यूनिट, डीसी मोटर स्पीड कंट्रोल यूनिट, मेग्नेटिक ऐम्प्लिफाइअर, सिन्क्रो ट्रांसमीटर एवं रिचिवर, एक्सपेरिमेंटल पीआईडी कंट्रोलर यूनिट, डिजिटल ऑन-ऑफ टेम्पेचर कंट्रोलर यूनिट, एनालोग एंड डिजिटल स्टोरेज ऑसिलस्कोप (4-चैनल), ट्रेनिंग एवं डेवेलॉपमेंट सिस्टम फॉर 8086, डाटा एक्यूजेशन ऑफ कंट्रोस सिस्टम, डिरेक्ट डिजिटल कंट्रोल ट्रेनिंग सिस्टम, आईबीएम कंप्यूटर(पेन्टियम-III), सीए-06 डिजिटल मोटर, पीसी बेस्ड एनालोग एंड डिजिटल मोटर कंट्रोल, डिस्ट्रिब्यूट कंट्रोल सिस्टम डीसीएस-5000, पीसी45/एमएल प्रोग्रैमबल कंट्रोल टिचिंग सेट, डिजिटल ट्रांसड्यूसर एंड इंस्ट्रुमेंटेशन ट्रेनर, डिरेक्ट डिजिटल कंट्रोल सिस्टम(सीए-04), रोटारी सार्वो 9 प्लांट(सार्वो 2) हैं।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला

विभाग में पूर्वस्नातक विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध इंटरनेट सुविधाओं के साथ 40 से अधिक कंप्यूटर द्वारा अच्छी तरह से सुसज्जित पीसी प्रयोगशाला है। सभी कंप्यूटरों में मैटलॉब, मॉल्टीजिम, पीएससीएडी आदि सॉफ्टवेयर में स्थापित किए गए हैं।

ऊर्जा प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला में पूर्वस्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा ऊर्जा से संबंधित परीक्षणों को प्रदर्शित किया जाता है। इस प्रयोगशाला उन्नत प्रयोगात्मक सामग्रियों जैसे फोटो वोल्टैक टेस्ट रिंग, फोटो वोल्टैक इलेक्ट्रिक जेनरेटर, एनेमोमीटर्स, सोलरीमीटर, आदि से सुसज्जित हैं। इसमें पीवी मॉड्यूलस के प्लोट आई-वी कैरकटैरिस्टिक्स, डिटरमाइल एफिसिएंसी ऑफ पीवी ड्रिवन वॉटर पॉम्पिंग सिस्टम आदि पर परीक्षण हो रहे हैं।

परियोजना एवं शोध प्रयोगशाला

मुख्य रूप से स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं शोधार्थी मॉडलिंग और सिमुलेशन का काम इस प्रयोगशाला में कर रहे हैं। प्रयोगशाला में 4 जीबी रोम के साथ 20 कंप्यूटर उपलब्ध हैं। अविरत इंटरनेट सुविधा उपलब्ध होने कारण विद्यार्थी विभिन्न पत्रिकाओं/सम्मेलन पेपरों के साथ संस्थागत सॉफ्टवेयर साइटों जैसे आईईई एक्सप्लोर, साइंस डिरेक्ट, ईल्सेवियर आदि का लाभ उठा सकते हैं। इसमें प्रिंटर, एलसीडी प्रोजेक्टर एवं एक स्केनर हैं, जिससे सेमिनार प्रस्तुतीकरण की तैयारी में सुविधा होती है।

अति वृहद समाकलन प्रयोगशाला

वी.एल.एस.आई. प्रयोगशाला में कैडेंस बंडल तथा मेंटर चित्रण -सह- विश्लेषण सॉफ्टवेयर की स्थापना की गई है।

4.6.8 छात्रों द्वारा पूर्ण परियोजनाएं

बी. टेक परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना-शीर्षक	छात्र	परामर्शदाता
1.	हाइब्रिड फिल्टर का प्रतिमान, डिजाइन और समायोजन	डीई/15/ईई/13 डीई/15/ईई/14	आचार्य एस. गाओ
2.	पी.एम.एस.जी. का प्रदर्शन विश्लेषण	डीई/15/ईई/31 डीई/15/ईई/107	आचार्य एस. गाओ
3.	पी.एस.सी.ए.डी. के उपयोग से तेल रहित ट्रांसफार्मर का डिजाइन	डीई/15/ईई/03 डीई/15/ईई/05 डीई/15/ईई/101	आचार्य एस. चटर्जी
4.	उच्च विभव आवर्ती धारा एवं उच्च विभव सीधी धारा का विश्लेषक	डीई/15/ईई/21 डीई/15/ईई/07 डीई/15/ईई/11	आचार्य एस. चटर्जी
5.	पीएसएसई का उपयोग करते हुए दक्षिणी भारतीय ग्रिड का प्रतिमान	डीई/15/ईई/23 डीई/15/ईई/27	आचार्य एस. चटर्जी

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

6.	डिजिटल संकेत प्रशसरण का उपयोग करते हुए उत्तर-पूर्वी भाषाओं का अध्ययन	डीई/15/ईई/06 डीई/15/ईई/16 डीई/15/ईई/16	आचार्य एस. चटर्जी
7.	तीन चरण कनवर्टर प्रणाली का निर्माण और हार्मोनिक विश्लेषण	डीई/15/ईई/04 डीई/15/ईई/08	श्री ए. के. परिदा
8.	एक अरडुनियो आधारित बुद्धिमान नियंत्रक का डिजाइन	डीई/15/ईई/108 डीई/15/ईई/110	श्री पी. डी. सिंह
9.	स्विच परिवर्तक हेतु शक्ति मॉस्फेट के गेट संचालन परिपथ का डिजाइन एवं कार्यान्वयन	डीई/15/ईई/109 डीई/15/ईई/111	श्री एम. डी. सिंह
10.	एक माइक्रोप्रोसेसर आधारित बहुआयामी कम शक्ति डीसी मोटर संचालक का विकास	डीई/15/ईई/10 डीई/15/ईई/23	श्री एम. डी. सिंह
11.	अरडुनियो आधारित लक्समीटर का डिजाइन	डीई/15/ईई/29 डीई/15/ईई/105	श्री एन. एल. मतेई
12.	अरडुनियो शुक्ष्म नियंत्रक के उपयोग से स्वचालित राजमार्ग प्रकाश व्यवस्था स्वीच का डिजाइन	डीई/15/ईई/15 डीई/15/ईई/51	श्री एन. एल. मतेई
13.	टैप परिवहन प्रणाली के लिए नियंत्रक डिजाइन	डीई/15/ईई/26 डीई/15/ईई/28	आचार्य आर.के. मेहता
14.	डीसी मोटर का प्रतिक्रिया नियंत्रण	डीई/15/ईई/20 डीई/15/ईई/22	आचार्य आर.के. मेहता
15.	अप्रत्यक्ष वेक्टर नियंत्रित ड्राइव के लिए गति नियंत्रक का डिजाइन	डीई/15/ईई/25 डीई/15/ईई/103	श्री ए. शर्मा
16.	इनवर्टर संचालित एक कलिये प्रेरण मोटर ड्राइव के हार्डवेयर का कार्यान्वयन	डीई/15/ईई/02 डीई/15/ईई/24	श्री ए. शर्मा
17.	बिजली के उपकरणों के लिए तेल अचालक की जांच	डीई/15/ईई/09 डीई/15/ईई/13	श्री ए. के. दास

एम. टेक. परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना-शीर्षक	छात्र	परामर्शदाता
1.	बहु-आयामी शक्ति प्रणाली हेतु नियंत्रक का डिजाइन: एक तुलनात्मक अध्ययन	एमटी/15/पीएसई/09	आचार्य एस. के. भगत
2.	बहु-आयामी अधिभार आवर्ती नियंत्रण हेतु के लिए उत्तम नियंत्रक का डिजाइन	एमटी/15/पीएसई/18	आचार्य आर.के. मेहता

3.	शक्ति प्रणाली से सम्बन्धित तुल्यकालिक जनरेटर के लिए स्वचालित वोल्टेज नियामक का डिजाइन	एमटी/15/पीएसई/07	आचार्य आर.के. मेहता
4.	शक्ति प्रणाली में जैवोग्राफी आधारित अनुकूलन	एमटी/15/पीएसई/12	आचार्य एस. चटर्जी
5.	उच्च वोल्ट उपकरणों के लिए नैनोद्रव की अचालकता का मूल्यांकन	एमटी/15/पीएसई/11	आचार्य एस. चटर्जी एवं श्री ए.के. दास
6.	पावर केबल में आंशिक डिस्चार्ज का प्रतिमान	एमटी/15/पीएसई/17	आचार्य एस. चटर्जी
7.	ओबलॉग कोर ट्रांसफार्मर के लिए लघु परिपथिय गणना का अध्ययन	एमटी/15/पीएसई/01	आचार्य एस. चटर्जी
8.	विद्युत आपूर्ति लाइन के स्टेटकॉम का अध्ययन और विश्लेषण	एमटी/15/पीएसई/10	आचार्य ए. के. सिंह
9.	विद्युत आपूर्ति लाइन के विभिन्न क्षय एवं उनके उपायों का विश्लेषण	एमटी/15/पीएसई/16	आचार्य ए. के. सिंह
10.	माइक्रोप्रोसेसर के उपयोग से अ-सक्रिय शक्ति का आकलन	एमटी/15/पीएसई/13	आचार्य ओ.पी. रॉय
11.	संसम्बन्धित प्रणाली विश्वसनीयता का मूल्यांकन	एमटी/15/पीएसई/08	आचार्य ओ.पी. रॉय
12.	नवीकरणीय ऊर्जा आधारित लघु-ग्रिड की व्यवहार्यता का अध्ययन	एमटी/15/पीएसई/14	आचार्य एस. गाओ
13.	एफ.ई. पद्धति का उपयोग करके विद्युत मशीनों का प्रदर्शन विश्लेषण	एमटी/15/पीएसई/04	आचार्य एस. गाओ
14.	मॉडल ऑर्डर कम करने के माध्यम से मल्टी-एरिया शक्ति प्रणाली हेतु भार आवृत्ति नियंत्रक का प्रदर्शन	एमटी/15/पीएसई/15	आचार्य एस.के. भगत
15.	सक्रिय पावर फ़िल्टर का उपयोग करके शक्ति प्रणाली हार्मोनिक्स को कम करना	एमटी/15/पीएसई/02	श्री एम. डी. सिंह
16.	एल.एफ.सी. के लिए स्लाइडिंग मोड नियंत्रक का अध्ययन और डिजाइन	एमटी/15/पीएसई/05	सुश्री पी. दास

पीएच.डी. शोधकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत शोध ग्रन्थ

क्र.सं.	छात्र का नाम	शोध ग्रन्थ शीर्षक	पर्यवेक्षक	स्थिति
1.	श्री राजन पुदुर	सवोनीस रोटर का उपयोग करके पनबिजली शक्ति का प्रतिपादन	आचार्य एस. गाओ	निर्णयित

4.6.9 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

श्री ए. के. दास ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की एन.एम.ई.आई.सी.टी. परियोजना के तहत नेरिस्ट रिमोट सेंटर में आई.आई.टी. खड़गपुर द्वारा आयोजित विद्युत शक्ति प्रणाली पर दो सप्ताह के ऑनलाइन ई.टी.ई. कार्यशाला का आयोजन 12 जून से 15 जुलाई, 2017 तक किया था।

4.6.10 संकाय सदस्यों की प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

- आचार्य ओ. पी. रॉय, आचार्य ए. के. सिंह ने एन.आई.टी.टी.टी.आर. कोलकाता दूरस्थ केन्द्र, महिला पॉलेटेक्नीक, बमूनी मैदान, गुवाहाटी, असम में 19-23 दिसम्बर, 2016 को आयोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शक्ति प्रणाली-विश्लेषण एवं डिजाइन में भाग लिया था।
- श्री एम. डी. सिंह ने नेरिस्ट की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सौजन्य से 24 अगस्त, 2016 को आयोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजिटल इण्डिया में भाग लिया था।
- श्री पी. डी. सिंह ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मिजोरम द्वारा 28-29 अक्टूबर, 2016 को आयोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्वोत्तर भारत के विशेष संदर्भ में वहनिय अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के वर्तमान आयाम में भाग लिया था।
- श्री पी. डी. सिंह तथा श्री एन. एल. मैथेई ने नेरिस्ट में 16-17 मार्च, 2017 को आयोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रभावी शिक्षा हेतु शैक्षणिक प्रशिक्षण में भाग लिया था।
- श्री एम. डी. सिंह, श्री पी. डी. सिंह तथा श्री एन. एल. मैथेई ने नेरिस्ट में टिक्युप-II के सौजन्य से इलेक्ट्रानिकी एवं संचार विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रणाली प्रतीमान एवं एफ.पी.जी.ए. प्रारूपीकरण में 19-21 सितम्बर, 2016 को भाग लिया था।

4.6.11 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधियाँ/ व्यावसायिक सदस्यता

- आचार्य एस. चटर्जी, को आईई (आई) का सभाषद नियुक्त किया गया था।
- श्री पी. देवचंद्र सिंह, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स (सदस्यता संख्या -170360) के सदस्य हैं।

4.6.12 संकाय सदस्य द्वारा अर्जित उपलब्धियाँ / पुरस्कार / मान्यता

- आचार्य एस. चटर्जी, को आईई (आई) के चार्टर्ड अभियन्ता हैं।

4.6.13 बाह्य निकायों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं

- प्रधान अनुसंधानकर्ता आचार्य एस. चटर्ज, फिस्ट (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के सुधार के लिए वित्त) परियोजना से विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में स्नातकोत्तर शिक्षण और अनुसंधान के संवर्धन हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त राशि: 75.6 लाख.

4.6.14 आलेखों का प्रकाशन:

(ए) संदर्भ जर्नल

कावेरी भुयान एवं सैबाल चटर्जी (2016), वृद्धि बन्दी अचालक पर अतिविभव का समाकलन। *इन्टरनेशनल ट्रांजेक्शन ओन इलेक्ट्रीकल एनर्जी सिस्टमस*, संख्या-26, अंक 6, 1 जून 2016, पृष्ठ 1210-1225, डीओआई: 10.1002 / एटाप.2130

अदिकान्त परिदा, शिबब्रत चौधरी, सैबाल चटर्जी, देबाशीस चटर्जी (2016), तकनीकी संस्थानों में ऊर्जा प्रभावकारिता के लिए एक नियम आधारित विद्युत ऊर्जा वितरण मॉडल: एक अध्ययन, *एनर्जी एण्ड बिल्डींग्स, (एल्सेवायर)*, संख्या-126, 15 अगस्त 2016, पृष्ठ 508-516, डीओआई: 10.1016 / जेएनबिल्ट .2016.05.06 9.

शान्तिनु चटर्जी, प्रशांत कुमार, सैबाल चटर्जी, (2016), ग्रिड से जुड़ी प्रकाश विद्युत प्रणाली पर एक तकनीकी-व्यावसायिक समीक्षा", प्रेस, जून 2017 में, *रिन्युएबल एण्ड सस्टेनेबल एनर्जी रिव्यूज (एल्सेवियर)*, डीओआई: 10.1016 / एसईआरआर.2017.06.045.

अनु कुमार दास, सैबाल चटर्जी, कॉमएसएल मल्टीफेहक्स (2016), तेल-भरे डिस्क-टाइप घुमावदार ट्रांसफार्मर में *कॉमसोल मल्टीफिजिक्स के उपयोग से प्रवाह दर और तापमान वितरण के परिमित तत्व विधि आधारित प्रतिमान। आईईटी इलेक्ट्रिक पावर एप्लीकेशन*, 2017, 1, संख्या-11, अंक: 4, पृष्ठ 664 - 673, डीओआई: 10.10 9 4 / आईटी-ईपीए -2016.0446

अदिकान्त परिदा, शिबब्रत चौधरी, सैबाल चटर्जी, देबाशीस चटर्जी (2016), मांग के प्रबंधन के लिए विनिर्माण उद्योगों हेतु एक लागत प्रभावी नवीकरणीय विद्युत शक्ति विकल्प। *कॉग्नेट इंजीनियरिंग (टेलर और फ्रांसिस)*, डीओआई: 10.1080/23311916.2016. 1239299, 22 सितंबर, 2016.

शिवाब्रत चौधरी, ए.के. पत्रा, ए. के. परिदा, एस. चटर्जी, (2017), ऑनलाइन ब्रांड वस्तुओं में ग्राहक खरीद आवृत्ति निर्धारकों के लिए इंटरवल टाइप-II फजी बहु समूह आधारित निर्णय रैंकिंग, *एडवॉन्सेज इन इंटेलेजेंट सिस्टम एण्ड कंप्यूटिंग।* संख्या-546, पृष्ठ 276-285, 2017 डीओआई: 10.1155/2011/929507.

प्रशांत कुमार, शांतनु चटर्जी, देवनाथ शाह, यू.के. साहा, सैबाल चटर्जी (2017), क्षेत्र के नियंत्रित डीसी सर्वो मोटर हेतु एफओपीआईडी नियंत्रक की ट्यूनिंग पद्धति की तुलना। *कॉग्नेट इंजीनियरिंग (टेलर और फ्रांसिस)*, डीओआई: 10.1080 / 23311 9 16.2017.1357875, में प्रेस जुलाई, 2017

एम. देबेन सिंह, आर. के. मेहता, ए. के. सिंह (2016), एकीकृत फजी-पीआई की धारा स्रोत का कनवर्टर आधारित डी-स्टेटकॉम। *कॉन्फेड इंजीनियरिंग, टेलर और फ्रांसिस*, डीओआई: 10.1155/2011/929507.

रेणु सिंह और ए. के. सिंह(2016), यथार्थवादी विश्व में लेख पठन स्वतंत्र स्पीकर सत्यापन तकनीकों की समीक्षा, *ओरिएंटल जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, संख्या-9 अंक-4, पृष्ठ 177-188 अप्रैल 2016 डोआई: <http://dx.doi.org/10.13005/ojcs/901.07>

(बी) सम्मेलनों में प्रकाशित आलेख

कमलज्योति गोगोई, तौशी मेईटी, सैबाल चटर्जी एवं ब्रजगोपाल दत्ता(2016), भारत के पश्चिमी एवं उत्तर-पूर्वी भारत क्षेत्रिय ग्रिड का अध्ययन एवं प्रतिमान। सी2ई2 - 2016, एसकेएफजीआई, मांकुंडू, हुगली, पश्चिम बंगाल-712139, भारत, 15-16 जनवरी, 2016 , *टेलर और फ्रांसिस पब्लिकेशंस*

देवनाथ शाह, शांतनु चटर्जी एवं सैबाल चटर्जी(2016), फ्रैक्शनल ऑर्डर पीआईडी नियंत्रक - एक समीक्षा, सी2ई2 - 2016, एसकेएफजीआई, मांकुंडू, हुगली, पश्चिम बंगाल 712139, भारत, 15-16 जनवरी, 2016, *टेलर और फ्रांसिस पब्लिकेशंस*

ब्रजगोपाल दत्ता, सैबाल चटर्जी एवं कमलज्योति गोगोई(2016), स्थिर एवं त्रुटि की स्थिति के तहत उच्च विभव एसी और उच्च विभव डीसी ट्रांसमिशन लाइनों पर निकटता और हाइब्रिड संचालन का प्रभाव: एक सर्वेक्षण, सी2 ई2 - 2016, एसकेएफजीआई, मानकुंडू, हुगली, पश्चिम बंगाल 712139, भारत, 15-16 जनवरी 2016, *टेलर और फ्रांसिस पब्लिकेशंस*

ए. कुमार एवं एस. के. भगत (2016), लाइपुनोव विधि के उपयोग से एकल मशीन इन्फिनिटी बस प्रणाली की विभव स्थिरता का तुलनात्मक अध्ययन," *आईईईई अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन/ माइक्रोकॉम 2016* , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दुर्गापुर, भारत, 2016

मुदंग तारो, दयाल शिल, अनु कुमार दास एवं सैबाल चटर्जी, (2017), ट्रांसफॉर्मर तेल आधारित लघु द्रव के प्रयोग हेतु वितरण ट्रांसफॉर्मर में प्रयोगात्मक जांच। *तीसरा अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, विद्युत प्रणाली की स्थिति का विश्लेषण (कैटॉन 2017) (स्वीकार)*

ओ.पी. रॉय एवं अभिजीत सिंह(2017), "रोग और उपचार के निदान के लिए विशेषज्ञ प्रणाली प्रारूप। *राष्ट्रीय सम्मेलन डिजिटल इंडिया कार्यान्वयन में विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी और कंप्यूटर तकनीकी की भूमिका। विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, कल्याणी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित। 18-19 फरवरी, 2017.*

रोहित कुमार साह एवं ओम प्रकाश रॉय(2017), स्मार्ट नियंत्रण एवं निर्णय लेने के लिए ज़िगबी तकनित के उपयोग पर समीक्षा। *राष्ट्रीय सम्मेलन डिजिटल इंडिया कार्यान्वयन में विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी और कंप्यूटर तकनीकी की भूमिका। विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, कल्याणी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित। 18-19 फरवरी, 2017.*

दिवाकर तमांग, सौरभ प्रकाश रॉय एवं ओ.पी. रॉय(2017), "सौर ट्रैकिंग प्रणाली पर एक समीक्षा। *राष्ट्रीय सम्मेलन डिजिटल इंडिया कार्यान्वयन में विद्युत, इलेक्ट्रॉनिकी और कंप्यूटर*

तकनीकी की भूमिका। विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर विज्ञान विभाग, कल्याणी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित। 18-19 फरवरी, 2017.

एच. के. सिंह, आर.एस. रॉ, ए. के. सिंह आदि(2016), "वाहनों का तदर्थ नेटवर्क कोण आधारित रूट प्रोटोकॉल का विश्लेषण। 2वाँ अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, *प्रतियोगिता रणनीतियों हेतु सूचना और संचार प्रौद्योगिकी। डीओआई: http://dx.doi.org/10.1145/2905055. 2905181*

(सी) पुस्तकें

पुस्तक अध्याय:

शिवाब्रत चौधरी, राजीव मोहन पंत, सैबल चटर्जी, एवं आशा नंदीन्ग(2016), जैव-पर्यटन के उद्देश्य से जीरो का महत्वांकन। पुस्तक- बायोप्रोसपेक्टिंग ऑफ इंडीजिनियस बायो रिसोर्सेज ऑफ नोर्थ ईस्ट इण्डिया। डीओआई 10.1007 / 978-981-10-0620-3_21, स्प्रिंगर साइंस+बिज़नेस मीडिया, सिंगापुर, 2016

4.6.15 बाहरी निकायों के साथ संकाय / विभाग का सम्पर्क

आचार्य एस. गाओ	<ul style="list-style-type: none"> • समीक्षक, आईईईई और आईईटी जर्नल, आईई (आई) • सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार समिति, राष्ट्रीय सम्मेलन वहनिय उर्जा एवं पर्यावरण हेतु प्रौद्योगिकी के नवीन आयाम, (एनएचटीएसई 2017), 9-10, मार्च, 2017, फरीदाबाद, हरियाणा, भारत।
आचार्य एस. चटर्जी	<ul style="list-style-type: none"> • आईईईई डीआईएस कोलकाता अध्याय 2016 के कार्यकारी सदस्य • तकनीकी कार्यक्रम समिति सदस्य, आईईईई कैटान-2017 आई.आई.टी रोपड़ • समीक्षक, आईईटी पत्रिकाओं, एल्सेवायर पत्रिकाओं, एमेरल्ड जर्नल
श्री ए के दास	<ul style="list-style-type: none"> • समन्वयक, रिमोट सेंटर, एन.एम.ई.आई.सी.टी., मा.सं.वि.म.

4.6.16 सलाहकार परियोजनाएं

विभाग के संकाय सदस्यों ने पी.जी.सी.आई.एल., नेपको और सरकार की नोडल इकाइयों से संस्थान-उद्योग सम्पर्क से परामर्शी सेवाएं प्रदान करने पर सक्रिय रूप से विचार कर रहे हैं।

4.6.17 छात्रों की उपलब्धियां

- श्री पुनयो टी बाई, श्री तोमियो गाई, श्री खुरोजो रको, श्री अश्विनी कुमा एवं श्री अमेलेश (2017) को पी.जी.सी.आई.एल. में अभियंता के रूप में नियुक्त किया गया है।
- श्री योगेंद्र सिंह (2015) को पोसोको में कनिष्ठ अभियंता के रूप में नियुक्त किया गया है।

- श्री रिपॉन कबक, मिश्री ताजो और सुश्री सुष्मा लिंगी (2017) को ए.पी.पी.एस.सी. द्वारा 2017 में सहायक अभियंता नियुक्त किया गया है।
- श्री दर्शन प्रकाश बोर्ठाकुक, श्री यमतो युद्धिक तब्बा, श्री यिक लोमोरी, श्री डोमनी गामरीक, श्री पुण्यो टी बाई, श्री रोहित सिंह तथा श्रीगुरु प्रसाद सिंह ने गेट-2017 के लिए योग्यता प्राप्त की है।

4.6.18 कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

विभाग के संकाय सदस्यों ने संस्थान में अतिरिक्त जिम्मेदारियों का भी निष्पादन किया है -

- आचार्य एस. चटर्जी ने संयुक्त रूप से श्री शिबाब्रत चौधरी, प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र, नेरिस्ट के पीएच.डी. पर्यवेक्षक थे।
- आचार्य आर. के. मेहता, विद्युत अनुरक्षण कक्ष के प्रभारी हैं।
- आचार्य एस. चटर्जी संस्थान टीईक्यूआईपी कक्ष के संयोजक हैं।
- आचार्य एस. के. भगत पुस्तकालय सलाहकार समिति के सदस्य हैं।
- आचार्य ए. के. सिंह केंद्रीय समय सारणी समिति के अध्यक्ष हैं।
- श्री एम. डी. सिंह कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के रूप में काम कर रहे हैं।
- श्री पी. डी. सिंह कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के रूप में काम कर रहे हैं।
- श्री ए. शर्मा छात्रावास-ई, के संरक्षक के रूप में काम कर रहे हैं।
- सुश्री पी. दास कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के रूप में काम कर रही है।

4.7 यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

4.7.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग का संचालन कुछ अनुभवी तथा कुछ नये उच्च शिक्षित (आईआईएससी, आईआईटी, एनआईटी, जेयू, आईटी-बीएचयू, बीईएसयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से) तथा उत्साही संकाय सदस्यों तथा योग्य एवं कुशल तकनीकी कर्मचारियों के सहयोग से देश की बढ़ती औद्योगिक और शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न स्तरों पर 200 से अधिक विद्यार्थियों (पूर्वोत्तर भारत एवं देश के अन्य राज्यों से) को शिक्षा प्रदान करने के लिए लिया जा रहा है। विभिन्न स्तरों के पाठ्यक्रम इस तरह तैयार किए गए हैं कि विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र स्तर में सेवा की कला, अनुरक्षण कौशल और समस्या समाधान, डिप्लोमा स्तर पर पर्यवेक्षण कौशल तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर में विद्यार्थियों को यांत्रिक अभियांत्रिकी और इसके आनुषंगिक अन्य विषयों के सूक्ष्म विश्लेषण के लिए समुचित रूप से प्रशिक्षित किया जा सके।

विभाग तीन विशेष क्षेत्रों में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चला रहा है: यथा- शीतलन एवं वातानुकूलन, शिल्पकार एवं मोटर वाहन अनुरक्षण। तदनुसार यांत्रिक अभियांत्रिकी में डिप्लोमा, बी. टेक. डिग्री तथा एम. टेक. डिग्री की शिक्षा प्रदान कर रहा है। एम. टेक. स्तर पर विशिष्ट विषय

कम्प्यूटर आधारित उत्पादन एवं स्वचालन तथा द्रव अभियांत्रिकी में विशिष्टता प्रदान की जा रही है तथा यांत्रिक अभियांत्रिकी में पीएचडी कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इस समय विभाग के सभी मोड्युल्स में मिलाकर कुल 115 पाठ्यक्रम और 20 परियोजनाएं प्रत्येक वर्ष चल रही हैं। संकायो सदस्यों की उपलब्धता के आधार पर यूजी और पीजी विद्यार्थियों के लिए विशेष और उभरते क्षेत्र में वाईकालपीर पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

विभाग द्वारा सेवारत पेशवारों के लिए विभिन्न स्तरीय अंशकालिक कार्यक्रम भी चलाए जाते हैं।

विभाग के चौदह प्रयोगशालाएँ और छह कार्यशालाएँ अत्याधुनिक उपकरणों और मशीनों से सुसज्जित हैं। संबंधित प्रयोगशालाओं में उपलब्ध मुख्य उपकरणों की विस्तृत सूची परिशिष्ट 'क' में दी गई है। विभाग में अपना दृश्य-श्रव्य प्रयोगशाला (संगोष्ठी कक् इंटरनेट के साथ कंप्यूटेशनल सुविधा और एक उन्नत विभागीय पुस्तकालय है। संकाय सदस्यों, स्टाफ सदस्यों तथा विद्यार्थियों के बीच परस्पर सौहार्दपूर्ण संबंध है। विद्यार्थियों को उद्योग जगत का व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए तथा पाठ्यक्रम की आवश्यकतानुसार विभाग समय-समय पर आस-पास के उद्योगों/ऊर्जा उत्पादन केंद्रों का दौरा आयोजित करता है। प्रमाण पत्र और डिग्री मॉड्यूल के विद्यार्थियों के लिए वोकेशनल प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है।

यूजी परियोजना और पीजी परियोजना/शोध प्रबंध के रूप में उच्च गुणवत्ता पूर्ण कई परियोजनाएँ पूरी की जा चुकी हैं। पूरे विश्व में देखी जाने वाली आर्थिक मंदी के बावजूद आलोच्य अवधि के दौरान विभाग से उत्तीर्ण 20% छात्रों को देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में नियोजन प्राप्त हुआ है। कुछ विद्यार्थी भारत के अन्य संस्थानों में उच्च शिक्षा के लिए भी चयनित हुए हैं। इस अवधि के दौरान, विभिन्न शैक्षिक एवं अन्य विकासात्मक परिप्रेक्ष्य में यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग ने बहुमुखी प्रगति की है तथा और बेहतर किए जाने का प्रयास जारी है।

विभाग का विजन और मिशन

विजन: पूर्वोत्तर के साथ-साथ पूरे देश के योग्य युवाओं को सही राह दिखाकर उनकी योग्यता में निखार लाते हुए वैश्विक मानकों और मांग को ध्यान में रखकर उपयुक्त मानव संसाधन विकसित करने के लिए शिक्षा और शोध के माध्यम से यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में एक मुकाम हासिल करना।

मिशन: शिक्षण ज्ञान और अभ्यास के माध्यम से सभी को समान महत्व देते हुए यांत्रिक अभियांत्रिकी में संतुलित शिक्षा देने के उद्देश्य से उचित परिवेश का निर्माण। शोध का श्रेष्ठ केंद्र निर्माण करना जो विद्यार्थियों के लिए उज्ज्वल भविष्य और आजीवन अनुभव के लिए प्रेरणा का स्रोत हो। देश में, विशेषकर पूर्वोत्तर भारत में विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन का सृजन करना जो तकनीकी रूप से सक्षम हो।

4.7.2 शैक्षणिक गतिविधियाँ:

बी.टेक. कार्यक्रम के अलावा विभाग दो स्नातकोत्तर कार्यक्रम (I) कंप्यूटर आधारित उत्पादन व स्वचालन (सीआईएमए) में एम.टेक और (II) उष्ण द्रव अभियांत्रिकी में एम.टेक. चला रहा है। पारंपरिक शिक्षण प्रविधियों के अतिरिक्त चयनित विषयों में विभाग अपने संगोष्ठी कक्ष में दृश्य-श्रव्य ई-लर्निंग सी.डी. के माध्यम से कक्षाएं भी आयोजित करता है। पाठ्यक्रम के विषयों अथवा पाठ्यक्रम के क्रेडिट वितरण व्यवस्था को सरल और कारगर बनाने के लिए कई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं। विद्यार्थियों के लिए नवीन और ज्ञान के उभरते क्षेत्रों से संबंधित विषय वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सभी माइयूल्स के पाठ्यक्रम समीक्षा का कार्य पूरा कर उसे लागू भी कर दिया गया है। नया पाठ्यक्रम शैक्षणिक परिषद से अनुमोदित है और शैक्षणिक सत्र 2010-11 से लागू किया गया है।

प्रमाण-पत्र और डिग्री माइयूल्स के पाठ्यक्रम में व्यवसायिक प्रशिक्षण को शामिल किया गया है। प्रमाणपत्र माइयूल्स के विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव अर्जित करने के लिए देश के विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों अथवा मरम्मत एवं रख-रखाव केंद्रों में भेजा जाता है ताकि वे अपने विषयों से संबंधित सिद्धांतों पर आवश्यक अनुभव अर्जित कर सकें। प्रमाण-पत्र माइयूल्स के विद्यार्थियों के लिए जॉब-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का एक अंग है जिसके अंतर्गत विद्यार्थी, संकाय सदस्य और तकनीकी स्टाफ के निर्देशन में उपकरणों के मरम्मत और रखरखाव का काम करते हैं।

डिग्री माइयूल्स के विद्यार्थियों ने अपने पाठ्यक्रम के एक आवश्यक भाग के रूप में विभिन्न प्रतिष्ठित सरकारी / गैर सरकारी संगठनों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आलोच्य अवधि के दौरान आधार, डिप्लोमा और डिग्री माइयूल्स के विद्यार्थियों को आस-पास के ऑटोमोबाइल मरम्मत केंद्रों, शीतलन भंडार और आर ए सी प्लांटों और जल विद्युत प्लांटों में व्यावहारिक अनुभव अर्जन हेतु ले जाया गया। डिग्री कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा अध्ययन किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की वास्तविकता का परिचय प्राप्त करने के लिए उनके लिए अखिल भारतीय उद्योग भ्रमण का भी आयोजन किया गया।

नेरिस्ट के संकाय, स्टाफ तथा विद्यार्थियों का संयुक्त मंच नेरिस्ट यांत्रिक संस्था (एमएएन) ने विभाग से संबंधित विभिन्न शैक्षणिक मामलों के हल के लिए एक मंच प्रदान किया। इस संस्था ने नेरिस्ट के छात्रों, विशेषकर यांत्रिक अभियांत्रिकी के छात्रों के लिए व्याख्यान शृंखला, नकली साक्षात्कार, तकनीकी प्रतियोगिता आदि का भी आयोजन किया। नेरिस्ट के विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल कूद संबंधी आयोजनों यथा: आरएसीएएफ, सृष्टि आदि में विभाग के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। भारत के अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया।

4.6.3 विभाग की गतिविधियां

लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं का आयोजन

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग ने टीईक्यूआईपी-II के सौजन्य से निरेस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 16-17 अक्टूबर, 2016 को दो दिन के संस्थान-उद्योग सम्पर्क कार्यक्रम जैव-डीजल उत्पादन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम के सयोजक आचार्य पी. लिंगफा थे।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग ने टीईक्यूआईपी-II के सौजन्य से निरेस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 16-17 मार्च, 2017 को एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल के साथ संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम "परिणाम आधारित शिक्षा के लिए प्रशिक्षण" का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम के सयोजक आचार्य एस. महतो थे।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग ने टीईक्यूआईपी-II के सौजन्य से निरेस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 4-8 नवम्बर, 2017 को संस्थान-उद्योग सम्पर्क कार्यक्रम "औद्योगिक कंप्यूटर संख्यात्मक नियंत्रण (सीएनसी) प्रणाली" का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम के सयोजक आचार्य एस. महतो थे।

लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की सहभागिता

आचार्य एम. मुरलीधर, आचार्य पी. लिंगफा, आचार्य एम. चन्द्रशेखरन, डॉ. एस. सामन्ता, श्री नबम तेई, श्री एस. के. तमांग ने टीईक्यूआईपी-II के सौजन्य से निरेस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 16-17 मार्च, 2017 को एन.आई.टी.टी.टी.आर., भोपाल के साथ संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम "परिणाम आधारित शिक्षा के लिए प्रशिक्षण" में भाग लिया था।

आचार्य पी. लिंगफा ने आईआईटी कानपुर द्वारा निरेस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला 'स्थानीय चपटर की भूमिका' में भाग लिया था। इस कार्यक्रम के एनपीटीईएल समन्वयक आचार्य सत्याकी राय थे।

आचार्य एस. महतो ने एवियोनिक्स विभाग, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी), तिरुवनंतपुरम, केरल में 27-30 दिसम्बर, 2016 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "नियंत्रण प्रणाली अभियांत्रिकी एवं डिजाइन" में भाग लिया था।

आचार्य एस. महतो ने टिक्युप के सौजन्य से एरोस्पेस विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर, उत्तर प्रदेश में 22-23 जनवरी, 2017 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "पॉलिमर सम्मिश्र यांत्रिकी" में भाग लिया था।

डॉ. एस. सामन्ता ने एन.आई.टी.टी.टी.आर. कोलकाता द्वारा 19.09.2016 से 23.09.2016 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यात्मक कपड़ा और सुरक्षा में भाग लिया था।

श्री के. के. मण्डल ने यॉत्रिक अभियॉत्रिकी विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा 18 अगस्त, 2016 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला "मिश्रित सामग्री के वर्तमान आयाम" पर में भाग लिया था।

श्री के. के. मण्डल ने टीईक्यूआईपी-॥ के सौजन्य से कलिय परिवर्तन सह उत्पाद विशिष्टता विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा 26 अगस्त से 17 सितम्बर, 2016 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "कठोरता एवं कलिय परिवर्तन" में भाग लिया था।

श्री के. के. मण्डल ने टीईक्यूआईपी-॥ के सौजन्य से उत्कृष्टता केन्द्र, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा 22-23 सितम्बर, 2016 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "जोड़ प्रक्रिया के वर्तमान आयाम" में भाग लिया था।

श्री के. के. मण्डल ने टीईक्यूआईपी-॥ के सौजन्य से उत्कृष्टता केन्द्र, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा 4-5 अक्टूबर, 2016 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम " सामग्री विशेषता तकनीक " में भाग लिया था।

श्री एस के तमांग, ने 16-17 अक्टूबर, 2016 को आयोजित दो दिवसीय संस्थान-उद्योग सम्पर्क कार्यक्रम जैव-डीजल उत्पादन प्रशिक्षण सह प्रदर्शन में भाग लिया था।

4.7.3 विभाग में अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य

यॉत्रिक अभियॉत्रिकी में शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए उत्कृष्टता संस्थान (नेरिस्ट से अन्वेषक)

(मुख्य अन्वेषक: आचार्य यू.एस. दीक्षित, यॉत्रिक अभियॉत्रिकी विभाग, आईआईटी, गुवाहाटी)

प्रायोजन निकाय: अभातशिप

राशि: प्रति माह 25 लाख

स्थिति: पूर्ण

नेरिस्ट में 250 लीटर क्षमता के एकीकृत बायोडीजल रिएक्टर प्रणाली की स्थापना और प्रदर्शन

(मुख्य अन्वेषक: आचार्य पी. लिंगफा, यॉत्रिक अभियॉत्रिकी विभाग, नेरिस्ट, निर्जुली)

प्रायोजन निकाय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार

राशि: पचास लाख रुपए

स्थिति: पूर्ण

4.7.5 विभाग में अनुसंधान गतिविधियाँ

यह विभाग यॉत्रिक अभियॉत्रिकी के प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान के वर्तमान परिदृश्य में सक्रिय रूप से शामिल है। अपने शोध विश्लेषकों के साथ संकाय सदस्यों ने भी कई प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों की कार्यवाही में अपने आलेख प्रकाशित किए हैं, जो कि सूचीबद्ध हैं।

वर्तमान में 27 शोध विद्वान (पूर्णकालिक और अंशकालिक) विभाग में काम कर रहे हैं। नीचे की तालिका में पीएच.डी. छात्रों का विवरण दिया गया है।

अ.क्र.	विद्वान का नाम	शोध का शीर्षक	पर्यवेक्षक
1.	श्री एस. के. तमांग	निकेल आधारित मिश्रणों की टिकाऊ मशीनीकरण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुकूलन	आचार्य एम. चंद्रशेखरन
2	श्री संतोष कुमार	भारतीय उद्योग में विनिर्माण प्रणाली के श्रम दक्षता पहलुओं पर अध्ययन	आचार्य एम. मुरलीधर
3.	श्री दीपंका भूयान	समानांतर सतह चैनल के अंदर प्राकृतिक और मिश्रित संवहनी संक्षेपण	आचार्य आशिस गिरि
4.	श्री कंकन किशोर	एक घिरी ऊर्ध्वाधर चर उंचाई फ़िन येरे के माध्यम से प्राकृतिक और मिश्रित संवाहनी अध्ययन	आचार्य आशिस गिरि
5.	श्री सुजॉय कुमार डे	पी.ई.ई.के. एवं एच.ए. का समग्र संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. एस. सामन्ता
6.	श्री धर्मेश्वर दास	एम.जी. आधारित एम.एम.सी. का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. एस. सामन्ता
7.	श्री शुभाजीत दास	एए-6061-एसआईसी- बी4सी संकर लघु मिश्रण का लक्षण वर्णन और डबलू.ई.डी.एम मशीनीकरण पहलुओं पर अध्ययन	आचार्य एम. चंद्रशेखरन डॉ. एस. सामन्ता
8	श्री संतोष कुमार साहू	मिश्रित लघु-पॉलीमर परत के साथ मधुकोश मध्य बीम के डिजाइन मापदंड परिवर्तनशीलता का निर्माण, लक्षण वर्णन और मूल्यांकन	डॉ. एस. सामन्ता डॉ. पी.एस.आर. श्रीकांत (अतिरिक्त)
9	श्री एन डी बडगयान	एच/बी.एन.एन.पी./एम.डब्ल्यू.सी.एन.टी. की एच.डी.पी.ई. हाइब्रिड पॉलीमर मिश्रित प्रबलित विशेषता	डॉ. एस. सामन्ता डॉ. पी.एस.आर. श्रीकांत (अतिरिक्त)
10	श्रीमती स्वीटी महंत	धातु मैट्रिक्स नैनो-कंपोजिट और हाइब्रिड धातु मैट्रिक्स नैनो कम्पोजिट का लक्षण वर्णन और मशीनीकरण प्रक्रिया का अध्ययन	डॉ. एस. सामन्ता आचार्य एम. चंद्रशेखरन
11.	श्री बिहुब चौधरी	निकल आधारित मिश्र धातुओं में जी.टी.ए.डब्ल्यू. की प्रायोगिक जांच और टिकाऊ उपायों का अनुकूलन।	आचार्य एम. चंद्रशेखरन

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

12.	श्री संतोष दास	जैविक ईंधन	आचार्य पी. लिंगफा
13.	श्री नबाब पापू हिना	अरुणाचल प्रदेश, भारत से नये पृथक ताजे पानी के सूक्ष्म शैवाल उपभेदों की जैव डीजल क्षमता का लक्षण वर्णन	आचार्य पी. लिंगफा
14.	श्री मोइचिंग सजीत अहमद	व्यापक सारांश अभी तक प्रस्तुत नहीं किए गया है।	आचार्य पी. लिंगफा
15.	श्री हेमंत दोली	व्यापक सारांश अभी तक प्रस्तुत नहीं किए गया है।	डॉ. संदीप सिंह
16.	श्री सोहनी चौधरी	व्यापक सारांश अभी तक प्रस्तुत नहीं किए गया है।	
17.	श्री नुमण सिद्दीकी मजूमदार	व्यापक सारांश अभी तक प्रस्तुत नहीं किए गया है।	आचार्य आशिस गिरि
18.	श्री प्रांजल बोराह	व्यापक सारांश अभी तक प्रस्तुत नहीं किए गया है।	डॉ. संदीप सिंह डॉ. एस. एस. सामंता
19.	श्री पुलकेश चेतिया	व्यापक सारांश अभी तक प्रस्तुत नहीं किए गया है।	डॉ एस एस सामंता आचार्य एस. महतो
20.	श्री बनारी पांडे	व्यापक सारांश अभी तक प्रस्तुत नहीं किए गया है।	आचार्य एस. महतो
21.	श्री दिजू कुमार बैरो	व्यापक सारांश अभी तक प्रस्तुत नहीं किए गया है।	आचार्य एस. महतो
22.	श्रीमती संगीता दास	Ge, Fe ₂ O ₃ V ₂ O ₅ मिश्रीत लेड कैल्शियम टाइटेनेट बोरोसिकेट कांच का संश्लेषण व इसके प्रकाश विद्युत गुणों का आकलन	डॉ एस.एस. गौतम
23.	श्री सिद्धार्थ दास	नैनो तरल पदार्थ का उपयोग करके उष्मा पाइप का प्रदर्शन विश्लेषण	आचार्य आशिस गिरि
24.	श्री मइबम रोमियो सिंह	फ़िन का उपयोग करके चरण परिवर्तन सामग्री से विद्युत शितलन	आचार्य आशिस गिरि
25.	श्री विवेक सिंह	जोड़ गुणवत्ता, जोड़ गति एवं बिजली की खपत का अनुकूलन	आचार्य एम. चंद्रशेखरन डॉ. एस. एस. सामंता
26.	श्री खंबोंगमायम चुरंजित	अनानास फाइबर और सनएनहेम्प फाइबर मिश्रीत बहुलक मैट्रिक्स का संश्लेषण एवं लक्षण वर्णन	डॉ. एस. एस. सामंता

27.	श्री देवारासिद्दप्पा डी.	टाइटेनियम मिश्र धातु के डबलू.ई.डी.एम. मापदंडों का सरलीकरण एवं टिकाऊ उत्पादन के लिए मचीलापन की जांच	आचार्य एम. चंद्रशेखरन
-----	--------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------	-----------------------

4.7.6 स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनाएं (मई 2016)

अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, अंतिम वर्ष स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों ने अपने संकाय सदस्यों की देखरेख में यॉत्रिक अभियॉत्रिकी के उभरते विषयों पर अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत की थी, जिनका विवरण निम्नलिखित है -

एम.टेक. (सी.आई.एम.ए.) परियोजनायें

क्रम संख्या	छात्र का नाम व रोल क्रमांक	विषय	पर्यवेक्षक
01	सुश्री सोहिनी चौधरी एम.टी./14/सीआईएमए/01	लेजर आधारित योजक विनिर्माण: कला, उष्मा हस्तांतरण विश्लेषण और क्षमता	आचार्य एम. चंद्रशेखरन डॉ. एन. यादाईह
02	श्री फूलशेत चेतिया एम.टी./14/सीआईएमए/02	हाइब्रिड संमिश्र के लक्षण	डॉ. एस. एस. सामंता
03	श्री हेमंत दोली एम.टी./14/सीआईएमए/03	मैगनेशियम आधारित धातु के सघु आकार मशीनिकरण हेतु पैरामेट्रिक सरलीकरण एवं प्रतिमान	डॉ. एस. एस. सामंता श्री संतोष तमांग
04	श्री बिष्यब चौधरी एम.टी./14/सीआईएमए/04	निकल आधारित एयरोस्पेस मिश्र धातु की जीटीएड विशेषताओं पर अध्ययन	आचार्य एम. चंद्रशेखरन
05	श्री पारांगल बोराह एम.टी./14/सीआईएमए/06	फिलर योजन उपरान्त समग्र सामग्री के गुणों का संवर्धन	डॉ. एस. एस. सामंता
06	सुश्री गेलो रिन् एम.टी./14/सीआईएमए/07	विश्लेषणात्मक रूप से अनुमानित उष्मीय स्रोतों का उपयोग करके गहरी पैठ लेजर जोड़ प्रक्रिया का एफ.ई. आधारित गर्मी हस्तांतरण विश्लेषण	डॉ. एन. यादाईह
07	श्री एस. के. लाल मुआन एम.टी./14/सीआईएमए/09	एलुमिनियम आधारित लघु कण मिश्रण की प्रायोगिक जांच एवं प्रक्रिया प्रतिमान	आचार्य एम. चंद्रशेखरन श्री एस. के. तमांग

08	श्री पारांगल कालिता एम.टी./14/सीआईएमए/10	प्रयोगात्मक जांच और संकर लेजर जोड़ प्रक्रिया का संख्यात्मक प्रतिमान	डॉ. एन. यादाईह
----	---------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------	----------------

एम.टेक. (टी.एफ.ई.) परियोजनाएं, 2016

क्रम संख्या	छात्र का नाम व रोल क्रमांक	विषय	पर्यवेक्षक
01	श्री जितेंदर एस. रावत एम.टी./14/टीएफई/01	सौर उष्मा भंडारण प्रणाली का डिजाइन एवं निर्माण	डा. एम. पी. थडडूस
02	सुश्री ताना पोम्पी एम.टी./14/टीएफई/02	सीआई इंजनों में बायो-डीजल के रूप में मेसा फेरिया, जेट्रोफा और पोन्मैमैआ पिन्नटा मिथाइल एस्टर के प्रयोग का तुलनात्मक अध्ययन	आचार्य पी. लिंगफा
03	श्री प्रांजल पी. नेवार एम.टी./14/टीएफई/03	आयताकार फिन सरणी में बड़े पैमाने पर उष्मा स्थानांतरण की प्रायोगिक जांच	आचार्य आशिस गिरि
04	श्री शेख एम. रशीद एम.टी./14/टीएफई/04	गैर-खाद्य तेलों से जैव-स्नेहक का उत्पादन	आचार्य पी. लिंगफा
05	श्री मोड़चिंग एस अहमद एम.टी./14/टीएफई/06	अपशिष्ट पकाने के तेल से बायो-डीजल उत्पादन का अनुकरण और आर्थिक विश्लेषण	आचार्य पी. लिंगफा
06	श्री कृष्ण रॉय एम.टी./14/टीएफई/07	भंवर जनरेटर के प्रवेश क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक चिप्स के शितलन का संख्यात्मक एवं प्रयोगात्मक अध्ययन	आचार्य आशिस गिरि
07	श्री ओजिंग सिराम एम.टी./14/टीएफई/09	इलेक्ट्रॉनिक चिप का संख्यात्मक और प्रयोगात्मक विश्लेषण	आचार्य आशिस गिरि श्री नबम तेई

बी. टेक. परियोजनाएं, 2016

क्रम संख्या	छात्र का नाम व रोल क्रमांक	पर्यवेक्षक	विषय
1	मोहम्मद मुर्तजा आलम अनिमेश बोहरा कल्लोल देबनाथ डुनिवान्ही सुचियांग	आचार्य एम. मुरलीधर	गन्ना और मछली छिलको पर आधारित मिश्रित सामग्री के यांत्रिक लक्षण वर्णन
2	रमीज़ राजा खान अमृता शर्मा चंदन कुमार जायसवाल	आचार्य पी. लिंगफा	एक सिलेंडर 4-स्ट्रोक डीजल इंजन को डीजल में खाद्य तेल बायोडीजल मिश्रण द्वारा चलाने पर उत्सर्जन विशेषताओं का विश्लेषण
3	कृति लता दिलीवर हुसैन लस्कर शीतल चंद्र दास चिरंजीत कुमार राँय	आचार्य पी. लिंगफा	बायोडीजल एवं मिश्रण ईंधन के उपयोग से सी.आई. इंजन की उत्सर्जन विशेषताओं और प्रदर्शन का विश्लेषण
4	सनी डॉकुपर ब्लाह मेडनोनम क्लाइड लैंगस्टीह	आचार्य ए. गिरि	पृथ्वी नलिका उष्मा प्रवाह
5	इंद्रजीत पॉल दीपता शंखा राय चौधरी	आचार्य ए. गिरि	डीजल इंजन का सैद्धांतिक विश्लेषण
6	मर्शी चवंग ग्याजिनली गंग्मी	आचार्य एम. चंद्रशेखरन श्री एस. तमांग	Al/SiCp धातु सारणी की काटने की स्थिति प्राप्त करने एवं मशीनिंग परीक्षण
7	मुगका बी सेमा मंटू रंगसन नीतीश कुमार यादव	आचार्य एम. चंद्रशेखरन श्री एस. तमांग	हाइब्रिड एमएमसी पर तार कटाई एडीएम का प्रदर्शन अध्ययन
8	राघदीप राज रोमन नेवार सौरव पॉल	डॉ. एस. सामंता	धेमजी जिले की आपदा राहत आपूर्ति श्रृंखला का रसद आपूर्ति प्रतिमान
9	माया भौमिक रत्नादीप दास हिरण्य दत्ता	डॉ. एस. सामंता श्री एस. तमांग	MgSiC का मशीनिंग अनुकूलन

10	अमन कुमार प्रशांत श्रीवास्तव शैलेन्द्र प्रताप संदीप कुमार रवी	डॉ. एस. सिंह	ऑफ़सेट रोटर में अनुप्रस्थ दरार की पहचान एवं प्रयोगात्मक उपचार -सह- सत्यापन।
11	राजेश सोराम हाओम बिमोल सिंह स्वेयीक्रुल किखी	श्री नबम तेई	संपीडित वायु इंजन का निर्माण
12	राधे नोविन थांगलुनमांग लहंगडीम	श्री नबम तेई	समाकलित स्वयं सतह संवेदी युक्त क्वाडकोपर का निर्माण
13	शशि शर्मा जीतू कुमार खंफ़रबोर खन्नारी	डॉ. एन. यादाईह	लेजर आधारित योजक विनिर्माण के संचालन के गर्मी हस्तांतरण विश्लेषण पर अध्ययन
14	अरिंदम रॉय सुभाषदीप चक्रवर्ती	डॉ. एन. यादाईह	जी.एम.ए.डब्ल्यू. के द्रव प्रवाह एवं उष्मा हस्तांतरण का विश्लेषण
15	बिक्रम सिंह पंकज कुमार साह बतिस्ता गिरोह	डॉ. एन. यादाईह	जी.एम.ए.डब्ल्यू. का उष्मा प्रवाह विश्लेषण

4.7.7 प्रदान की गई पीएच.डी. उपाधियों की सूची (2016-2017)

- डॉ. एन. के. राणा को पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश से पीएच.डी. की उपाधि वर्ष 2017 में प्रदान की गई थी। इनके शोध कार्य का शिर्षक बहुअक्षिय स्नेहक के उपयोग से हाइड्रोस्टैटिक हाइब्रिड शंकवाकार की कार्यक्षमता का अध्ययन था।
- डा. थिंगुजम जैक्सन सिंह को पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश से पीएच.डी. की उपाधि वर्ष 2017 में प्रदान की गई थी। इनके शोध कार्य का शिर्षक "बांस / केवलर रेसा पॉलिमर मिश्रित सामग्री की विशेषता था।

4.7.8 बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों का सम्पर्क

विभाग के संकाय सदस्य प्रोफेसर पी. लिग्फा को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, डा. आशि गिरी का जादवपुर विश्वविद्यालय, डा. एम. चन्द्रशेखरन, डा. एस. महतो, डा. एस. सिंह, श्री एम दाबी व श्री एन. जादाह का भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, डा. के. के. मण्डल का जादवपुर विश्वविद्यालय, तथा एस. सामन्ता का बंगाल अभियांत्रिकी महाविश्वविद्यालय, रा.प्रौ.सं. अरुणाचल प्रदेश व डा. एस.एस. गौतम का बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, से संयुक्त अनुसंधान हेतु सम्पर्क है।

4.7.9 विभाग के संकाय सदस्यों का संस्थान प्रशासन में योगदान

डा. पी. लिग्फा

विभागाध्यक्ष, सम्पर्क अद्यिकरी (आ.जा./अ.ज.जा) अध्यक्ष, ई वी सी..

डा. एम. चन्द्रशेखरन

अध्यक्ष, यातायात एवं संयोजक अभातषिप कक्ष

डा. एस. सामन्ता

सलाहकार, नियोजन व प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सदस्य- नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा

डा. संदीप सिंह

मुख्य संरक्षक सह अध्यक्ष, छात्रावास प्रबन्ध परिषद, अध्यक्ष, व्ययामशाला

डा. एस.एस. गौतम

उपाध्यक्ष, सुरक्षा

श्री संतोष तमांग

संरक्षक, छात्रावास-डी

वाई.टी. कामदीर

यातायात अधिकारी

4.7.10 अन्य सूचनार्ये

साफ्टवेयर खरीदे गये

क) आन्सीस (वी-15): 5 उपभोक्ता

ख) क्रेयो पेरामेट्रीक (प्रि- इन्जीनियरिंग) - 50 उपभोक्ता

प्रयोगशालाओं का नवीनीकरण किया जा रहा है। श्री तपन चक्रवर्ती कार्यशाला, संयोजक, तथा श्री डी. माझी प्रयोगशाला संयोजक का कार्य निस्पादन कर रहे हैं।

4.7.11 प्रकाशन :

पुस्तकों में अध्याय

यू. एस. दीक्षित, वी. यादव एवं ए. के. सिंह (2017), *समतल रोलिंग में तापमान वितरण का आकलन, पुस्तक रोलिंग ऑफ एडवानसड हार्ड स्टीलस: सिद्धांत, थ्योरी, सिमूलेशन एण्ड प्रेक्टीस* प्रकाशक सीआरसी प्रेस, पृष्ठ 130-169 (अध्याय 3)

अनुसंधान जर्नलों में प्रकाशित आलेख

डी. भुयान, आसिसगिरि और प्रदीप लिग्फा (2016) "झिल्ली अनुसार संक्षेपण पर सापेक्षिक आर्द्रता का प्रभाव-एक संख्यात्मक अध्ययन", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल और प्रोडक्शन इंजीनियरिंग रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट*, विशेष अंक-आईएसएसएन (पी): 2248-6890; आईएसएसएन (ई): 2249-8001, पृष्ठ 87-100

के. के पाठक, ए. गिरि और पी. लिंगफा (2017) "कंधायीऊर्ध्वाधर उष्मा संवाहक(फिन) के गर्मी हस्तांतरण गुणांक का मूल्यांकन: एक संगणना दृष्टिकोण", *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी* संख्या 8, अंक 4, आईएसएसएन प्रिंट: 0976-6340 और आईएसएसएन ऑनलाइन: 0976-6359, पृष्ठ 319-326

एस. के. दास, एस. दास एवं पी. लिंगफा, (2017) "विभिन्न स्रोतों से तैयार जैव-डीजल के साथ डीजल इंजन के प्रदर्शन और उत्सर्जन विश्लेषण का तुलनात्मक आकलन", *जरनल ऑफ इण्डस्ट्रीयल पोलुसन कंट्रोल* 33 (1), पृष्ठ 1114-1119

एस.के. तमांग एवं एम. चंद्रशेखरन (2016) "इंटेलेल 825 में मशीनिंग के लिए एकीकृत अनुकूलन पद्धति और इसके कार्यशाला उपयोग", *जरनल ब्राज. सोस. मेक. साँइन्स। इंग्लैंड*, अंक 39 (3): 865 – 877

एस. के. तमांग एवं एम. चंद्रशेखरन (2016) "एमएमसी मशीनिंग के बुद्धिमान नियंत्रण के लिए एएनएन-पीएसओ समायोजित सरलीकरण प्रविधि", *जे. इंस्ट. इन्जि. इण्डिया, एसआर सी, डीओआई* 10.1007/s40032-016-0276-3

एस. के. तमांग, एन. नटराजन एवं एम. चंद्रशेखरन (2016) "छेद गुणवत्ता में सुधार के लिए मशीनिंग सूक्ष्म छेद में ईडीएम प्रक्रिया का अनुकूलन" *ब्राज़। जरनल ब्राज. सोस. मेक. साँइन्स, इंग्लैंड*, अंक 39 (4): 1277 – 1287

डी. देवारासिद्दाप्पा, जे. जॉर्ज, एम. चंद्रशेखरन एवं एन. टेयई (2016) "वेडम प्रक्रिया में एयरोस्पेस मिश्रणकी सतह की गुणवत्ता में हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्त का उपयोग", *प्रोसीडिया टेक्नोलॉजी*, ईल्सेवीयर प्रकाशन, अंक 25: 1199-1208

वी. यादव, ए. के. सिंह एवं यु. एस. दीक्षित (2017), "फ्लैट रोलिंग में घर्षण के गुणांक के लिए यांत्रिक गुणों का अनुमान एवं इसका प्रायोगिक सत्यापन", *जर्नल ऑफ इन्सीट्युसन ऑफ इंजीनियर्स, इंडिया सीरीज-सी*, अंक 98 (4), पृष्ठ 48-52

महतो एस., (2016) "कठोर-लचीला रोबोट संचालन की गतिशीलता पर प्रणाली विशिष्टताओं का प्रभाव। *जर्नल ऑफ रोबोटिक्स, नेटवर्किंग एण्ड आर्टिफिसियल लाईफ। अंक 3* (2), पृष्ठ 116-123

नितेश धार बदगयायन, सान्तनु सामंत, संतोष कुमार साहू, एस.बी. वेन्काता शिवा, किशोर कुमार सदसाइवनी, दुर्योधन साहू, पी.एस. रामा श्रीकांत (2017), "1-डी और 2-डी नैनोफिलर आधारित पॉली-एथिलीन संकर नैनोकोमोसाइट्स का उच्च घनत्व व्यवहार: एक रन-इन और स्थिर चरण विश्लेषण", *वियर*, अंक 376-377, 2017, पृष्ठ 1379-1390

थिंगुजम जैक्सन सिंह और सुतानु सामंत (2017), "बांस/केजर के 29 अन्तर परत लेमिनेटेड शंकरमिश्रण की यांत्रिक शक्ति पर स्टैकिंग अनुक्रम का प्रभाव", *इंडियन जर्नल ऑफ फाइबर एंड टेक्स्टाइल रिसर्च*, अंक-42, जून 2017, पृष्ठ 230-234

थिंगुजम जैक्सन सिंह, सान्तनु सामंत एवं हेमंत सिंह, "बम्बू रेसा प्रबलित एपिकी मिश्रण की चालकता व अचालकता पर केवलर हाइब्रिडाइज़ेशन का प्रभाव", *जर्नल ऑफ नेचुरल फाइबर्स, टेलर एण्ड फ्रांसिस*, 2017, डीओआई: 10.1080/15440478.2017.1279583.

एन. के. राणा, एस. एस. गौतम एवं एस. वर्मा(2016), "माइक्रोप्रोलर स्नेहन के तहत सतत प्रवाह वाल्व की शंक्वाही बहु-संकर कीकी दक्षता का आकलन। *इंट. जे. डिजाइन इंजीनियरिंग*, अंक-6, संख्या-3, पृष्ठ 218-236

एन.के. राणा, एस. एस. गौतम एवं एस. वर्मा(2016), "शुद्ध अक्षिय द्रव स्नेहन के तहत सी.पी.वाई. के साथ शंक्वाकार शंकर धारक के पर रिकॉसेस प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन," *ट्राइबोलॉजी ऑनलाइन*, अंक-11, संख्या-3, पृष्ठ 474-486.

संदीप सिंह एवं राजीव तिवारी (2016) सक्रिय चुंबकीय प्रभाव में स्थित जेफकॉट रोटर में समेकित ऑफसेट डिस्क मॉडल-आधारित स्विचिंग-क्रैक की पहचान। *जे. डायना. सिस. मैज. कंट्रोल* अंक-138(3)

संदीप सिंह आदि(2016) जैव डीजल के निर्माण में प्रयुक्त कुछ तेलों के ट्रायोलोगिक लक्षण। *इन्टरनेशनल जरनल ऑफ रिसर्च इन इन्जिनियरिंग, टेक्नोलॉजी एण्ड साइन्स*। संख्या- 4, अंक-1 और II, दिसम्बर 2016.

एन. के. राणा, एस.एस. गौतम, एस. वर्मा एवं एफ. रहमानी (2016), "सतत प्रवाह वाल्व की कठोरता और गिलेपन गुणक पर माइक्रोप्रॉलर स्नेहक का प्रभाव। *प्रोसीडिया टेक्नोलॉजी* , एल्सेवीयर, अंक- 23, पृष्ठ 42-50

थिंगुजम जैक्सन सिंह, सुतनु सामंता (2016), " फाइबर परत मिश्रण प्रबलित बांस/केवलर में छेद करने की प्रक्रिया का बहु-प्रारूप सरलीकरण। आईओपी कॉन्फ श्रृंखला: मेटेरियल साइन्स एण्ड इंजीनियरिंग, 149 (2016) 012028 डीओआई: 10.1088/1757-899X/149/1/012028.

संतोष कुमार एवं मुरलीधर एम., (2016), "कंपन रोधी प्रतिपादन कार्य में कार्पल टनल सिंड्रोम के फैलाव का विश्लेषण।, *एडवॉन्सेज इन प्रोडक्शन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट*, अंक-11(2), पृष्ठ 126-140, 2016.

बी. कुमार, सुरेश कुमार, यदायाह एन. एवं मुरलीधर एम., (2016), भारतीय एलएमवी उप-प्रणाली की सामग्रियों का विश्लेषण।, *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च इन साइंस एंड इंजीनियरिंग*। (आईएसएन 2319-8354), संख्या 5, अंक 8, अगस्त 2016.

मुरलीधर एम. एवं दत्ता जी.एल., (2016), कास्ट आयरन ऑटोमोबाइल फाउंड्री में ऊर्जा का उपभोग और संरक्षण: एक अध्ययन। *इंडियन फाउंड्री जर्नल* , अक्टूबर 2016 विशेष अंक.

के. के. मंडल, बी. चटर्जी, ए. एस. कोर एवं एस. मित्रा (2016), तांबा शीट के लेजर शुद्ध छिद्र के तिरछेपन का अध्ययन। *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग ट्रेड्स इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, संख्या-03, अंक 05, मई 2016.

के. के. मांडल , बी. चटर्जी, ए. एस. कोर एवं एस. मित्रा (2016), तांबा शीट के लेजर शुद्ध छिद्र के तापमान प्रभावित क्षेत्र का अध्ययन। *ई.एल.के. एशिया पैसिफिक जरनलस*, विशेष अंक, मई 2016

सी.आर. गौतम, सी. डब्ल्यू. मनोहोंग, एस.एस. गौतम, ए. के. सिंह, ए. मधेशीया, एम. तामुक, (2016), (Sr,Bi)Tio₃ बोरोसिलेट ग्लास सिरामिक का संश्लेषण व अचालकता विशिष्टताओं का अध्ययन। *जर्नल ऑफ सिरामिक साइंस एंड टेक्नोलॉजी*, अंक 1, संख्या 7.

सी.आर. गौतम, सी.डब्ल्यू. मांगपुंग, एस. एस. गौतम, ए. के. सिंह, ए. मधेशीया तथा एम. तामुक(2016), SrCO₃ और ZrO₂ के हाईड्रोएक्सपाईटीबोयोसिरेमिक के अवयवों का माइक्रोवेव संश्लेषण एवं अध्ययन। जरनल ऑफ मेटेरियल साइंन्स। अंक-51, संख्या-10.

सम्मेलनों की प्रक्रिया में प्रकाशित आलेख

लिंगफा पी. (2016), बहु-सिलेंडर टर्बो-चार्ज डीजल इंजन का बायोडीजल मिश्रण द्वारा संचालन का प्रायोगिक अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जैव-ईंधन अनुप्रयोग (आईसीबीएफए 2016).

लिंगफा पी. (2016), परत अनुसार शितलन पर सापेक्षिक आर्द्रता का प्रभाव-एक संख्यात्मक अध्ययन। 4^{वां} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सूचना, समाकलन एवं संचार प्रणाली में नवाचार - 2016, गांधी अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, गुनुपुर, भारत।

दास एस. एवं लिंगफा पी. (2016) डीजल इंजन के लिए एक वैकल्पिक ईंधन के रूप में मेसुआ फेरिया (नाहर) से बायोडीजल। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विश्व जैव विविधता-2016, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोनी हिल्स, अरुणाचल प्रदेश, भारत।

लिंगफा पी. (2016), आयताकार ऊर्ध्वाधर झुका हुई पंख सरणी पर फिन टिप का प्रभाव। 4^{वां} अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सूचना, समाकलन एवं संचार प्रणाली में नवाचार - 2016, गांधी अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, गुनुपुर, भारत।

एस. के. दास एवं पी. लिंगफा(2017) उत्प्रेरित ट्रांससेररिफिकेशन का उपयोग करके बायोडीजल के उत्पादन पर एक समीक्षा। ए.आई.पी. सम्मेलन-2017.

यू. एस. दीक्षित, वी. यादव, वी. शर्मा, पी.एम. पांडेय, ए. रॉय एवं वी. वी. सिल्वर्समीडम(2016), विपरित मॉडलिंग का उपयोग करके पारंपरिक और अल्ट्रासोनिक-कंपन में काटने वाले बल का आकलन। चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन उत्पादन और औद्योगिक अभियांत्रिकी-2016, एन.आई.टी. जालंधर, भारत।

यू. एस. दीक्षित, वी. यादव, वी. शर्मा, पी.एम. पांडेय, ए. रॉय एवं वी. वी. सिल्वर्समीडम(2016), गोलाकार संपीडन और एस्पेरिटी आधारित घर्षण मॉडल पर फ्लैट रोलिंग के प्रयोगात्मक परिणामों का विश्लेषण। राष्ट्रीय सम्मेलन वहनिय यंत्रिक अभियांत्रिकी - आज ओर कल (2017), तेजपुर विश्वविद्यालय, भारत।

डी. देवारासिद्दाप्पा, एम. चंद्रशेखरन एवं एम. टी. सैबनबंडम(2017), इंनकोनल 825 में तार कट ई.डी.एम. में विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया में उपभोग्यता फंक्शन का उपयोग। अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन सांमग्री प्रतिपादन एवं प्रतिमान। आई.सी.एम.एम.एम.-2017.

डी. देवारासिद्दाप्पा, एम. चंद्रशेखरन एवं जे जॉर्ज (2016), डबलू.ई.डी.एम के इंनकोनल मिश्रधातु सतह खुरदरापन और आयामी सटीकता में सुधार। 6वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं 27वां अखिल भारतीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी डिजाइन और अनुसंधान सम्मेलन-2016.

स्वीटी महंता, एम. चंद्रशेखरन, सांतनु सामंता एवं संतोष तमांग(2016), राइस-हस्क से भरे बेसाल्ट-एपाँक्सी मिश्रण का प्रसंस्करण। 6वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं 27वां अखिल भारतीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी डिजाइन और अनुसंधान सम्मेलन-2016.

स्वीटी महंता, एम. चंद्रशेखरन एवं सांतनु सामंता (2016), "बेसाल्ट इपॉक्सी मिश्रण प्रसंस्करण एवं इसकी विशिष्टताओं का आकलन। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हवाई-यॉत्रिक सामग्रियों के निर्माण के वर्तमान आयाम-2016.

शुभाजीत दास, एम. चंद्रशेखरन एवं एस. सामंता (2016) Al6061/7%SiC/3%B₄C शंकर मिश्रण एम.एम.सी. का विश्लेषण। 6वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं 27वां अखिल भारतीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी डिजाइन और अनुसंधान सम्मेलन-2016.

एस. के. ललमुआन, शुभाजीत दास, एम. चंद्रशेखरन, संतोष के. तमांग (2016), शंकर धातु सारणी पर मशीनिकरण जांच - एक समीक्षा। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हवाई-यॉत्रिक सामग्रियों के निर्माण के वर्तमान आयाम-2016.

शुभाजीत दास, एस. के. लुल्मान वाइफेई, एम. चंद्रशेखर, एस. सामंता(2017) Al6061 लघु मिश्रण का तार कटाई ई.डी.एम. - सतह खुरदरापन एवं प्रायोगिक परीक्षण। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सामग्री एवं निर्माण अभियंत्रिकी के वर्तमान आयाम - 2017.

धुबजित शर्मा, एम. चंद्रशेखर एवं एम.टी. संबन्धम(2017), इनकॉन 718 मशीनिकरण और इसके सरलीकरण का सतत प्रतिमान। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विनिर्माण प्रौद्योगिकी और सरलीकरण-2017.

पल्लब शर्मा, एम. चंद्रशेखरन एवं आर. रमेश (2017), Al6063/ZrSiO₄ धातु सारणी पर डब्लू.ई.डी.एम. प्रक्रिया एवं विशिष्टताओं का प्रायोगिक परीक्षण। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विनिर्माण प्रौद्योगिकी एवं सरलीकरण - 2017.

एम. चंद्रशेखरन, एस. के. तमांग, जेस जोर्ज एवं आर. थिरुमलाई (2016) सीएनसी तार काटने की ए.डी.एम. विशिष्टताओं का ए.एच.पी. युग्मक ग्रे विश्लेषण -सह- सरलीकरण। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यॉत्रिकी एवं भवन विज्ञान - 2016.

एस. के. तमांग, एम. चंद्रशेखरन एवं आर. थिरुमलाई(2016), उपयोगिता दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए एकमात्र कार्यप्रणाली विशेषताओं का अनुकूलन करने के लिए इंकोनल 825 पर सतत मशीनिकरण। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यॉत्रिकी एवं भवन विज्ञान - 2016.

एस. के. तमांग एवं एम. चंद्रशेखरन (2016), इंकोनल 825 की सूखी टर्निंग में कटन क्षमता का तुलनात्मक प्रायोगिक अध्ययन एवं सरलीकरण। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अनुप्रयुक्त यॉत्रिकी एवं औद्योगिक प्रणालियाँ, मस्कट, ओमान, 2016.

एस. के. तमांग, एम. चंद्रशेखरन एवं एम.टी. सम्बन्धम (2016), इनकॉनेल 825 की सतत टर्निंग में ऊर्जा बचत और कार्बन डाई ऑक्साईड का कम उत्सर्जन का अध्ययन। सम्मेलन उर्जा-2016, एनआईटी, भारत।

संतोष कुमार और मुरलीधर एम. (2016) भारत के एक गियर प्रतिपादन संयंत्र में कम्पन्न जनित श्रमदक्षता का अध्ययन। 18 वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अनुप्रयुक्त मानव कारक और श्रमदक्षता, कौलालपुर, मलेशिया -2016.

बी. कुमार, सुरेश कुमार, यदायाह एन एवं मुरलीधर एम., (2016) भारतीय एल.एम.वी. उप-प्रणालियों का विश्लेषण: एक अध्ययन। 18 वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अनुप्रयुक्त मानव कारक और श्रमदक्षता, कौलालपुर, मलेशिया -2016

मुरलीधर एम. (2016) विश्व ढलाई मूल्य विश्लेषण और ढलाई मूल्य सूचकांक: एक अध्ययन। 56वाँ अंतरराष्ट्रीय ढलाई सम्मेलन, पोर्टोरोज, स्लोवेनिया - 2016.

अनिमेश बोरहा, झनवानि सुचितैंग, कल्लोल देबनाथ, मोहम्मद मुर्तजा आलम एवं एम. मुरलीधर(2016), पॉलिमर आधारित मिश्रण सामग्री का फिस स्केल सुदृढीकरण सहित डिजाइन और निर्माण पर अध्ययन। आईटीएम, एम.एम. विश्वविद्यालय, अंबाला, भारत, 2016.

संतोष कुमार, एम. के. गोयल और एम. मुरलीधर (2016) ऑटोमोटिव शॉक असेंबली प्लांट श्रमिकों में कार्पल टनल सिंड्रोम की घटना के नियंत्रण हेतु श्रमदक्षता अध्ययन। अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, मानवीय कार्य और कार्य पर्यावरण, एन.आई.टी. जालंधर, भारत, 2016.

संतोष कुमार एवं मुरलीधर एम. (2016) एक मफलर उत्पादन संयंत्र में असेंबली लाइन श्रमिकों में सी.टी.एस. दबाव प्रबलता और सहसंबंध का अध्ययन। 6वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं 27वाँ अखिल भारतीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी डिजाइन और अनुसंधान सम्मेलन-2016.

बिशू चौधरी, एम. चंद्रशेखर, संतोष तमांग और नाबम तेई (2016), इनटोनल 825 का जीटीएडब्लू स्वेच्छा फलन विश्लेषण एवं सरलीकरण। 6वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं 27वाँ अखिल भारतीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी डिजाइन और अनुसंधान सम्मेलन-2016.

जी. रिनु, एन. यदायाह, एस. चौधरी, के. प्राजल एवं एन. तेई (2016), "परिमित तत्व विधि के आधार पर गहराई पर लेजर जोड़ प्रक्रिया के संख्यात्मक प्रतिमान पर अध्ययन।, 6वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं 27वाँ अखिल भारतीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी डिजाइन और अनुसंधान सम्मेलन-2016.

के. के. मण्डल , ए. एस. कोर एवं एस. मित्रा(2016), ताम्बा शीट पर शुष्म लेजर खुदाई हेतु ताप प्रभावी क्षेत्र का तोगुची-आधारित ग्रे-रिलेशनल विश्लेषण। 6वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं 27वाँ अखिल भारतीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी डिजाइन और अनुसंधान सम्मेलन-2016.

के. के. मंडल , ए. एस. कोर एवं एस. मित्रा(2016) ताम्बा शीट के लेजर शुष्म छेदन में शुराक के टेडे होने का पैरामेट्रिक अध्ययन। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन अभियांत्रिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम। अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, सलेम, तमिलनाडु, भारत (2016)

के. के. मंडल , ए. एस. कोर एवं एस. मित्रा(2016), ताम्बा शीट के लेजर शुष्म छेदन में तापमान प्रभावित क्षेत्र का अध्ययन। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यांत्रिक, उत्पादन और औद्योगिक अभियांत्रिकी में नवाचार। आई. टी. एस. अभियांत्रिकी महाविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश, भारत, 2016.

4.7.12 संकाय सदस्यों को सम्मान व पुरस्कार

1. आचार्य पी. लिगफा को 8 जुलाई, 2017 को ग्रीन पार्क चेन्नई, भारत में तीसरी समकालीन शैक्षणिक सभा - सीएएम 2017 के दौरान अभियांत्रिकी (विशेषज्ञता-यांत्रिक) के विशिष्ट संकाय सदस्य पुरस्कार-2017 से सम्मानित किया गया था।
2. आचार्य पी. लिगफा को जैव विविधता, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन जलवायु परिवर्तन और सतत विकास (आईसीबीसीएस 2016) के दौरान पूर्वोत्तर भारत के जैव संसाधनों से बायोडीजल उत्पादन के क्षेत्र में किए गए शोध योगदान के लिए 'प्रशस्ति पत्र' प्राप्त

हुआ था। 15-18 अक्टूबर, 2016 राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोना हिल्स, अरुणाचल प्रदेश, भारत।

3. आचार्य पी. लिग्फा को दी विज्डम, 'स्मारिका' के *मुख्य संपादक* थे, जो कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पंपोली, जिला इस्ट कामेंग, अरुणाचल प्रदेश, भारत के अक्टूबर 2016, स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान प्रकाशित की गई थी।
4. आचार्य पी. लिग्फा यॉत्रिक एवं सिविल अभियॉत्रिकी मासिक पत्रिका के सम्पादक मण्डल के सदस्य थे।
5. आचार्य पी. लिग्फा को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पंपोली, जिला इस्ट कामेंग, अरुणाचल प्रदेश, भारत के 13-15 नवम्बर, 2016 के दौरान आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान प्रथम आई.आई.टी छात्र का स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया था।
6. आचार्य पी. लिग्फा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विश्व जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास, जिसका आयोजन 15-18 अक्टूबर, 2016 को राजीव गांधी विश्वविद्यालय, रोना हिल्स, अरुणाचल प्रदेश, भारत में किया गया था, की *सलाहकार समिति के सदस्य थे।*
7. आचार्य पी. लिग्फा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'उन्नत कार्यात्मक सामग्री 2017 जिसका आयोजन 3-5 मई, 2017 को अधी अभियॉत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, काचीपुरम, तमिलनाडु, भारत में किया गया था, के *सलाहकार समिति के सदस्य थे।*
8. आचार्य पी. लिग्फा यॉत्रिक अभियॉत्रिकी विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, भारत द्वारा 25-26 मार्च, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन वहनिय यॉत्रिक अभियॉत्रिकी-आज ओर कल की *सलाहकार समिति के सदस्य थे।*
9. आचार्य पी. लिग्फा उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय शिलांग-793022, मेघालय, भारत और एंटोन पार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, उद्योग विहार, औद्योगिक क्षेत्र गुडगांव -122016 द्वारा 11-16 सितंबर, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला सौर अनुप्रयोग हेतु फोटोएक्टिव लघुकण संश्लेषण की *सलाहकार समिति के सदस्य थे।*
10. आचार्य पी. लिग्फा यॉत्रिक अभियॉत्रिकी विभाग, सिक्किम मनिपाल प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्कीम द्वारा 8-10 दिसम्बर, 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यांत्रिक, सामग्री और नवीकरणीय ऊर्जा के समीक्षक थे।
11. आचार्य एम. चंद्रशेखरन जर्नल ऑफ इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), सीरीज़-सी (जेईई) के सन् 2014 से *समीक्षक हैं।*
12. आचार्य एम. चंद्रशेखरन सन् 2015 से जर्नल ऑफ ब्राजीलियाई सोसायटी ऑफ मैकेनिकल साइंसेस एंड इंजीनियरिंग (जेबीएसएमई) के *समीक्षक हैं।*
13. आचार्य एम. चंद्रशेखरन सन् 2015 से जर्नल ऑफ साइंटिफिक एण्ड इन्डस्ट्रीयल रिसर्च के *समीक्षक हैं।*
14. आचार्य एम. चंद्रशेखरन इंडियन जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैट्रिक्ससाइंस के *समीक्षक हैं।*

15. डॉ. विनोद यादव फरवरी 2015 से जर्नल ऑफ इंस्ट्रियट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), सीरीज-सी के समीक्षक हैं।
16. आचार्य एम. मुरलीधर ने 56वीं अन्तरराष्ट्रीय ढलाई सम्मेलन, सितंबर 14-16, 2016, पोर्टोरोज, स्लोवेनिया में अपना आलेख विश्व ढलाई मूल्य विश्लेषण और ढलाई मूल्य सूचकांक: एक अध्ययन प्रस्तुत किया था।
17. डॉ. एस. सामंता ने, 13 से 15 अक्टूबर 2016 को सिंगापुर में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यॉत्रिक अभियॉत्रिकी एवं स्वचालन में अपना आलेख ग्लास/जूट एपाँक्सी हाइब्रिड सम्मिश्र की धारण विशिष्टतायें प्रस्तुत किया था।
18. डॉ. एस. एस. गौतम ने, 13 से 15 अक्टूबर, 2016 के दौरान सिंगापुर में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन यॉत्रिक अभियॉत्रिकी और स्वचालन में अपना आलेख पर में विभिन्न भार व्यवस्था के लिए माइक्रोप्रोटर स्नेहक के तहत शंक्वाकार बहु रेकी हाइड्रोस्टैटिक जर्नल के प्रदर्शन की विशेषतायें प्रस्तुत किया था।
19. श्री एस. के. तमांग ने ओमान में स्थित सुल्तान कबीस विश्वविद्यालय, मस्कट में 6-8 दिसम्बर, 2016 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन अनुप्रयुक्त यॉत्रिकी एवं औद्योगिक प्रणालियाँ में अपना आलेख इंकोनल 825 की सूखी टर्निंग में कटन क्षमता का तुलनात्मक प्रायोगिक अध्ययन एवं सरलीकरण प्रस्तुत किया था।
20. श्री नाबम तेई ओमान में स्थित सुल्तान कबीस विश्वविद्यालय, मस्कट में 6-8 दिसम्बर, 2016 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन अनुप्रयुक्त यॉत्रिकी एवं औद्योगिक प्रणालियाँ में अपना आलेख Al6061/1.5%SiC/0.5%B₄C शंकर मिश्रण एम.एम.सी. का विश्लेषण प्रस्तुत किया था।

4.7.12 संकाय सदस्यो द्वारा आमंत्रित व्याख्यानो की प्रस्तुति

1. आचार्य पी. लिंग्फा नें राष्ट्रीय युवा सहकारी समिति लिमिटेड और यॉत्रिक अभियॉत्रिकी विभाग, नेरिस्ट द्वारा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से नेरिस्ट, निर्जुली में 12 अगस्त, 2017 को आयोजित विश्व जैव इंधन दिवस कार्यक्रम में अपना आलेख जैव ईंधन और हरित भविष्य के ईंधन के रूप में इसकी क्षमता प्रस्तुत किया था।
2. आचार्य पी. लिंग्फा नें हिचे कल्याण समिति, नहारलागुन, अरुणाचल प्रदेश, भारत की ओर से 21 मई, 2017 को चंडी होटल में युवाओं के लिए रोजगार मार्गदर्शन और परामर्श कार्यक्रम में अपना भाषण प्रस्तुत किया था।
3. आचार्य पी. लिंग्फा नें उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलोंग, भारत में अपना आलेख भविष्य में सतत ईंधन के रूप में बायोडीजल प्रस्तुत किया था।
4. आचार्य पी. लिंग्फा नें राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश, भारत में अपना आलेख ग्रामीण भारत के लिए सतत विकास प्रस्तुत किया था।
5. आचार्य पी. लिंग्फा नें आधि अभियॉत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, कोचीपुरम, तमिलनाडु 631605, भारत द्वारा 3-5 मई 2017 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'उन्नत कार्यात्मक सामग्री 2017 में आमंत्रित वक्ता थे।

6. आचार्य पी. लिंग्फा राजीव गांधी विश्वविद्यालय के लिए (आरजीयू), रोना हिल्स, अरुणाचल प्रदेश, भारत द्वारा 15-18 अक्टूबर, 2016 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विश्व जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास में अपने आलेख भविष्य के सतत ईंधन के रूप में बायोडीजल हेतु आम्त्रित वक्ता थे।

4.7.14 छात्रों की उपलब्धियां

विभाग के कुछ स्नातक विद्यार्थियों ने गेट 2017 में अच्छी सफलता प्राप्त की थी, जिससे उन्हें आई.आई.टी., एन.आई.टी. जैसे कई प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश मिला। इसके अलावा, परिसर नियोजन के माध्यम से वर्ष 2016-17 में 13 छात्रों को विभिन्न संगठनों में नियोजन प्राप्त हुआ था। छात्रों को अपनी परियोजना के कार्य हेतु व ग्रिष्मकालिन प्रशिक्षण के लिए आई.आई.टी. में भेजा गया था। छात्रों ने जैव-गैस संयंत्र, सौर हीटर जैसे मॉडल का डिजाइन और विकास किया था। एम.टेक. ओर पीएच.डी. छात्रों एफ.एम.एस. प्रणाली के प्रयोगों हेतु आई.आई.टी. गुवाहाटी की यात्रा की थी। छात्रों ने संकुचित हवा द्वारा संचालित आई.सी. इंजन संचालन का परियोजनाओं के तहत डिजाइन किया था।

परिसर नियोजन चयनित छात्रों (2016-2017) की सूची

क्र.सं.	छात्र का नाम	अनुक्रमांक	संस्थान का नाम
1	सुश्री टेज ओपियांग	डी/15/एमई/17	ऑयल इंडिया डुलियाजान एंड टेक महिंद्रा
2	श्री दीपंकर देओरी	डी/15/एमई/19	टेक महिंद्रा
3	श्री अलीशर अंसारी	डी/15/एमई/29	टेक महिंद्रा एंड कमिंस इंडिया
4	श्री बिदित चक्रवर्ती	डी/15/एमई/02	टेक महिंद्रा एंड एएसएचआई इंडिया ग्लास
5	श्री अभिषेक कु. पोद्दार	डी/15/एमई/14	कमिंस इंडिया और एएसएचआई इंडिया ग्लास
6	श्री सुदीप्त मुखर्जी	डी/15/एमई/03	एएसएचआई इंडिया ग्लास
7	सुश्री सैयदाना रॉय	डी/15/एमई/16	कमिंस इंडिया
8	श्री टी। होज़ेल	डी/15/एमई/22	कमिंस इंडिया
9	श्री अनुराग कश्यप	डी/15/एमई/01	ऑयल इंडिया डुलियाजान और एएसएचआई इंडिया ग्लास
10	श्री बिल्पब डेका	डी/15/एमई/08	ऑयल इंडिया डुलियाजान

11	श्री सिद्धंत लिंडेम	डी/15/एमई/108	ऑयल इंडिया डुलियाजान
12	श्री जयभत दास	डी/15/एमई/106	ऑयल इंडिया डुलियाजान
13	श्री सुमित कुमार सिंह	डी/15/एमई/20	ऑयल इंडिया डुलियाजान

एम ए एन (मैकेनिकल एसोसिएशन ऑफ नेरिस्ट) उत्कृष्टता के माध्यम से प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के व्यापक उद्देश्य के साथ काम करता है। विभाग के सभी छात्रों, तकनीकी स्टाफ और संकाय सदस्य इसके सदस्य हैं।

4.7.15 प्रयोगशालाओं और उपकरणों की सूची

क्र.सं.	प्रयोगशाला	प्रमुख उपकरण
1	गैस गतिशीलता	पवन सुरंग, वायु प्रवाह रिग, धुआँ सुरंग, नोजल परीक्षण उपकरण, कंप्रेसर, तीन घटक तुला, आंकडा अधिग्रहण प्रणाली
2	एचएमटी एवं उष्मा अभियांत्रिकी	बहुउद्देश्यीय वायु वाहिनी, द्रवयुक्त सतह उपकरण संचालन संवहन और विकिरण उपकरण, कम्प्यूटर लिंक धारी उपकरण
3	सीएफडी	पर्सनल कम्प्यूटर और संबंधित सॉफ्टवेयर
4	द्रव पावर एवं स्वचालन	केन्द्रा पसारक और पारस्परिक पंप, पल्टन व्हील, मेट सेंट्री ऊँचाई उपकरण, हाइड्रोलिक प्रशिक्षक, सिमुलेटर, फ्रांसिस और कैप्लन टर्बाइन
5	आई.सी. इंजन	दो स्ट्रोक और चार स्ट्रोक पेट्रोल और डीजल इंजन, 5-गैस विश्लेषक, धुआँ मीटर
6	जैव डीजल (बायोडीजल)	इंटीग्रेटेड बायोडीजल रिएक्टर सिस्टम (मैकेनिकल ऑयल एक्सप्लोरर, डेकोर्टेक्टिकेटर, बेबी बाथ बायलर और ऑइल फिल्टरिंग यूनिट), मैग्नेटिक ऑयल स्टीरर, 1-लीटर क्षमता बायोडीजल रिएक्टर, गैस क्रोमैटोग्राफ (जीसी), बम कैलोरीमीटर, अपकेंद्रित्र, फ्लैश एंड फायर पॉइंट उपकरण, कलाउ,सेटाविस विस्कोमेटर
7	वातानुकूलन व शितलन	कम्प्यूटरीकृत आर व एसी यूनिट, वाफे संपीड़न इकाई, गैस चार्जर, बर्फ मेकर, रेफ्रिजरेटर
8	गतिशीलता व गतिकी	यूनिवर्सल कंपन टेस्टिंग ऑपरेटर्स, सीएएम विश्लेषण मशीन, रेसीप्रोकेटिंग और रोटेटिंग मास बैलेंसिंग यूनिट, ज्योरस्कोप, गवर्नर उपकरण, फंक्शन जेनरेटर, डिजिटल ऑसिलोस्कोप, एम्पलीफायर के साथ ध्वनिक इन्सुलेशन टेस्ट उपकरण

9	सामग्री शक्ति	यूटीएम, टॉर्सन टेस्टिंग यूनिट, इंपैक्ट टेस्टिंग यूनिट, थकान परीक्षण इकाई, कठोरता परीक्षक, विश्लेषक, ध्रुवीय क्षेत्र और अन्य सहायक उपकरण के साथ लेंस ध्रुवीय क्षेत्र।
10	ट्राइबोलॉजी	हर्ट्जियन, संपर्क उपकरण, एयर असर उपकरण, बहुउद्देशीय घर्षण परीक्षक
11	सी. ए. डी.	कम्प्यूटर और सापेक्ष सॉफ्टवेयर
12	सी.आई.एम. एवं रोबोटिक (उपकरण कक्ष)	युगल सीएनसी-सह मिलिंग एम/सी अधिकतम सीएनसी उत्पादन, बाहरी टर्निंग कार्बाइड उपकरण धारक सहित सीएनसी मशीन, टूलींग और धारक एडाप्टर सहित मैक्स मिल सीएनसी उत्पादन मिलिंग मशीन
13	कंप्यूटर	कंप्यूटर विश्लेषण सॉफ्टवेयर
14	धातुकर्म विज्ञान	मापने के उपकरण, माइक्रोस्कोप, फर्नेस, प्रोफाइल प्रोजेक्टर, चमकान मशीन
15	सभागार	एलसीडी प्रोजेक्टर, डिजिटल कैमरा, विभिन्न विषयों पर ई-लर्निंग सीरीज, इंटरएक्टिव स्मार्ट क्लासरूम सिस्टम
16	कार्यशालाएं	बढ़ईगीरी, नमुना, मशीन और रखरखाव, फिटिंग शॉप, वेल्डिंग शॉप, फोर्जिंग शॉप और शीट मेटल शॉप से संबंधित विभिन्न धातु बनाने और धातु हटाने की प्रक्रिया और उपकरण

4.8 रसायन विज्ञान विभाग

4. 8. 1 रसायन विज्ञान विभाग का संक्षिप्त परिचय

यह विभाग संस्थान द्वारा संचालित अभियांत्रिकी के तीनों कार्यक्रमों प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, डिग्री तथा वानिकी में डिग्री स्तर के छात्रों को रसायन विज्ञान का अध्यापन कार्य कर रहा है। विभाग में वर्ष 2009-10 से जैविक रसायन में विशेषज्ञता के साथ एम. एससी. (रसायन) विज्ञान का शुभारंभ किया गया। रसायन विज्ञान में एमएससी के नए बैच, यथा: एम.एससी. (प्रथम वर्ष) के आठवें बैच की दाखिला प्रक्रिया जुलाई 2016 में की गई, जिसके लिए विभाग द्वारा लिखित परीक्षा ली गई। 85 आवेदन प्राप्त किए गए जिनमें से 81 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र प्रेषित किए गए। कुल 78 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे जिनमें से 10 अभ्यर्थियों का चयन किया गया और 10 अभ्यर्थियों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया। इस प्रक्रिया से गुजरने के बाद वर्ष 2016-17 सत्र के लिए एम.एससी. रसायन विज्ञान के प्रथम वर्ष में कुल 10 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। इसके अतिरिक्त पीएचडी के लिए भी लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार आयोजित किया गया था। कुल 12 आवेदकों में से केवल 07 विद्यार्थियों को परीक्षा एवं साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया तथा 06 को दाखिले के लिए उपयुक्त पाया गया।

पीएच.डी. व एम.एससी. प्रवेश समिति के सदस्य

1. प्रोफेसर एन देब, विभागाध्यक्ष	अध्यक्ष
2. प्रोफेसर एच. एस. यादव	सदस्य
3. प्रोफेसर पी. के. त्रिपाठी	सदस्य
4. प्रोफेसर एम. एफ़. हुसैन	सदस्य
5. डॉ. ए. के. गुप्ता	सदस्य
6. श्री एन. जी. सिंह	सदस्य
7. डॉ. जगन्नाथ भूयाँ	सदस्य
8. डॉ. (श्रीमती) मीरा यादव	सदस्य

संस्थान के प्रशासनिक कार्यों में विभाग के संकाय सदस्यों का योगदान सराहनीय है।

1. प्रोफेसर एम हुसैन विभाग के वरिष्ठ संकाय सदस्य होने के नाते, संस्थान के निदेशक द्वारा गठित कई समितियों में वे अध्यक्ष/ सदस्य के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं।
2. प्रोफेसर एच. एस. यादव ने निदेशक नेरिस्ट के रूप में 19 अप्रैल, 2016 से 26 मार्च, 2017 तक अपनी सेवायें प्रदान की थी। इस समय आपने संस्थान के प्रशासनिक उत्थान, संकाय सदस्यों व अधिकारियों की नियुक्ति व संकाय सदस्यों के प्रमोशन का कार्य किया था। इस समय में राष्ट्रीय मान्यता बोर्ड की टीम ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में भ्रमण किया था, ओर संस्थान के छ प्रौद्योगिकी विभागों को एन.बीए. की मान्यता प्रदान की थी।
3. प्रोफेसर पी. के. त्रिपाठी अगस्त 2014 से संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक) का कार्यभार संभाल रहे हैं, वे के वी नेरिस्ट के विद्यालय प्रबंधन समिति में नामित अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर रहे हैं तथा निदेशक नेरिस्ट द्वारा गठित कई समितियों में वे अध्यक्ष/सदस्य के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं। आप नेरिस्ट प्रबन्धन बोर्ड के भी सदस्य हैं।
4. प्रोफेसर एम. एफ़. हुसैन संकायाध्यक्ष (प्रशासन) का कार्यभार संभाल रहे हैं।
5. डॉ. जे. भुयॉन संस्थान के केंद्रीय शोध सुविधा (सी आर एफ़) के प्रभारी के रूप में अपना योगदान दे रहे हैं।
6. आचार्य एन. देब स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड के निदेशक महोदय द्वारा नामित सदस्य हैं।

विभागीय प्रशासनिक कार्यों में भी विभाग के संकाय सदस्यों का योगदान सराहनीय है।

1. प्रोफेसर एन. देब. विभागाध्यक्ष थे।
2. डॉ. के. टी. कमाल रसायन प्रयोगशाला-I की प्रभारी थी।
3. डॉ. मीरा यादव रसायन प्रयोगशाला-II की प्रभारी थी।
4. डॉ. जे. भुयॉन पी जी प्रयोगशाला-I एवं उपकरण प्रयोगशाला के प्रभारी थे।

5. डॉ. ए. के. गुप्ता पी जी प्रयोगशाला-II के प्रभारी थे।
6. श्री एन जी सिंह पी जी प्रयोगशाला-III के प्रभारी थे।
7. श्री एस. एल. भारती विभागिय पुस्तकालय के प्रभारी एवं केन्द्रीय पुस्तकालय के प्रतिनिधि थे।

4.8.2 शैक्षणिक गतिविधियां

- डॉ. ए. के. गुप्ता को सितम्बर, 2016 में प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया था।
- डॉ. के. टी. कमाल को सितम्बर, 2016 प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया था।
- डॉ एन. एन. यादव, सहायक प्रोफेसर (जैव रसायन विज्ञान विशेषज्ञता) को 01/11/2016 को नियुक्त किया गया था।
- डॉ. ए. मुरुगन को सहायक प्रोफेसर (भौतिक रसायन विज्ञान विशेषज्ञता) को 26/10/2016 को नियुक्त किया गया था।
- आचार्य के. टी. कमाल 31/03/2017 को अपनी सेवा से सेवानिवृत्त हुई थी।

विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के संशोधित पाठ्यक्रम की विवेचना के लिए 23/03/2017 को रसायन विज्ञान विभाग के 4^{वें} बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की बैठक आयोजित की गई थी। बोर्ड ने सभी पाठ्यक्रमों को मंजूरी दी। स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के सभी संशोधित पाठ्यक्रम जुलाई-दिसंबर 2016 सेमेस्टर से लागू किए गए हैं। निम्नलिखित सदस्य बी.ओ.एस. बैठक में उपस्थित थे ।

आचार्य एन. डेब	विभाध्यक्ष एवं अध्यक्ष
आचार्य एम. हुसैन	सदस्य
आचार्य पी. के. त्रिपाठी	सदस्य
आचार्य एम. एफ. हुसैन	सदस्य
आचार्य के. डी. राम	सदस्य
आचार्य ए. के. गुप्ता	सदस्य
आचार्य के. टी. कमाल	सदस्य
श्री एन. जी. सिंह	सदस्य
डॉ. जे. भुयान	सदस्य

संशोधित पाठ्यक्रमों का अनुमोदन आचार्य पी. के. अय्यर, आई.आई.टी., गुवाहाटी तथा आचार्य के. इस्माइल, एन.ई.एच.यू., शिलांग से बाह्य सदस्य के रूप में ई-मेल के माध्यम प्राप्त किया गया था।

डी.पी.जी.सी. ने एमएस.सी. तथा पीएच.डी. छात्रों की विभिन्न गतिविधियों की देखरेख व काम की प्रगति की देखभाल की थी।

स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों में प्रभावी शिक्षण के लिए 12 (बारह) नियमित संकाय सदस्यों के साथ अध्यापन भार की संकाय आवश्यकता को पूरा करने के लिए विभाग ने जनवरी-मई 2016 और जुलाई-दिसंबर के दौरान अनुबंध आधार पर डॉ। प्रसनजीत साहा व्याख्याता के रूप में कार्य किया। 2016 सेमेस्टर जुलाई-दिसंबर 2016 के सत्र के दौरान डॉ. उत्तम थापा को एक और अनुबंध व्याख्याता के रूप में नियुक्त किया था।

विभाग में सैधान्तिक और प्रायोगिक कक्षा के नियमित सुचारू संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई है। सभी पाठ्यक्रम यथासमय समाप्त हो गए। सभी जांच और प्रायोगिक कक्षाएँ समाप्त पर पूरी कर ली गईं। सत्रांत परीक्षा, परिपूरक परीक्षा, पूरक परीक्षा, प्रश्नोत्तरी तथा षष्मकालिन पाठ्यक्रम आदि सभी परीक्षाओं के परिणाम समय पर तैयार किए गए और परीक्षा नियंत्रक को प्रस्तुत किए गए। एन बी ए से संबन्धित आवश्यक पाठ्यक्रमों के संयोजन के साथ अंकों का निर्धारण किया गया और संबन्धित विभागों को समय पर प्रस्तुत की गई। समय समय पर विभाग के वर्तमान पाठ्यक्रम में संशोधन अथवा नए पाठ्यक्रम निर्माण के लिए विभाग में अध्ययन परिषद का गठन किया गया है।

4.8.3 प्रयोगशाला और प्रयोगशाला विकास

प्रयोगशालाओं में निम्नलिखित उपकरण अच्छी अवस्था में हैं:

- i) डिजिटल कंडक्टिविटी मीटर
- ii) पोलारी मीटर
- iii) डिजिटल पी. एच. मीटर
- iv) डिफरेंशिएल स्केनिंग केलोरिमीटर (डीएससी)
- v) एफ.टी.-आई.आर.
- vi) रोटरी इवोपोरेटर
- vii) मेल्टिंग प्वाइंट एपाराटास, आदि

निम्नलिखित उपकरण हाल ही में प्राप्त किए गए और प्रयोगशाला में स्थापित किए गए:

- i) डिजिटल मेग्नेटिक स्टाइरर विथ हॉट प्लेट
- ii) क्वार्ट्स बि-डिस्टिल्लेशन
- iii) वेरिएवल वल्यूम माइक्रोपाइपेट और
- iv) एनालाइटिकल बेलेंस

कुछ संकाय सदस्य एमएस. सी. प्रायोगिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रयोगशाला पुस्तिका तैयार कर रहे हैं।

4.8.3 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें

निम्नलिखित परियोजनाओं की प्रस्तुति 10.05.2016 को एमएस.सी. अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा समिति के सदस्यों व एवं डॉ. ए. अट्टा बाह्य विशेषज्ञ की उपस्थिति में की गई थी -

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	विद्यार्थी का नाम रोल एव पंजिकरण संख्या	पर्यवेक्षक
01	स्टेरॉयडल टेट्राजोल की शिमट प्रक्रिया	मनब ज्योति गोस्वामी एमएस/14/ सीएच/ 01 414/082	आचार्य एम. हुसैन
02	माइक्रोवेव ओवन और उनके वाष्पीकरण का उपयोग करके सुखे वातावरण में एल्डेहाइड से एक पॉट नाइट्रीले संश्लेषण	रेकीबुद्दीन अहमद एमएस/14 सीएच/ 02 414/083	आचार्य के.टी. कमाल
03	एनहाइड्राइड / मेलिक एसिड/ फ्यूमरिक एसिड की ऑक्सोकेटिन-एन, एस-एसिटल रासायनिक क्रिया का तुलनात्मक अध्ययन	आकाश चेट्टी एमएस/14 / सीएच/ 04 414/085	आचार्य ए. के. गुप्ता
04	शिरौमिक एलडहाइड्स और अनिलिन प्राथमिक अमीन के रूप में शिफ लवणों का संश्लेषण	जस्मिता गोगोई एमएस/ 14 / सीएच/ 05 414/086	आचार्य के.टी. कमाल
05	1,2-डिसबुटेडेट 4-एरेलमथिलीन-2-इमिडाजोलिन-5-वनस् का एक फ्लास्क संश्लेषण	संगीता कलिता एमएस/ 14 / सीएच / 06	आचार्य पी.के. त्रिपाठी
06	संश्लेषण का उपयोग करके का 3-एन-एसाइमाइनोकौमरिन का 2-ऑक्साजोलिन-5-वन्स एक सहज संश्लेषण	पुबनिता भुयं एमएस/ 14 / सीएच / 07 414/123	आचार्य पी.के. त्रिपाठी

4.8.5 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालों का आयोजन: नहीं

4.8.6 अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों/ कार्यशालों में संकाय सदस्यों की भागिदारी

डा. जे. भुयान

- डिगबोई क्लब परिसर, डिगबोई, असम द्वारा 12-13 मई, 2016 को पेट्रोटेक, नई दिल्ली के सौजन्य से आयोजित 18वीं संगोष्ठी "उत्तर पूर्व में हाइड्रोकार्बन उद्योग की संभावनाएँ और चुनौतियाँ" में भाग लिया था।

- गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी द्वारा 2-5 फरवरी, 2016 को आयोजित और आईआईटी, गुवाहाटी और तेजपुर विश्वविद्यालय द्वारा समर्थित 20^{वें} सीआरएसआई राष्ट्रीय विचारगोष्ठी में भाग लिया और अपना आलेख "मैग्नेशियम पॉर्फिरिन चैन लिपिड की उपस्थिति में ऊर्जा अपव्यय को नियंत्रित करना" प्रस्तुत किया था।
- टाटा आधारभूत अनुसंधान संस्थान एवं भारतीय विज्ञान विपणन महासभा द्वारा कोलकाता, भारत में 7-11 जनवरी, 2017 को आयोजित 5^{वीं} विचारगोष्ठी उन्नत जैविक अकार्बनिक रसायन विज्ञान में भाग लिया और अपना व्याख्यान मेटालोईसपोरफिनिंस: संश्लेषण, गुण और संभावित अनुप्रयोग प्रस्तुत किया था।
- राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 16-17 मार्च, 2017 को आयोजित कार्यक्रम शिक्षा के लिए शिक्षक प्रशिक्षण में भाग लिया था।

डॉ. मीरा यादव

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत , मई 13-14, 2016 को आयोजित अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "उत्प्रेको के वर्तमान आयाम में भाग लिया था।
- प्रभावी प्रबंधन में क्षमता निर्माण हेतु जैव प्रौद्योगिकी में अनुदान लेखन कौशल हेतु पूर्वोत्तर क्षेत्र में विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों द्वारा और बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) पर की कार्यशाला, नहरलागुन, अरुणाचल प्रदेश, सितंबर 28-30, 2016.

डॉ एन. जी. सिंह

- राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 16-17 मार्च, 2017 को आयोजित कार्यक्रम शिक्षा के लिए शिक्षक प्रशिक्षण में भाग लिया था।

डॉ. एन. एन. यादव

- राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 16-17 मार्च, 2017 को आयोजित कार्यक्रम शिक्षा के लिए शिक्षक प्रशिक्षण में भाग लिया था।

4.8.7 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधियाँ / व्यावसायिक सदस्यता : -नहीं-

4.8.8 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित पुरस्कार / मान्यता:

प्रोफेसर एन. डेब ने विशेषज्ञ के समीक्षक के रूप में अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के निम्नलिखित शोध आलेखों की समीक्षा की थी -

मॉडल फ्री गतिज विश्लेषण के माध्यम से तांबा हेक्सैसीन फेरेलेट की तापीय निर्जलीकरण पर अध्ययन। इदा ई. अकरब्लम, डी. ओ. ओजवांग, जे. ग्रिंस, एवं सुश्री जी. स्वेनसन। संख्या- जेटीएसी-डी-16-01297 (प्रस्तुत 03/12/2016)

4.8.9 विभाग को बाह्य निकायों द्वारा स्वीकृत परियोजनाएं:

परियोजना का शीर्षक: पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश में यूरेनियम और संबंधित जल का स्थानिक वितरण वगुणवत्ता मानदंड।

मुख्य अनुसंधानकर्ता -: डॉ अजय भारती, एसोसियट प्रोफेसर, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट।

सह-अन्वेषक: (i) लालकृष्ण जेम्स सिंह, सहायक प्रोफेसर, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट।

(ii) एन. घनश्याम सिंह, सहायक प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग

अनुदान संगठन: परमाणु उर्जा विभाग, बी.आर.एन.एस., भारत सरकार

मंजूरी तिथि: 25/07/2016

मंजूर राशि: 22,47,200 / - और आवंटित राशि 21,31,100 / - दिनांक 28/04/2016

आलेखों का प्रकाशन:

(ए) शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

अखिलेश कुमार गुप्ता, आकाश छेत्री (2016) मैलिक एनाहाइड्राइड, माइकिक एसिड और फ्यूमरिक एसिड की α -ऑक्सोकेटेन एन, एस-एसिटल की नैनिट्सेशु प्रतिक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन साइंस एंड इंजीनियरिंग, संख्या 5, विशेष अंक, 01, पृष्ठ 1, 2016, प्रभाव नियतांक 1.142

अखिलेश कुमार गुप्ता(2016) मैनाइक एनहाइड्राइड और सिट्रिक एनहाइड्राइड से α -ऑक्सोकेटेन एन, एस-एसिटल की प्रतिक्रिया: 1-आरीएल -4-एरोइल -5-मेथाइलथियो -2-ऑक्सो-3-पीरोलिन-3 संश्लेषण - एसिटिक एसिड संश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी इन इंजीनियरिंग एंड साइंस, अंक 4, विशेष अंक, 01, पृष्ठ 132 (2016) प्रभाव नियतांक 1.012

अखिलेश कुमार गुप्ता(2016) 1-एल्लिकल / एरिल-3-मिथाइल -4-एरोइल -5-मेथाइलथियो-3-पायरोलिन-2 का अनुशंसित पाइरोलिन-3-एसिटिक एसिड के आधार उत्प्रेरित डिकारबॉक्विलेशन द्वारा संश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट। संख्या 5, विशेष अंक, 05, पृष्ठ 340 (2016) प्रभाव नियतांक 2.012

अखिलेश कुमार गुप्ता(2016) 3-एरोइल-1-एल्लिकल / साइक्लोऑक्लि -5-मिथाइल-2-मेथाइलथियोपीरोलॉल्स और 7-बेंजोएल -5-मिथाइल-2,3-डायहाइड्रोपोरोलो [2,1-बी] थियाज़ोल का α -ऑक्सोकेटेन एन, प्रोपेरिज ब्रोमाइड के साथ चक्रीय संश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी इन इंजीनियरिंग एंड साइंस, संख्या 4, विशेष अंक, 01, पृष्ठ 130 (2016) प्रभाव नियतांक 1.012

अखिलेश कुमार गुप्ता एवं आकाश छेत्री (2016) आदर्श 2-फेनील-4-एरिल-3-मेथाइलथियो - 16-डाइऑक्सो-2 3-डायहाइड्रोपारानो [3,4-सी] α -ऑक्सोकेटीन की सीधी डबल साइक्लोकॉन्डेन्सेशन द्वारा पायरोल एन, एसिटिक एनहाइड्राइड का इस्तेमाल साइक्लिकिंग एजेंट के रूप में प्रयोग द्वारा संश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी साइंस एंड रिसर्च, संख्या 3, अंक, 06, पृष्ठ 24 (2016) प्रभाव नियतांक 2.120

अखिलेश कुमार गुप्ता(2016) एट्रोन 3-मिथाइल ईथर के डी-रिंग पर सिंथेटिक परिवर्तन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस, टेक्नोलोजी एण्ड मैनेजमेंट। संख्या 4, विशेष अंक, 05, पृष्ठ 320 (2016) प्रभाव नियतांक 2.24.

अखिलेश कुमार गुप्ता (2016) मैरिक एनाहाइड्राइड और माइकिक एसिड के साथ α -ऑक्सोकेटीन एन, एस-एसिटल की प्रतिक्रिया का तुलनात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी साइंस एंड रिसर्च, संख्या 3, अंक 06, पृष्ठ 22 (2016) प्रभाव नियतांक 2.120

अखिलेश कुमार गुप्ता(2016) एना-ऑक्सोकेटीन एन की माइकल एनहाइड्राइड एस-एसिटल के साथ नेनिट्रोजेस्कु प्रतिक्रिया। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी साइंस एंड रिसर्च, संख्या 3, अंक, 05, पृष्ठ 326 (2016) प्रभाव नियतांक 2.120

पंकज के. चौरसिया, शशि एल. भारती एवं चंदाना शर्मा(2016) औषधि रसायन में खामियां : एक व्यापक मूल्यांकन। जैविक रसायन विज्ञान में लघु-समीक्षा, 2016, 13, 430-451

के.डी. बोराह, एनजी सिंह एवं जे. भूयान (2017) कोलेस्ट्रॉल की उपस्थिति में मैग्नीशियम ट्राइमैथॉक्सिफांलॉर्फिरिन श्रखला ऊर्जा अपव्यय नियंत्रण। *जे केम साइंसेस*, 2017, 12 9, 44 9-455

पी. थिलै अरसु, ए. मुरुगन एवं एम.एस.एम. बटुषा(2016) सिपकोट, तुतीकोरिन, तमिलनाडु, भारत और उसके आसपास भूजल का भौतिक-रासायनिक विश्लेषण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अर्थ साइंसेस एण्ड इंजीनियरिंग, खंड 9, अंक 6 , (2016) 2499-2502

सी.आर. रविकुमार, पी. कोटिश्वरन, वी. बीमा राजू, ए. मुरुगन, एम.एस. संतोष, एच.पी. नगासरुपा, एस.सी. प्रशांथा, मरेनिल कुमार एवं एम. एस. शिवकुमार (2017) बीटा-निकील हाइड्रॉक्साइड सामग्री की विद्युत रासायनिक गतिविधियों का पीएच पर प्रभाव और इसका द्वितीयक बेटरीयों में उपयोग। जर्नल ऑफ एनर्जी स्टोरेज, 9, (2017) 12-24.

निवेदिता राय, मीरा यादव, हार्डीओ सिंह यादव(2016) लुफा एक्युपिटीयाका फलों के रस से प्राप्त लिगिनिन पेरोक्साइडस कीएंजाइमेटिक विशेषता। अमेरिकन जर्नल ऑफ प्लांट साइंसेज, 7, 649-656, 2016.

एन. राय, एम. यादव एवं एच.एस. यादव (2017) लैफा एट्यूटांगुला फलों का रस से मैंगनीज पेरोक्साइडएन। करन्ट बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, 4, 2017 डीओआई: 10.2174/2212711904666170117143442, जनवरी 2017

यादव, एन.एन., डॉल्फेन, जे. किम्पे, एन.डी, डी. होगेहे एम., हा एच.जे. (2016) अज़ेटेरोसिलीन रसायन में अज़ीरिडीनियम आयन - सिंथेटिक 1-एज़ोनीबेशियाक्लो [एन .1.0] अल्केन्स) में इसका उपयोग। *एड सिंथे केटल*. 2016, 358,3485-3511.

ऑंग एच., यादव एन.एन., हा एच.जे. (2016) लैकोमामाइड (विंपैट) और इसके अजीरिडीन से व्युत्पन्न-(2आर)-कार्बोक्साइलेट से प्राप्त अर्क का संश्लेषण। सिन्थेसिस, 2016, 49, 1264-1272.

एम. यादव एवं के.डी.एस. यादव (2017) विभिन्न फ्रूंद स्रोतों से मैंगनीज पराक्सिडोजों की ईन-सिलिको विश्लेषण। करन्ट प्रोटिओमिक्स हेतु स्वीकार किया गया।

(सी) पुस्तकें

पारंपरिक और अपरंपरागत हाइड्रोकार्बन प्रणालियों के अन्वेषण में कार्बनिक पेट्रोलॉजी की भूमिका। बीएसपी-टोईसियु-2016-एचटी-1, बेथम साइंस पब्लिशर, 19 जनवरी, 2017, पुस्तक: जियोलोजी-करन्ट एण्ड फ्युचर डवलपमेंट। सम्पादक ईसाबेल सुकेज-रियुज, आईएनसीएआर-सीएसआईसी, ओविडियो स्पेन तथा जाँवे ग्रेसिनो मेन्डुनूका फिहो, युएफआरजे, रियो डी जेनेरियो, ब्राजिल।

4.8.11 बाह्य निकायों से विभाग का सम्पर्क : -नहीं-

4.8.12 सलाहकार परियोजनाओं पर कार्य : -नहीं-

4.8.13 छात्रों की उपलब्धियां:

एमएस.सी. छात्र पी. पी. नाथ ने पीएच.डी. के लिए लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की थी तथा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद प्रवेश प्राप्त किया था।

4.8.14 कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी : -नहीं-

4.9 भौतिक विज्ञान विभाग

4.9.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

भौतिक विज्ञान विभाग में दो प्रोफेसर, पांच एसोसिएट प्रोफेसर, तथा चार सहायक प्रोफेसर अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। विभाग के संकाय सदस्य अध्यापन कार्य के अलावा अनुसंधान कार्यों में संलग्न हैं तथा राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्रों का प्रकाशन कर रहे हैं। भौतिक विज्ञान के संकाय सदस्यों को भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों जैसे एक्स किरण संचरण, रेशा भौतिकी, प्लाज्मा भौतिकी, नाभिकीय भौतिकी, द्रव स्फटिक, ठोस आयनिकी, गणितीय भौतिकी, अर्ध चालक भौतिकी, अति चालकता, एवं लेजर रमन स्पेक्ट्रम आदि में विशेषज्ञता प्राप्त है। साथ ही विभाग के कुछ संकाय सदस्यों ने संभाव्य वित्तपोषण के लिए अन्य वैज्ञानिकों द्वारा दी गई परियोजनाओं की डीएसटी, सीएसआईआर के समीक्षक के रूप में भी कार्य किया है।

द्रव स्फटिक और ठोस आयनिकी के क्षेत्र के विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और तृतीय विश्व विज्ञान अकादमी (टीडबल्यूएस) इटली द्वारा वित्तपोषित कुल ग्यारह प्रायोजित शोध परियोजनाओं का कार्य सम्पूर्ण

कर लिया गया है। एक स्थानीय लघु परियोजना पर भी कार्य पूरा किया गया। वर्तमान में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा वित्तपोषित एक शोध परियोजना पर कार्य चल रहा है, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एफ़आईएसटी के तहत एक परियोजना का कार्य प्रगति पर है।

विदेश के वैज्ञानिकों के साथ सहयोगात्मक शोध कार्य के लिए विभाग के संकाय सदस्यों को विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के दो बोयज कास्ट फ़ेलोशिप आई एन एस ए, नई दिल्ली -आर एस एल एवं आई एन एस ए-जे एस पी एस के तीन द्विपक्षीय विनिमय फ़ेलोशिप प्रदान किए गए।

विभाग में कार्य करने वाले कुल 10 शोध छात्रों को पीएचडी डिग्री (द्रव स्फटिक में चार, ठोस आयोनिनी में चार, सोलर सेल में एक और रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी में एक) प्रदान की गई। इनमें से तीन पीएच.डी. डिग्रीयाँ नेहू, शिलाँग से और एक तेजपुर विश्वविद्यालय से प्रदान की गई। पाँच पीएचडी डिग्री नेरिस्ट द्वारा प्रदान किए गए। वर्तमान विभाग में और बारह शोध छात्र पीएचडी के लिए शोध कार्य कर रहे हैं।

4.9.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

(क) यह विभाग छात्रों को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में उचित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए दृढ़ संकल्प है। विभाग संस्थान के विविध कार्यक्रमों प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा तथा डिग्री के लिए आठ पाठ्यक्रमों का अध्यापन कार्य अभियांत्रिकी एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान शाखाओं के लिए कर रहा है। इन पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण निम्नवत है:

मॉड्यूल	पाठ्यक्रम कोड	एल-टी-पी- क्रेडिट	पाठ्यक्रम का नाम
प्रमाण पत्र	पी एच 1101	4-0-2-5	भौतिकी-I
प्रमाण पत्र	पी एच 1201	4-0-2-5	भौतिकी-II
डिप्लोमा	पी एच 3101	4-0-2-5	भौतिकी-III
डिप्लोमा	पी एच 3201	3-0-2-4	सीएस, ईसी एवं ईई के लिए भौतिकी
डिप्लोमा	पी एच 3202	3-0-2-4	एई, सीई एवं एमई के लिए भौतिकी
डिग्री	पी एच 3203	4-0-2-5	विस्तृत भौतिकी(अनुप्रयुक्त विज्ञान शाखा)
डिग्री	पी एच 4301	4-0-2-5	विस्तृत भौतिकी (सेतु पाठ्यक्रम)
डिग्री	पी एच 5101	3-0-2-4	आधुनिक भौतिकी

(ख) विभाग ने जुलाई, 2009 से एम.एससी. (भौतिकी) का अध्यापन कार्य आरम्भ कर दिया है। स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण निम्नवत है:

मॉड्यूल	पाठ्यक्रम कोड	एल.टी.पी. क्रेडीट	पाठ्यक्रम का नाम
एम.एससी.	पी एच 7101	3-1-0-4	क्लासिकल मेकेनिक्स
एम.एससी.	पी एच 7102	3-1-0-4	गणितीय भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 7103	3-1-0-4	संगणनीय भौतिकी एवं प्रोग्रामिंग
एम.एससी.	पी एच 7104	3-1-0-4	क्वान्टम मेकानिक्स- I
एम.एससी.	पी एच 7151	0-0-6-3	सामान्य भौतिकी प्रयोगशाला (जी भौतिकी में विशेषज्ञता)
एम.एससी.	पी एच 7152	0-0-6-3	कंप्यूटर प्रयोगशाला(प्रचालन प्रणाली और प्रोग्रामिंग संबंधी अभ्यास)
एम.एससी.	पी एच 7201	3-1-0-4	इलेक्ट्रोडिनामिक्स
एम.एससी.	पी एच 7202	3-1-0-4	इलेक्ट्रॉनिक्स
एम.एससी.	पी एच 7203	3-1-0-4	एटोमिक मोलेक्युलर व लेजर भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 7204	3-1-0-4	क्वान्टम मेकानिक्स-II
एम.एससी.	पी एच 7251	0-0-9-5	ओपटिक्स व सामान्य भौतिकी प्रयोगशाला (ओपटिक्स संबन्धित व अन्य जो सामान्य भौतिकी में शामिल नहीं, में विशेषज्ञता)
एम.एससी.	पी एच 7252	0-0-9-5	इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला (इलेक्ट्रॉनिक्स के थियोरी पत्र में विशेषज्ञता)
एम.एससी.	पी एच 8101	3-1-0-4	एटोमिक व मोलेक्युलर भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 8102	3-1-0-4	इलेक्ट्रॉनिक्स
एम.एससी.	पी एच 8103	3-1-0-4	न्यूक्लियर भौतिकी
एम.एससी.	पी एच 810*	3-1-0-4	विशेष पत्र-I
एम.एससी.	पी एच 8151	6-6-0-3	ओपटिक्स एवं न्यूक्लियर भौतिकी प्रयोगशाला
एम.एससी.	पी एच 8152	0-0-9-5	इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला
एम.एससी.	पी एच 8201	3-1-2-5	समूह थियोरी एवं अनुप्रयोग
एम.एससी.	पी एच 820*	3-1-0-4	विशेष पत्र-II
एम.एससी.	पी एच 825*	0-0-6-3	विशेष पत्र प्रयोगशाला
एम.एससी.	पी एच 80**	3-0-0-3	वैकल्पिक
एम.एससी.	पी एच 8299	0-0-16-8	परियोजना

4.9.3 प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला विकास

(क) अध्यापन प्रयोगशाला

विभाग सभी पाठ्यक्रमों की प्रैक्टिकल कक्षाएँ दो प्रयोगशालाओं में चलाता है:

भौतिकी प्रयोगशाला 1

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों की कक्षाएँ इस प्रयोगशाला में ली जाती हैं:

प्रमाण पत्र मॉड्यूल (प्रौद्योगिकी/अनुप्रयुक्त विज्ञान)	:पी एच 1101 तथा पी एच 1201
डिप्लोमा मॉड्यूल	:पी एच 3101
डिग्री मॉड्यूल (अनुप्रयुक्त विज्ञान)	:पी एच 3203

डिप्लोमा मॉड्यूल में कुछ नये प्रयोगों का समावेश किया गया है।

भौतिकी प्रयोगशाला 2

इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित पाठ्यक्रमों की कक्षाएँ ली जाती हैं:

डिप्लोमा मॉड्यूल (प्रौद्योगिकी)	: पी एच 3201
डिप्लोमा मॉड्यूल (प्रौद्योगिकी)	: पी एच 3202
डिग्री मॉड्यूल (प्रौद्योगिकी)	: पी एच 4301 और पी एच 5101

भौतिकी प्रयोगशाला 3

इस प्रयोगशाला में सामान्य भौतिकी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की प्रैक्टिकल कक्षाएँ ली जा रही हैं (जुलाई-दिसंबर-09)

भौतिकी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए पाँच और प्रयोगशालाएँ हैं। ये हैं: इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला, सॉलिड स्टेट भौतिकी प्रयोगशाला, न्यूक्लियर भौतिकी प्रयोगशाला, ओपटिक्स प्रयोगशाला और कंप्यूटर प्रयोगशाला।

(ख) कम्प्यूटर सुविधा :

भौतिक विज्ञान विभाग में प्रिन्टर (लेजर जेट और डट मैट्रिक्स) सहित पांच कम्प्यूटर, एक स्कैनर और एक सीडी राइटर उपलब्ध हैं। इन्टरनेट सुविधा के लिए एक कम्प्यूटर को लेन के माध्यम से जोड़ा गया है।

(ग) अनुसंधान प्रयोगशालाएँ

(i) द्रव स्फटिक अनुसंधान प्रयोगशाला: डीएसटी, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 1993 को पहली शोध परियोजना संस्वीकृत होने पर डॉ. पी आर अलपति ने नेरिस्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए एक स्वतंत्र भवन में जनवरी, 1995 में द्रव स्फटिक कार्यों के लिए एक अनुसंधान प्रयोगशाला का सुभारंभ किया और कुछ वर्षों में द्रव स्फटिक मेटेरियल्स के संश्लेषण, द्रव स्फटिकता के लिए उनका विशेषीकरण

तथा भौतिक सम्पत्तियों के परिमाण की सुविधाएं जुटाई गईं। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित सुविधायें उपलब्ध हैं -

- गर्म अवस्था धूवीकरण शूक्ष्मदर्शी
- सघनता मापी उपकरण
- अल्ट्रासोनिक वेगोसिटी मापन यंत्र
- प्रतिबादा विस्लेषक उपकरण (एच पी 4192 ए)
- द्रव स्फटिक में एक्सआरडी के उपयोग से एक्स-रे डिफ्रेक्सन अध्ययन के लिए उपकरण (तापन)
- द्रव स्फटिक सामग्री विश्लेषण की सुविधा

(ii) ठोस आयनिकी अनुसंधान प्रयोगशाला

विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना से संबन्धित शोध कार्य के लिए नेरिस्ट द्वारा उपलब्ध कराए गए एक भवन में डॉ. एस ए हाशमी द्वारा वर्ष 1995 में बेटरी सेंसर्स एवं सुपरकेपसिटर के लिए एक ठोस आयनिक शोध प्रयोगशाला स्थापित किया गया। पिछले वर्षों में इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं:

- मध्यम आवर्ती (40-100 हर्ज) एलसीआर है टेस्टर (हिओकी, जापान)
- लो फ्रिक्वेंसी (1 मिली हर्ज - 100 किलो हर्ज) कम्प्यूटर नियंत्रित प्रतिबाधा विश्लेषक (हिओकी, जापान)
- साइक्लिक वोल्टामेट्री आदि के लिए कम्प्यूटर नियंत्रित विश्लेषण कार्य प्रणाली (साइकोपेल, यू.के.)
- आयन उत्पादन की स्थानीय प्रविधि, इलेक्ट्रान संचरण पॉलीमर एवं विशिष्टता आकलन प्रणाली
- एक्स वाई टी रेकॉर्डर (ग्राफीटेक, जापान)

(iii) ठोस इलेक्ट्रॉनिक साम एवं उपकरण प्रयोगशाला

विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना से संबन्धित शोध कार्य के लिए डॉ. एच एम उपाध्याय द्वारा वर्ष 1999 एक प्रयोगशाला स्थापित की गई। इस प्रयोगशाला में उपलब्ध कुछ प्रयोगात्मक फेब्रिकेशन/मापन सुविधा निम्नवत हैं:

- निर्वात परत यूनिट (हिंद हाई-वेक, बैंगलोर, इंडिया-मडेल 12ए 4डी) विथ फेसिलिटी ऑफ आईईईई 488 इंटरफेस एंड सॉफ्टवेयर
- सोर्स-मीजर यूनिट (केइथली इंस्ट्रूमेंट्स, यूएसए-मडेल 236) विथ फेसिलिटी ऑफ आईईईई 488 इंटरफेस एंड सॉफ्टवेयर.
- रसायन बाथ डिपोजिशन / इलेक्ट्रोडिपोजिशन सेट-अर्धचालक परतनिर्माण प्रणाली).
- सौर सेल दक्षता मापन उपकरण
- सूर्यमापी, प्रकाश प्रबलता मापन यंत्र

(iv) सामग्री विज्ञान प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला की स्थापना डॉ. अरविंद पांडे तथा डॉ. संजय के द्वारा एमएचआरडी से वित्तपोषित एक परियोजना से संबन्धित शोध कार्य के लिए की गई थी। इनमें स्थापित मुख्य उपकरण हैं:

- केइथली ईलेक्ट्रमीटर
- वेइंग बेलेस
- हायड्रलिक प्रेस
- रोटरी वेकॉम पम्प
- बल मिलिंग मशीन
- शुक्ष्म अन्वेषी आधारित भट्टी

(v) उच्च ताप भट्टी सुविधा

स्थानीय लघु परियोजना के माध्यम से एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सौजन्य से डा. अरविन्द पांडे ने सिरेमिक/कम्पोजीट मिश्रण के निर्माण के लिए उच्च तापमान भट्टी की स्थापना की थी। स्थानीय रूप से निर्मित इस भट्टी का तापमान 1200⁰ सेल्सियस तक बढ़ाया जा सकता है। 1200⁰ सेल्सियस तक बढ़ाए जा सकने वाले एक आयातीत माइक्रोप्रोसेसर पर आधारित भट्टी अभी चालू है। 1000⁰ सेल्सियस क्षमता सम्पन्न एक और भट्टी प्रचालन अवस्था में है।

4.9.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनाएं (पीएच. डी. उपाधियाँ)

- सुश्री रागनी दुबे को पीएच.डी. उपाधि आचार्य पी. आर. अलापाती के मार्गदर्शन में नवंबर, 2016 में प्रदान की गई थी।
- श्री थोडम नन्दू सिंह को पीएच.डी. उपाधि डॉ. थ. गोमती देवी, एसोसिएट प्रोफेसर के मार्गदर्शन में नवंबर, 2016 में प्रदान की गई थी।

एम. एससी., भौतिक विज्ञान परियोजनाएं

- श्रीमती कृष्णा भूयान ने डॉ. गोमती देवी, एसोसिएट प्रोफेसर के मार्गदर्शन में अपनी परियोजना स्ट्रॉन्ज का कंपन अध्ययन एवं कैंसर रोधी औषधि मई, 2016 में सम्पन्न की थी।
- सुश्री अंजू माग ने कमल साहरिया, सहायक प्रोफेसर के मार्गदर्शन में अपनी परियोजना प्लाज्मा में डिबेई परिरक्षण पर क्वयु-असंबद्धता का प्रभाव मई, 2016 सम्पन्न की थी।
- श्रीमती कृष्णा भूयान ने डॉ. गोमती देवी, एसोसिएट प्रोफेसर के मार्गदर्शन में अपनी परियोजना स्ट्रॉन्ज का कंपन अध्ययन एवं कैंसर रोधी औषधि मई, 2016 में सम्पन्न की थी।

- डॉ. एस. धीरेन मीती, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग ने परियोजना ऐतिहासिक विकास और दक्ष प्रकाश की संभावना (मई 2016) पर कार्य किया था।

4.9.5 विभाग द्वारा लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन -नहीं-

4.9.6 लघु अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की सहभागिता -

- डॉ. थ. गोमती देवी, एसोसिएट प्रोफेसर ने नेरिस्ट में 17-18 अक्टूबर, 2016 को आयोजित संस्थान उद्योग सहभागिता कार्यक्रम बायोडीजल उत्पादन प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण में भाग लिया था।
- डॉ. थ. गोमती देवी डॉ. राजेश कुमार यादव, डॉ. मुकेश उपाध्याय, डॉ. के. बोरा ने राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण व अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा नेरिस्ट, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश में 16-17 मार्च, 2017 को आयोजित कार्यक्रम शिक्षा हेतु शिक्षण प्रशिक्षण में भाग लिया था।
- डॉ. राजेश कुमार यादव एवं डॉ. मुकेश उपाध्याय ने टीईईपीआईपी-द्वितीय के सहयोग से मदन मोहन मालविय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर द्वारा 23-29 मार्च, 2017 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम सामग्री विज्ञान के वर्तमान आयाम में भाग लिया था।
- डॉ. कमल साहरिया, सहायक प्रोफेसर ने सेंट एंथनी महाविद्यालय, शिलांग में नवम्बर, 2016 में आयोजित पूर्वोत्तर (पैन) भौतिक विज्ञान अकादमी के 10वीं राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया था और अपना आलेख प्रस्तुत किया था।
- डॉ. एस. धीरेन मीती, सहायक प्रोफेसर नैनो प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलोंग में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन नैनो विज्ञान व नैनो प्रौद्योगिकी के वर्तमान आयाम में भाग लिया था और अपना आलेख प्रस्तुत किया था।

4.9.7 संकाय सदस्यों द्वारा प्राप्त नई उपाधियां/ व्यावसायिक सदस्यता:

- आचार्य पी. आर अलपाती (i) भौतिक विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष (ii) अमेरिकन रसायन समिति के सदस्य और (iii) अन्तरराष्ट्रीय द्रव स्फटिक समिति के सदस्य निरन्तर हैं।
- डॉ. एस. धीरेन मेथेई भारतीय भौतिकी समिति के जीवन पर्यन्त सदस्य हैं।
- डॉ. एस. धीरेन मेथेई भारतीय सामग्री अनुसंधान समिति के जीवन पर्यन्त सदस्य हैं। एल.एम.बी. 2549.

4.9.8 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित सम्मान/ पुरस्कार: -नहीं-

4.9.9 बाह्य निकायों द्वारा प्रदत्त परियोजनायें: -नहीं-

4.9.10 आलेखों का प्रकाशन

अनुसंधान जर्नलों में प्रकाशित आलेख

के. एन. सिंह, बिनोदोगोगोई, एन. एम. सिंह, रागीनुदेबई, एल. आर. सिंह, एच. बी. शर्मा और पीआर अलापाती (2016) दिपोल पर - कुछ एन (4-एन-अल्कोइलॉक्सी बेंजाइलीडेन) -4'-अल्कोइलिनिलिन यौगिकों का सिल्वर नैनोपैटिक्स के साथ सम्बन्ध एव अचालकता। मोल. क्रिस्ट., 625, 106-116, आईएसएसएन 1542-1406.

रागीनी दुबे, ए. मिश्रा, के.एन. सिंह, आर. धर एवं पी. आर. अलापाती(2016) अत्यधिक ध्रुवीय तरल क्रिस्टलीय सामग्री परतों की अचालकता विशिष्टतायें। लिक्वुड क्रिस्टल्स, 43, आईएसएसएन 0267-8292.

के.एन. सिंह, बिनोदोगोगोई, रागीणुदेयी, एन.एम. सिंह, एच. बी. सरमा एवं पी. आर. अलापाती (2016) एन (4-एन-हेप्टोलिकॉक्सी बेंज़िलिडेन) -4'-एन-ब्युटिल एनिलिन स्मैक्टिक जी चरण का अचालकता अध्ययन। मोल. क्रिस्ट., 626, 130-140, आईएसएसएन 1542-1406.

थ. नन्दो सिंह, थ. गोमती देवी एवं श्री दोरेन्द्र जीत सिंह (2016) $TiO_2:Eu^{3+}SiO_2$ कोर शैल एवं TiO_2 शुद्ध लघु कणों का प्रकाशिकी अध्ययन। इन्ट. जर्नल लुमिन एप्लीकेशन्स, 6, 172-182.

थ. नन्दो सिंह, थ. गोमती देवी एवं श्री दोरेन्द्र जीत सिंह (2016) यूरोपाइम आयन सक्रिय टाइटानियम नैनोपेचरिकल पर प्रकाशिय अध्ययन। एडवांन्स मैटर लेटर्स, 8(2017), 557-564.

मुकुंदा एम. बोराह एवं थ. गोमती देवी(2017), क्वांटम केमिकल विधि का प्रयोग करते हुए एल-फेनोलाइलैनिन की कंपन विशिष्टताओं का विश्लेषण। जर्नल ऑफ आण्विकयूलर स्ट्रक्चर, 1136, 182-195.

थ. गोमती देवी(2016), एजोबेंजिन की कंपन विशिष्टताओं का अध्ययन: एबी-इन्टेग्रेटो गणना से तुलनात्मक अध्ययन। एशियन जर्नल ऑफ फिजिक्स, संख्या-25, अंक-6.

सम्मेलनों में प्रस्तुत आलेख:

डॉ. थ. गोमती गोमती देवी, एसोसिएट प्रोफेसर ने 5-8 नवम्बर, 2016 को लखनऊ में आयोजित आईसीओरपीवीएस-2016 में अपना आलेख डीएमएसओ में एनएन-डिबाउटिल फॉर्ममाइड पर रमन बैंडशैप सी=ओ विश्लेषण प्रस्तुत किया था।

डॉ. थ. गोमती गोमती देवी, एसोसिएट प्रोफेसर ने 10-12 नवंबर, 2016 को शिलांग में आयोजित 10वें राष्ट्रीय उत्तर-पूर्वी भौतिकी सम्मेलन में अपना आलेख डीएल-फेनोइलैलेनाइन की आणविक संरचना, गुणों ओर होमो लुमो कंपन का स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन प्रस्तुत किया था। आपने अपना आलेख Ga^{3+} आयन सक्रिय टाईटाना के प्रकाशिय गुणों के संश्लेषण व लक्षण वर्णन भी प्रस्तुत किया था।

डॉ. थ. गोमती गोमती देवी, एसोसिएट प्रोफेसर ने 4-6 जनवरी, 2017, को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागालैंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में नेनो सामग्री विज्ञान और

प्रौद्योगिकी में अपना आलेख $TiO_2:Eu^{3+}SiO_2$ कोर सैल एवं टाईटाना लधु कणों का प्रकाशिकी अध्ययन प्रस्तुत किया था।

डॉ. थ. गोमती गोमती देवी, एसोसिएट प्रोफेसर ने 20-21 मार्च, 2017 को आसम विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन रासायनिक भौतिकी में अपना आलेख घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत से सिनोटोनिन का कंपनणीय स्पेक्ट्रम, आणविक मापदंड, प्राकृतिक बॉन्ड अक्षिय होमो-लुमो विश्लेषण प्रस्तुत किया था।

4.9.11. बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों का सम्पर्क: -नहीं-

4.9.12 सलाहकार परियोजनाओं पर कार्य: -नहीं-

4.9.13 छात्रों की उपलब्धियां: -नहीं -

4.9.14 अन्य उपलब्धि / प्रासंगिक जानकारी:

आचार्य पी. आर अलपाती (i) भौतिक विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष (ii) अमेरिकन रसायन समिति के सदस्य और (iii) अन्तरराष्ट्रीय द्रव स्फटिक समिति के सदस्य, तथा (iv) नेरिस्ट पुस्तकालय सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं।

डॉ. एस. धीरेन मेथेई सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग ने जर्नल ऑफ फिजिक्स के लिए एक पांडुलिपि की समीक्षा की थी। (पांडुलिपि संख्या: जेपीएचआईएसडी -109388)

4.9.15 विशेषज्ञता एवं उपाधि सहित संकाय सदस्यों के नाम

क्रमांक	नाम और पदनाम	योग्यता और विश्वविद्यालय	विशेषज्ञता
1.	डॉ. पी. आर. अलपाती प्रोफेसर	पीएच.डी.(1988) नागार्जुन	संघनित पदार्थ भौतिकी (तरल क्रिस्टल)
2	डॉ. टाडो कार्लो, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष	पीएच.डी.(1997) दिल्ली विश्वविद्यालय	गणितीय भौतिकी
3.	डॉ. मनन सेनगुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.(1986) कोलकाता विश्वविद्यालय	सैद्धांतिक भौतिकी
4.	डॉ. अरविंद पांडे एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.(2000) राजस्थान विश्वविद्यालय	सघन तत्व, अतिचालकता, ठोस आयनिकी
5	डॉ. थ. गोमती देवी एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.(2005) एन.ई.एच.यू., शिलांग	संघनित पदार्थ भौतिकी (लेजर भौतिकी)

6.	डॉ. मुकेश उपाध्याय, एसोसिएट प्रोफेसर	पीएच.डी.(2005) डॉ. आर.एम.एल. अवध विश्वविद्यालय	ठोस भौतिकी, इलेक्ट्रॉनिकी
7.	डॉ. राजेश कुमार यादव एसोसिएट प्रोफेसर	डी. फिल. (2007), इलाहाबाद विश्वविद्यालय	संघनित पदार्थ भौतिकी (सिद्धांत)
8	डॉ. कमल सहारिया सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.(2009) गौहाटी विश्वविद्यालय	सैद्धांतिक प्लाज्मा भौतिकी
9	डॉ. एस. धीरेन मीतीई सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.(2014) मणिपुर विश्वविद्यालय	संघनित पदार्थ भौतिकी
10	डॉ. अकबरी जहां सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.(2014) गौहाटी विश्वविद्यालय	सैद्धांतिक भौतिकी, उच्च ऊर्जा भौतिकी, प्रवण विज्ञान
11.	डॉ. कुनाल बोराह सहायक प्रोफेसर	पीएच.डी.(2014) तेज़पुर विश्वविद्यालय	इलेक्ट्रॉनिक्स, शुष्म तरंग, इलेक्ट्रॉनिकी, संकेतग्राही

4.10 गणित विभाग

4.10.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

गणित विभाग की स्थापना एक पूर्ण विभाग के रूप में वर्ष 1993 में हुई। वर्ष 1996 में संस्थान की स्थापना से ही यह विभाग भौतिक विज्ञान समूह के एक भाग के रूप में चल रहा था। विभाग में शुद्ध एवं प्रायोगिक गणित समन्वित विस्तृत क्षेत्र में विशेषज्ञता सम्पन्न उच्च अर्हता प्राप्त संकाय सदस्य हैं। अध्यापन कार्य के अलावा सभी संकाय सदस्य सक्रिय रूप से शोध कार्यों में भी लगे हैं। साथ ही कुछ संकाय सदस्य रक्षा विज्ञान जर्नल, गणितीय समीक्षा के समीक्षक के रूप में कार्य करते हुए कई विश्वविद्यालयों के पीएच.डी. शोध पत्रों की समीक्षा कर चुके हैं। विभाग एन.बी.एच.एम., आणविक ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का सदस्य है जो नियमित नई नई पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराता है। विभाग ने एम.एससी. (गणित) और पीएच.डी. कार्यक्रमों की शुरुवात सन 2007 में की थी। इस समय विभाग में 13 विद्यार्थी पीएच.डी. कर रहे हैं। वर्तमान विभाग में दो प्रोफेसर, एक एसोसिएट प्रोफेसर तथा पाँच सहायक प्रोफेसर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

4.10.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में संशोध्यन किया गया था। पीएच.डी. पाठ्यक्रम का अनुमोदन बी.पी.जी.एस. द्वारा किया गया था।

4.10.3 प्रयोगशाला विकास

स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए प्रयोगशाला अनुदेशों का निस्पादन किया गया था। कम्प्यूटरीकरण प्रयोगशाला की स्थापना की गई थी।

4.10.4 छात्रों द्वारा सम्पन्न परियोजनायें (पीएच.डी.)

- शोध छात्र श्री नाबा ज्योति सैकिया ने अपनी पीएच.डी. उपाधि आचार्य पी. के. दास के मार्गदर्शन में प्राप्त की थी। इनके शोध ग्रन्थ का विषय मालेरिया की आकस्मिकताओं का विश्लेषण - आसाम के लखीमपुर जिले पर अध्ययन था।
- शोध छात्रा सुश्री डब्ल्यू. वॉर्सन चानू ने अपनी पीएच.डी. उपाधि आचार्य बी. के. सिंह के मार्गदर्शन में प्राप्त की थी। इनके शोध ग्रन्थ का विषय नमूना सर्वेक्षणों में सही जनसंख्या के निर्धारण हेतु सामान्य वर्गों पर अध्ययन था।
- शोध छात्रा सुश्री येटर तातो ने अपनी पीएच.डी. उपाधि आचार्य बी. के. सिंह के मार्गदर्शन में प्राप्त की थी। इनके शोध ग्रन्थ का विषय नमूना सर्वेक्षण में प्रति-उत्तरो की अनुपस्थिति में जनसंख्या के अनुमान के लिए निर्धारण के सामान्य वर्गों का अध्ययन था।
- शोध छात्र श्री प्रभात यादव ने अपनी पीएच.डी. उपाधि आचार्य एम. एम. दीक्षित के मार्गदर्शन में प्राप्त की थी। इनके शोध ग्रन्थ का विषय निरंतर तरंग प्रतिरूपण के निहित एस्पटोटीक अनुमान था।
- शोध छात्र राजेश कुमार ने अपनी पीएच.डी. उपाधि आचार्य एम. एम. दीक्षित के मार्गदर्शन में प्राप्त की थी। इनके शोध ग्रन्थ का विषय वेटवेट्स और वेवेट प्रतिरूपण के कुछ प्रकारों पर अध्ययन था।

छात्रों द्वारा सम्पन्न एम.एससी. परियोजनायें

क्र.सं.	छात्र का नाम पंजीकरण संख्या	परियोजना	परामर्शदाता
1.	प्रणमी फुकन एमएस/15/एमए/03	आंशिक भिन्नात्मक समीकरणों एवं समावेशन का समाधान।	श्री जयंता बोरा
2.	निर्मला छेत्री एमएस/15/एमए/01	मूल्यवान मानचित्रों पर निर्धारित बिंदु प्रमेयों पर एक सर्वेक्षण	श्री प्रदीप देबनाथ
3.	तिलिंग चोबिंग एमएस/14/एमए/06	आर्मेन्डरिज़ रिंग्स पर एक सर्वेक्षण	डॉ. हीराचंद्र सिंह

4.10.5 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन -नहीं-

4.10.6 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संकाय सदस्यों की सहभागिता

डा. बी. के. सिंह ने 19-25 सितम्बर, 2016 को रोड्स पैलेस-सम्मेलन केंद्र, रोहोडेस, ग्रिस में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन गणनात्मक विश्लेषण और अनुप्रयुक्त गणित 2016 में भाग लिया था तथा अपना आलेख सुधारात्मक घातीय श्रृंखला परिवार का अनुपात और प्रतिक्रिया की अनुपस्थिति में संतोषजनक जनसंख्या अनुमानक हेतु उत्पाद प्रकार दो चरण नमूनाकरण प्रस्तुत किया था।

डा एम.एम. दीक्षित ने बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणशी, उत्तर प्रदेश में 17-18 फरवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन गणितीय विश्लेषण के वर्तमान आयाम में भाग लिया था, तथा अपना आलेख सामान्यीकृत चेबेसेव घातांक सम्बन्ध तरंग प्रतिरूपण प्रस्तुत किया था।

डा सी. पी. पांडे ने बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणशी, उत्तर प्रदेश में 17-18 फरवरी, 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन गणितीय विश्लेषण के वर्तमान आयाम में भाग लिया था, तथा अपना आलेख गणित विश्लेषण के लिए कोल्ट्रन प्रजनन सूत्र प्रस्तुत किया था।

4.10.7 नयी उपाधियाँ/ व्यवसायिक सदस्यता

- प्रोफेसर एल.के. अरोड़ा भारतीय विज्ञान कांग्रेस महासभा के भी सदस्य हैं।
- डा. जे. बोरा भारतीय गणित समिति के सदस्य हैं।
- डा. पी. देबनाथ त्रिपुरा गणित समिति के सदस्य हैं।

4.10.8 संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित सम्मान/पुरस्कार -नहीं-

4.10.9 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य

गोलाकार ढांचे पर तरंग अधिभार के प्रभाव का विश्लेषण। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की परियोजना, 3 वर्ष- दिसम्बर, 2015 से दिसम्बर, 2018. प्रद्यान अनुसंधानकर्ता- डा. एम. हुसैन।

4.10.9 आलेखों का प्रकाशन

(क) पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

येटर तातो और बी. के. सिंह (2017), गैर-प्रतिक्रिया की स्थिति में द्वि-नमूनाकरण श्रृंखला अनुपात सह उत्पाद प्रकार आकांक्षा। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल मेथेमेटिक्स एण्ड स्टेटिक्स, संख्या 18, अंक 1 आईएसएसएन 0974-7117 (मुद्रण); आईएसएसएन 0973-8347 (ऑनलाइन)

यातर टाटो तथा बी.के. सिंह (2016), किसी प्रतिक्रिया के अभाव में द्वि-नमूना सर्वेक्षण योजना के माध्यम से घातांक श्रृंखला अनुपात- सह- श्रृंखला उत्पाद की सामान्य श्रेणी। इन्ट. जन. एग्रीकल्ट स्टेट साइन्स, संख्या 12, अंक 2 आईएसएसएन 0973-190.

यातर टाटो, बी.के. सिंह तथा डब्लू. डब्लू. चानू (2016), किसी प्रतिक्रिया के अभाव में द्वि-अनुपात तथा द्वि-नमूना सर्वेक्षण योजना के माध्यम से उत्पाद अनुमान की एक विशिष्ट श्रेणी। इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इस्टेटिक्स एण्ड इकोनोमिक्स, अंक- 17, संख्या- 2, आई एस एस एन : 0975-556 एक्स.

मनोज कुमार, एस भटनागर, बी.के. सिंह और ओ.पी. श्योराण (2016), माध्य का चर के रूप में उपयोग कर जनसंख्या का आकलन। इन्ट. जन. एग्रीकल्ट स्टेट साइन्स, संख्या 12, अंक 1 आईएसएसएन 0973-1903.

मनोज कुमार, रणजीत कुमार पॉल एवं बी.के.सिंह (2016), हरियाणा राज्य में कपास की खेती का अनुमानित क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता रुझान" जे. कोटन रेस डवा.30 (2) 317-323 (2016)

डब्लू डब्लू चानू, बी.के. सिंह तथा यातर टाटो(2016), किसी प्रकार की प्रतिक्रिया के अभाव में जनसंख्या आकलन के लिए उन्नत घातांक अनुपात - सह - द्वि घातांक अनुपात अनुमान। जरनल ऑफ साइन्स, गाजी विश्वविद्यालय, अंक-29, संख्या-1, पृष्ठ 213-221.

आशीष पाठक, प्रभात यादव एवं एम.एम. दीक्षित (2017), बृहद निम्नीकरण नियंतांक हेतु निरंतर वेवलेट का असिमप्टोटिक विस्तार। बोल.साई.प्रान मेट.,आईएसएसएन -2175-1188, वी 363 (2018) 27-39

पी. देवनाथ, बी.एस. चौधरी एवं एम. नियोग (2017) निर्धारित मूल्यांक डोमेन सहित निश्चित मूल्य ग्राफ सारणी सेट। फिक्स्ड प्वाइंट थ्योरी एंड एप्लीकेशन, 2017: 5, डोओआई : 10.1186/13663-017-0598-8

बी.एस. चौधरी, एन. मेथ्या एवं पी. देवनाथ (2017), ग्राफ से संपन्न मीट्रिक रिक्त स्थान में अन्त बिन्दु परिणाम। जर्नल ऑफ मैथेमेटिक्स, 2016, आलेख आईडी 9130107, डीओआई: 10.1155/2016/ 9130107

देवनाथ एवं एन. कन्वर(2016), अंतर्जान फजी रेखीय रिक्त स्थान में अनुमानित गुणों का परिणाम। थ्योरी एण्ड एप्लीकेशन ऑफ मैथेमेटिक्स एण्ड कम्प्युटर साइन्स। 6(2), 2016,134-149

पी. सी. पी पांडे, राकेश मोहन एवं बी. एन. त्रिपाठी(2017), अलग लाइन पर डंकल ऑपरेटर सहित पृथक वेवलेट्स। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन, आईएसएसएन -0775-8887 संख्या 134, अंक-1, 2016

4.10.10 कोई अन्य सूचना

-नहीं-

4.11 मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

4.11.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

समकालीन विश्व में हमारे दृष्टिकोण को परिलक्षित करने में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी एक मुख्य कारक साबित हो रहा है। भविष्य के तकनीकीविद् के जीवन में मानव भावना के लचीलेपन को बनाये रखने के लिए मानविकी की शिक्षा का विशिष्ट महत्व है। नेरिस्ट का मानविकी व समाज विज्ञान विभाग इस संकल्पना को चरितार्थ करने के लिए मानव विचार तत्व तथा चेतना को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से सम्बद्ध करने का कार्य कर रहा है। वानिकी के साथ मानविकी व समाज विज्ञान विभाग भी पहले नेरिस्ट के प्रायोगिक विज्ञान समूह में शामिल था। वर्ष 1993 से यह पूर्ण विभाग बना जिसके अंतर्गत अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान और प्रबंधन आदि कार्यक्रमों में

शिक्षा प्रदान कर रहा है। विभाग ने उच्च कोटि अध्यापन कार्य, एवं संकाय सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए ख्याति प्राप्त की है। संस्थान द्वारा वर्ष 2006 में विभिन्न क्षेत्रों में स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रम आरम्भ करने के पश्चात विभाग ने "प्रतिभा को निखारने और स्वप्नों को पंख देने" के अपने विजन पर कार्य करते हुये अपने लक्ष्यों को साकार करने का कार्य किया है। यह विभाग नियमित पाठ्यक्रम अध्यापन के अतिरिक्त पूर्वोत्तर के मध्यम एवं लघु उद्योगों को परामर्शी सेवायें प्रदान करने में सक्षम है। विभाग ने इस उद्देश्य को सामने रखते हुए उच्च अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए कई अल्पावधि मांग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, सम्मेलन और व्याख्यान शृंखलाओं का सफल आयोजन किया है। विभाग ने बाह्य निकायों यथा: आईसीएसएसआर, आईसीएआर, मेक् आर्थर फाउन्डेशन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, एआईसीटीई, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं का सफल संचालन किया है। इसके अतिरिक्त विभाग के संकाय सदस्य अर्थशास्त्र, मानव संसाधन प्रबंधन, विपणन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन एवं संगठन व्यवहार में अध्यापन एवं शोध छात्रों का पर्यवेक्षण कर रहे हैं।

एक विकासशील व्यक्ति को सामाजिक - सांस्कृतिक एवं मानव मूल्यों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। विभाग के अनुभवी एवं युवा संकाय सदस्य यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं वानिकी विशेषज्ञ छात्रों एवं तकनीकीविदों में व्यक्तित्व विकास करते हुये इन सभी सामाजिक गुणों का समावेश किया जाए ताकि सामाजिक तकनीकी दूरी को कम किया जा सके तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं समाज के बीच एक सुदृढ़ संबंध विकसित हो सके।

4.11.2 शैक्षणिक गतिविधियां

प्रयोगशाला विकास

संप्रेषण कौशल विकास प्रयोगशाला:

मानविकी व समाज विज्ञान विभाग (एचएसएस) में हाल ही में एमएचआर.डी.एम.ओ.डी.आर.ओ.बी. योजना के तहत भाषा एवं संप्रेषण कौशल विकास प्रयोगशाला विकसित किया गया है जिसका नेतृत्व प्रोफेसर बी डी नायक (प्रधान अनुसंधानकर्ता) और श्री रानेन्द्र प्रसाद (सह-अनुसंधानकर्ता) कर रहे हैं। इस प्रयोगशाला में सभी आधुनिक उपकरण तथा आडियो सिस्टम, एलसीडी टीवी, एलसीडी प्रोजेक्टर और कंप्यूटर आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें 45 विद्यार्थी एक साथ काम कर सकते हैं।

मानविकी व समाज विज्ञान विभाग में प्रोफेसर बी डी नायक (प्रधान अनुसंधानकर्ता) और श्री राजू बरठाकुर (सह अनुसंधानकर्ता) के नेतृत्व में अभातशिप एम.ओ.डी.आर.ओ.बी. के तहत एक सभागार का भी निर्माण किया गया है। इस प्रयोगशाला में सभी आधुनिक उपकरण तथा आडियो सिस्टम, एल.सी.डी. टीवी, एल.सी.डी. प्रोजेक्टर और कंप्यूटर आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसमें 56 विद्यार्थी एक साथ काम कर सकते हैं।

4.11.3 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

प्रोफेसर बी. डी. नायक ने 22-23 अक्टूबर, 2016 को अर्थशास्त्र विभाग के डेरा नांतुग राजकीय महाविद्यालय, इटानगर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया था।

प्रोफेसर बी. डी. नायक पश्चिमी गुवाहाटी महाविद्यालय, गुवाहाटी द्वारा 27-28 अक्टूबर, 2016 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि थे। इस संगोष्ठी में आपने अपनी वार्ता पूर्वोत्तर भारत के आर्थिक विकास के लिए उद्यमी कौशल विकास प्रस्तुत की थी।

प्रोफेसर बी. डी. नायक ने 14 नवम्बर, 2016 नाहरलगुन, अरुणाचल प्रदेश में आयोजित 63^{वाँ} राष्ट्रीय सहकारी सप्ताह समारोह के अवसर पर अपना अभिभाषण "सतत विकास और विकास में सहकारिता की भूमिका" प्रस्तुत किया था।

4.11.4 छात्रों को प्रदान की गयी पीएच.डी. उपाधियाँ

क्र.सं.	छात्र का नाम	शोध का शिर्षक	परामर्शदाता
1.	श्री दानी काचा	किसानों के सतत आर्थिक विकास के लिए धान -सह-मछली संस्कृति की संभावनाएं: जिरो घाटी पर एक अध्ययन	आचार्य बी. डी. नायक
2.	श्री रशिद खान	आर्थिक विकास के लिए सांस्कृतिक पर्यटन क्षमता: अरुणाचल प्रदेश की बहु-जातीय संस्कृति पर एक अध्ययन	आचार्य बी. डी. नायक

सुश्री मनसी पटवारी ने अपनी पीएच.डी. शोधग्रन्थ फरवरी, 2017 में प्रस्तुत किया था।

4.11.5 आलेखों का प्रकाशन

डा. बी. डी. नायक (2016), आर्थिक विकास में शिक्षा की भूमिका: ग्रामीण आसाम में लखीमपुर जिले के संदर्भ में एक वास्तविकता। यह आलेख 22-23 अक्टूबर, 2016 को अर्थशास्त्र विभाग के डेरा नांतुग राजकीय महाविद्यालय, इटानगर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया था।

4.11.6 बाह्य निकायों से संकाय सदस्यों का सम्पर्क

प्रोफेसर बी. डी. नायक का अरुणाचल प्रदेश राज्य सहकारी संघ तथा नाबार्ड ईटानगर से निरन्तर सम्पर्क रहा है।

4.11.7 संकाय सदस्यों द्वारा प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन

प्रोफेसर बी.डी. नायक	:	प्रभारी, विभागिय सभागार अध्यक्ष नामित, केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट
डा. पी.आर. परीदा	:	विभागध्यक्ष एवं परीक्षा नियंत्रक
श्री रानेन्दु प्रशाद	:	प्रभारी, कम्प्यूटर प्रयोगशाला तथा संचार कौशल प्रयोगशाला
श्री राजू बरठाकुर	:	प्रभारी, इन्टरफेस, नेरिस्ट न्यूज लेटर सदस्य, पुस्तकालय सलाहकार समिति

4.12 प्रबंधन अध्ययन केन्द्र

4.12.1. केंद्र का संक्षिप्त परिचय

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र की स्थापना 4 नवम्बर, 2009 को एक स्वतन्त्र केन्द्र के रूप में प्रबन्धन कार्यक्रमों के संचालन के लिये की गई थी। संस्थान द्वारा वर्ष 2005 में मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्राप्त करने के पश्चात, जुलाई, 2006 में मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग के तहत प्रबन्धन में स्नातकोत्तर डिग्री आरम्भ करने के सपने को साकार करते हुए संस्थान ने अरुणाचल प्रदेश में सर्वप्रथम एम.बी.ए. कार्यक्रम आरम्भ करने वाले संस्थान का गौरव प्राप्त किया। प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य भावी प्रबन्धकों एवं क्षेत्र के नीति निर्धारकों को विश्वस्तर की प्रभावशाली प्रबन्धन की शिक्षा स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रदान करना है। सीएमएस का लक्ष्य स्थानीय प्राथमिकताओं को साथ में रखते हुए वैश्विक दृष्टि और स्थानीय मूल्यों के साथ वैश्विकता का तालमेल बिठाना है।

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र एक स्वतन्त्र केन्द्र होने के कारण क्षेत्र के भावी प्रबन्धकों को प्रबन्धन के अनेक आयामों जैसे मानव संसाधन प्रबन्धन, वाणिज्य प्रबन्धन, प्रणाली प्रबन्धन, वित्त प्रबन्धन तथा उद्यमिता विकास की उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह केन्द्र निम्नलिखित गतिविधियों का संचालन करता है-

- प्रबन्धन में पीएच .डी
- शासकीय अधिकारियों व प्रबन्धकों के लिये प्रबंधन विकास कार्यक्रम .
- विभिन्न लक्ष्य समूहों के लिये व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
- औद्योगिक ईकाइयों के लिये उन्हीं के स्थान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
- प्रोत्साहन कार्यशाला
- प्रबंधन के विविध क्षेत्रों में परामर्शी सेवा

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र में बौद्धिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिये नेरिस्ट प्रबन्धन फोरम (मॉफॉन) का गठन किया गया है, जिसके सदस्य केन्द्र के विद्यार्थी तथा प्राध्यापक गण हैं। मॉफॉन का कार्य विशिष्ट व्याखानों, समूह विवेचनाओं व प्रबन्ध विकास गतिविधियों का आयोजन करना है।

वर्ष 2015-16 के दौरान केंद्र में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित कुछ प्रसिद्ध वक्ता हैं:

- डॉ. के सोटेचांद, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग, आरजीयू, दोड़मुख
- श्री ए चक्रवर्ती, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग, आरजीयू, दोड़मुख
- श्री एस के शर्मा, सम्बद्ध प्रोफेसर, डी एन कालेज, इटानगर

सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के साथ प्रबन्धकों के सृजन का उद्देश्य सफल होता दिख रहा है और अब तक केंद्र से उत्तीर्ण कुल 5 बैचों के विद्यार्थियों को उद्योग जगत ने सहर्ष स्वीकार किया है।

4.12.2 शैक्षिक गतिविधियाँ

अध्यापन कार्य के विषय

डा. एम.एम. माल

एम बी-7106, 8151, 8110, 8111, 8109, 7207 तथा एम बी 8210

डा. एस. चौधरी

एम बी-6003, 7103, 7101, 7105, 8102, 8103, 8201, 8231 तथा एम बी 8235

4.12.3 प्रशासनिक दायित्व का निर्वहन

डा. एम.एम. माल - विभागध्यक्ष,

संरक्षक-पी जी छात्रावास,

अध्यक्ष बीओएस,डीपीजीसी

डा. एस. चौधरी - सलाहकार, नियोजन एवं प्रशिक्षण

सदस्य, शैक्षिक समिति

सदस्य, केन्द्रीय पुस्तकालय सलाहकार समिति

सम्नवयक. डीपीजीसी

सदस्य, बीओएस

4.12.4 विद्यार्थी, संकाय और कर्मचारी विवरण:

प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र में छात्रों की कुल संख्या	एम.बी.ए. - 57, पीएच.डी. - 13
वर्तमान में संकाय की कुल संख्या	सहायक प्रोफेसर-03 प्रोफेसर-01
केन्द्र में आवश्यक संकाय की कुल संख्या	06 (स्वीकृत), रिक्त- 02
वर्तमान में मंत्रालयीन कर्मचारी की कुल संख्या	लिपिक-01, प्रयोगशाला परिचर-01 श्रमिक-01

4.12.5 एम.बी.ए. छात्रों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन: 2015-17

क्र.सं.	छात्रों का नाम	अनुक्रमांक	विषय
1.	पूजा साहा	एमबीए/15/01	अरुणाचल प्रदेश की राजधानी क्षेत्र में संगठित खुदरा के सम्बन्ध में उपभोक्ता की अवधारणा
2	अनु नालो	एमबीए/15/02	असम और अरुणाचल प्रदेश के चयनित गैर-सरकारी संगठनों में मानव संसाधन प्रथाओं पर एक अध्ययन
3.	ताना अदाप	एमबीए/15/03	अरुणाचल प्रदेश के तोरु क्षेत्र में नारंगी प्रतिपादन का मूल्यांकन - एक अध्ययन

4.	कागो याफ़	एमबीए/15/04	अरुणाचल प्रदेश में खनिज जल उद्योग की स्थिति- एक अध्ययन
5.	चंदन सिंह	एमबीए/15/05	अरुणाचल प्रदेश के राजधानी क्षेत्र में पतंजली उत्पादों के बारे में उपभोक्ता अवधारणा
6.	टैंगिंग निपा	एमबीए/15/06	स्पाइस जीरो की समस्याएं और संभावनाएं
7.	प्रिया प्रधान	एमबीए/15/07	अरुणाचल प्रदेश के राजधानी क्षेत्र में वित्तीय शिक्षा के बारे में जागरूकता का परिप्रेक्ष्य
8	मोनादीपा नायक	एमबीए/15/08	अरुणाचल प्रदेश में पर्यटन और पर्यटन मंडलों पर एक अध्ययन।
9	नवज्योति एस बैद्या	एमबीए/15/09	अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिले में स्थानीय हथकरघा उत्पादों का व्यावसायीकरण
10	राजेन बिस्वास	एमबीए/15/10	अरुणाचल प्रदेश के राजधानी क्षेत्र में निजी कारों से संबंधित उपभोक्ता व्यवहार पर एक अध्ययन
11.	पोंगजी मारा	एमबीए/15/11	वेब सामग्री विश्लेषण: अरुणाचल प्रदेश पर्यटन वेबसाइट पर एक अध्ययन
12	जुंपी ईटे	एमबीए/15/12	भारत सरकार के ग्रामीण सशक्तिकरण कार्यक्रमों का आकलन और पश्चिम सियांग जिले के बागड़ा अंचल के किसानों के सामाजिक आर्थिक स्तर का अध्ययन
13.	जुम्गम यॉम्चा	एमबीए/15/13	अरुणाचल प्रदेश के राजधानी क्षेत्र के विशेष संदर्भ में मोबाइल बैंकिंग के उपयोग के प्रति उपभोक्ता जागरूकता का अध्ययन
14.	केज दाबी	एमबीए/15/17	पासीघाट में प्रतिपादित पेयजल की बाजार में मांग का विश्लेषण
15.	चुकू अपू	एमबीए/15/19	मेन्गियो अंचल में इलायची की खेती और ग्रामीण आजीविका पर इसके प्रभाव
16.	बोजुम यारुंग	एमबीए/15/20	अरुणाचल प्रदेश के पूंजीगत क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण जागरूकता पर एक अध्ययन
17.	यलिंग चिजे	एमबीए/15/21	त्योहार और पर्यटन के बीच संबंध - मेचुका साहसिक पर्यटन त्योहार का विश्लेषण।

4.12.6 अनुसंधान परियोजनाये: 2016-17

- एशिया की स्वच्छतम गांव की सफलता की कहानी: मेघलय में मावलिनगोंग गांव का एक अध्ययन।

- पंचायती राज व्यवस्था के तहत जिला योजना प्रशासन पर एक अध्ययन: उत्तरी स्वायत्त जिला परिषदों (एडीसी) में लाशेन और लाचंग गांव का एक उदाहरण (डा. एम. के. श्रीवासत्व के साथ)
- सिक्किम के स्वयं-संस्थानों का एकीकरण कार्य ।

4.12.7 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

डॉ. एस. चौधरी एवं श्री ए. के. परिदा ने टीईक्यूआईपी-द्वितीय तथा इंडियन ऑयल के सहयोग से दो दिन के प्रबन्ध विकास कार्यक्रम कॉरपोरेट विश्व के लिए तैयारी का आयोजन किया था।

4.12.8 लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता

आचार्य आर. एम. पन्त ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, नागालैंड शासन द्वारा आयोजित ई-नागा शिखर सम्मेलन में पैनलिस्ट और संसाधन व्यक्ति थे। इस आयोजन में आपने अपनी वार्ता तकनीकी संस्थानों की गुणवत्ता और पूर्वोत्तर क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के विकास में इनकी भूमिका प्रस्तुत की थी।

आचार्य आर. एम. पन्त ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय द्वारा 26-27 फरवरी, 2016 को आयोजित अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन पश्चिम संग विकास में पैनलिस्ट और संसाधन व्यक्ति थे। इस आयोजन में आपने अपनी वार्ता समाज एवं वाणिज्य प्रस्तुत की थी।

डॉ. एस. चौधरी ने सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, नागालैंड शासन द्वारा 29 नवम्बर, 2016 को आयोजित ई-नागा शिखर सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति थे। इस आयोजन में आपने अपनी वार्ता सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उद्मता का विकास प्रस्तुत की थी।

डॉ. मनमोहन माल ने ओएनुसंधन विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय पर्यटन और आतिथ्य कांग्रेस व अंतराष्ट्रीय पर्यटन शांति संस्थान के सौजन्य से 1-3 फरवरी 2016 को आयोजित अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी पर्यटन से अंतराष्ट्रीय शांति के अवसर और चुनौतियां में भाग लिया था, व अपना आलेख भारत में शांति के लिए पर्यटन: आर्थिक विकास परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया था।

4.12.9 आलेखों का प्रकाशन

अनुसंधान पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख

अदिकान्त परिदा, शिबब्रत चौधरी, सैबाल चटर्जी, देबाशीस चटर्जी (2016), तकनीकी संस्थानों में ऊर्जा प्रभावकारिता के लिए एक नियम आधारित विद्युत ऊर्जा वितरण मॉडल: एक अध्ययन, *एनर्जी एण्ड बिल्डींग्स, (एल्सेवायर)*, संख्या-126, 15 अगस्त 2016, पृष्ठ 508-516, डीओआई: 10.1016 / जेएनबिल्ट .2016.05.06 9.

अदिकान्त परिदा, शिबब्रत चौधरी, सैबाल चटर्जी, देबाशीस चटर्जी (2016), मांग के प्रबंधन के लिए विनिर्माण उद्योगों हेतु एक लागत प्रभावी नवीकरणीय विद्युत शक्ति विकल्प। *कॉग्नेट इंजीनियरिंग (टेलर और फ्रांसिस)*, डीओआई: 10.1080/23311916.2016. 1239299, 22 सितंबर, 2016.

शिवाब्रत चौधरी, ए.के. पत्रा, ए. के. परिदा, एस. चटर्जी, (2017), ऑनलाइन ब्रांड वस्तुओं में ग्राहक खरीद आवृत्ति निर्धारकों के लिए इंटरवल टाइप-II फजी बहु समूह आधारित निर्णय रैंकिंग, *एडवान्सेज इन इंटेलिजेंट सिस्टम एण्ड कंप्यूटिंग।* संख्या-546, पृष्ठ 276-285, 2017 डीओआई: 10.1155/2011/929507.

मनमोहन माल(2017) खुली खानों में उत्पादन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाले गुण: एक समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस ओपरेशन मैनेजमेंट, इन्डरसाइन्स पब्लिशर्स (प्रेस में)

मनमोहन माल(2017) कौन उत्पादक घंटों में बाधा कर रहा है? भारत के असतत विनिर्माण उद्योगों से एक खोज। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्टिविटी एण्ड क्वालिटी मैनेजमेंट, (प्रेस में)

मनमोहन माल(2017) बीमा और आर्थिक विकास के बीच सम्बन्ध - भारत का परिदृश्य। वर्ड जर्नल ऑफ साइन्स, कोमर्स एण्ड मैनेजमेंट।

शर्मा बी. एवं रहमान जेड, (2017), आभूषण डिजाइनिंग में बदलाव: भारत में बाह्य सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों को सशक्त बनाना' ग्लोबल बिजनेस रिव्यू (स्क्रोपस) ऋषि प्रकाशन (प्रतिलिपि प्राधिकार प्रस्तुत)

शर्मा बी. एवं रहमान जेड, (2016), शर्मा बी., यू.आई. इस्लाम जे. एवं रहमान जेड, (2016) "मंगलदीप: भारत में विस्तार", साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट केसेस, संख्या 5, आईएसएसएन 2277- 9779, ऋषि प्रकाशन।

पुस्तकों में प्रकाशन

आर. एम. पन्त, आशा नंदी तथा एस. चौधरी (2015), अरुणाचल प्रदेश में विकास गतिविधियों के निजीकरण के माध्यम से एकट इस्ट नीति का कार्यान्वयन। पुस्तक-लुक ईस्ट पोलिसी-प्रोस्पेक्टिव फरोम साउथ ईस्ट एशियन आर्टीटेक्चर। सम्पादक-ए. भट्टाचार्य, एकसल इण्डिया पब्लिकेशन, नयी दिल्ली, भारत।

आर. एम. पन्त (2016),आसाम -नवीन सम्भावनायें। पुस्तक-टर्न मिरर्स इन टू विण्डोज: रेहोटोरिक ऑफ एकट इस्ट पोलिसी एण्ड बियोन्ड। सम्पादक- अमित चौधरी, आकांशा पब्लिसिंग हाउस, नयी दिल्ली(आईएसबीएन 978-81-8370-461-8.

आर. एम. पन्त तथा एस. चौधरी (2016), तकनीकी श्रमशक्ति के समायोजन से सार्जनिक-नीजी क्षेत्र काविकास: अरुणाचल प्रदेश में सम्भावनायें। सम्पादक- अमित चौधरी, आकांशा पब्लिसिंग हाउस, नयी दिल्ली(आईएसबीएन 978-81-8370-461-8.

शिवाब्रत चौधरी, राजीव मोहन पंत, सैबाल चटर्जी, आशा नंदी(2016), जैव-पर्यटन के माध्यम से जीरो का महिमामंडन। पुस्तक: बायो प्रोस्पेक्टिव ऑफ इण्डिजिनियस बायो रिसोरसेज ऑफ नोर्थ ईस्ट इण्डिया। डीओआई-10.1007 / 978-981-10-0620-3-21, स्प्रिंगर, सिंगापुर।

आदित्य बोराह, मधुलेखा गोगोई बोरबोरा, शिबब्रत चौधरी (2016), मांजूली में पर्यावरण पर्यटन की संभावनाएं। पुस्तक: बायो प्रोस्पेक्टिव ऑफ इण्डिजिनियस बायो रिसोरसेज ऑफ नोर्थ ईस्ट इण्डिया। डीओआई-10.1007 / 978-981-10-0620-3-21, स्प्रिंगर, सिंगापुर।

4.12.10 अन्य सूचनायें

प्रोफेसर आर.एम. पन्त

- राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, गुवाहाटी के निदेशक पद पर पदस्थापित है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान, गुवाहाटी में आपके मार्गदर्शन में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन।
- आप आठ शोध छात्रों के पर्यवेक्षक हैं, तथा चार को पीएच.डी. उपाधि पूरी करवा चुके हैं।
- आप तेजपुर विश्वविद्यालय में 6 नम्बर, 2015 को बाह्य परीक्षक थे।
- आप ब्रह्मपुत्र बोर्ड द्वारा आयोजित सहायक अद्विशासी अभियन्ता के सलाहकार में 19 नम्बर, 2015 को चयन समिति के सदस्य थे।
- आपने मणिपुर विश्वविद्यालय, अन्ना विश्वविद्यालय, चैन्नेई, मिजोरम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय तथा जायति विद्यापिठ जयपुर में पीएच.डी. शोध्य ग्रन्थों का मूल्यांकन किया था।

डॉ. शिबब्रत चौधरी

- आप भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के लिए एम्पैनलमेंट वित्तीय शिक्षा संसाधन व्यक्ति हैं।

श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा

- आपको शुष्म, लधु तथा मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2016 के लिए पीएच.डी. हेतु वृत्ति प्रदान की है। इसके तहत एस.आई.डी.क्यू.एल., हरिद्वार, उत्तराखंड में उद्योगों के विकास के लिए आप एक परियोजना पर कार्य कर रही हैं।

अनुभाग - 5
केन्द्रीय सुविधाएं सेवाएं और गतिविधियां

5.1 केंद्रीय पुस्तकालय

(क) पुस्तकों की संख्या : 63419

(ख) जर्नल की संख्या : 98

(ग) ई-जर्नल का विवरण

(i) इस पुस्तकालय की सदस्यता वर्ष 2016 के लिए नवीनीकृत नहीं है।

(ii) ई.एस.एस. (मुख्य रूप से इंडेस्ट) कंसोर्टियम के मुख्य सदस्य होने के से संस्थान के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को निम्नलिखित ई-संसाधन प्राप्त हो रहे हैं:

1. ए.सी.एम. डिजिटल लाइब्रेरी - 1139 पुस्तकें
2. ए.एस.सी.ई. जर्नल ऑनलाइन -35 पुस्तकें
3. ए.एस.एम.ई. जर्नल ऑनलाइन -28 पुस्तकें
4. ए.एस.टी.एम. मानक
5. नैचर
6. ए.एस.पी.पी.
7. इकोनोमिकल एण्ड पोलिटिकल विकली
8. जे.एस.टी.ओ.आर.
9. ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय मुद्रणालय

(घ) पत्रिकाएं : 8

(च) समाचार पत्र : 4 दैनिक

(छ) अन्य सुविधाएं

केंद्रीय पुस्तकालय में बुक बैंक की स्थापना की गई है। यह आरम्भ में उत्तर पूर्वी परिषद द्वारा वित्त पोषित किया गया था, तदपश्चात संस्थान ने नए संस्करणों के संग्रह और नए पाठ्यक्रम के अनुसार उन्नयन के लिए आवश्यक धन उपलब्ध कराया था। छात्रों को सेमेस्टर के सभी पाठ्यक्रमों हेतु पुस्तकों का एक सेट बुक बैंक से प्रदान किया जाता है।

उपलब्ध कार्यक्रम की पाठ्य पुस्तकों की संख्या, निम्नानुसार हैं -

- क. प्रमाण पत्र कार्यक्रम : संख्या-10522, शीर्षक - 154
- ख. डिप्लोमा कार्यक्रम : संख्या-12142, शीर्षक - 208
- ग. उपाधि (प्रौद्योगिकी) कार्यक्रम : संख्या-12324, शीर्षक - 270
- घ. उपाधि (वानिकी) कार्यक्रम : संख्या-2650, शीर्षक - 100

कुल संख्या - 36,638 पुस्तकें

भारतीय मानक

पुस्तकालय में पर बीआईएस द्वारा प्रकाशित का पूरा सेट भारतीय मानक सीडी रॉम में उपलब्ध है।

वर्तमान जागरूकता सेवा

यह पुस्तकालय नई अतिरिक्त सूची, आवधिक सेवाओं की सामग्री प्रदान कर रहा है। पुस्तकालय विभिन्न संस्थान के लिए अखबारों की महत्वपूर्ण कतरन आदि उपलब्ध करवाता है।

द्रश्य-श्रवण सामग्री

पुस्तकालय में विभिन्न विभागों के लिए 139 डीवीडी "वीडियो प्रशिक्षण कार्यक्रम" उपलब्ध है।

संस्थागत सदस्यता

- क. इंडियन लिक्विड क्रिस्टल सोसायटी, बेंगलोर,
- ख. काजीरंगा वन्य प्राणी समिति, आसाम,
- ग. भारतीय विश्वविद्यालय महासभा, नई दिल्ली

विभागीय पुस्तकालयों का विवरण :

संस्थान के सभी 11 विभागों के लिए विभागीय पुस्तकालय स्थापित किये गये है। विभागों के लिए पुस्तकालय द्वारा पुस्तकों की खरीद की गई है। विभागवार खरीदी गए पुस्तकों की संख्या निम्नानुसार हैं -

विभागीय पुस्तकालयों का पुस्तक संग्रह

क्र.सं.	विभाग	पुस्तकों की संख्या
01	कृषि अभियांत्रिकी	275
02	सिविल अभियांत्रिकी	111
03	रसायन विज्ञान	86
04	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	234
05	विद्युत अभियांत्रिकी	118
06	इलेक्ट्रॉनिकी संचार एवं अभियांत्रिकी	434
07	वानिकी	71
08	मानविकी विज्ञान	252
09	गणित	704
10	भौतिक विज्ञान	29
11	यांत्रिक अभियांत्रिकी	190

पुस्तकालय के अधिारी/कर्मचारी

क्र.सं.	नाम	पद
01	श्री वेद प्रकाश गुप्ता	पुस्तकालयाध्यक्ष
02	श्री दुर्गा माधव साहू	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
03	श्री संतोष चंद्ररा रॉय	श्रेणीबद्ध कर्ता
04	श्रीमती मंजू बी नायर	एल.डी.सी.
05	श्री थल प्रसाद खंडाल	प्रतिलिपि मशीन ऑपरेटर
06	श्रीमती याके नोयरी	प्रतिलिपि मशीन ऑपरेटर
07	श्री मोहिधर बोरो	चपरासी
08	श्री बाबू लाल मंडल	परिचर
09	श्री भरत चंद्र काकटी	परिचर
10	श्री जोगिंद्र नाथ नियोग	चपरासी
11	श्री कुमुद चंद्र बोराह	चपरासी
12	श्रीमती एल.वायमी	चपरासी
13	श्रीमती टोको रीना	हैड रिसिप्ट
14	श्रीमती वाई. कुमार	हैड रिसिप्ट

पुस्तकालय सलाहकार समिति के सदस्य

क्र.सं.	नाम	विभाग	
1	आचार्य पी. आर. एलापाति,	भौतिक विज्ञान	अध्यक्ष
2	डॉ.(श्रीमती) एस. एल. भारती	रसायन विज्ञान	सदस्य
3	डॉ के. शहरिया,	भौतिक विज्ञान	सदस्य
4	आचार्य एस. के.भगत,	विद्युत अभियांत्रिकी	सदस्य
5	श्री एस. एम. खान	यांत्रिक अभियांत्रिकी	सदस्य
6	डॉ पी. देवनाथ,	गणित	सदस्य
7	श्री राजू बोरठाकुर,	मानविकी विज्ञान	सदस्य
8	डॉ एस. चौधरी	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	सदस्य
9	डा. पी. के. पांडे	कृषि अभियांत्रिकी	सदस्य
10	डॉ अविनाश कुमार,	वानिकी	सदस्य
11	डा. आर. के. मँगांग	इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी	सदस्य

12	श्री एम. मरजीत सिंह	कंप्यूटर विज्ञान	सदस्य
13	श्रीमती मुडो पुमिंग	सिविल इंजीनियरिंग	सदस्य
14	श्री वेद प्रकाश गुप्ता	पुस्तकालयाध्यक्ष	सदस्य सचिव

इंडेस्ट समिति सदस्य

क्र.सं.	नाम	विभाग	सदस्य
1	आचार्य पी. आर. एलापाति	भौतिक विज्ञान	अध्यक्ष
2	डॉ.(श्रीमती) एस. एल. भारती	रसायन विज्ञान	सदस्य
3	डॉ सैबेबल चटर्जी	विद्युत अभियांत्रिकी	सदस्य
4	डॉ पी. देवनाथ,	गणित	सदस्य
5	डा. पी. के. पांडे	कृषि अभियांत्रिकी	सदस्य
6	श्री राजू बोरठाकुर,	मानविकी विज्ञान	सदस्य
7	श्री अमर तागु	कंप्यूटर अभियांत्रिकी	सदस्य
8	श्री एस. मजुमदार	इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी	सदस्य
9	डॉ एम. चंद्रशेखरन	यांत्रिक अभियांत्रिकी	सदस्य
10	डॉ एम.एम. मॉल	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	सदस्य
11	डॉ अकबरी जहांन	भौतिक विज्ञान	सदस्य
12	श्रीमती मुडो पुमिंग	सिविल अभियांत्रिकी	सदस्य
13	श्री वेद प्रकाश गुप्ता	पुस्तकालयाध्यक्ष,	सदस्य
14	डॉ सुरेश के. सिंह	वानिकी	सदस्य सचिव

5.2 प्रशिक्षण एवं नियोजन कक्ष

5.2.1 परिचय

प्रशिक्षण एवं नियोजन कक्ष की स्थापना वर्ष 1991 में की गई थी। यह कक्ष छात्रों को उनके कौशल एवं ज्ञान के अनुसार, परिसर साक्षात्कारों के माध्यम से नियोजन प्राप्त करने में अहम भूमिका अदा कर रहा है। छात्रों के नियोजन का निरन्तर प्रयास करते हुये संस्थान के पूर्व-अन्तिम एवं अन्तिम वर्ष के छात्रों के लिए कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें उनको साक्षात्कारों में भाग लेने एवं रोजगार चयन प्रक्रिया का पूरा ज्ञान प्राप्त करने में आसानी हो और वे उद्यमान एवं उच्च श्रेणी के संगठनों के रोजगार प्राप्त कर सकें।

5.2.2 गतिविधियों का विवरण

प्रशिक्षण

इस अनुभाग ने कृषि अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियांत्रिकी, यंत्रिक अभियांत्रिकी सिविल अभियांत्रिकी एवं एम.बी.ए. के पूर्व-अन्तिम वर्ष विद्यार्थियों के लिए 45 दिनों के औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जो उनके पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा है। वर्ष 2016-17 के दौरान संस्थान के छात्र ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण के लिए आईआईटी गुवाहाटी, एनएचपीसी, आईओसी (कोलकाता, डिगबोई, गुवाहाटी), ओएनजीसी, एनटीपीसी, बीएसएनएल, सीएफएमटीटीआई, एनईएसएसी, एमईईसीएल, डीआरडीओ, एनआरएफएमटीटीआई, एचआईएसएएआर, नेरिम, नेरीवालाम, आईसीएआर (शिलांग) पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, राज्य लोक निर्माण विभाग, और ऊर्जा विभाग में गए।

नियोजन

अनुभाग ने संस्थान के बी.टेक., बी.एससी., एम.एससी. (वानिकी) एवं एम बी ए. के छात्रों के लिए परिसर साक्षात्कारों का आयोजन संस्थान में तथा संस्थान के बाहर किया था। साक्षात्कार के लिए आने वाले संगठनों के अधिकारियों को नेरिस्ट में सभी प्रकार की सुविधायें प्रदान की गईं। छात्रों के लिए तेजपुर विश्वविद्यालय, एसआईटी सिलीगुड़ी, और असम अभियांत्रिकी महाविद्यालय, गुवाहाटी में भी पल केम्पस साक्षात्कारों की भी व्यवस्था की गई। हमारे संस्थान में साक्षात्कारों का आयोजन करने वाले संगठनों में भारतीय सेना, आईबीएम, विप्रो, टेक महिंद्रा, एल एंड टी इन्फोटेक, फेस, जालोनी, एक्सिस बैंक, आदि शामिल थे।

उल्लेखनीय बातें

हमारे विद्यार्थियों की चयन प्रक्रिया की कठिनाइयों को देखते हुए बी.टेक. अन्तिम वर्ष के छात्रों के लिए मैसर्स. को-क्यूबस, बैंगलुरु से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 7-10 दिसम्बर, 2016 को किया गया था। विभिन्न विभागों से संस्थान के 61 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था। संस्थान में ऑन लाईन परीक्षण सुविधाओं का अभाव है, इस प्रकार के परीक्षण में छात्र अपने लेपटॉप का प्रयोग करते हैं।

नियोजन प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए, प्रशिक्षण एवं नियोजन कक्ष ने मैसर्स ग्रीकट्रल, भोपाल के साथ एक समझौता किया है, और फर्म द्वारा विकसित एक सॉफ्टवेयर 'टीएनपीएसईडट' को अपनाया है। अब नियोजन प्रक्रिया पूरी तरह से स्वचालित हो गई है और इसने परिचालन की चुनौतियों पर काबू पा लिया गया है। यह फर्म छात्रों और नियोक्ताओं को नियोजन कक्ष से जोड़कर एक प्लेटफॉर्म बनाती है, जो सेंट्रल प्लेसमेंट सिस्टम के रूप में काम रहा है। यहां हम छात्रों और कंपनियों को सभी डेटा का प्रबंधन करने जा रहे हैं, स्वयं के काम को ट्रैक करना, नियोजन प्रक्रिया के

सभी चरणों को स्वचालित करना, निगरानी करना, प्रशिक्षण की जरूरतों को निर्धारित करने के लिए छात्र के प्रदर्शन का विश्लेषण करना, रिपोर्ट से अंतर्दृष्टि प्राप्त करना और सिस्टम को विशिष्ट आवश्यकताओं से अनुकूलित करना आदि कार्यों का निष्पादन किया जा रहा है।

5.3 प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक सलाहकार सेवायें (एस आर आई सी)

5.3.1 परिचय

प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक सलाहकार सेवा कक्ष की स्थापना नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल की दिनांक 25.8.2001 को आयोजित 51 वी सभा के अनुमोदन के अनुसार की गई थी। इस अनुभाग की स्थापना का उद्देश्य सस्थान में प्रायोजित अनुसंधान सलाहकार सेवाओं का सुचारु ढंग से संचालन करना है। इस समय कक्ष के प्रभारी एक प्रोफेसर हैं, उनकी सहायता के लिए एक सहायक तथा चपरासी भी इस कक्ष में सम्बद्ध हैं। वानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी आदि सभी विभागों की परियोजनाओं से संबन्धित वित्त मामलों की देखरेख वित्त अनुभाग करता है।

5.3.2 वर्तमान गतिविधियाँ

इस समय नेरिस्ट के विभिन्न विभागों द्वारा 32 परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। प्रत्येक परियोजना एक मुख्य अनुसंधानकर्ता की देखरेख में चल रही है और प्रायोजको के निर्देशानुसार उनमें अन्य कार्मिक शामिल किए गए हैं।

5.4 निरन्तर शिक्षा कार्यक्रम कक्ष

5.4.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

- क. योग्य एवं कुशल छात्रों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एवं अन्य निकायों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों की सूचना प्रदान करना।
- ख. संकाय सदस्यों को सरकार/प्रायोजन एजेंसियों द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता की जानकारी उपलब्ध कराना ताकि संकाय सदस्य पुस्तक लेखन/सामग्री की तैयारी के लिए अनुदान प्राप्त कर सकें।
- ग. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा प्रायोजित किये जाने वाले लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूचना एवं आवेदन प्रपत्र संकाय सदस्यों को प्रदान करना।
- घ. संकाय सदस्यों को उद्योग जगत द्वारा प्रायोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के लिए अनुसंधान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रायोजन के लिए प्रोत्साहित करना।

5.4.2 गतिविधियों का विवरण

- क. इस अवधि के दौरान संस्थान के अनेक संकाय सदस्यों ने संगोष्ठियों/कार्यशालाओं एवं लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।
- ख. नेरिस्ट के विभिन्न विभागों ने भी इस अवधि के दौरान कई लघु अवधि कार्यक्रमों का आयोजन किया।

5.5 केन्द्रीय विद्यालय नेरिस्ट

केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट के विद्यार्थियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी श्रेष्ठता प्रदर्शित की। हमारे विद्यार्थी न केवल शैक्षिक क्षेत्र में बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी काफी अच्छे हैं, इस बात का प्रमाण निम्नलिखित उपलब्धियों में देखा जा सकता है: लेकिन हाल के दिनों में परिणाम बहुत अच्छा नहीं है, लेकिन हमारे शिक्षक लगातार केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट के नाम और महिमा को वापस लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में विद्यालय की संक्षिप्त उपलब्धियां निम्नलिखित हैं:

परिणाम: कक्षा XII (2017):56%

कक्षा X (2017): 94%

(बोर्ड परीक्षा में सीजीपीए-10 प्राप्त करने वाले 7 छात्र हैं)

खेल

विद्यालय के कई छात्रों ने केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित क्षेत्रीय स्तर के खेल-कूद एवं राष्ट्रीय खेल आयोजन में भाग लिया है। विद्यालय के विभिन्न वर्गों के कई छात्रों ने क्षेत्रीय स्तर की सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया है।

समारोह

विद्यालय ने राष्ट्रीय त्योहारों सभी महत्वपूर्ण अवसरों का आयोजन छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए और इनके महत्व को उजागर करने के लिए किया था।

सह-पाठ्यचर्या गतिविधियां

गुणवत्ता शिक्षा के अलावा विद्यालय ने विद्यार्थियों के जीवन और अन्य कौशल को विकसित करने के लिए कई सह-पाठ्यचर्या वाली गतिविधियां का आयोजन किया था।

यह विद्यालय इस अकादमिक सत्र में गुणवत्ता के साथ 100% परिणाम प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

5.6 नेरिस्ट बाल विद्यालय

5.6.1 परिचय

नेरिस्ट बाल विद्यालय की स्थापनावर्ष 1992 में किया गया था। इसका उद्देश्य नेरिस्ट कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों के बच्चों को समूह गतिविधियों एवं विद्यालय पूर्व की शिक्षा प्रदान करना है। विद्यालय स्वयं वित्त-पोषित है और न लाभ, न हानि आधार पर चलता है। वर्तमान इस विद्यालय में तीन कक्षाएँ हैं : प्ले क्लास, एल.के.जी. और यू.के.जी.।

कक्षा	विद्यार्थी संख्या	प्रवेश के लिए न्यूनतम उम्र
प्ले	16	2.5 वर्ष
एल के जी	45	3 वर्ष
यू के जी	45	4 वर्ष

विद्यालय के प्राध्यापक व कर्मचारीगण

श्रीमती मिनाक्षी आरोड़ा,	प्राचार्य सह अध्यापिका
श्रीमती मिन्दू सरकार	सहायक अध्यापिका
श्रीमती ज्योती देउमाली	सहायक अध्यापिका
श्रीमती आदम बागे	सहायक अध्यापिका
श्रीमती रूपा खरघरिया	सहायक अध्यापिका
कुमारी मामोनी क्षेत्री	सहायक अध्यापिका
श्रीमती राधे जेलियाँग	गैर शिक्षण कर्मचारी
श्रीमती गीता मिली	गैर शिक्षण कर्मचारी
श्रीमती रेणू स्वर्गयारी	गैर शिक्षण कर्मचारी

5.6.2 विद्यालय में आयोजित गतिविधियों का व्यौरा

शिशुओं के समग्र विकास के उद्देश्य से अकादमिक सत्र (अप्रैल 2016-मार्च 2017) के दौरान शिशु स्तरीय शिक्षण के अलावा विभिन्न गतिविधियां, प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित की गईं। बचपन से ही देशभक्ति का जज्बा जगाने के उद्देश्य से सभी राष्ट्रीय त्यौहारों का भी पालन किया गया। बच्चों के बालमन में प्रतियोगिता की स्वस्थ भावना पैदा करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जो निम्नवत हैं :

- चित्रकला प्रतियोगिता
- सुलेख प्रतियोगिता
- फ़ैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता
- कविता आवृत्ति प्रतियोगिता
- कहानी बोलने की प्रतियोगिता

विद्यालय में 14 नवंबर, 2016 बाल दिवस के दिन वार्षिक समारोह मनाया गया। बच्चों के शारीरिक विकास के लिए 26 जनवरी, 2016 को खेलों का आयोजन किया गया। मनोरंजन के लिए स्कूल पिकनिक का भी आयोजन किया गया। शिक्षक अभिभावक मुक्त बातचीत के लिए शिक्षक-अभिभावक बैठकों का भी आयोजन किया गया।

विद्यालय में 15 अगस्त 2016 से 15 अगस्त 2017 तक, पूरे वर्ष को रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया गया है। वर्ष के दौरान रजत जयंती उत्सव गतिविधियों और प्रतियोगिता निम्नलिखित प्रतियोगिता आयोजित की गई:

- स्कूल के पूर्व छात्रों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता
- स्कूल के पूर्व छात्रों के बीच नृत्य और गीत प्रतियोगिता,

विद्यालय में एक-मिलाप कार्यक्रम का आयोजन 5 सितम्बर, 2016 को किया गया था, जिसमें पिछले 25 वर्षों के सभी अध्यक्षां, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों और स्कूल के शिक्षकों को सम्मानित किया गया था। रजत जयंती वर्ष का समापन समारोह 17/08/2017 को आयोजित किया जाएगा।

5.6.3 उल्लेखनीय बातें

विद्यालय के लिए स्थान, भवन आदि बुनियादी सुविधाएं नेरिस्ट प्राधिकारी द्वारा मुहैया कराई गई हैं और इसका देखरेख भी नेरिस्ट प्रबंधन ही करता है। विद्यालय में आवश्यक सभी शिक्षण सहायक सामग्री, शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए इंडोर-आउटडोर खेल तथा अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनमें एक बड़े खेल का मैदान, सभी उचित सुविधाओं से युक्त शिशु उद्यान आदि शामिल हैं। क्लास रूम शिक्षण के लिए गुड़िया, तिपहिया साइकिल, स्लाइड, चार्ट, दृश्य-श्रव्य व्यवस्था, कंप्यूटर, इंडोर खेल आदि की अच्छी सुविधा है।

5.6.4 समिति सदस्यों के सूची

विद्यालय एक प्रबंधन समिति की देख-रेख में कार्य करता है, जिसके अध्यक्ष का नॉमाकन संस्थान के निदेशक महोदय करते हैं। इस समिति में एनएफए, एनटीएसयू के सदस्य भी शामिल हैं तथा इसके सदस्य सचिव प्राचार्य सह अध्यापिका हैं ।

समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं -

डॉ. ए. भद्रा	अध्यक्षा
डॉ. दीपिका देवी	एन एफ ए प्रतिनिधि
श्री टी. देबनाथ	एन ई ए प्रतिनिधि
श्री नबम हरी	एन ई ए प्रतिनिधि
श्रीमती मिनाक्षी रोड़ा,	प्राचार्या,

5.7 परिवहन अनुभाग

5.7.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान के विविध परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से वर्ष 1987 में परिवहन अनुभाग (टीपीटी) स्थापित किया गया। इस अनुभाग में वर्तमान 03 बड़ी गाड़ियाँ और 10 छोटी गाड़ियाँ अच्छी स्थिति में हैं। यह अनुभाग संस्थान की सभी परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करता है, यथा: उच्च अधिकारियों, विद्यार्थियों (कक्षा में जाने के लिए) के लिए परिवहन सेवा, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के चिकित्सा सेवा के लिए, सुरक्षा पहरा आदि। अनुभाग समय पर परिवहन उपलब्ध कराने, इसकी पीओएल आवश्यकताएँ, सभी गाड़ियों का रख रखाव आदि का काम देखता है।

5.7.2 उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएँ

सामान्यतः परिवहन अनुभाग अपने अधिकारियों/कर्मचारियों/विद्यार्थियों के लिए नेरिस्ट परिसर के अंदर और परिसर के बाहर यातायात सुविधा उपलब्ध कराता है। नियमित यातायात सेवाओं का विवरण निम्नवत है:

- I. निदेशक, कुलसचिव और संकायाध्यक्षों के आवागमन के लिए परिवहन की व्यवस्था
- II. नेरिस्ट के अधिकारियों/कर्मचारियों/विद्यार्थियों तथा परिवार के सदस्यों के लिए चौबीस घंटे एंबुलेंस सेवा
- III. शारीरिक रूप से असमर्थ विद्यार्थियों को कक्षा में आने जाने की व्यवस्था
- IV. नेरिस्ट के विद्यार्थियों को डिग्री ब्लॉक में कक्षा में भाग लेने के लिए नई यातायात सुविधा (सुबह 7:45 से शाम 5:05 तक)
- V. नेरिस्ट के अधिकारियों/कर्मचारियों/विद्यार्थियों की सुविधा के लिए छूट दर के साथ परिवहन सेवा
- VI. कर्मचारियों के बच्चों के लिए केवी, केजी और वीकेवी विद्यालय आने जाने के लिए टाइप-1 भवन और मुख्य केम्पस से परिवहन सेवा
- VII. रात्रि सुरक्षा पहरा

इन सेवाओं के अलावा आवश्यकतानुसार परिवहन अनुभाग निम्नलिखित सेवाएँ भी उपलब्ध कराता है:

- विभिन्न संगोष्ठी/सम्मेलनों/अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों/परिसर साक्षात्कार आदि के लिए विशेषज्ञों/प्रतिभागियों के आने जाने की सुविधा।
- विद्यार्थियों के अध्ययन यात्रा, क्षेत्र दौरा, औद्योगिक भ्रमण, विद्यार्थियों द्वारा आयोजित किए जाने वाले तकनीकी उत्सवों/कार्यशालों के लिए यातायात की व्यवस्था
- एनसीसी, एनएसएस और दीक्षांत समारोह आदि कार्यक्रमों के दौरान परिवहन की व्यवस्था

5.7.3 वर्ष 2016-17 की गतिविधियां

- परिवहन अनुभाग एक सेवोन्मुखी अनुभाग होने के नाते वर्ष के दौरान यातायात से संबन्धित सभी आवश्यकताओं को पूरा किया गया। इसके अलावा टीपीटी अनुभाग ने कर्मचारियों/विद्यार्थियों द्वारा भुगतान किए गए किराए के जरिए पर्याप्त राजस्व भी अर्जित किया।
- विभिन्न कार्यों के लिए गाड़ियों का आबंटन, गाड़ियों के इन्स्योरेंस का नवीनीकरण, समय समय पर किए जाने वाले अनुरक्षण कार्य वर्ष भर सुचारु रूप से किए गए।
- नियमित सेवाओं के अतिरिक्त, संस्थान के विद्यार्थियों को छात्रावास से डिग्री ब्लॉक में आने जाने के लिए नई बस सेवा (सुबह 7:45 से शाम 5:00 बजे तक) आरंभ की गई। इस सेवा के कारण परिसर में शैक्षिक वातावरण में प्रगति देखी गई।
- अनुभाग में इस समय 14 वाहन हैं, जबकि 10 चालक हैं। अनुभाग के सुगम संचालन हेतु दो चालकों की आवश्यकता है।

विशेषताएँ

परिवहन अनुभाग वाहनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हुए प्रशासनिक गतिविधियों को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। नेरिस्ट के छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए अनुभाग का आवश्यक परिवहन सेवाओं का संचालन छात्रों को अपने छात्रावास से उपाधि भवन (7.45 बजे से शाम 5:30 बजे), विभागीय संगोष्ठी, अध्ययन दौरे आदि का सभी छात्रों और कर्मचारियों को सब्सिडी दरों पर उनकी सर्वश्रेष्ठ संतुष्टि से करना मुख्य लक्ष्य है।

5.8 नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई

5.8.1 विभाग का संक्षिप्त परिचय

नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई (एन.एच.यू.) छात्रों और कर्मचारियों की सेवा के लिए समर्पित है। यहां छात्र और कर्मचारी किसी भी चिकित्सा समस्याओं के लिए निः शुल्क चिकित्सा परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई आपातकालीन मरीजों के लिए 24x7 एम्बुलेंस सुविधा भी प्रदान करता है। इसके अलावा, नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई बाह्य जरूरतमंद मरीजों को ओ.पी.डी. सेवा प्रदान की जाती है। नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई वर्तमान में तीन डॉक्टर, फार्मासिस्ट, नर्स, ए.एन.एम., ड्रेसर, प्रयोगशाला सहायक और प्रयोगशाला तकनीशियन व वार्ड हेल्पर्स अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। यहाँ 24x7 फार्मसी है, जो संस्थान के सभी अधिकृत कर्मचारियों को मुफ्त दवा प्रदान करता है। नेरिस्ट स्वास्थ्य इकाई में चिकित्सा आपातकालीन स्थिति को पूरा करने के लिए 6 बिस्तर वार्ड व ड्रेसिंग रूम हैं।

5.8.2 गतिविधियां

अप्रैल 2016 - मार्च 2017 के दौरान:

- क) एन.एच.यू. में करीब 2000 छात्र और 20000 ओ.पी.डी. रोगियों की जांच की गई।
- ख) एन.एच.यू. ने लगातार तीन दिनों के दौरान परिसर में और आसपास व्यापक डी.डी.टी. छिड़काव किया।
- ग) केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट में एक 'डीवर्मिंग प्रोग्राम' आयोजित किया गया था, और डीवर्मिंग टैबलेट को उसी के लिए वितरित किया गया था।
- घ) दस्त प्रबंधन कार्यक्रम के तहत, ओ.आर.एस. और जस्ता गोलियों को डायरिया से पीड़ित रोगियों (<5 साल की उम्र) के लिए एन.एच.यू. में ओआरएस-जिंक कांपर केम्प खोला गया था।
- ङ) एन.एच.यू. ने परिसर एन.एस.एस. विंग और एड्स नियंत्रण विभाग, नहरलागुन की सहायता से दो रक्त दान शिविरों का आयोजन किया था।
- च) भारत सरकार के कार्यक्रम के अनुसार एन.एच.यू. सक्रिय रूप से पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- छ) एन.एच.यू. ने 500 + छात्रों के लिए केन्द्रीय विद्यालय, नेरिस्ट के लिए स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किया।
- ज) टी.बी. से पीड़ित रोगियों के उपचार के लिए एन.एच.यू. भी एक डीओटी केंद्र के रूप में कार्य करता है।
- झ) कुछ दवा कंपनियों ने एनएचयू में हमारे कर्मचारियों की सहायता से मुक्त हेमोग्लोबिन एस्क्रिप्शन, बीएमडी, हेपेटाइटिस स्क्रीनिंग और लीवर स्कैन कैंप आयोजित किए थे।
- ञ) एन.एच.यू. सामान्य परीक्षण की सुविधाएं प्रदान करता है, जिसमें एच.बी., ब्लड शुगर, ब्लड ग्रुपिंग, विडाल, आर.एम.टी., डेंगू, मलेरिया आदि शामिल हैं।

अनुभाग - 6
मानव संसाधन

I. शिक्षण (संकाय सदस्य)

दिनांक 31.03.2017 को विभागवार संकाय सदस्यों की संख्या निम्नवत है:

1.	वानिकी	13
2.	कृषि अभियांत्रिकी	15
3.	सिविल अभियांत्रिकी	16
4.	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	11
5.	विद्युत अभियांत्रिकी	16
6.	इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	16
7.	यांत्रिक अभियांत्रिकी	17
8.	भौतिक विज्ञान	11
9.	रसायन विज्ञान	14
10.	गणित	08
11.	मानविकी व समाज विज्ञान	05
12.	प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र	04
	कुल (I)	144

II. गैर शिक्षण (अधिकारी एवं कर्मचारी)

दिनांक 31-3-2017 को संस्थान के अधिकारियों एवं तकनीकी, अनुसचिवीय और समूह-ग वर्ग के कर्मचारियों की संख्या निम्नलिखित थी।

(i) अधिकारी

क	समूह क	15
ख	समूह ख	07
	कुल	21

(ii) तकनीकी/ व्यवसायिक कर्मचारी (गैर शिक्षण)

क	समूह क	-
ख	समूह ख	13
ग	समूह ग	64
	कुल	77

(iii) अनुसचिवीय कर्मचारी

क	समूह ख	13
ख	समूह ग	57
कुल		70

(iv) गैर अनुसचिवीय स्टाफ - समूह ग

क	लेब एटेंडेंट/हेल्पर/पंप एटेंडेंट	38
ख	सुरक्षा गार्ड	09
ग	माली, मजदूर व सफाई कर्मी	27
घ	चपरासी	35
ङ	रसोईया व रसोईया सहायक	69
कुल		178

कुल (II) = 346

सर्व कुल (I+II) = 487

अनुभाग - 7

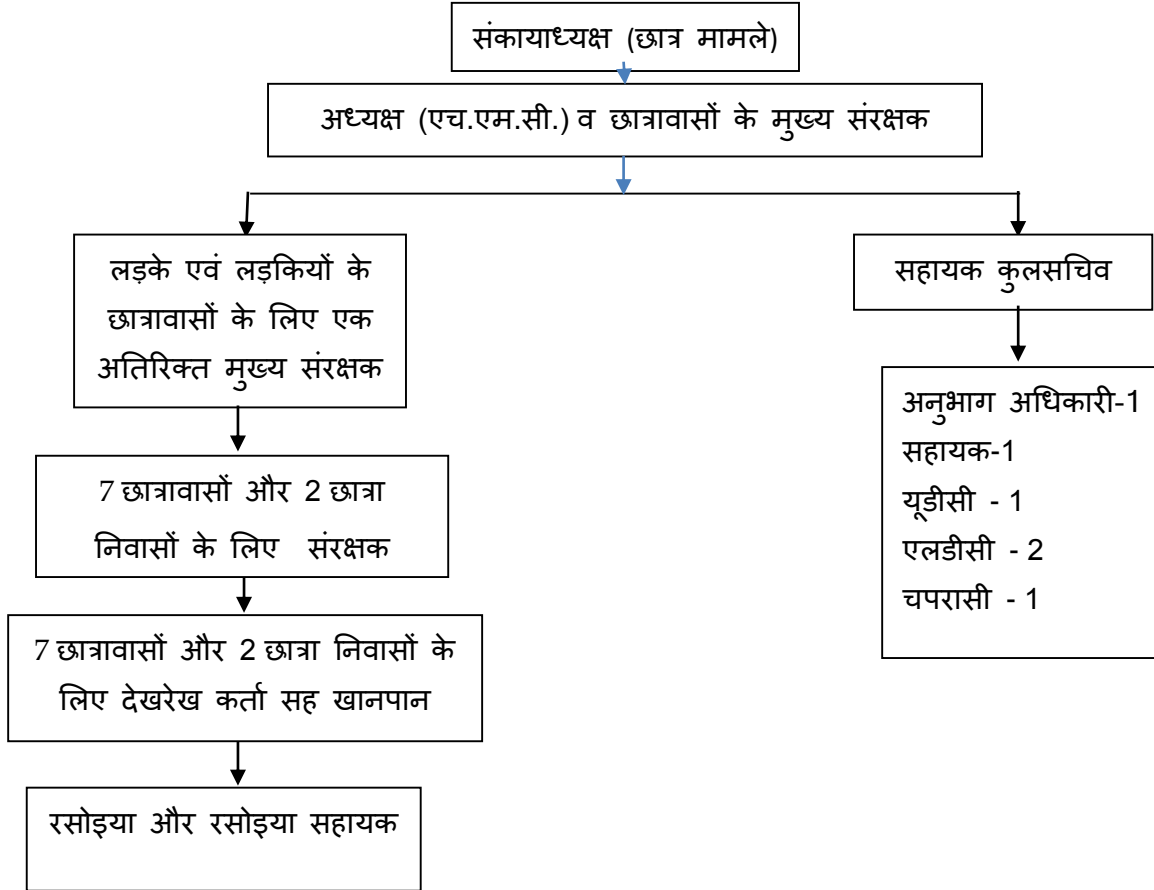
परिसर जीवन एवं अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ

7.1 छात्रावास प्रबन्धन परिषद (एच.एम.सी.)

7.1.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

नेरिस्ट एक आवासीय तकनीकी संस्थान है जिसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2005 में मानित विश्वविद्यालय घोषित किया। सभी विद्यार्थियों (महिला व पुरुष) को परिसर के अंदर स्थित छात्रावासों में रहना अनिवार्य है। यह सुविधा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है और साथ ही शिक्षकों और सहपाठियों से नियमित बातचीत के माध्यम से विद्यार्थियों को कारपोरेट लिविंग में प्रशिक्षित भी करता है। छात्रावास प्रबंधन परिषद 7 छात्रावासों और 2 छात्रा निवासों के सु प्रबंधन, खान पान सुविधा आदि के लिए एक प्रशासनिक निकाय है। स्नातकोत्तर छात्रावास के सामने, 54.5 एकड़ क्षेत्र में 400 से अधिक क्षमता का एक नया छात्रावास निर्माणाधीन है, और निर्माण एजेंसी द्वारा जल्द ही उसे सौंप दिया जाएगा।

छात्रावास प्रबन्धन परिषद कार्यालय का संस्थागत ढांचा



वर्ष 2016-17 के दौरान छात्रावास प्रबन्धन परिषद के अध्यक्ष तथा हॉस्टल के मुख्य वार्डन के दायित्व में डॉ. संदीप सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर हैं। इसके अलावा 9 छात्रावास संरक्षक व 4 देखरेख कर्ता सह खानपान प्रबंधक परिषद को अपनी सेवायें प्रदान कर रही हैं -

छात्रावासों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:

छात्रावास	आवास संख्या	संरक्षक	देखरेख कर्ता सह खानपान प्रबंधक
ए	124	डॉ. केएच हेरा चंद्र सिंह	श्री पी. बरमन
बी	124	डॉ. एम. हसन	श्री दोरजी संगमु
सी	124	श्री ए. के. चौधरी	श्री बी. पातिर
डी	124	श्री एस. तमांग	श्री बी. पातिर
ई	250	श्री ए के गौतम व डॉ. के. बोरा	श्री ए. गौगोई
एफ	250	श्री अखिलेस शर्मा	श्री ई. एन. वी. नायर
जी	250	डॉ. विद्या लक्ष्मी देवी	श्रीमती मौसुमी राँय चौधुरी
एच	250	श्री एम. एम. माल	श्री टी. मैथ्यु
सुवनसिरी	250	डा. एस. एल. भारती	श्रीमती एन सियुम

उल्लेखनीय बातें

पिछले वर्षों की तरह, नए विद्यार्थियों के प्रवेश तिथि से अगले तीन सप्ताह तक नए विद्यार्थियों के मन में आत्मविश्वास जगाने के उद्देश्य से रात को आठ बजे से 12 बजे तक छात्रावासों का दौरा करने के लिए छात्रावास स्तर पर एन्टी रेगिंग स्क्वाड गठित किए गए। इस स्क्वाड में छात्रावासों के वार्डन सहित संकाय सदस्यों को शामिल किया गया। यूजीसी के दिशा-निर्देशानुसार संस्थान में एन्टी रेगिंग समिति भी गठित की गई।

गणतन्त्र दिवस और स्वाधीनता दिवस का आयोजन प्रत्येक छात्रावासों में किया गया जहां संबंधित वार्डन/मुख्य वार्डन/संकायाध्यक्ष(एसए) ने छात्रावासों के सामने तिरंगा फहराया।

छात्रावासों में रहने वाले छात्रों ने अलग से प्रत्येक छात्रावास ब्लॉक में ब्लॉक दिवस का आयोजन भी किया और इस समारोह में निदेशक/संकायाध्यक्ष गण/ कुलसचिव/मुख्य वार्डन/छात्रावास वार्डन आदि आमंत्रित किए गए।

छात्रावास प्रबन्धन परिषद के सदस्य

संकायाध्यक्ष (छात्र मामले)	डॉ. बिनय सिंह
अध्यक्ष / मुख्य वार्डन	डॉ संदीप सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, यॉत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
सहायक कुलसचिव	श्री अनिमेश बसु
अनुभाग अधिकारी	श्रीमती प्रतिभा सैकिया
कार्यालय सहायक	श्रीमती ए. अधिकारी,
कार्यालय सहायक	श्री थॉमस मैथ्यू
एल.डी.सी.	श्री बी. पतिर

7.2 राष्ट्रीय केडेट कोर

7.2.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

संस्थान में राष्ट्रीय केडेट कोर की दो शाखायें हैं, जिसमें एस डी (छात्र) को वित्त सहायता नेरिस्ट द्वारा प्रदान की जाती है, एवं एस डबल्यू (छात्रा) के लिए गठित शाखा का वित्त पोषण राष्ट्रीय केडेट कोर, तेजपुर द्वारा किया जा रहा है। वर्ष 2016-17 में संस्थान में केडेटों की संख्या निम्न लिखित है।

पंजीकृत छात्र	एस डी (छात्र)
प्रथम वर्ष	62
द्वितीय वर्ष	66
तृतीय वर्ष	04
विशेष अवधि	24
कुल संख्या	156

जन शक्ति की स्थिति

	वर्तमान स्थिति	आवश्यकता	कमी
एएनओ /सीटीओ	01	02	--
सहायक कर्मचारी	02	04	02

संसाधनों की उपलब्धता

	वर्तमान स्थिति	आवश्यकता	कमी
कार्यालय	01	01	शून्य
भंडार कक्ष (बड़ा)	01	02	01

बजट प्रावधान

वर्ष 2016-17 के दौरान कुल ₹1,87,408 (एक लाख सतासी हजार चार सौ आठ रुपए) जिसमें स्वतन्त्रता दिवस परेड (₹19,340/-), कार्यालय व्यय (₹ 19,941/-), सी-प्रमाण पत्र परीक्षा (8000/-), कैट सीवी कैप (22,662/-) तथाधुलाई और केडेटों को दिया जाने वाला अल्पाहार व्यय (₹ 1,14,225) शामिल है।

7.2.2 गतिविधियों का विवरण

- (i) कुल परेडों का आयोजन - 37
- (ii) समारोह ड्रिल में भागीदारी
 - स्वतंत्रता दिवस - 48 छात्र, 24 छात्रा
 - गणतंत्र दिवस - 54 छात्र, 24 छात्रा
- (iii) राष्ट्रीय केडेट कोर कैम्प
 - दो सी ए टी सी कैम्पों का आयोजन राजीव गाँधी राजकीय पोलेटेक्नीक, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में दिनांक 13/06/2016 से तथा 19/08/2016 से किया गया था।

7.2.3 उल्लेखनीय बातें

बी प्रमाणपत्र परीक्षा में सफल छात्रों की संख्या : 18 (18 एसडी)

क्रम संख्या	नाम	पिता का नाम	रेजिमेंटल नंबर
1	अबीशेक कुमार	गेंश रे	एपीएसडी/15/120442
2	संजीव कुमार सोनिया	सुधीर कुमार	एपीएसडी/15/120429
3	केसान कूपर लिनराह	या खारकोंगोर	एपीएसडी/15/120332
4	फिरोज मोनि डेबबर्मा	विश्वामयी डेबबर्मा	एपीएसडी/15/120419
5	सटा नारायण भुयान	हरि नारायण भुयान	एपीएसडी/15/120417
6	नौसोटो नईखा	सल्जू नईखा	एपीएसडी/15/120412
7	राकेश राँय	रंजीत राँय	एपीएसडी/15/120432
8	धर्म राज छेत्री	ज्ञान बहादुर छेत्री	एपीएसडी/15/120433
9	राउल कुमार शाह	सुरेंद्र प्रसाद शाह	एपीएसडी/15/120410
10	चन्द प्रकाश शर्मा	पवन शर्मा	एपीएसडी/15/120407
11	सुबोजित सीएल	छोटेला शाह	एपीएसडी/15/120437
12	अनिरबान दास गुप्ता	दीपंकर दास गुप्ता	एपीएसडी/15/120403
13	नाबाव्वल अचार्जी	मनीक लाल अचार्जी	एपीएसडी/15/120286
14	बोटुला हक	उजीर अली अहमद	एपीएसडी/15/120287
15	राकेश कुमार	चंद्रशेखर शाह	एपीएसडी/15/120431
16	देबरूप सरकार	दिलीप कुमार सरकार	एपीएसडी/15/120439
17	ताना सेरा	ताना बोर	एपीएसडी/15/120450
18	किरंतन कनवर्	ए. के. कोनवर	एपीएसडी/15/120454

सी प्रमाणपत्र परीक्षा में सफल छात्रों की संख्या : 03

क्रम संख्या	नाम	पिता का नाम	रेजिमेंटल नंबर
1	अरूप राँय	गणेश राँय	एपीएसडी/14/12403
2	प्रामल मन्ना	आधार चंद्र मनाना	एपीएसडी/13/120200
3	सुधांशु कुमार	सुधीर कुमार	एपीएसडी/13/120214

7.2.4 समिति सदस्यों की सूची, अगर हो तो : नहीं

7.2.5 अन्य कोई प्रासंगिक सूचना/आकडा : नहीं

7.3 राष्ट्रीय सेवा योजना

रूपरेखा

डा. ए. दीनामानी सिंह, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई, नेरिस्ट ने एन.एस.एस. स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन और प्रेरित करने के लिए विभिन्न एन.एस.एस. कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। अन्य कार्यक्रम अधिकारी और समूह के नेताओं ने भी एन.एस.एस. कार्यक्रमों की सफलता के लिए बहुत अच्छा समर्थन और सहयोग भी बढ़ाया। एक समूह 'सी' और एक समूह 'डी' कर्मचारी कार्यालय के कामकाज की देखभाल के लिए एन.एस.एस. कक्ष में हैं, जो कि समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी और समूह के नेताओं को एन.एस.एस. कार्यक्रमों और शिविरों को संचालित करने के लिए सहायता प्रदान कर रहे हैं।

1. नामांकित स्वयंसेवकों की कुल संख्या:	950
2. पुरुष:	740
3. महिला:	210
4. पुरुष स्वयंसेवकों की संख्या (ए.पी.एस.टी.):	163
5. महिला स्वयंसेवी की संख्या (ए.पी.एस.टी.):	40
6. एनएसएस समन्वयक का नाम	डॉ. ए. दिनामनी सिंह
7. वर्ष के दौरान लगाए गए पेड़ों की संख्या:	220

7.3.2 गतिविधियों का विवरण

वर्ष 2016-17 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों का शुभारम्भ एक परिचय कार्यक्रम से किया गया जिसका आयोजन 15-8-2016 को किया गया था। इस कार्यक्रम में आचार्य एच. एस. यादव ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला था। इसके अलावा दृश्य-श्रव्य उपकरणों के उपयोग से छात्रों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों एवं कर्तव्यों का बोध कराने के साथ साथ इसके छात्रों से की जाने वाली अपेक्षाओं से अवगत कराया गया। इस अवसर पर डा. बिनय सिंह, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए एनएसएस के उद्देश्यों के बारे में अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. ए. दिनामनी सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना की नेरिस्ट इकाई द्वारा 24-9-2016 को एन एस एस दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अन्य कार्यक्रमों के अलावा वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया। । इस आयोजन में कार्यक्रम अधिकारी तथा स्वयं सेवक उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय सेवा योजना, नेरिस्ट ईकाई की संयोजक ने योजना के सामाजिक दायित्वों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया के बदलते परिदृश्य में एन एस एस के कार्यों में भी व्यापकता अपेक्षित है।

नियमित गतिविधियों का आयोजन दिनांक 04.04.2016 से 10.04.2016 (स्वच्छ भारत अभियान) तथा 3.9.2016 को नेरिस्ट मुख्य परिसर एवं डिग्री ब्लॉक में किया गया था जिसमें लगभग 700 छात्रों ने भाग लिया। छात्रावासों व डिग्री ब्लॉक में 220 वृक्ष लगाए गये तथा परिसर

की सफाई की गई। इस ईकाई द्वारा दिनांक 24.8.2016 को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिविजन के सौजन्य से डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

नेरिस्ट, निरजुली, अरुणाचल प्रदेश के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा नाहरलगन जनरल हॉस्पिटल और मेडिकल हेल्थ यूनिट, नेरिस्ट के सहयोग से 27.8.2016 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान करने वालों में कुल 110 एन एस एस स्वयं सेवक और कार्यक्रम अधिकारी शामिल थे। रक्त दान शिविर के पश्चात चिकित्सकों, तकनीसियनों और अन्य मेडिकल स्टाफ के लिए नेरिस्ट के अतिथि गृह में भोजन की व्यवस्था की गई।

7.3.3 विशेष शिविर प्रतिवेदन

नेरिस्ट के एन.एस.एस. प्रकोष्ठ द्वारा निरजुली गाँव-II में 27.2.16 से 28.2.16 तक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कार्यक्रम अधिकारियों के अलावा लगभग 250 एन एस एस स्वयंसेवकों, गाँव के युवकों और गाँव के गाँव बूढ़ा ने भाग लिया। एक सामुदायिक भोजन की भी व्यवस्था की गई। इसके पश्चात गाँव वासियों के साथ एनएसएस स्वयंसेवकों ने बातचीत की। इस दौरान 200 आंवला व कटहल के पेड़ लगाये गये थे।

8/25/2016

Workshop On Digital India Held



परिचय एवं डिजिटल इंडिया कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना समिति सूची

1. डा. अवधेश कुमार	कार्यक्रम अधिकारी
2. डॉ. (श्रीमती) अजन्ता कालिता	कार्यक्रम अधिकारी
3. डॉ. के. हिराचंद्रा सिंह	कार्यक्रम अधिकारी
4. डॉ. एस. धिरेन मैथेई	कार्यक्रम अधिकारी
5. डॉ. अकबरी जहान	कार्यक्रम अधिकारी
6. डॉ. कमल सहरिया	कार्यक्रम अधिकारी
7. डॉ. मोहम्मद हसन	कार्यक्रम अधिकारी
8. श्रीमती पियाली दास	कार्यक्रम अधिकारी
9. श्री गोविन्द पागीगं	कार्यक्रम अधिकारी
10. श्री अरूण कुमार चौधरी	कार्यक्रम अधिकारी
11. श्री एम एडीसन सिंह	कार्यक्रम अधिकारी
12. डॉ. कुनाल बोरा	कार्यक्रम अधिकारी
13. श्री संतोष तमांग	कार्यक्रम अधिकारी
14. श्री एम देबेन सिंह	कार्यक्रम अधिकारी
15. श्री पी. देवचन्द्र सिंह	कार्यक्रम अधिकारी

7.4 सम्पदा कार्यालय

7.4.1 अनुभाग का संक्षिप्त परिचय

सम्पदा कार्यालय की स्थापना संस्थान की परिसम्पत्तियों विशेष रूप से भूमि संरक्षण, भूमि पर अवैध कब्जों एवं बाह्य निकायों जैसे उपायुक्त पापुमपारे, उपायुक्त राजधानी क्षेत्र, भूमि एवं राजस्व अधिकारियों, अतिरिक्त जिला न्यायधीश, अतिरिक्त सहायक आयुक्त नाहरलगन आदि से सम्पर्क रखने के लिए की गई है। परिसर की देखभाल करना, परिसर के आवासों का आबंटन आदि का कार्य भी सम्पदा कार्यालय के दायित्वों में शामिल है।

सम्पदा अधिकारी के अतिरिक्त इस कार्यालय के अन्य कर्मचारियों का ब्यौरा निम्नवत है:

1. सहायक सम्पदा अधिकारी	- 01
2. लिपिक	- 01
3. चपरासी	- 01
4. अस्थाई कर्मचारी	- 01
5. दैनिक कर्मचारी	- 01

सम्पदा कार्यालय एक महत्वपूर्ण अनुभाग है जो सीमित स्थायी कर्मचारियों के साथ अपने नियमित कार्यों को बखूबी निभा रहा है। सहायक कर्मचारियों की कमी के बावजूद संपदा अधिकारी अपने बड़ी ही निष्ठा एवं लगन के साथ अपने दायित्वों का समुचित पालन कर रहे हैं।

संस्थान में आवासों की संख्या

क्र.सं.	आवास श्रेणी	संख्या	प्रारूप
1	I	132	द्वितलीय
2	II	124	द्वितलीय
3	III	122	एकतलिय व द्वितलीय
4	IV	98	एकतलिय व द्वितलीय
5	V	20	एकतलिय व द्वितलीय
6	बी टी ए	09	एकतलिय
7	VI	01	निदेशक आवास

7.5 शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष

7.5.1 अनुभाग का परिचय

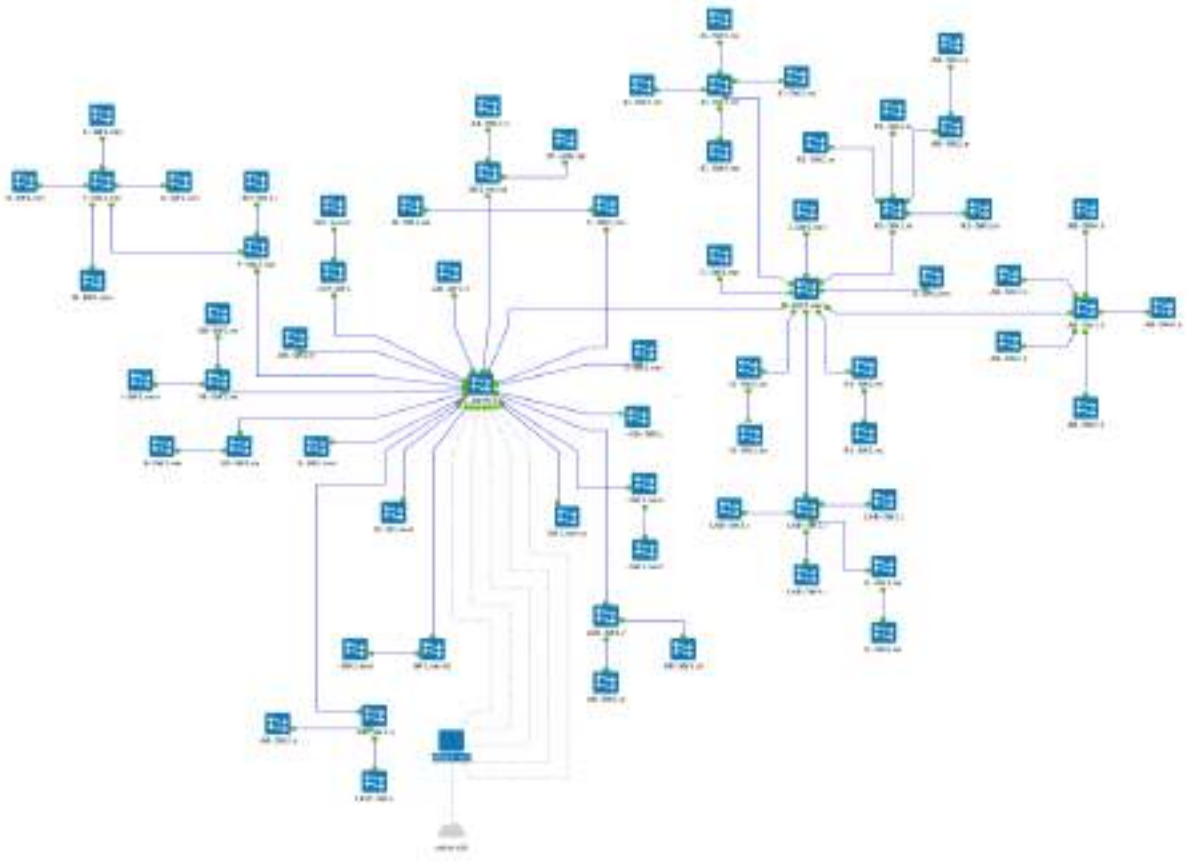
संस्थान में शिक्षा पौद्योगिकी कक्ष की स्थापना प्रारम्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रायोजन में दृश्य-श्रव्य उपकरणों और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के सहयोग से अध्यापन-अध्ययन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान इस प्रकोष्ठ में दृश्य श्रव्य सहित सभी अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित एक संगोष्ठी कक्ष तथा एक परिषद कक्ष है। इन कक्षों का उपयोग संकाय सदस्यों और विभिन्न संस्थानों और उद्योगों के पेशेवर लोगों के विशेष व्याख्यान, संगोष्ठी, सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि के आयोजन के लिए किया जाता है। इसके अलावा यह कक्ष संस्थान को इन्टरनेट सेवा उपलब्ध कराने का कार्य भी देखा रहा है। यह कक्ष वेबसाइट और संस्थान की ई-मेल प्रणाली की देखरेख करता है। इस कक्ष के कार्यों में शामिल गतिविधियों का विवरण निम्नवत है:

7.5.2 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवा:

1. भारत संचार निगम लिमिटेड ओएफ़सी के माध्यम से संस्थान को 1 जीबीपीएस एनकेएन सम्पर्क।
2. संस्थान के सभी विभागों, कार्यालयों, स्कूलों में लॉन कनेक्सन।
3. छात्रावासों व आवासीय क्षेत्रों में वाई-फाई लॉन कनेक्सन।
4. संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों तथा स्टाफ को वेब मेल सेवा
5. संस्थान वैब सर्वर अनुरक्षण
6. उच्च शक्ति सर्वरों के माध्यम से हाईपर-वी, वरचुएल प्लेटफार्म, डी एन एस, रेडीयस आदि सेवायें।

7.5.3 नेटवर्क उपकरण

क्र.सं.	उपकरण	संख्या	उद्देश्य
1.	यू टी एम/फायरबाल साइबररोम- 2500 आई एन जी	01	उपक्षोक्ता आद्यारित इन्टरनेट से
2.	कोर स्वीच, सिस्को- 6509	01	सभी इन्टरनेट उपकरण कोर स्वीच से सम्बन्धित
3.	वरण स्वीच, सिस्को- 4503	01	उपादयि भवन स्थानिय इन्टरनेट विस्तार
4.	एसस स्वीच	68	सभी विभागो व कार्यालयों मे इन्टरनेट
5.	तार रहित नियंत्रक (अंकुश: जेड डी 3000)	2	नियम, नीति एवं अम्य प्रतिबन्ध्य
6.	एसस बिन्द (अंकुश जेड एफ 7782)	30	तार रहित इन्टरनेट व्यवस्था
7.	सन स्वीच ब्रोकेड	1	सर्वर -सह- भण्डारण सेवा
8.	डेल पावर वाल्ट आर 430 रेक सर्वर	6	स्वचालन एवं इन्टरनेट सुविद्यायें
9.	आई बी एम प्रणाली रेक सर्वर	3	माइक्रोसाफ्ट एस सी सी एम प्रणाली
10.	आई बी एम व एच सी एल टावर सर्वर	3	पब्लीक डी एन एस तथा मेन सर्वर



नेरिस्ट स्थानिय नेटवर्क चित्र

15.5.4 वर्ष के दौरान गतिधियाँ

- आवास परिसर में वाई-फाई स्थानिय इन्टरनेट के लाइसेंस को तीन वर्ष के लिए नवीकरण किया गया।
- कन्या छात्रावास में वाई-फाई संकेत संवर्धन हेतु 24 एसस बिन्दु स्थापित किये गये थे।
- माइक्रोसाफ्ट संचालन प्रणाली व माइक्रोसाफ्ट परिसर 300 उपभोक्ता लाइसेंस का नविनिकरण।
- मेल सर्वर जिंबरा सर्वर जेडसीएस 8.6.0 को जिंबरा सर्वर जेडसीएस 8.7.0 में संरधित किया गया।
- नयी संस्थाइन वेबसाइट का दिनांक 23.8.2016 का निदेशक महोदय द्वारा उदघाटन किया गया, जिसमें सामाग्री प्रबन्ध्य सुविद्या मौजूद हैं।
- रेल टेल से 100 एम वी पी एस सम्पर्क प्राप्त किया, जिसे एन के एन लिंक के संवर्द्यन हेतु संचालित की जायेंगी।
- नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा 2017 को सफलतापूर्वक ऑनलाइन काउंसिलिंग और प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की गई।
- ऑनलाइन साक्षात्कार / परीक्षा आयोजित करने के लिए उन्नत कम्प्युटरीकरण सुविधा में 50 डेस्कटॉप कम्प्युटर स्थापित किये गये थे।

अनुभाग - 8
वित्त एवं लेखा

यह संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक केन्द्रीय योजना है, तथा पूरी तरह से इसका वित्त पोषण भारत सरकार द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से किया जा रहा है।

वर्ष 2016-17 के आरम्भ में संस्थान के पास लेखा शेष धनराशि ₹3818.35 लाख उपलब्ध थी। वर्ष के दौरान संस्थान को ₹4087.50 लाख रुपये की सहायता अनुदान और ₹281.69 आई आर जी के रूप में प्राप्त हुई। इसमें वर्ष 2015-16 के अंत में संस्वीकृत तथा वर्ष 2016-17 में प्राप्त 0.00 लाख की राशि भी शामिल है। दिनांक 31-3-2017 को संस्थान के पास अव्ययित राशि ₹(-)345.31 लाख शेष थी जिसका उपयोग वर्ष 2017-18 के दौरान किया जाएगा। संस्थान को प्राप्त निधि एवं व्यय विवरण निम्नलिखित है:

₹ लाख में

लेखा का विस्तृत विवरण	शीर्ष			कुल (2+3+4)
	योजनागत (पूंजी)	योजनागत (सामान्य)	गैर- योजनागत	
1	2	3	4	5
पिछला शेष	2312.53	448.24	1057.58	3818.35
वर्ष 2016-17 के दौरान प्राप्त निधि	0.00	0.00	4087.50	4087.50
आई आर जी 2015-16	0.00	0.00	281.69	281.69
2016-17 के दौरान व्यय	2303.21	440.56	5789.08	8532.85
31.3.2017 को अव्ययित शेष	9.32	7.68	(-)362.31	(-)345.31

संस्थान के वर्ष 2016-17 की लेखा संबंधी विस्तृत सूचना तथा संस्थान के लेखाओं पर लेखा परीक्षा का प्रतिवेदन परिशिष्ट - 12 में प्रस्तुत किया जा रहा है।

परिशिष्ट - 1

नेरिस्ट समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31.03.2017

1. महामहिम राज्यपाल,
राजभवन, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश - अध्यक्ष
2. श्री मधु रंजन कुमार
संयुक्त सचिव (टी ई एल),
मा.स.वि.म., भारत सरकार, नयी दिल्ली-110 001 - सदस्य
3. श्रीमती दर्शना एम. डबराल
संयुक्त सचिव व एफ ए, आई.एफ.डी.,
मा.स.वि.म., भारत सरकार, नयी दिल्ली - 110 001 - सदस्य
4. श्री हेमन्त बिस्वा शर्मा
माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), आसाम सरकार,
दिसपुर, आसाम - 788 006 - सदस्य
5. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), मेघालय सरकार
शिलांग, मेघालय - 793 001 - सदस्य
6. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), मिजोरम सरकार
आईजोल, मिजोरम - 796 001 - सदस्य
7. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), नागालैण्ड सरकार
कोहीमा, नागालैण्ड - 797 001 - सदस्य
8. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), सिक्किम सरकार
गंगटोक, सिक्किम - 737 103 - सदस्य
9. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), त्रिपुरा सरकार
अगरतल्ला, त्रिपुरा - 799 001 - सदस्य
10. माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), अरुणाचल प्रदेश सरकार
ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश - 791 111 - सदस्य

- | | | | |
|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|-------------|
| 11. | माननीय मंत्री (उच्च/तकनीकी शिक्षा), मणिपुर सरकार
इम्फाल, मणिपुर - 795 001 | - | सदस्य |
| 12. | डा. नीरज शर्मा, अध्यक्ष (टी डी टी),
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली - 110 016 | - | सदस्य |
| 13. | डॉ. अविनाश एस पंत, उपाध्यक्ष (10.4.2015 से 09.4.2018) -
अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, 7 वा, तल,
चन्द्रलोक भवन, जनपथ, नयी दिल्ली - 110 001 | - | सदस्य |
| 14. | श्री तारा नाचुंग (10.4.2015 से 8.3.2018)
पी सेक्टर, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश - 790 104 | - | सदस्य |
| 15. | आचार्य उमेश चन्द्र रे
अध्यक्ष, प्रबन्धन मंडल, नेरिस्ट
डब्लू-2, आशियाना नगर, फेज-1
पटना - 800 025, बिहार | - | सदस्य |
| 16. | प्रोफेसर तामो मिमांग, निदेशक, नेरिस्ट | - | सदस्य |
| 17. | डा. आर. पी. भट्टाचार्या, कुलसचिव, नेरिस्ट | - | असदस्य सचिव |

परिशिष्ट - II

नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2017

1. एअर मार्शल (से.नि.) प्रणब कुमार बरबोरा,
सी-1201, सेलेब्रेटी होम, पालम विहार, गुड़गाँव-122 017 - अध्यक्ष
2. श्रीमान संयुक्त सचिव व वित्त सलाहकार,
आई.एफ.डी., मा.स.वि.म., भारत सरकार, नयी दिल्ली - 110 001 - सदस्य
3. श्रीमान संयुक्त सचिव (टी ई एल),
मा.स.वि.म., भारत सरकार, नयी दिल्ली-110 001 - सदस्य
4. श्रीमान आयुक्त व सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, मिजोरम सरकार
आईजोल, मिजोरम - 796 001 - सदस्य
5. श्रीमान सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, सिक्किम सरकार
गंगटोक, सिक्किम - 737 103 - सदस्य
6. श्रीमान आयुक्त व सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, मेघालय सरकार
शिलाँग, मेघालय - 793 001 - सदस्य
7. श्रीमान आयुक्त व सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, नागालैण्ड सरकार
कोहीमा, नागालैण्ड - 797 001 - सदस्य
8. श्रीमान आयुक्त व सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, मणिपुर सरकार
इम्फाल, मणिपुर - 795 001 - सदस्य
9. श्रीमान सचिव
उच्च/तकनीकी शिक्षा, त्रिपुरा सरकार
अगरतल्ला, त्रिपुरा - 799 001 - सदस्य

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

10.	प्रोफेसर टी. मिबांग कुलपति, राजीव गाँधी विश्व विद्यालय रोनो हिल्स, दोईमुख - 791 112	-	सदस्य
11.	श्रीमान आयुक्त व सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, असम सरकार गुवहाटी, आसाम - 781 005	-	सदस्य
12.	श्रीमान सचिव उच्च/तकनीकी शिक्षा, अरुणाचल प्रदेश सरकार ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश - 791 111	-	सदस्य
13.	डॉ. एल जय प्रकाश सिंह, संबद्ध प्रोफेसर इलेक्ट्रॉनिकी व संचार अभियांत्रिकी विभाग, उत्तर पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग- 793022, मेघालय	-	सदस्य
14.	प्रोफेसर गौतम बरुआ निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवहाटी, आसाम - 781 001	-	सदस्य
15.	प्रोफेसर पी के त्रिपाठी, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक) , नेरिस्ट	-	सदस्य
16.	प्रोफेसर मो अनवर हुसैन, संकायाध्यक्ष (योजना व विकास) , नेरिस्ट	-	सदस्य
17.	प्रोफेसर बिनय सिंह, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले) , नेरिस्ट	-	सदस्य
18.	प्रोफेसर एच. एस. यादव, रसायन विज्ञान विभाग, नेरिस्ट	-	सदस्य
19.	श्री डी. के. श्यामल, एसोसियट प्रोफेसर, कृषि अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट-		सदस्य
20.	श्री त्रिपुरारी सरन, सहायक प्रोफेसर, इले. व संचार अभियांत्रिकी विभाग, नेरिस्ट	-	सदस्य
21.	प्रोफेसर एच. एस. यादव, निदेशक, नेरिस्ट	-	सदस्य
22.	डा. आर. पी. भट्टाचार्जी, कुलसचिव, नेरिस्ट	-	असदस्य सचिव

परिशिष्ट - III

नेरिस्ट वित्त समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2017

- | | |
|-------------------------------------------------------------------------------|-------------------|
| 1. एअर मार्शल (से.नि.) प्रणब कुमार बरबोरा,
अध्यक्ष, नेरिस्ट प्रबन्धन मण्डल | अध्यक्ष |
| 2. अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के सचिव | सदस्य |
| 3. कुलपति, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश | सदस्य |
| 4. आयुक्त (शिक्षा विभाग), अरुणाचल प्रदेश सरकार | सदस्य |
| 5. अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार, मा.स.वि.म., नई दिल्ली | सदस्य |
| 6. संयुक्त सचिव (टी ई एल) मा.स.वि.म., नयी दिल्ली | सदस्य |
| 7. प्रोफेसर एच. एस. यादव, निदेशक, नेरिस्ट | सदस्य |
| 8. डा. आर. पी. भट्टाचार्य, कुलसचिव, नेरिस्ट | सदस्य |
| 9. उप कुलसचिव (वित्त), नेरिस्ट | पदेन, असदस्य सचिव |

परिशिष्ट - IV
शैक्षणिक परिषद के सदस्यगण 31-3-2017

1. आचार्य एच. एस. यादव, निदेशक, नेरिस्ट	अध्यक्ष
2. आचार्य पी. के. त्रिपाठी, संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक)	-सदस्य
3. आचार्य मो. अनवर हुसैन, संकायाध्यक्ष (योजना व विकास)	-सदस्य
4. आचार्य बिनय सिंह, संकायाध्यक्ष (छात्र मामले)	-सदस्य
5. आचार्य एम. एफ. हुसैन, संकायाध्यक्ष (प्रशासन)	-सदस्य
6. आचार्य एन.एस. रघुवंशी, कृषि विभाग, आई.आई.टी., खड़गपुर	-सदस्य
7. आचार्य एस.सी. डेका, खाद्य अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, तेजपुर विश्वविद्यालय	-सदस्य
8. आचार्य डी. एन. दास, संकायाध्यक्ष, जीव विज्ञान, रा.गा.वि., दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	सदस्य
9. आचार्य डी. दास, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य प्रशासन विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय असम	-सदस्य
10. आचार्य टोमो रिबा, संकायाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान, रा.गा.वि., दोईमुख, अरुणाचल प्रदेश	-सदस्य
11. आचार्य अंजन दत्त, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी, गुवाहाटी	- सदस्य
12. इंजि. टालो पोटोम	- सदस्य
13. आचार्य जे. चौबे, गणित विभाग	- सदस्य
14. आचार्य एस. के. सिंह, सिविल अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
15. आचार्य मुबारक हुसैन, रसायन विज्ञान विभाग	- सदस्य
16. आचार्य एच. एस. यादव, रसायन विज्ञान विभाग	- सदस्य
17. आचार्य एम. मुरलीधरण, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
18. आचार्य एस. के. पांडे, गणित विभाग	- सदस्य
19. आचार्य (श्रीमती) पी रेथी, वानिकी विभाग	- सदस्य
20. आचार्य पी. आर. अलापति, भौतिकी विभाग	- सदस्य
21. आचार्य पी. पी. दबराल, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
22. आचार्य एल. के. अरोरा, गणित विभाग	- सदस्य
23. आचार्य के डी राम, रसायन विभाग	- सदस्य
24. आचार्य के. एन. देवांगन, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
25. आचार्य शैबाल चटर्जी, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
26. आचार्य बी. डी. नायक, मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग	- सदस्य
27. आचार्य सी. एल. शर्मा, वानिकी विभाग	- सदस्य
28. आचार्य ए. एस. राय, गणित विभाग	- सदस्य

29. आचार्य एन देव, रसायन विभाग	- सदस्य
30. विभागाध्यक्ष, कृषि अभियांत्रिकी	- सदस्य
31. विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी	- सदस्य
32. विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी	- सदस्य
33. विभागाध्यक्ष, विद्युतीय अभियांत्रिकी	- सदस्य
34. विभागाध्यक्ष, ईलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	- सदस्य
35. विभागाध्यक्ष, यंत्रिक अभियांत्रिकी	- सदस्य
36. विभागाध्यक्ष, भौतिकी	- सदस्य
37. विभागाध्यक्ष, रसायन	- सदस्य
38. विभागाध्यक्ष, गणित	- सदस्य
39. विभागाध्यक्ष, वानिकी	- सदस्य
40. विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं समाज विद्यापीठ	- सदस्य
41. केंद्र अध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन केंद्र	- सदस्य
42. केंद्र अध्यक्ष, सी.ए.टी.ए.आर.डी	- सदस्य
43. डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, सह आचार्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
44. श्री डी. के. श्यामल, सह आचार्य, कृषि अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
45. डॉ. आर. के. मेहरा, सह आचार्य, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
46. डॉ. एम. पी. थेड्युस, सहायक आचार्य, यंत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
47. श्री टी. वी. पी. सिंह, सहायक आचार्य, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
48. श्री के. लेगोह, सहायक आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	- सदस्य
49. परीक्षा नियंत्रक	- सदस्य
50. डॉ. आर पी भट्टाचार्य, कुलसचिव, नेरिस्ट	-असदस्य सचिव

परिशिष्ट - V

भवन एवं निर्माण कार्य समिति के सदस्यों की सूची दिनांक 31-3-2017

1. प्रोफेसर एच. एल. यादव, निदेशक, नेरिस्ट - अध्यक्ष
2. सचिव (शिक्षा), अरुणाचल प्रदेश - सदस्य
3. मुख्य अभियन्ता (पश्चिमी क्षेत्र) अ.प्र. सा.नि.वि, अ. प्र. - सदस्य
4. प्रोफेसर मो. अनवर हुसैन, (योजना एवं विकास) - सदस्य
5. श्री एस. के. साहू, विभागाध्यक्ष (सिविल अभियांत्रिकी) - सदस्य
6. वरिष्ठ शिल्पकार, अ.प्र.सा.नि.वि. अरुणाचल प्रदेश, ईटानगर - सदस्य
7. विभागाध्यक्ष, विद्युत अभियांत्रिकी, नेरिस्ट - सदस्य
8. श्री एम. के. कामदीर, उप-कुलसचिव (वित्त), नेरिस्ट - सदस्य
9. डा. आर.पी. भट्टाचार्या, कुलसचिव, नेरिस्ट - सदस्य
10. अधिशासी अभियन्ता (सिविल), नेरिस्ट - असदस्य सचिव

परिशिष्ट - VI

संस्थान प्रशासन की सूची, दिनांक 31-3-2017

निदेशक	आचार्य एच. एस. यादव
संकायाध्यक्ष गण	
प्रशासन	आचार्य एम एफ हुसैन
शैक्षिक	आचार्य पी के त्रिपाठी
विद्यार्थी मामले	आचार्य बिनय सिंह
योजना एवं विकास	आचार्य मो अनवर हुसैन
समूह ए अधिकारी	
कुलसचिव	डा. आर. पी. भट्टाचारजी
उप कुलसचिव (वित्त व स्थापना)	श्री एम के कामदीर
सहायक कुलसचिव	
शैक्षिक	श्री के. के. राजेश
परीक्षा	श्री गौतम कुमार राँय
भण्डार एव क्रय	श्री टोको शांमा
छात्रावास प्रबन्धन परिषद	श्री अनिमेश बासू
चिकित्सा अधिकारीगण	डा. पोपी कमदीर टोक
	डा. सुसमिता पी. तागू
पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री असीम कुमार गुप्ता
	श्री वेद प्रकाश गुप्ता
सहायक कार्यशाला अधीक्षक	श्री हर्षेद्र मिश्रा
नेटवर्क प्रशासक	श्री डेवन रसिद्वुल आलम
अधिसाशी अभियन्ता	श्री चार्ली वेली
समूह बी अधिकारी	
खेल अधिकारी	श्री बी. एस. राजा
सुरक्षा अधिकारी	श्री टोको शांमा (प्रभारी)
अनुभाग अधिकारी	
स्थापना	श्री दोजी कामदुक
भण्डार एव क्रय	श्री रबिन्दर देव
वित्त	श्री पी. गोस्वामी
छात्रावास प्रबन्धन परिषद	श्रीमती प्रतिभा सैकिया
परीक्षा	श्री एस. चटर्जी
शैक्षिक	श्री राधे तादू
सतर्कता अधिकारी	प्रोफेसर पी पी डबराल
संपदा अधिकारी	श्री के के राजेश

सम्पर्क अधिकारी (एस.सी. एवं एस.टी.)

हिन्दी अधिकारी

विभागाध्यक्ष

वानिकी
कृषि अभियांत्रिकी
सिविल अभियांत्रिकी
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
विद्युत अभियांत्रिकी
इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी
यांत्रिक अभियांत्रिकी
भौतिक विज्ञान
रसायन विज्ञान
गणित
मानविकी व समाज विज्ञान
प्रबंधन अध्ययन केंद्र

केंद्राध्यक्ष (सी ए टी आर डी)

अध्यक्ष गण

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा
छात्रावास प्रबन्ध समिति
व्यायामशाला
दूरभाष
यातायात
पुस्तकालय
आवास आवंटन समिति

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रभारी

शिक्षा प्रौद्योगिकी कक्ष प्रभारी

संयोजक

औद्योगिक सलाहकार सेवा कक्ष
राष्ट्रीय सेवा योजना
नियंत्रण शिक्षा कार्यक्रम
केन्द्रीय अनुसंधान सुविधा
केन्द्रीय उन्नत कम्प्यूटर सुविधा

परीक्षा नियंत्रक

सचिव, नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा समिति

राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिकारी

डॉ. पी लिंगफा

श्री रतन सिंह

डॉ. (श्रीमती) एम बी शर्मा

प्रोफेसर के एन देवांगन

श्री एस के साहू

डॉ. (श्रीमती) एन. मारचांग

डॉ. सरसिंग गाओ

डा. दिनामनी सिंह

डॉ. पी. लिंगफा

डॉ. टी. कारलो

प्रोफेसर निधुबन देब

प्रोफेसर एस. के. पांडे

डॉ. पी. पारिडा

डॉ. एम. माल

डॉ. एस के श्रीवास्तव

डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी

डॉ. संदीप सिंह

श्री अश्विनी कुमार पेत्रा

डा. एस. मजुमदार

डॉ. एम चन्द्रशेखरन

प्रोफेसर पी. आर. एलापाति

डा. सी.एल. शर्मा

डॉ. ए बंदोपाध्याय

श्री अमर तागु

डा. अरविन्द पाण्डे

डा. ए. दिनामनी सिंह

डा. अरविन्द पाण्डे

डॉ. जगन्नाथ भुयॉन

डा. अमर तागू

डा. पी परीदा

डॉ. के के राजेश

श्री अनुभव पाल

परिशिष्ट - VII

पुस्तकालय समिति के सदस्य, दिनांक 31-3-2017

प्रोफेसर पी. आर. एलापाति	-	अध्यक्ष
डा. एस.के. साहू	-	सदस्य
डॉ. श्रीमती एस.एल. भारती	-	सदस्य
डा. के. सहरिया	-	सदस्य
डा. एस.के. भगत	-	सदस्य
श्री एस.एम. खान	-	सदस्य
डा. पी. देवनाथ	-	सदस्य
श्री राजू बरठाकुर	-	सदस्य
श्री एस. चौदरी	-	सदस्य
डॉ. पी.के. पाँण्डे	-	सदस्य
डा. अबद्येश कुमार	-	सदस्य
डा. आर. के. मंगांग	-	सदस्य
श्री मरजीत सिंह	-	सदस्य
श्री वेद प्रकाश गुप्ता	-	सदस्य सचिव

परिशिष्ट - VIII

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा समिति के सदस्य, दिनांक 31-3-2016

डॉ. ओ. पी. त्रिपाठी, एसोसियट प्रोफेसर, वानिकी	-	अध्यक्ष
डॉ. एस. सामन्ता, एसोसियट प्रोफेसर, यॉत्रिक अभियॉत्रिकी	-	सदस्य
डॉ. एम. एम. दीक्षित, एसोसियट प्रोफेसर, गणित	-	सदस्य
डॉ. अनिल गौतम, सहायक प्रोफेसर, इले. संचार अभि.	-	सदस्य
डॉ. के के राजेश, सहायक कुलसचिव (शिक्षा)	-	सदस्य सचिव

परिशिष्ट - IX

छात्रावास प्रबन्ध परिषद के सदस्य, दिनांक 31-3-2017

आचार्य बिनय सिंह	संकायाध्यक्ष (छात्र मामले)
डॉ. संदीप सिंह	अध्यक्ष सह मुख्य संरक्षक
श्री अनिमेश बासू	सहायक कुलसचिव
छात्रावास संरक्षक	
डॉ. के. एच. हेरा चंद्र सिंह	छात्रावास- ए
डॉ. एम. हुसन,	छात्रावास- बी
श्री ए. के. चौधरी,	छात्रावास- सी
श्री एस. तमांग,	छात्रावास- डी
श्री ए. के. गौतम व डॉ. के. बोरा,	छात्रावास- ई
श्री अखिलेश शर्मा,	छात्रावास- एफ
डॉ. (श्रीमती) विद्या लक्ष्मी देवी,	छात्रावास- जी
श्री एम. एम. माल,	छात्रावास- एच
डॉ. (श्रीमती) एस. एल. भारती	सुबानसिरी छात्रावास

परिशिष्ट - X
नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा

1. प्रवेश सूचना :

संस्थान में प्रवेश के लिए सूचना को निम्नलिखित समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी -

1. अरुणाचल टाइम्स, ईटानगर
2. आसाम ट्रिब्यून, गुवाहाटी
3. हिन्दुस्तान टाइम्स के सभी संस्करण (एजुकेशन होराइजन)
4. अरुणाचल फ्रन्ट
5. शिलाँग टाइम्स
6. सिक्किम एक्सप्रेस
7. नागालैण्ड पोस्ट
8. त्रिपुरा टाइम्स
9. मिजोरम पोस्ट
10. संघाई एक्सप्रेस, इम्फाल

प्रवेश परीक्षा तिथि : एन ई ई - II व III - 23.04.2016
एन ई ई - I - 24.04.2016

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा - 2016 में भाग लेने वाले छात्रों का राज्य-वार विवरण

राज्य का नाम	माँड्यूल						कुल	
	एन ई ई -I		एन ई ई -II		एन ई ई -III		आवेदन	सामिल
	आवेदन	सामिल	आवेदन	सामिल	आवेदन	सामिल	आवेदन	सामिल
अरुणाचल	3191	1775	218	5184	3191	1775	218	5184
असम	653	805	151	1609	653	805	151	1609
मणिपुर	332	439	24	795	332	439	24	795
मेघालय	139	222	77	438	139	222	77	438
मिजोरम	15	38	14	67	15	38	14	67
नागालैंड	200	424	36	660	200	424	36	660
सिक्किम	41	50	12	103	41	50	12	103
त्रिपुरा	587	147	64	798	587	147	64	798
अखिल भारत	202	129	50	381	202	129	50	381
दिव्यांग	5	3	4	12	5	3	4	12
कुल	5365	4032	650	10047	5365	4032	650	10047

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा-III, 2016 में केंद्र वार आवेदन कर्ताओं का विवरण

राज्य का नाम	कृषि अभि.	सिविल अभि.	कम्प्युटर अभि.	इले.संचार अभि.	विद्युत अभि.	यॉंत्रिक अभि.	कुल
अरुणाचल	4	141	12	5	22	33	216
असम	1	66	29	18	15	22	152
मणिपुर	-	6	3	9	1	5	24
मेघालय	1	23	21	6	5	21	77
मिजोरम	1	3	2	-	4	4	14
नागालैंड	-	17	10	1	2	6	36
सिक्किम	-	2	5	2	1	2	12
त्रिपुरा	1	23	4	12	7	18	65
अखिल भारत	-	14	11	5	2	18	50
दिव्यांग	-	2	1	-	1	-	4
कुल	8	297	98	58	60	129	650

परीक्षा परीणाम की घोषणा, नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा, 2016

परीक्षा परीणाम का अनुमोदन, नेरिस्ट वैब साईट तथा सूचना पट्ट पर परिणाम 29-4-2016 को कर दिया गया था।

चयनित छात्रों का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2016

राज्य का नाम व वर्ग	परीक्षा				कुल संख्या
	एनईई -I	एनईई -II		एनईई -III	
		प्रौद्योगिकी	वानिकी		
स्थायी निवासी	14	5	2	7	28
अन्यत्र सक्षम	5	2	-	2	9
अरुणाचल प्रदेश	20	8	3	7	38
असम	20	8	3	6	37
मणिपुर	20	8	3	6	37
मेघालय	20	8	3	6	37
मिजोरम	10	8	3	6	27
नागालैंड	20	8	3	5	36
सिक्किम	13	6	3	6	28
त्रिपुरा	20	8	3	7	38
अखिल भारत	20	8	3	7	38
कुल	182	77	29	65	353

प्रतीक्षा सूची छात्रों का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2015

राज्य का नाम व	परीक्षा				कुल संख्या
	एनईई -I	एनईई -II		एनईई -III	
		प्रौद्योगिकी	वानिकी		
स्थाई निवासी	14	5	2	5+2*	28
अन्यत्र सक्षम	-	-	-	1	1
अरुणाचल प्रदेश	40	16	6	11	73
असम	20	8	3	4	35
मणिपुर	20	8	3	4	35
मेघालय	18	8	3	3	32
मिजोरम	3	8	1	4	16
नागालैंड	20	8	3	4	35
सिक्किम	8	6	3	2	19
त्रिपुरा	20	8	3	4	35
अखिल भारत	20	8	3	6	37
कुल	183	83	30	50	346

प्रवेश सलाह तिथियाँ

1	11.7.2016	चयनित सूची एनईई - I (प्रमाण पत्र) (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
2	12.7.2016	प्रतीक्षा सूची एनईई - I (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
3	13.7.2016	चयनित व प्रतीक्षा सूची एनईई - I (अरुणाचल प्रदेश राज्य कोटे के विद्यार्थियों के लिए)
4	14.7.2016	चयनित सूची एनईई -II एवं III (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
5	15.7.2016	प्रतीक्षा सूची एनईई -II एवं III (अरुणाचल प्रदेश को छोड़कर)
6	16.7.2016	चयनित व प्रतीक्षा सूची एनईई - II एवं III (अरुणाचल प्रदेश राज्य कोटे के विद्यार्थियों के लिए)

प्रवेश प्राप्त छात्रों का राज्य अनुसार विवरण, एनईई -2016

राज्य	कार्यक्रम											
	एन ई ई - I (200 स्थान)			एन ई ई-II (प्रौद्योगिकी) (80 स्थान)			एन ई ई-II (वानिकी) (30 स्थान)			एन ई ई -III (72 स्थान)		
	चयनित	प्रतिक्षा सूची से	कुल	चयनित	प्रतिक्षा सूची से	कुल	चयनित	प्रतिक्षा सूची से	कुल	चयनित	प्रतिक्षा सूची से	कुल
स्थाई निवासी	10	2	12	2	1	3	-	1	1	6	2	8
अन्यत्र सक्षम	4	-	4	1	-	1	-	-	-	1	-	1
अरुणाचल प्रदेश	10	7	17	3	-	3	1	-	1	7	-	7
असम	9	7	16	1	4	5	3	-	3	6	-	6
मणिपुर	15	4	19	5	3	8	2	-	2	5	-	5
मेघालय	13	5	18	3	4	7	2	1	3	3	1	4
मिजोरम	10	-	10	2	1	3	2	1	3	2	2	4
नागालैंड	6	13	19	5	2	7	2	1	3	4	-	4
सिक्किम	10	3	13	2	-	2	1	1	2	6	-	6
त्रिपुरा	8	5	13	1	3	4	-	2	2	7	-	7
अखिल भारत	15	5	20	2	3	5	1	1	2	5	-	5
चलायमान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	110	51	161	27	21	48	14	8	22	52	5	57

प्रवेश प्राप्त छात्रों का शाखा अनुसार विवरण, एन ई ई -I, 2016

शाखा	पी डी	पी आर सी	अ.प्र.	आसाम	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नागालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	अ.भ.	कुल
कृषि अभि.	1	3	4	-	4	4	-	4	1	1	4	26
सिविल अभि.	1	3	4	4	4	4	4	4	4	4	4	40
इले. संचार अभि.	-	-	1	4	3	2	-	3	-	2	4	19
विद्युत अभि.	1	3	4	4	4	4	4	4	4	4	4	40
यॉंत्रिक अभि.	1	3	4	4	4	4	2	4	4	2	4	36
कुल	4	12	17	16	19	18	10	19	13	13	20	161

प्रवेश प्राप्त छात्रों का शाखा अनुसार विवरण, एन ई ई -II, 2016

शाखा	पी डी	पी आर सी	अ.प्र.	आसाम	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नागालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	अ.भ.	कुल
कृषि अभि.	-	-	-	-	1	1	-	1	-	-	-	3
सिविल अभि.	1	-	1	1	1	1	1	1	1	1	1	10
कम्प्युटर	-	1	-	1	3	2	-	2	1	-	2	12
इले. संचार अभि.	-	-	1	1	1	1	-	1	-	1	1	7
विद्युत अभि.	-	1	1	1	1	1	1	1	-	1	1	10
यॉत्रिक अभि.	-	1	-	1	1	1	1	1	-	1	-	7
वानिकी	-	1	1	3	2	3	3	3	2	2	2	22
कुल	1	4	4	8	10	10	6	10	4	6	7	71

प्रवेश प्राप्त छात्रों का शाखा अनुसार विवरण, एन ई ई -III, 2016

शाखा	पी डी	पी आर सी	अ.प्र.	आसाम	मणिपुर	मेघालय	मिजोरम	नागालैंड	सिक्किम	त्रिपुरा	अ.भ.	कुल
कृषि अभि.	-	-	1	1	-	-	-	-	-	1	-	3
सिविल अभि.	1	3	2	1	1	1	1+1*	1	1	1	1	15
कम्प्युटर	-	2	1	1	1	1	2	1	1	1	1	12
इले. संचार अभि.	-	1	1	1	2	-	-	-	2	2	1	10
विद्युत अभि.	-	1	1	1	1	2	1	1	1	1	1	11
यॉत्रिक अभि.	-	1	1	1	-	-	-	1	1	1	1	7
कुल	1	8	7	6	5	4	5	4	6	7	5	58

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा (एन.ई.ई.) 2016 एक झलक

स्थिति	एनईई -I	एनईई -II	एनईई -III	कुल
प्राप्त आवेदनों की संख्या	5365	4032	650	10047
परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थियों की संख्या	182	77	65	324
चयनित विद्यार्थियों की संख्या (प्रौद्योगिकी)	-	29	-	29
चयनित विद्यार्थियों की संख्या (वानिकी)	183	83	50	316
प्रतीक्षा सूची में रखे गए विद्यार्थियों की संख्या (प्रौद्योगिकी)	-	30	-	30
प्रतीक्षा सूची में रखे गए विद्यार्थियों की संख्या (वानिकी)	5365	4032	650	10047

नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा (एनईई) 2015 एक तुलनात्मक विवरण

क्र.सं.	विवरण	2015	2016	अभ्युक्तियाँ
02.	परीक्षा में बैठे	10,722	10,047	675 कम
03.	प्रवेश सलाह के माध्यम से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी	एनईई -I 176 एनईई-II 69 एनईई -III 56 कुल 301	एनईई -I 161 एनईई -II 70 एनईई -III 57 कुल 288	13 कम
04.	पहली पसंद शाखा (सिविल अभियांत्रिकी)	62	65	03 अधिक
05.	कम पसंद शाखा (कम्प्युटर विज्ञान व अभि.)	23	22	01 कम
06.	चयनित सूची में से प्रवेश लेने वाले छात्र	200	203	03 अधिक
07.	प्रतीक्षा सूची में से प्रवेश लेने वाले छात्र	98	85	13 कम

परीक्षा में ऑन लाईन neonline.ac.in पंजीकरण प्रक्रिया अपनाई गयी थी, तथा ओ.एम.आर. उत्तर पुस्तिकाओं का प्रयोग किया गया था, जिससे परीक्षा परीणाम यथासमय घोषित करने में सुविधा हुई। प्रवेश परीक्षा में शुल्क प्राप्त करने के कार्य के लिए एक्सीस बैंक के चालान के माध्यम से देश के सभी प्रमुख शहरों की शाखाओं की सेवा ली गई थी। डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई थी। प्रवेश परीक्षा संबंधी सभी सूचना जन साधारण को नेरिस्ट वेबसाइट के माध्यम से प्रदान की गई थी।

इस प्रकार प्रवेश परीक्षा - 2016 सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

परिशिष्ट - X

संकाय सदस्यों की सूची, 31-3-2017

वानिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
1	1	डा. बिनय सिंह	प्रोफेसर (सीएएस)
2	2	डा. सी. एल. शर्मा	प्रोफेसर (सीएएस)
3	3	डॉ. एम. शर्मा	प्रोफेसर (सीएएस)
4	4	डा. के. श्रीवास्तव	प्रोफेसर (सीएएस)
5	5	डॉ एसएस सुरेश के सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
6	6	डॉ अवधेश कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर
7	7	डा पी. आर. गुजरेल	एसोसिएट प्रोफेसर
8	8	डॉ ओ. पी. त्रिपाठी	एसोसिएट प्रोफेसर
9	9	डॉ एल. बी. सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
10	10	श्री गोबिंद पांगिंग	सहायक प्रोफेसर
11	11	डॉ आशीष पॉल	सहायक प्रोफेसर
12	12	डॉ मधु कामले	सहायक प्रोफेसर
13	13	डॉ प्रदीप कुमार	सहायक प्रोफेसर
कृषि अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
14	1	डॉ पी. पी. डबराल	प्रोफेसर
15	2	डॉ के. एन. दिवांगम	प्रोफेसर (सीएएस)
16	3	डॉ एस. के. श्रीवास्तव	प्रोफेसर (सीएएस)
17	4	श्री डी. के. श्यामल	एसोसिएट प्रोफेसर
18	5	डॉ दीपक झाझरिया	एसोसिएट प्रोफेसर
19	6	डॉ अदिति भद्र	एसोसिएट प्रोफेसर
20	7	डा अर्नब बंदोपाध्याय	एसोसिएट प्रोफेसर
21	8	डॉ पी. के. प्रणव	सहायक प्रोफेसर
22	9	श्री पंकज कुमार पांडे	सहायक प्रोफेसर
23	10	डॉ थानेश्वर पटेल	सहायक प्रोफेसर
24	11	श्री उकिल सिंह	सहायक प्रोफेसर

25	12	श्री अरुण कुमार चौधरी	सहायक प्रोफेसर
26	13	श्री अनुपम पाल	सहायक प्रोफेसर
27	14	श्री तागे तपांग	सहायक प्रोफेसर
28	15	श्रीमती वनिता पांडे	सहायक प्रोफेसर

सिविल अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
29	1	डा. एस. के. सिंह	प्रोफेसर
30	2	डॉ आर. के. प्रसाद	प्रोफेसर (सीएएस)
31	3	डॉ एस बेश्य	प्रोफेसर (सीएएस)
32	4	डॉ एस मीश्रा	प्रोफेसर (सीएएस)
33	5	श्री एस. के. साहू	एसोसिएट प्रोफेसर
34	6	डॉ अजय भारती	एसोसिएट प्रोफेसर
35	7	डॉ। एचपीएसिंग	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
36	8	डा दीपाका देवी	एसोसिएट प्रोफेसर
37	9	सुश्री वाई विद्यालक्ष्मी देवी	सहायक प्रोफेसर
38	10	सुश्री मुडो पुमिंग	सहायक प्रोफेसर
39	11	डॉ मोनोवर हुसैन	सहायक प्रोफेसर
40	12	सुश्री यमीन तामट	सहायक प्रोफेसर
41	13	श्री नीरो गुमोसर सॉरम	सहायक प्रोफेसर
42	14	श्री के जेम्स सिंह	सहायक प्रोफेसर
43	15	डॉ अजंता कलिता	सहायक प्रोफेसर
44	16	डॉ दिवेंदू पाल	सहायक प्रोफेसर

कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
45	1	डॉ एन. मारचांग	एसोसिएट प्रोफेसर
46	2	सुश्री एम काथिंग	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
47	3	श्री एस. जे. बोरा	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
48	4	श्री के. लिगोह	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)

49	5	श्री मारजीत सिंह	सहायक प्रोफेसर
50	6	श्री आस्विनी कुमार पात्रा	सहायक प्रोफेसर
51	7	श्री मंजुल सैकिया	सहायक प्रोफेसर
52	8	श्री अमर तागु	सहायक प्रोफेसर
53	9	श्री अजित कुमार सिंह यादव	सहायक प्रोफेसर
54	10	श्री योगेंद्र मोहन	सहायक प्रोफेसर
55	11	श्री प्रदीप कमबोज	सहायक प्रोफेसर

विद्युत अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
56	1	डॉ एस. चटर्जी	प्रोफेसर (सीएएस)
57	2	डॉ आर. के. मेहता	प्रोफेसर (सीएएस)
58	3	डॉ ओ पी राय	प्रोफेसर (सीएएस)
59	4	डा सरसिंग गाओ	प्रोफेसर (सीएएस)
60	5	डॉ एस. के. भगत	प्रोफेसर (सीएएस)
61	6	डॉ. ए.के. सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर
62	7	श्री आर. ब्लेंगे	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
63	8	श्री टी. वी. पी. सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
64	9	श्री आदिकांता परिदा	सहायक प्रोफेसर
65	10	श्री देबेन सिंह	सहायक प्रोफेसर
66	11	श्री अनु कुमार दास	सहायक प्रोफेसर
67	12	श्री एन.एल. मथेई	सहायक प्रोफेसर
68	13	सुश्री सोमिलिया हशुनो	सहायक प्रोफेसर
69	14	श्री अखिलेश शर्मा	सहायक प्रोफेसर
70	15	सुश्री पियाली दास	सहायक प्रोफेसर
71	16	श्री पी देवचंद्र सिंह	सहायक प्रोफेसर

इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
72	1	डा अनवर हुसैन	प्रोफेसर (सीएएस)
73	2	डा अहीबिम दीनामानी सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर

74	3	डॉ राजेश कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर
75	4	श्री टी शरण	सहायक प्रोफेसर
76	5	श्री मधुसूदन मिश्रा	सहायक प्रोफेसर
77	6	श्री प्रणब किशोर दत्ता	सहायक प्रोफेसर
78	7	डॉ जायत्री बोरा	सहायक प्रोफेसर
79	8	डॉ स्वनिर्भर मजूमदार	सहायक प्रोफेसर
80	9	श्री अशोक कुमार राय	सहायक प्रोफेसर
81	10	डॉ मनीष कुमार	सहायक प्रोफेसर
82	11	श्री रुस्नी कीमा मंगांग	सहायक प्रोफेसर
83	12	श्री अको जॉन रिचा	सहायक प्रोफेसर
84	13	श्री अनिल कुमार गौतम	सहायक प्रोफेसर
85	14	श्री एम एडीसन सिंह	सहायक प्रोफेसर

यांत्रिक अभियांत्रिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
86	1	डॉ एम मुरलीधर	प्रोफेसर (सीएएस)
87	2	डॉ आसिस गिरि	प्रोफेसर (सीएएस)
88	3	डॉ प्रदीप लिंगफा	प्रोफेसर (सीएएस)
89	4	डॉ एम. चन्द्रशेखरन	प्रोफेसर (सीएएस)
90	5	डॉ एस महतो	प्रोफेसर (सीएएस)
91	6	डॉ एस सामंता	एसोसिएट प्रोफेसर
92	7	डॉ सत्यम शिवम गौतम	एसोसिएट प्रोफेसर
93	8	डॉ संदीप सिंह	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
94	9	श्री के के मंडल	सहायक प्रोफेसर
95	10	डा एम पी थड्यूस	सहायक प्रोफेसर
96	11	श्री मरियम दाबी	सहायक प्रोफेसर
97	12	श्री नरेंद्र कुमार राणा	सहायक प्रोफेसर
98	13	श्री नबाम तेयई	सहायक प्रोफेसर
99	14	श्री संतोष कुमार तमांग	सहायक प्रोफेसर
100	15	मोहम्मद एस मुजाहिद खान	सहायक प्रोफेसर
101	16	डॉ यदायाह निसारमेटला	सहायक प्रोफेसर
102	17	डॉ विनोद यादव	सहायक प्रोफेसर

रसायन विज्ञान			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
103	1	डा मुबारक हुसैन	प्रोफेसर
104	2	डॉ एच एस यादव	प्रोफेसर (सीएएस)
105	3	डा पी के त्रिपाठी	प्रोफेसर (सीएएस)
106	4	डॉ एम एफ हुसैन	प्रोफेसर (सीएएस)
107	5	डॉ के डी राम	प्रोफेसर (सीएएस)
108	6	डॉ एन देब	प्रोफेसर (सीएएस)
109	7	डॉ ए के गुप्ता	प्रोफेसर (सीएएस)
110	8	डॉ (श्रीमती) के टी कमाल	प्रोफेसर (सीएएस)
111	9	श्री एन घनश्याम सिंह	सहायक प्रोफेसर
112	10	डॉ शशि लता भारती	सहायक प्रोफेसर
113	11	डॉ मीरा यादव	सहायक प्रोफेसर
114	12	डॉ जगन्नाथ भूयान	सहायक प्रोफेसर
115	13	डॉ ए. मुरुगन	सहायक प्रोफेसर
116	14	डॉ नागेंद्र नाथ यादव	सहायक प्रोफेसर

मानवीकी व सामाजिक विज्ञान			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
117	1	डॉ बी.डी.नायक	प्रोफेसर (सीएएस)
118	2	डा पी परिदा	प्रोफेसर (सीएएस)
119	3	डॉ. सुश्री एस सिन्हा	सहायक प्रोफेसर
120	4	श्री आर प्रसाद	सहायक प्रोफेसर
121	5	श्री राजू बरठाकुर	सहायक प्रोफेसर
2 - गणित			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
122	1	डॉ एल के अरोड़ा	प्रोफेसर (सीएएस)
123	2	डॉ बी के सिंह	प्रोफेसर (सीएएस)
124	3	डॉ एम एम दीक्षित	एसोसिएट प्रोफेसर
125	4	श्री जयंता बोरा	सहायक प्रोफेसर
126	5	डॉ हरचंद्र सिंह	सहायक प्रोफेसर
127	6	डॉ प्रदीप देबनाथ	सहायक प्रोफेसर
128	7	डॉ मोहम्मद हसन	सहायक प्रोफेसर
129	8	डॉ चंद्र प्रकाश पांडे	सहायक प्रोफेसर

5 - भौतिकी			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
130	1	डॉ पी आर अलपाती	प्रोफेसर (सीएएस)
131	2	डॉ टाडो कार्लो	प्रोफेसर (सीएएस)
132	3	डॉ एम सेंनगुप्ता	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
133	4	डॉ अरविंद पांडे	एसोसिएट प्रोफेसर (सीएएस)
134	5	डॉ (श्रीमती) थ. गोमती देवी	एसोसिएट प्रोफेसर
135	6	डॉ मुकेश उपाध्याय	एसोसिएट प्रोफेसर
136	7	डॉ राजेश कुमार यादव	एसोसिएट प्रोफेसर
137	8	डॉ कमल सहारिया	सहायक प्रोफेसर
138	9	डॉ सानूजम धीरेन मीतीई	सहायक प्रोफेसर
139	10	डॉ.(सुश्री) अकबरी जहां	सहायक प्रोफेसर
140	11	डॉ कुणाल बोहरा	सहायक प्रोफेसर
प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र			
क्र.सं.	विभाग क्र.सं.	नाम	पद
141	1	डॉ आर एम पंत	प्रोफेसर (सीएएस)
142	2	श्री शिवाब्रत चौधरी	सहायक प्रोफेसर
143	3	सुश्री बिजलक्ष्मी शर्मा	सहायक प्रोफेसर
144	4	डॉ मनमोहन मॉल	सहायक प्रोफेसर

दिनांक 31.03.2017 को विभागनुसार संकाय सदस्यों की संख्या निम्नवत है:

1	वानिकी	13
2	कृषि अभियांत्रिकी	15
3	सिविल अभियांत्रिकी	16
4	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	11
5	विद्युत अभियांत्रिकी	16
6	इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी	16
7	यांत्रिक अभियांत्रिकी	17
8	भौतिक विज्ञान	11
9	रसायन विज्ञान	14
10	गणित	08
11	मानविकी व समाज विज्ञान	05
12	प्रबन्धन अध्ययन केन्द्र	04

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
निर्जुली-791 109, अरुणाचल प्रदेश

के 31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष
के लेखाओं पर



सत्यमेव जयते

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रस्तुत
पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन
वर्ष 2016-17

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (नेरिस्ट), निर्जुली-791 109, अरुणाचल प्रदेश के 31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रस्तुत पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

1. हमने, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, नेरिस्ट, निर्जुली के 31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष के तुलन पत्र, तथा उक्त तिथि को आय व व्यय लेखा तथा प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा का नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ तथा सेवा शर्तें) नियम, 1971 के अनुभाग 20(1)-सह-नेरिस्ट सहभागिता ज्ञापन (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के अनुभाग-3) के नियम 5(अ)(iv) तथा नियम 33(v) के तहत लेखा परीक्षण कर लिया है। लेखाओं में व्यक्त लेन-देन की जिम्मेदारी नेरिस्ट प्रबन्धन की है, तथा हमारा दायित्व इन वित्त लेखाओं पर हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर अपनी राय व्यक्त करने की है।
2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में संस्थान के लेखाओं के वर्गीकरण एवं उत्कृष्ट लेखा प्रचलनों, लेखा गुणवत्ता एवं प्रकटीकरण नियमों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ प्रस्तुत की गई हैं। वित्त आलेखों के नियमों, विनियमों व परम्पराओं (एकाधिकृत व विधिनुसार) के पालन तथा निपुणता-सह-कार्यक्षमता सम्बंधी टिप्पणियों को, यदि आवश्यक हुआ, तो अलग से निरीक्षण प्रतिवेदन/ नियंत्रक तथा महा लेखा परीक्षक प्रतिवेदन के माध्यम से भेजा जायेगा।
3. हमने भारत में प्रचलित सामान्य लेखा स्तर के आधार पर अपना लेखा परीक्षण कर लिया है। इन लेखा प्रविधियों में यह आवश्यक है, कि हम लेखा परीक्षण को योजना बद्ध करते हुए सुनिश्चित कर लें कि लेखाओं में किसी प्रकार के अनिष्ट तथ्य तो सामिल नहीं हैं। हमारे लेखा परीक्षण में निरीक्षण सत्य परख एवं वित्त आलेखों के साथ संलग्न प्रमाणों के परीक्षण का प्रावधान है। लेखा परीक्षण में लेखा सिद्धान्तों के पालन एवं प्रबन्धन द्वारा निर्धारित किये गये वित्त पूर्व अनुमानों तथा वित्त लेनदेन के स्पष्ट प्रतिरूपण को भी सामिल किया गया है। हमें विश्वास है, कि हमारा लेखा परीक्षण, हमारे द्वारा व्यक्त राय को समुचित आधार प्रदान कर रहा है।
4. हमारे लेखा परीक्षण के आधार पर हम प्रतिवेदित करते हैं, कि
 - (i) हमने, हमारे ज्ञान एवं विश्वास के आधार पर लेखा परीक्षण के लिए आवश्यक सभी सूचनायें व स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं।
 - (ii) संस्थान का तुलन पत्र, आय व व्यय लेखा तथा प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार आदेश संख्या 29-4/2012-एफ डी दिनांक 17 अप्रैल, 2015 के अनुरूप तैयार किया गया है।
 - (iii) हमारी राय में संस्थान ने नेरिस्ट के नियम-33 के अनुरूप अपनी लेखा बहियों को तैयार किया है। तथा ये बहियों के निरीक्षण से प्रतित हो रहा है।
 - (iv) हम तथापि प्रतिवेदित करते हैं, कि

**क. तुलन पत्र
देनदारियाँ**

1. वर्तमान देनदारियाँ एवं प्रावधान (अनुसूची 3) - ₹ 468.14 लाख

उपरोक्त में ₹ 5.06 लाख सामिल नहीं है, जो कि ईपीएबीएक्स प्रणाली के संवर्धन हेतु आपूर्ति कर्ता को भुगतान किया जाना है। संस्थान ने यह भुगतान 31 मार्च, 2017 तक नहीं किया था।

इसके परिणाम स्वरूप स्थाई परिसम्पत्तियों के उप मद कार्यालय उपकरणों में ₹ 5.06 लाख का अधिक, तथा समान धनराशि का वर्तमान देनदारियों में कम उल्लेख हुआ था।

ख. आय एवं व्यय लेखा

आय

1. अन्य आय (अनुसूची 10) - ₹ 66.15 लाख

क) उपरोक्त में ₹ 0.74 लाख रूपया वह धनराशि अन्तर सामिल नहीं है, जो कि अतिथि ग्रह के कमरों के किराये के रूप में प्राप्त हुई थी, परन्तु इसका लेखांकन नहीं किया गया था। वर्ष 2016-17 में अतिथि ग्रह से प्राप्त राशि ₹ 26.68 थी, जबकि लेखा में इसे ₹ 25.94 लाख दर्शाया गया था। इसके परिणाम स्वरूप अन्य आय मद में ₹ 0.74 लाख का कम उल्लेख हुआ था।

ख) उपरोक्त लेखा में भारतीय स्टेट बैंक से किराये के रूप में प्राप्त होने वाली धनराशि ₹ 1.23 लाख को भी नहीं दर्शाया गया है। इसके परिणाम स्वरूप अन्य आय एवं वर्तमान परिसम्पत्तियों-विविध प्राप्तियां लेखा में के उप मद कार्यालय उपकरणों में ₹ 1.23 लाख का कम उल्लेख हुआ था।

2. अन्य आय (अनुसूची 10) - ₹ 66.15 लाख

उपरोक्त धनराशि में वित्त वर्ष 2016-17 विभिन्न उपभोक्ताओं से प्राप्त विद्युत अधिभार ₹ 5.91 लाख भी सामिल है। वर्ष के दौरान देय विद्युत अधिभार ₹ 24.51 लाख के एवज में ₹ 30.41 लाख को लेखाबद्ध किया गया है। इसके परिणाम स्वरूप वर्ष 2016-17 के विद्युत एव जल अधिभार लेखा मद में ₹ 5.91 लाख का अधिक उल्लेख हुआ था।

3. स्थापना व्यय (अनुसूची 11) - ₹ 4733.73 लाख

उपरोक्त में ₹ 4.52 लाख अधिक धनराशि भी सामिल है, जिसे वेतन तथा भक्ते मद में अधिक लेखाबद्ध किया गया था। वर्ष 2016-17 के वेतन तथा भक्ते मद में ₹ 3701.72 लाख का उल्लेख किया गया था, जबकि वास्तविक वेतन तथा भक्ते मद में ₹ 3697.20 लाख थे। इसके परिणाम स्वरूप स्थापना व्यय लेखा में ₹ 4.52 लाख का कम उल्लेख हुआ था, ओर समान धनराशि का आयन्युनता में कम अधिक उल्लेख हुआ था।

ग. प्राप्तियाँ एवं अदायगियाँ लेखा

प्राप्तियाँ

अन्य प्राप्तियाँ (अनुसूची 15) - ₹ 623.65 लाख

उपरोक्त धनराशि में वर्ष 2016-17 के दौरान बैंक द्वारा एकत्र व लेखा में जमा धनराशि ₹ 24.25 लाख सामिल नहीं है। ये प्रविष्टियाँ बैंक लेखा में दर्ज हैं, परन्तु इन्हें प्राप्तियाँ एवं अदायगियाँ लेखा में सामिल नहीं किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप नकद प्राप्तियाँ व बैंक में जमा राशि में ₹ 24.25 लाख का कम उल्लेख हुआ था।

अदायगियाँ

अन्य अदायगियाँ(अनुसूची-19)- ₹ 482.83 लाख

उपरोक्त धनराशि में वर्ष 2016-17 के दौरान बैंक द्वारा सीधे भुगतान की गई धनराशि ₹ 1.95 लाख सामिल नहीं है। ये प्रविष्टियाँ बैंक लेखा में दर्ज हैं, परन्तु इन्हें प्राप्तियाँ एवं अदायगियाँ लेखा में सामिल नहीं किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप नकद प्राप्तियाँ व बैंक में जमा राशि में ₹ 1.95 लाख का कम उल्लेख हुआ था।

घ. सामान्य

1. आकस्मिक दायित्व एवं लेखा टिप्पणीयाँ

संस्थान के कर्मचारियों ने उच्च न्यायालय, गुवहाटी में संस्थान पर अंशदायी भविष्य निधि योजना सामान्य भविष्य निधि में परिर्तित करने हेतु कोर्ट केस दायर किया है, जो कि न्ययालय में लंबीत है। संस्थान ने दिनांक 31 मार्च, 2017 तक इस बदलाव हेतु आवश्यक निधि एव देनदारियों का आकलन नहीं किया था।

ड. तदर्थ अनुदान

संस्थान के पास कुल वित्त ₹ 8187.54 लाख उपलब्ध था, जिसमें लेखा शेष ₹ 3818.35 लाख, वर्ष के दौरान प्राप्त तदर्थ अनुदान ₹ 4087.50 लाख, आन्तरिक संसाधनों से प्राप्त ₹ 281.69 लाख सामिल है। इसमें से संस्थान ने ₹ 8532.85 लाख का उपयोग कर लिया था, तथा दिनांक 31 मार्च, 2017 को ₹ (-)345.31 करोड़ लेखा में उपलब्ध था।

v. उपरोक्त प्रस्तुत विवेचना के निहित, हम प्रतिवेदित करते हैं, कि संस्थान का तुलन पत्र, आय व व्यय लेखा तथा प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा प्रस्तुतिकरण प्रावधानों के अनुरूप तैयार किये गये हैं।

vi. हमारी राय में, हमें प्रदान की गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के आधार पर लेखाओं में अंकित वित्त उल्लेख, अन्य व्यापक उद्धोषणार्थ एवं लेखाओं में प्रस्तुत अभिव्यक्तियों से इंगित होता है, कि संस्थान के लेखा भारत में प्रचलित सामान्य लेखा सिद्धान्तों के अनुरूप तैयार किये गये हैं।

(अ) अब तक यह 31 मार्च, 2017 को नेरिस्ट के तुलन पत्र से सम्बन्धित हैं, तथा

(आ) अब तक यह संस्थान के आय व व्यय लेखा तथा वर्ष के अन्तिम दिन लेखा शेष से सम्बन्धित है।

स्थान - ईटानगर
दिनांक- 09 अक्टूबर, 2017

कृते भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक

ह/-
महालेखाकार
अरुणाचल प्रदेश

परिशिष्ट

1. आन्तरिक लेखा परीक्षण की यथार्थता

संस्थान के पास आन्तरिक लेखा नियम पुस्तिका नहीं है। संस्थान में आन्तरिक लेखा परीक्षण हेतु एक सहायक पद स्थापित है, जिसका कार्य बिलं का भुगतान पूर्व निरीक्षण करने का है। संस्थान में आन्तरिक लेखा परीक्षण अब तक नहीं किया गया था। (अगस्त, 2017)

2. संस्थान की स्थाई परिसंम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की यथार्थता

संस्थान की स्थाई परिसंम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन वर्ष 2016-17 के लिए नहीं किया गया था।

3. सांविधिक देनदारियों के भुगतान में विनियामक

संस्थान द्वारा सांविधिक देनदारियों का नियमित भुगतान किया जा रहा है।

4. सेवानिवृत्ति लाभों का प्रावधान

सेवानिवृत्ति लाभों का प्रावधान एथा आवश्यकता नहीं किया गया था।

स्थान - ईटानगर
दिनांक- 09 अक्टूबर, 2017

कृते भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक

ह/-
प्रधान महालेखाकार
अरुणाचल प्रदेश

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित है। यह पृथक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

**पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
निर्जुली :: ईटानगर :: अरुणाचल प्रदेश :: 791 109**

31 मार्च 2017 को तुलन पत्र

राशि ₹ में

निर्धारित / पूंजीगत निधि और देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
निर्धारित / पूंजीगत निधि	1	2095704870.56	2328905080.52
उद्दिष्ट / अक्षय निधि	2	7864139.00	1904040.00
वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान	3	46813846.75	56569244.75
कुल		2150382856.31	2387378365.27

परिसंपत्तियां	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अचल संपत्तियां	4	2124808554.61	1953392518.75
उद्दिष्ट / अक्षय निधियों से निवेश	5	554474.00	544468.00
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	6	25019827.70	433441378.52
कुल		2150382856.31	2387378365.27


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान
निर्जुली :: ईटानगर :: अरुणाचल प्रदेश :: 791109

तुलन पत्र के भाग को निर्मित करती अनुसूचियाँ, दिनांक 31 मार्च 2017

राशि ₹ में

अनुसूची -1 कॉर्पस निधि / पूंजीगत निधि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वर्ष के आरंभ में लेखा शेष	2328905080.52	1574915812.78
जोड़ : निर्धारित / पूंजीगत निधि में अंशदान		
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान, संस्वीकृति आदेश संख्या...		
ए) योजना (पूंजीगत)		
		2,32,50,000.00
		45,00,000.00
		22,50,000.00
		45,00,000.00
		2,32,50,000.00
		22,50,000.00
		4,50,00,000.00
		2,25,00,000.00
		19,50,00,000.00
		8,40,00,000.00
		90,00,000.00
		45,00,000.00
		37,50,000.00
		3,87,50,000.00
		75,00,000.00
		17,19,67,000.00
		1,62,55,000.00
		3,27,00,000.00
कुल (ए)	0.00	69,09,22,000.00
बी) योजना (सामान्य)		
		5,62,000.00
		58,13,000.00
		11,25,000.00
		58,13,000.00
		5,62,000.00
		11,25,000.00

		1,16,24,000.00
		22,50,000.00
		11,26,000.00
		37,50,000.00
		3,87,50,000.00
		75,00,000.00
	कुल (बी)	8,00,00,000.00
	कुल	2345837812.78
जोड़/घटाव:नेट का शेष (आय व व्यय लेखा से आय व व्यय)	(-)-233200209.96	(-)-16932732.26
	कुल	2095704870.56
		2328905080.52

अनुसूची - 2 उद्दिष्ट / अक्षय निधियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा दान दी गई निधियों का प्रारम्भिक शेष	275848.00	275167.00
स्वर्ण पदक: डिप्लोमा प्रथम स्थान	101935.00	101935.00
छात्र कल्याण निधि	1309665.00	1359572.00
सृष्टि के लिए दान - 2009	176691.00	167366.00
समग्र निधि	1500000.00	0.00
संकाय विकास निधि लेखा	1500000.00	0.00
उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा	1500000.00	0.00
अनुरक्षण निधि लेखा	1500000.00	0.00
कुल	7864139.00	1904040.00

अनुसूची -3 मौजूदा देनदारियां एवं प्रावधान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
ए. वर्तमान देनदारियाँ		
1. विद्यार्थियों की धरोहर राशि	19808020.00	15298982.00
2. सुरक्षा जमा एवं अन्य	17716253.75	20304058.75
कुल (ए)	37524273.75	35603040.75
बी. प्रावधान: बकाया खर्च, कुल (बी)	9289573.00	20966204.00
कुल (ए+ बी)	46813846.75	56569244.75


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश
तुलन पत्र के भाग को निर्मित करती अनुसूचियाँ, दिनांक 31 मार्च 2017

अनुसूची-4 अचल संपत्तियाँ

क्र. सं.	विवरण	सम्पूर्ण परिसंपत्तियाँ				अवमुल्ययन				वर्तमान परिसंपत्तियाँ	
		वर्ष के प्रारम्भ में मूल्यांकन	वर्ष के दौरान जोड़ा गया	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत तक कुल	वर्ष के प्रारम्भ में	वर्ष के दौरान जोड़ा गया	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
	ए. अचल संपत्तियाँ										
1.	भवन	1 25 94 51 564.00	11 41 24 395.00	0.00	1 37 35 75 959.00	34 86 80 255.69	2 51 89 031.28	0.00	373869286.97	999706672.03	91 07 71 308.31
2.	प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	34 37 68 373.46	77 82 384.00	0.00	35 15 50 757.46	22 87 11 574.68	2 77 62 696.14	0.00	256474270.82	95076486.64	11 50 56 798.78
3.	फर्नीचर और साज-सज्जा	9 96 92 403.43	92 70 991.00	0.00	10 89 63 394.43	3 85 58 468.99	79 70 548.47	0.00	46529017.46	62434376.97	6 11 33 934.44
4.	वाहन	1 37 39 337.75	19 30 752.00	0.00	1 56 70 089.75	83 75 242.90	15 38 078.30	0.00	9913321.20	5756768.55	53 64 094.85
5.	कार्यालय उपकरण	3 33 91 145.23	1 07 66 772.00	0.00	4 41 57 917.23	1 76 13 109.57	30 73 443.17	0.00	20686552.74	23471364.49	1 57 78 035.66
6.	खेल उपकरण	14 39 921.00	0.00	0.00	14 39 921.00	1 15 193.68	1 15 193.68	0.00	230387.36	1209533.64	13 24 727.32
7.	चिकित्सा उपकरण	16 97 595.79	0.00	0.00	16 97 595.79	11 02 318.30	1 35 807.66	0.00	1238125.96	459469.83	5 95 277.49
8.	छात्रावास उपकरण	5 32 381.08	0.00	0.00	5 32 381.08	5 14 459.33	17 921.75	0.00	532381.08	0.00	17 921.75
9.	पुस्तकालय उपकरण	9 95 263.00	0.00	0.00	9 95 263.00	8 98 577.72	96 685.28	0.00	995263.00	0.00	96 685.28
10.	कंप्यूटर सह उपस्कर	49 76 681.00	8 67 730.00	0.00	58 44 411.00	8 47 189.15	11 41 359.43	0.00	1988548.58	3855862.42	41 29 491.85
11.	अतिथि गृह उपकरण	1 06 705.00	0.00	0.00	1 06 705.00	1 01 631.91	5 073.09	0.00	106705.00	0.00	5 073.09
12.	संगीत वाद्ययंत्र	63 593.00	0.00	0.00	63 593.00	62 855.78	737.22	0.00	63593.00	0.00	737.22
13.	विद्युत उपकरण	15 77 710.00	0.00	0.00	15 77 710.00	84 060.11	78 885.50	0.00	162945.61	1414764.39	14 93 649.89
14.	पुस्तकालय की पुस्तकें	6 88 97 107.26	2 05 912.00	0.00	6 91 03 019.26	4 42 08 823.80	68 93 729.03	0.00	51102552.83	18000466.43	2 46 88 283.46
15.	संयंत्र और मशीनरी	59 99 273.22	29 75 604.00	0.00	89 74 877.22	13 30 723.48	3 11 964.99	0.00	1642688.47	7332188.75	46 68 549.74
16.	नलकूप व जल आपूर्ति	1 08 05 150.00	2 28 535.00	0.00	1 10 33 685.00	1 03 269.85	2 19 292.68	0.00	322562.53	10711122.47	1 07 01 880.15
17.	कैंटीन बर्तन	25 842.00	0.00	0.00	25 842.00	23 551.91	2 290.09	0.00	25842.00	0.00	2 290.09
18.	छात्रावास बर्तन	55 090.00	0.00	0.00	55 090.00	54 614.11	475.89	0.00	55090.00	0.00	475.89
19.	अन्य अचल संपत्तियाँ	.00	0.00	0.00	0.00	0.00	.00	0.00	0.00	0.00	.00
20.	क्लब उपकरण	90 200.60	0.00	0.00	90 200.60	87 260.11	2 940.49	0.00	90200.60	0.00	2 940.49
	चालू वर्ष का कुल	1 84 73 05 336.82	14 81 53 075.00	0.00	19954 58 411.82	69 14 73 181.07	7 45 56 154.14	0.00	766029335.21	1229429076.61	11558 32 155.75
	बी. भवन निर्माणाधीन	79 75 60 363.00	21 19 43 510.00	11 41 24 395.00	89 53 79 478.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	79 75 60 363.00
	कुल	2 64 48 65 699.82	36 00 96 585.00	11 41 24 395.00	28908 37 889.82	69 14 73 181.07	7 45 56 154.14	0.00	76 60 29 335.21	21248 08 554.61	19533 92 518.75
	पिछला वर्ष	2 08 49 55 650.82	67 02 78 235.00	11 03 68 186.00	26448 65 699.82	65 56 23 290.78	3 58 49 890.29	0.00	69 14 73 181.07	19 33 92 518.75	1 42 93 32 360.04

अनुसूची -5 उद्दिष्ट/ अक्षय निधि से निवेश	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. एस बी आई निर्जुली में निवेश, अरुणाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल से दान - स्वर्ण पदक, डिप्लोमा में प्रथम स्थान	275848.00	275167.00
2. एस बी आई निरजुलि में निवेश, संस्थान का स्वर्ण पदक	101935	101935.00
3 सृष्टि के लिए दान	176691	167366.00
कुल	554474.00	544468.00

अनुसूची - 6 वर्तमान परिसंपत्तियाँ, अग्रिम ऋण आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
ए: वर्तमान परिसंपत्तियाँ		
1) नकद	0.27	0.27
2) अति आवश्यक धनराशि	433650	357650.00
कुल	433650.27	357650.27
अनुसूचित बैंकों के साथ बैंक बैलेंस		
क) एस बी आई निरजुली के चालू लेखा में (नेरिस्ट सोसाइटी)	3365065.16	399747361.29
ख) नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा / लेखा	13358.50	14104.00
ग) एक्सिक बैंक	45168.87	6053752.96
घ) नेरिस्ट शैक्षिक लेखा	32906.90	
ङ) समग्र निधि लेखा	1500000.00	
च) संकाय विकास निधि लेखा	1500000.00	
छ) उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा	1500000.00	
ज) अनुरक्षण निधि लेखा	1500000.00	
कुल	9456499.43	405815218.25
कुल (ए)	9890149.70	406172868.52
बी: ऋण, अग्रिम और अन्य		
1) ऋण / अग्रिम		
ए) स्टाफ	6198316.00	7975046.00
2) प्राप्त समान मूल्य के लिए नकद अन्य प्रकार से वसूली जाने वाली अग्रिम राशि		
ए) चालू खाते पर		
1) यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	0.00	20000.00

II) नोडल केंद्र	0.00	185000.00
III) परियोजना खाता	0.00	104000.00
IV) दुकान किराया बकाया	198144.00	126004.00
V) अल्पावधि जमा (एक्सिस बैंक)	0.00	10808963.00
VI) अल्पावधि जमा (एन ई ई लेखा)	2799770.00	2616049.00
VII) संस्थान की ओर से अधिशासी अभियंता (विद्युत), ऊर्जा विभाग, अ. प्रदेश, नाहरलगन को दी गई जमानत राशि	5433448.00	5433448.00
VIII) भारतीय तेल निगम, गुवहाटी को सुरक्षा जमा	500000.00	
कुल (बी)	15129678.00	27268510.00
कुल (ए+बी)	25019827.70	433441378.52


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Registrar
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, निर्जुली, अरुणाचल प्रदेश

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

राशि ₹ में

ए. आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
तदर्थ अनुदान	7	408750000.00	556422000.00
छात्रों से शुल्क	8	20726778.91	24901170.03
अर्जित ब्याज	9	900074.00	832437.00
अन्य आय	10	6615109.00	4050219.00
कुल (ए)		436991961.91	586205826.03
बी. व्यय			
स्थापना व्यय	11	473373381.00	467214568
अन्य प्रशासनिक व्यय	12	122262636.73	100074100
बट्टे खाते में डाली गई अचल संपत्ति		0.00	0.00
अवमुल्यन		74556154.14	35849890.29
कुल (बी)		670192171.87	603138558.29
आय से अधिक व्यय के कारण शेष में अधिकता/घाटा (ए-बी)		(-) 233200209.96	(-) 16932732.26
निर्धारित निधि में अंतरित घाटा/अधिकता		(-) 233200209.96	(-) 16932732.26


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखों के भाग को निर्मित करती अनुसूचियाँ

राशि ₹ में

अनुसूची 7 - अनुदान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संस्वीकृति आदेश संख्या ... द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग से प्राप्त वेतन व गैर-वेतन राशि		
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 17.08.2016	125000000.00	112300000.00
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 16.11.2016	125000000.00	112300000.00
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 13.12.2016	125000000.00	112300000.00
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 17.08.2016	11250000.00	112300000.00
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 16.11.2016	11250000.00	30000000.00
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 13.12.2016	11250000.00	11200000.00
	0.00	11111000.00
	0.00	22311000.00
	0.00	32600000.00
कुल	408750000.00	556422000.00

अनुसूची-8 छात्रों से शुल्क	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(ए) शैक्षणिक		
1 शैक्षणिक शुल्क	7582319.00	4483954.00
2 परीक्षा शुल्क	212560.00	116616.00
3 प्रवेश शुल्क	0.00	0.00
4 पुस्तकालय शुल्क	0.00	0.00
5 प्रयोगशाला शुल्क	0.00	0.00
6 कला व शिल्प शुल्क	0.00	0.00
7 पंजीकरण शुल्क	248350.00	4275975.00
8 पाठ्यक्रम शुल्क	157420.00	90173.00
कुल(ए)	8200649.00	8966718.00

बी) परीक्षा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 प्रवेश परीक्षा शुल्क	0.00	0.00
2 वार्षिक परीक्षा शुल्क	1013500.00	1483086.00
3 अंक तालिका, प्रमाण पत्र शुल्क	555280.00	965837.00
4 दीक्षान्त समारोह शुल्क	47937.00	195000.00
कुल (बी)	1616717.00	2643923.00

सी) अन्य शुल्क	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 पहचान पत्र शुल्क	65370.00	43806.00
2 दण्ड व विविध शुल्क	0.00	556637.00
3 चिकित्सा शुल्क	236340.00	257719.00
4 यातायात शुल्क	0.00	0.00
5 छात्रावास शुल्क	0.00	1998077.00
6 शैक्षिक साँस्कृतिक गतिविधियाँ शुल्क	910140.00	977324.00
7 अन्य शुल्क	2675287.00	2170573.00
कुल(सी)	3887137.00	6004136.00

डी) प्रकाशनों का विक्रय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 पाठ्यक्रम व प्रश्न पत्रों का विक्रय	0.00	0.00
2 विवरणीका सह प्रवेश आवेदन पत्र विक्रय	7022275.91	7286393.03
कुल(डी)	7022275.91	7286393.03
कुल(ए से डी)	20726778.91	24901170.03

अनुसूची-9 अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
कन्या छात्रावास के निर्माण हेतु अग्रिम राशि के निवेश से (नेरिस्ट समिति लेखा)	0.00	0.00
नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा लेखा	183721.00	11162.00
एक्सिस बैंक लेखा	716353.00	821275.00
कुल	900074.00	832437.00

अनुसूची-10 अन्य आय

क. भूमि और भवन से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. छात्रावास व अतिथि ग्रह कमरों का किराया	2593700.00	1259289.00
2. लाईसेंस शुल्क	0.00	0.00
3 सभागार, खेल मैदान व दीक्षान्त स्थल से प्राप्त किराया	444985.00	132138.00
4 जल व विद्युत अधिभार	3041253.00	1546150.00
5 भवन व ए टी एम किराया	156914.00	150618.00
कुल (क)	6236852.00	3088195.00


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

ख. अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 सलाहकार सेवार्ये	0.00	0.00
2 सूचना का अधिकार शुल्क	2865.00	22625.00
3 रोयलटी से आय	0.00	0.00
4 आवेदन पत्रों का विक्रय (नियोजन)	34000.00	95500.00
5 विविध(निविदा परिपत्र व खराब कागजों का विक्रय	73340.00	176150.00
6 बस किराया व वाहन किराया	161931.00	136483.00
7 परिसंम्पत्ति विक्रय सह निराकरण से आय	106121.00	531266.00
8 संकाय सदस्यों के बॉड धनराशि	0.00	0.00
कुल (ख)	378257.00	962024.00
कुल (क से ख)	6615109.00	4050219.00

अनुसूची 11-स्थापना व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	वेतन तथा मजदूरी	370172497.00	355415550.00
2	भत्ता तथा बोनस	3556613.00	1177236.00
3	भविष्य निधि में अंशदान	34458575.00	32115597.00
4	अन्य कोष में अंशदान (निर्दिष्ट करें)	0.00	
5	एन पी एस	18997008.00	15117750.00
6	ई पी एफ	3734873.00	3391526.00
7	जी पी एफ	0.00	48140.00
8	कर्मचारी कल्याण व्यय	10000.00	20000.00
9	सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ आदि	4403745.00	11650281.00
10	एल टी सी सुविधा	2951706.00	3500278.00
11	चिकित्सा सुविधा	14464040.00	18471898.00
12	बाल शिक्षा भत्ता	4977304.00	4950672.00
13	मानदेय	724602.00	789270.00
14	टी ए / डी ए व्यय	0.00	0.00
15	अन्य (निर्दिष्ट करें)	0.00	0.00
16	वर्दी आदि	1519940.00	0.00
17	संकाय के लिए पेशेवर विकास भत्ता	1457478.00	6038370.00
18	केन्द्रीय विद्यालय के लिए वेतन और मजदूरी	11945000.00	14528000.00
	कुल	473373381.00	467214568.00

अनुसूची 12 - अन्य प्रशासनिक / शैक्षणिक व्यय आदि

अनुसूची 12 ए - शैक्षणिक व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	प्रयोगशाला व्यय	2984158.00	3666031.00
ii)	कार्य / भागीदारी	0.00	0.00
iii)	संगोष्ठी / कार्यशाला	5000.00	345248.00
iv)	अतिथि संकाय के लिए भुगतान	453270.00	442482.00
v)	परीक्षा	755067.00	673598.00
vi)	छात्र कल्याण व्यय	4065642.00	4717755.00
vii)	प्रवेश व्यय	389214.00	268494.00
viii)	दीक्षांत समारोह व्यय	84082.00	1893598.00
ix)	प्रकाशन	0.00	0.00
x)	छात्रवृत्ति / साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति (45वीं वित्त सभा के निर्णय अनुसार छात्रवृत्ति योजना (सामान्य) से	28404772.00	19664362.00
xi)	सदस्यता व्यय	50005.72	0.00
xii)	अन्य, एन सी सी / एन एस एस	238012.00	221294.00
कुल		37429222.72	31892862.00

अनुसूची 12 (बी) - अन्य प्रशासनिक व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	प्रवेश परीक्षा	8824568.00	2630441.00
ii)	छपाई और स्टेशनरी	3841811.00	4622856.00
iii)	यात्रा भत्ता	4471811.00	5023835.00
iv)	विज्ञापन / प्रचार	771727.00	311146.00
v)	डाक और टेलीफोन	723394.00	472936.00
vi)	टेलीग्राम और इंटरनेट व्यय	0.00	1694125.00
vii)	बिजली और ऊर्जा	11681709.00	11113199.00
viii)	जल शुल्क	391820.00	357780.00
ix)	बीमा	0.00	0.00
x)	किराया, दरें और कर (संपत्ति टैक्स सहित)	0.00	0.00
xi)	संगोष्ठी / कार्यशालाओं पर व्यय	0.00	0.00
xii)	आतिथ्य	0.00	0.00
xiii)	लेखा परीक्षक पारिश्रमिक	119209.00	186147.00
xiv)	कार्यालय व्यय / विविध व्यय	5730158.00	5487098.00
xv)	कानूनी शुल्क / पेशेवाराना प्रभार	623875.00	782820.00
xvi)	पत्रिकाएं और जर्नल	16546.00	7283.00
xvii)	अन्य, निर्दिष्ट करें	0.00	0.00
कुल		37196628.00	32689666.00

अनुसूची 12 (सी) - परिवहन खर्च		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i) वाहन (शैक्षिक संस्थान के स्वामित्व वाले)			
ए)	नियमित व्यय	1475689.00	1138230.00
बी)	मरम्मत एवं रखरखाव	583011.00	675817.00
सी)	बीमा खर्च	324799.00	123161.00
2. किराए पर / लीज पर लिए गए वाहन			
ए)	किराए/लीज व्यय	145000.00	0.00
कुल		2528499.00	1937208.00

अनुसूची 12 (डी) मरम्मत और रखरखाव		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i)	भवन	34536956.00	25882716.00
ii)	फर्नीचर और साज-सज्जा	6280.00	16301.00
iii)	संयंत्र और मशीनरी	139059.00	684586.00
iv)	कार्यालय उपकरण	266236.00	70605.00
v)	सफाई सामग्री और सेवाएँ	344954.00	2268259.00
कुल		35293485.00	28922467.00

अनुसूची 12 (ई) - वित्त लागत		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i)	निर्धारित ऋणों पर ब्याज	0.00	0.00
ii)	अन्य ऋणों पर ब्याज	0.00	0.00
iii)	बैंक प्रभार	64056.41	9897.00
iv)	बैंक प्रभार, एन.ई.ई. लेखा	745.50	0.00
v)	बैंक प्रभार, नेरिस्ट शैक्षिक लेखा	0.10	0.00
vi)	अन्यान्य	0.00	0.00
कुल		64802.01	9897.00

अनुसूची 12 (एफ)		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	पेंशन तथा पेंशन से संबंधित खातों में अंतरित	3750000.00	4622000.00
ii)	समग्र निधि लेखा में अंतरित	1500000.00	0.00
iii)	संकाय विकास निधि लेखा में अंतरित	1500000.00	0.00
iv)	उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा में अंतरित	1500000.00	0.00
v)	अनुरक्षण निधि लेखा में अंतरित	1500000.00	0.00
कुल		9750000.00	4622000.00
कुल 12 (ए+बी+सी+डी+ई+एफ)		122262636.73	100074100.00

अवमुल्यन	74556154.14	35849890.29
----------	-------------	-------------

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी संस्थान, निरजुलि, अरुणाचल प्रदेश -791109

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान लेखे (धनापूर्ति विवरण)

प्रारंभिक जमा		चालू वर्ष	पिछला वर्ष			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
लेखा शेष				1ए. स्थापना व्यय	16	485232007.00	453495562.00
क)नकद		0.27	0.27	1बी. प्रशासनिक व्यय	17	122080641.73	100292928.00
ख)आवश्यक अग्रदाय		3 57 650.00	3 57 650.00				
ग) बैंक लेखा में राशि	13	405815218.25	155724952.22				
घ) समग्र निधि, संकाय विकास, उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा		60 00 000.00					
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त तदर्थ सहायता				2. अचल सम्पत्तियों और निर्माणाधीन मुख्य कार्यों में व्यय ए) अचल सम्पत्तियों की खरीद बी) मुख्य कार्यों में व्यय	18	245972190.00	559910049.00
गैर योजना (वेतन) मद		375000000.00	479200000.00	3. अन्य भुगतान	19	48282661.00	53780798.00
गैर योजना(अ-वेतन)मद पत्र संख्या 9-6/2016 टीएस-VII दिनांक 13.12.2016 एवं 13.12.2016		33750000.00	77222000.00	लेखा शेष क)नकद ख)आवश्यक अग्रदाय ग) बैंक लेखा में राशि (चालू लेखा)	20	0.27 433650.00 3456499.43	0.27 357650.00 405815218.25
योजना(पूजीगत), योजना एस सी-पूजीगत व योजना एस सी-पूजीगत		00.00	690922000.00	बैंक लेखा में जमा राशि का विवरण 1 .योजना(पूजीगत) 932488.00 2. योजना(सामान्य) 767586.00 3. गैर योजना (वेतन) (-)-45917510.09 4. गैर योजना (अ-वेतन) 9686761.14 5. छात्र धरोहर राशि 19808020.00			
योजना(सामान्य), योजना एस सी-सामान्य व योजना एस सी-सामान्य		00.00	80000000.00				

				6. सुरक्षा जमा (ईएमडी,अन्य) 18179144.38		
3 एस बी आई/एक्सीस बैंक में लघु अवधी निवेश से अर्जित ब्याज		900074.00	832437.00			
4. अन्य आय	14	27269747.91	28916290.03			
5. अन्य प्राप्तियाँ	15	62364959.00	60476876.00			
कुल योग		911457649.43	1573652205.52	कुल योग	911457649.43	1573652205.52


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Registrar
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्त एवं भुगतान लेखों के भाग को निर्मित करती अनुसूचियाँ

राशि ₹ में

अनुसूची 13 ए - आदि शेष		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i.	नकद	0.27	0.27
ii.	अति आवश्यक राशि	357650.00	357650.00
iii.	एक्सिस बैंक खाता	6053752.96	13290336.93
iv.	भारतीय स्टेट बैंक (एन ई ई खाता)	14104.00	14734.00
v.	भारतीय स्टेट बैंक (नेरिस्ट सोसायटी खाता)	399747361.29	142419881.29
vi.	नेरिस्ट शैक्षिक लेखा	0.00	0.00
vii.	समग्र निधि लेखा में	1500000.00	0.00
viii.	संकाय विकास निधि लेखा	1500000.00	0.00
ix.	उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा	1500000.00	0.00
x.	अनुरक्षण निधि लेखा	1500000.00	0.00
	कुल	412172868.52	156082602.49

अनुसूची 13 बी- मानव संसाधन विकास मंत्रालय से अनुदान		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	ए) योजना (पूँजी)		
		0.00	23250000.00
			4500000.00
			2250000.00
			4500000.00
			23250000.00
			2250000.00
			4500000.00
			2250000.00
			19500000.00
			8400000.00
			9000000.00
			4500000.00
			3750000.00
			38750000.00
			7500000.00
			171967000.00
			16255000.00
			32700000.00
	कुल (ए)	0.00	690922000.00

बी) योजना (साधारण)	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	0.00	562000.00
		5813000.00
		1125000.00
		5813000.00
		562000.00
		1125000.00
		11624000.00
		2250000.00
		1126000.00
		3750000.00
		38750000.00
		7500000.00
कुल (बी)	0.00	80000000.00

सी) गैर योजना (वेतन आदि)	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 17.08.2016	125000000.00	112300000.00
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 16.11.2016	125000000.00	112300000.00
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 13.12.2016	125000000.00	112300000.00
	0.00	112300000.00
	0.00	30000000.00
कुल (सी)	375000000.00	479200000.00

कुल (डी) गैर योजना (गैर वेतन आदि)		
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 17.08.2016	11250000.00	11200000.00
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 16.11.2016	11250000.00	11111000.00
एफ सं 9-6/2016- टी एस.VII दिनांक 13.12.2016	11250000.00	22311000.00
	0.00	32600000.00
कुल (डी)	33750000.00	77222000.00
कुल अनुदान (ए+बी+सी+डी)	408750000.00	1327344000.00


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Registrar
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh



 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 14 ए - (शैक्षणिक प्राप्तियां) अन्य आय

छात्रों से शुल्क	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
(ए) शैक्षणिक		
1 शैक्षणिक शुल्क	7582319.00	4483954.00
2 परीक्षा शुल्क	212560.00	116616.00
3 प्रवेश शुल्क	0.00	0.00
4 पुस्तकालय शुल्क	0.00	0.00
5 प्रयोगशाला शुल्क	0.00	0.00
6 कला व शिल्प शुल्क	0.00	0.00
7 पंजीकरण शुल्क	248350.00	4275975.00
8 पाठ्यक्रम शुल्क	157420.00	90173.00
कुल(ए)	8200649.00	8966718.00

बी) परीक्षा	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 प्रवेश परीक्षा शुल्क	0.00	0.00
2 वार्षिक परीक्षा शुल्क	1013500.00	1483086.00
3 अंक तालिका, प्रमाण पत्र शुल्क	555280.00	965837.00
4 दीक्षान्त समारोह शुल्क	47937.00	195000.00
कुल (बी)	1616717.00	2643923.00

सी) अन्य शुल्क	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 पहचान पत्र शुल्क	65370.00	43806.00
2 दण्ड व विविध शुल्क	0.00	556637.00
3 चिकित्सा शुल्क	236340.00	257719.00
4 यातायात शुल्क	0.00	0.00
5 छात्रावास शुल्क	0.00	1998077.00
6 शैक्षिक सांस्कृतिक गतिविधियाँ शुल्क	910140.00	977324.00
7 अन्य शुल्क	2675287.00	2170573.00
कुल(सी)	3887137.00	6004136.00


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

डी) प्रकाशनों का विक्रय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 पाठ्यक्रम व प्रश्न पत्रों का विक्रय	0.00	0.00
2 विवरणीका सह प्रवेश आवेदन पत्र विक्रय	7022275.91	7286393.03
कुल(डी)	7022275.91	7286393.03
कुल(ए से डी)	20726778.91	24901170.03


अनुसूची 14 बी - (विविध प्राप्तियां) अन्य आय

क. भूमि और भवन से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. छात्रावास व अतिथि ग्रह कमरों का किराया	2593700.00	1259289.00
2. लाईसेंस शुल्क	0.00	0.00
3 सभागार, खेल मैदान व दीक्षान्त स्थल से प्राप्त किराया	444985.00	132138.00
4 जल व विद्युत अधिभार	3041253.00	1546150.00
5 भवन व ए टी एम किराया	84774.00	115519.00
कुल (क)	6164712.00	3053096.00

ख. अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नेरिस्ट प्रवेश परीक्षा लेखा	183721.00	11162.00
एक्सिस बैंक लेखा	716353.00	821275.00
कुल (ख)	900074.00	832437.00

ग. अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 सलाहकार सेवार्यें	0.00	0.00
2 सूचना का अधिकार शुल्क	2865.00	22625.00
3 रोयलटी से आय	0.00	0.00
4 आवेदन पत्रों का विक्रय (नियोजन)	34000.00	95500.00
5 विविध(निविदा परिपत्र व खराब कागजों का विक्रय	73340.00	176150.00
6 बस किराया व वाहन किराया	161931.00	136483.00
7 परिसम्पत्ति विक्रय सह निराकरण से आय	106121.00	531266.00
8 संकाय सदस्यों के बॉड धनराशि	0.00	0.00
कुल (ग)	378257.00	962024.00
कुल (क से ग)	7443043.00	4847557.00

कुल 14 ए व 14बी	28169821.91	29748727.03
------------------------	--------------------	--------------------


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 15 --- कोई अन्य प्राप्ति

i)	विद्यार्थियों की धरोहर राशि	6462780.00	3778396.00
ii)	कर्मचारियों से प्राप्त अग्रिम	4685783.00	4821753.00
iii)	सुरक्षा जमा राशि	4109244.00	7968990.00
iv)	बयाना राशि जमाराशि	600000.00	315933.00
iv)	विद्यार्थी कल्याण निधि	331790.00	268873.00
v)	पूर्व छात्र संघ आदि	348850.00	200542.00
vi)	परियोजना लेखा आदि के लिए ऋण / अग्रिम	31866500.00	30487500.00
vii)	नोडल केंद्र आदि के लिए ऋण / अग्रिम	185000.00	0.00
viii)	अन्य विविध अग्रिम	350000.00	42314.00
ix)	निवेश	13425012.00	12592575.00
	कुल	62364959.00	60476876.00

अनुसूची 16-स्थापना व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	वेतन तथा मजदूरी	377005637.00	347622950.00
2	भत्ता तथा बोनस	3556613.00	1177236.00
3	भविष्य निधि में अंशदान	34458575.00	32115597.00
4	अन्य कोष में अंशदान (निर्दिष्ट करें)	0.00	0.00
5	एन पी एस	18997008.00	15117750.00
6	ई पी एफ	3734873.00	3391526.00
7	जी पी एफ	0.00	48140.00
8	कर्मचारी कल्याण व्यय	10000.00	20000.00
9	सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ आदि	11085523.00	6487277.00
10	एल टी सी सुविधा	2951706.00	3500278.00
11	चिकित्सा सुविधा	12807748.00	17708496.00
12	बाल शिक्षा भत्ता	4977304.00	4950672.00
13	मानदेय	724602.00	789270.00
14	टी ए / डी ए व्यय	0.00	0.00
15	अन्य (निर्दिष्ट करें)	0.00	0.00
16	वर्दी आदि	1519940.00	0.00
17	संकाय के लिए पेशेवर विकास भत्ता	1457478.00	6038370.00
18	केन्द्रीय विद्यालय के लिए वेतन और मजदूरी	11945000.00	14528000.00
	कुल	485232007.00	453495562.00

अनुसूची 17 ए - शैक्षणिक व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	प्रयोगशाला व्यय	2984158.00	3666031.00
ii)	क्षेत्र कार्य / भागीदारी	0.00	0.00
iii)	संगोष्ठी / कार्यशाला	5000.00	345248.00
iv)	अतिथि संकाय को भुगतान	453270.00	442482.00
v)	परीक्षा	755067.00	673598.00
vi)	छात्र कल्याण व्यय	4065642.00	4717755.00
vii)	प्रवेश व्यय	389214.00	268494.00
viii)	दीक्षांत समारोह व्यय	84082.00	1893598.00
ix)	प्रकाशन	0.00	0.00
x)	छात्रवृत्ति / साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति (45वी वित्त सभा के निर्णय अनुसार छात्रवृत्ति योजना (सामान्य) से	28404772.00	19664362.00
xi)	सदस्यता खर्च	50005.72	0.00
xii)	अन्य निर्दिष्ट करें (एन सी सी / एन एस एस)	238012.00	221294.00
कुल		37429222.72	31892862.00

अनुसूची 17 (बी) - अन्य प्रशासनिक व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	प्रवेश परीक्षा	8824568.00	2630441.00
ii)	छपाई और स्टेशनरी	3841811.00	4622856.00
iii)	यात्रा भत्ता	4471811.00	5023835.00
iv)	विज्ञापन / प्रचार	771727.00	311146.00
v)	डाक और टेलीफोन	723394.00	472936.00
vi)	टेलीग्राम और इंटरनेट व्यय	0.00	1694125.00
vii)	बिजली और ऊर्जा	11618923.00	11122027.00
viii)	जल शुल्क	391820.00	357780.00
ix)	बीमा	0.00	0.00
x)	किराया, दरें और कर (संपत्ति टैक्स सहित)	0.00	0.00
xi)	संगोष्ठी / कार्यशालाओं पर व्यय	0.00	0.00
xii)	आतिथ्य	0.00	0.00
xiii)	लेखा परीक्षक पारिश्रमिक	0.00	396147.00
xiv)	कार्यालय व्यय / विविध व्यय	5730158.00	5487098.00
xv)	कानूनी शुल्क / पेशेवाराना प्रभार	623875.00	782820.00
xvi)	पत्रिकाएं और जर्नल	16546.00	7283.00
xvii)	अन्य, निर्दिष्ट करें	0.00	0.00
कुल		37014633.00	32908494.00

अनुसूची 17 (सी) - परिवहन खर्च		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i) वाहन (शैक्षिक संस्थान के स्वामित्व वाले)			
ए)	नियमित व्यय	1475689.00	1138230.00
बी)	मरम्मत एवं रखरखाव	583011.00	675817.00
सी)	बीमा खर्च	324799.00	123161.00
2. किराए पर / लीज पर लिए गए वाहन			
ए)	किराए/लीज व्यय	145000.00	0.00
कुल		2528499.00	1937208.00

अनुसूची 17 (डी) मरम्मत और रखरखाव		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i)	भवन	34536956.00	25882716.00
ii)	फर्नीचर और साज-सज्जा	6280.00	16301.00
iii)	संयंत्र और मशीनरी	139059.00	684586.00
iv)	कार्यालय उपकरण	266236.00	70605.00
v)	सफाई सामग्री और सेवाएँ	344954.00	2268259.00
कुल		35293485.00	28922467.00

अनुसूची 17 (ई) - वित्त लागत		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i)	निर्धारित ऋणों पर ब्याज	0.00	0.00
ii)	अन्य ऋणों पर ब्याज	0.00	0.00
iii)	बैंक प्रभार	64802.01	9897.00
iv)	अन्यान्य	0.00	0.00
कुल		64802.01	9897.00

अनुसूची 17 (एफ)		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	पेंशन तथा पेंशन से संबंधित खातों में अंतरित	3750000.00	4622000
ii)	नेरिस्ट शैक्षिक लेखा में अंतरित	1500000.00	0
iii)	समग्र निधि लेखा में अंतरित	1500000.00	0
iv)	संकाय विकास निधि लेखा में अंतरित	1500000.00	0
v)	उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा में अंतरित	1500000.00	0
कुल		9750000.00	4622000

कुल 12 (ए+बी+सी+डी+ई+एफ)	122080641.73	100292928.00
---------------------------------	---------------------	---------------------


अनुसूची 18-ए निर्माणाधीन / पूर्ण मुख्य कार्यों में व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	ए) योजना (पूँजीगत) कार्य		
i)	सड़क निर्माण	0.00	4848355.00
ii)	24 कक्षा गृहों का निर्माण	0.00	22000000.00
iii)	सी ई पी भवन का निर्माण	0.00	0.00
iv)	सी ई पी भवन का द्वितिय तल निर्माण	0.00	30000000.00
v)	रजत जयन्ति हॉल का निर्माण	0.00	0.00
vi)	कन्या छात्रावास का निर्माण	5000000.00	0.00
vii)	कन्या छात्रावास द्वितिय तल का निर्माण	0.00	40000000.00
viii)	छात्रावास का निर्माण	0.00	110000000.00
ix)	खेल के मैदान में गैलरी का निर्माण	0.00	4280917.00
x)	उपयोगिता केंद्र का निर्माण	20000000.00	0.00
xi)	प्रशासनिक भवन के विस्तार का निर्माण	0.00	0.00
xii)	बाढ़ सुरक्षा कार्यों का निर्माण	9094600.00	0.00
xiii)	सड़क को चौड़ा करने का निर्माण कार्य	1954000.00	5010000.00
xiv)	स्थायी प्रशासनिक भवन का निर्माण	0.00	0.00
xv)	पुस्तकालय भवन का निर्माण	50000000.00	80000000.00
xvi)	आवासीय भवनों/कुल सचिव आवास का निर्माण	4521189.00	30000000.00
xvii)	केन्द्रीय कार्यशाला का निर्माण	0.00	105000000.00
xviii)	सम्पर्क सड़क का निर्माण	0.00	3766074.00
xix)	सीमा दिवार का निर्माण	4316520.00	1224638.00
xx)	समानिकरण निर्माण	5719920.00	0
xxi)	केन्द्रीय कार्यशाला शिल्पकार शुल्क	1500000.00	0
xxii)	नये अतिथि ग्रह का विस्तार	50564000.00	0
xxiii)	केन्द्रीय कार्यशाला समतलीकरण कार्य	20000000.00	0
xxiv)	अन्य निर्माण कार्य	23621911.00	34553388.00
	कुल	196292140.00	470683372.00


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 18 बी - प्रयोगशाला/ कार्यशाला/ कार्यालय उपकरणों की खरीद पर व्यय		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	254571.00	2547565.00
ii)	अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग	1420359.00	389653.00
iii)	विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	0.00	2079861.00
iv)	रसायन विज्ञान विभाग	9300.00	0.00
v)	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	449100.00	1737401.00
vi)	कृषि अभियांत्रिकी विभाग	1067321.00	1474981.00
vii)	मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग	0.00	0.00
viii)	भौतिकी विभाग	973431.00	810810.00
ix)	शिक्षा प्रद्योगिकी प्रकोष्ठ	0.00	0.00
x)	प्रबन्ध अध्ययन केन्द्र	0.00	0.00
xi)	उन्नत कम्प्युटरीकरण केन्द्र	0.00	0.00
xii)	ईलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग	1297962.00	1003950.00
xiii)	सिविल अभियांत्रिकी विभाग	815810.00	412136.00
xiv)	केन्द्रीय अनुसंधान सुविधा	0.00	0.00
xv)	गणित	0.00	0.00
xvi)	सी ए टी ए आर डी	0.00	0.00
xvii)	चिकित्सा उपकरण	0.00	0.00
xviii)	लॉन /वॉन	1476530.00	5254824.00
xix)	कंप्यूटर सहायक उपकरण	867730.00	1447072.00
xx)	बिजली उपकरण	18000.00	372200.00
xxi)	संयंत्र और मशीनरी	2975604.00	0.00
xxii)	कार्यालय उपकरण	1263506.00	1575500.00
xxiii)	विद्युत अधिष्ठापन	0.00	1045854.00
xxiv)	नलकूप व जल आपूर्ति प्रणाली	228535.00	7897670.00
xxv)	खेल उपकरण	0.00	0.00
xxvi)	इ.पी.बी.ए.एक्स. का आधुनिकरण	9503266.00	
	कुल	22621025.00	28049477.00


Deputy Registrar (Finance)
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Registrar
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh


Director
NERIST (Deemed University)
Nirjuli: Arunachal Pradesh

अनुसूची 18 सी		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
पुस्तकालय पुस्तकें/ जर्नल्स			
i)	पुस्तकालय पुस्तकें/ जर्नल्स	205912.00	2930819.00

अनुसूची 18 डी		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
फर्नीचर व साज सज्जा		9270991.00	17200624.00


अनुसूची -18 ई		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वाहन		1930752.00	1473696.00

अनुसूची 18एफ		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
योजना (सामान्य) गतिविधियां व्यय			
सी सी नाली का निर्माण		8770680.00	5471273.00
रिटेइनिंग दीवार का निर्माण		0.00	1071750.00
भवनों के नवीकरण कार्य		773780.00	7128522.00
सड़क की रिकार्पेटिंग		0.00	14530898.00
परिसर विकास के अन्य कार्य		6106910.00	11369618.00
कुल		15651370.00	39572061.00

कुल 18 (ए से एफ तक)		245972190.00	559910049.00
----------------------------	--	---------------------	---------------------

अनुसूची 19 - अन्य भुगतान		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	कर्मचारी व अन्य लोगों को अग्रिम	2909053.00	3446953.00
ii)	ठेकेदारों को दी गई जमानत राशि	7253766.00	3800147.00
iii)	भारतीय तेल निगम, गुवहाटी को सुरक्षा जमा राशि	500000.00	00.00
iv)	विद्यार्थियों की धरोहर राशि	1953742.00	2281300.00
vi)	एक्सिस बैंक / भारतीय स्टेट बैंक में निवेश (अल्पावधि जमा रसीद)	2799770.00	13425012.00
vii)	छात्र कल्याण कोष	381697.00	320186.00
viii)	पूर्व छात्र संघ	0.00	0.00
ix)	परियोजना खातों को ऋण	31762500.00	30487500.00
x)	अधि. अभि. (वि.), ऊर्जा विभाग, नाहरलगन को संस्थान की ओर से दी गई जमानत राशि	0.00	0.00
x)	अग्रदाय राशि जमा	372133.00	19700.00
xi)	अन्य विविध अग्रिम	350000.00	0.00
कुल		48282661.00	53780798.00

अनुसूची - 20 अंत लेखा शेष (क्लोजिंग बलेन्स)		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
i)	नकद	0.27	0.27
ii)	अग्रदाय	433650.00	357650.00
iii)	एक्सिस बैंक	45168.87	6053752.96
iv)	भारतीय स्टेट बैंक (एन ई ई खाता)	13358.50	14104.00
v)	भारतीय स्टेट बैंक (नेरिस्ट सोसाईटी)	3365065.16	399747361.29
vi)	नेरिस्ट शैक्षिक लेखा	32906.90	0.00
vii)	समग्र निधि लेखा	1500000.00	0.00
viii)	संकाय विकास निधि लेखा	1500000.00	0.00
ix)	उपकरण अनुरक्षण निधि लेखा	1500000.00	0.00
x)	अनुरक्षण निधि लेखा	1500000.00	0.00
	कुल	9890149.70	406172868.52


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Registrar
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

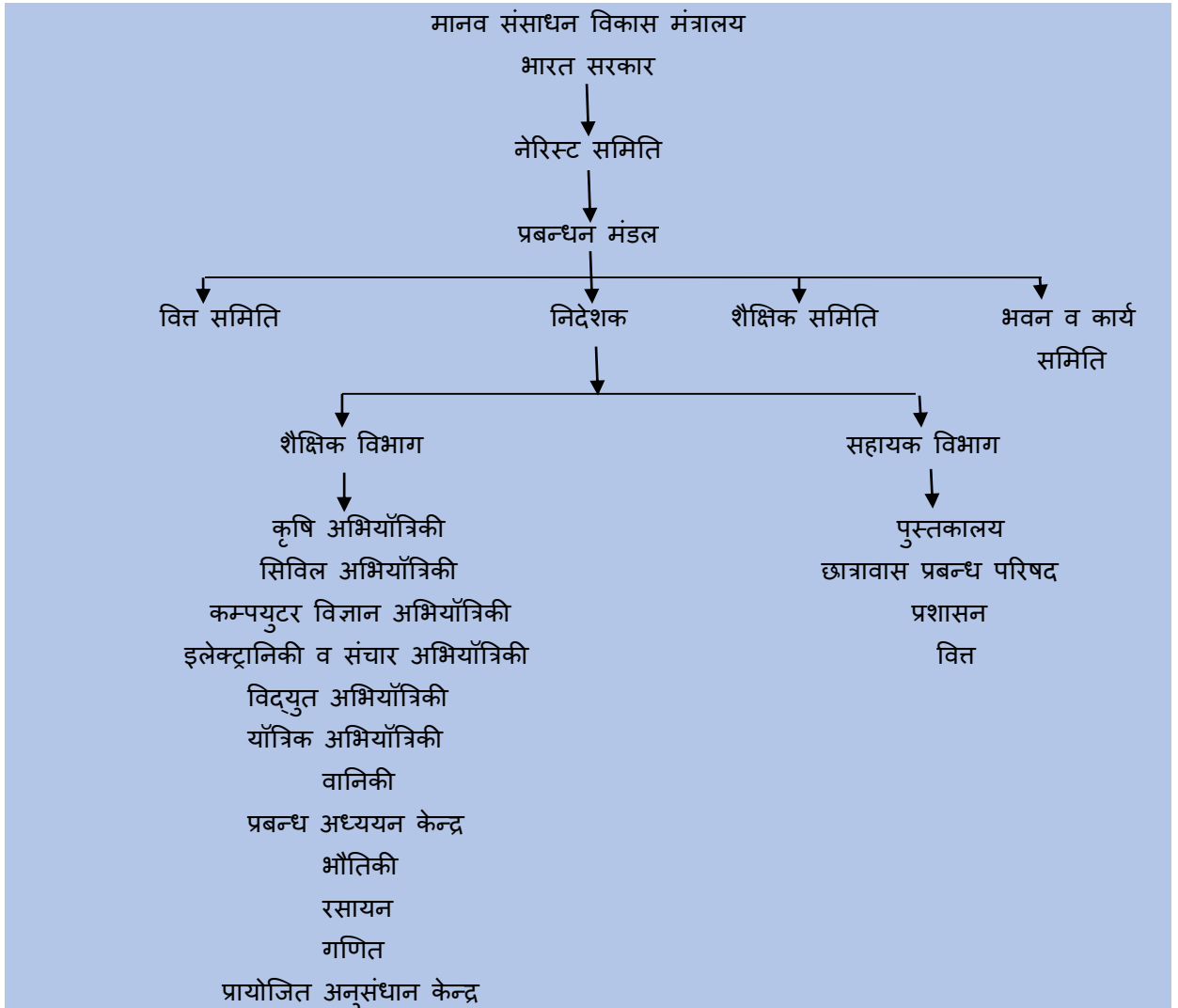
प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित है। यह पृथक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

लेखांकन नीति और टिप्पणियाँ

पूर्वोत्तर क्षेत्रिय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना भारत सरकार द्वारा आरम्भ में उत्तर पूर्वी परिषद के माध्यम से की गई थी। इसकी स्थापना का उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिये विविध स्तर पर तकनीकी श्रम शक्ति का निष्पादन सह प्रशिक्षण था। संस्थान का शिलोन््यास भारत गणराज्य के तत्कालिन महामहिम राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने 4 मार्च, 1984 को किया था। छात्रों के प्रथम समुह को प्रवेश प्रमाण पत्र कार्यक्रम में अगस्त, 1986 में प्रदान किया गया था। तदपश्चात इन्हे डिप्लोमा व उपाधि कार्यक्रमों में क्रमबद्ध प्रवेश प्रदान किया गया था। संस्थान का वित्त एवं प्रशासनिक नियंत्रण 1994 से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सिधे नियंत्रण में है। जुलाई, 2017 तक संस्थान ने 16 समुहों को कृषि अभियाँत्रिकी, भवन निर्माण अभियाँत्रिकी, कम्प्युटर विज्ञान एवं अभियाँत्रिकी, इलेक्ट्रानिकी एवं संचार अभियाँत्रिकी, विद्युत अभियाँत्रिकी, यँत्रिक अभियाँत्रिकी तथा वानिकी में स्नातक उपाधियाँ प्रदान की हैं। संस्थान ने शैक्षिक सत्र 2006-07 से एम. टेक. (नियमित), एम बी ए तथा पीएच.डी.(सामयिक) का अध्यापन आरम्भ कर दिया था।

संस्थान को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के नियम 3 के तहत अधिसूचना संख्या एफ.9-15/2005-यू-3, दिनांक 31 मई, 2005 द्वारा मानक विश्वविद्यालय का स्तर प्रदान किया था।

संगठनात्मक ढांचा



सामान्य

संस्थान के लेखाओं का लेखांकन तीन भागों (1) प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा, (2) आय व व्यय लेखा तथा (3) तुलन पत्र में किया गया है।

लेखांकन नीति में, हमने निम्न पद्धति का अनुसरण किया है :-

1. ए) संस्थान ने अपने लेखा के रखरखाव में संग्रहण आधार को अपनाया है। शैक्षणिक संस्थानों में कार्यान्वित संशोधित लेखांकन मानकों के अनुरूप कई उप शीर्ष शामिल किए गए हैं।
 - बी) संस्थान के बैंक खाते निम्नवत हैं :
 - i. नेरिस्ट सोसाइटी लेखा
 - ii. नेरिस्ट परियोजना लेखा
 - iii. एन ए आई पी परियोजना (भा कृ अ प) लेखा
 - iv. नेरिस्ट अंशदायी पेंशन लेखा
 - v. नेरिस्ट अंशदायी भविष्य निधि लेखा
 - vi. नेरिस्ट की छात्रवृत्ति लेखा
 - vii. नेरिस्ट पेंशन और पेंशन संबंधी लेखा
 - viii. एक पृथक एन ई ई खाता/एक्सिस बैंक लेखा भी चलाया जा रहा है, लेकिन यह नेरिस्ट सोसाइटी लेखा का पूरक है।
 - ix. शैक्षिक लेखा
 - x. समग्र निधि लेखा
 - xi. संकाय विकास लेखा
 - xii. उपकरण अनुरक्षण लेखा
 - xiii. अनुरक्षण लेखा
 - सी) संस्थान का लेखों को जी एफ आर/सी सी एस/सी टी आर तथा भारत सरकार के अन्य नियमों/ दिशानिर्देशों के आधार पर तैयार किया जाता है।

2. बकाया व्यय / बकाया देनदारियों का प्रावधान

आय और व्यय लेखों के तहत बकाया व्यय / बकाया देनदारियों का प्रावधान निम्नवत है:

क्र.सं	शीर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	टिप्पणियाँ
1	दवा	3419694.00	1763402.00	बकाया व्यय, 2016-17
2	बिजली	903958.00	841172.00	बकाया व्यय, 2016-17
3	प्रशासनिक व्यय (लेखा परीक्षा शुल्क)	269209.00	150000.00	बकाया व्यय, 2016-17
4	सेवानिवृत्ति लाभ	1478172.00	8159950.00	वित्तीय वर्ष 2016-17के लिए प्रावधान
5	छुट्टी नकदीकरण	3218540.00	10051680.00	वित्तीय वर्ष 2016-17के लिए प्रावधान
6	दुकानों का किराया	198144.00	126004.00	बकाया देनदारियाँ, 2016-17

3. वित्त समायोजन

1. संस्थान का वित्त पोषण मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। यह तदर्थ अनुदान मुख्य रूप से दो मदों यानि योजना व गैर-योजना में दिया जा रहा है। भारत सरकार से प्राप्त वित्त को उसी वर्ष में लेखांकित किया जाता है, जिस वर्ष में वित्त यह अनुमोदित होता है।

2. आन्तरिक वित्त प्राप्ति का मुख्य स्रोत वित्त वर्ष के दौरान विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क, बैंक में निवेश की गई धनराशि पर ब्याज तथा कुछ विविध हैं।

4. स्थाई परिसंम्पत्तियाँ व अवमूल्यन

स्थायी परिसंम्पत्तियों का अवमूल्यन सीधा-सीधा मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा शैक्षिक संस्थानों को दिशानिर्देशित निम्नलिखित दर पर किया जा रहा है -

स्थायी परिसंम्पत्ति	दर (प्रतिशत)
भवन, सड़क व पुल	2
जल नल कुप व जल आपूर्ति	2
संयंत्र व मशीनें	5
वैज्ञानिक व प्रयोगशाला उपकरण	8
कार्यालय उपकरण	7.5
कम्प्यूटर सह उपस्कर	20
फर्निचर व साज-सज्जा	7.5
वाहन	10
पुस्तकालय की पुस्तकें	10

5. क) नेरिस्ट के आय व व्यय लेखा का बजट प्रावधान (₹ लाख में)

वर्ष	बजट प्रावधान	पूर्व लेखा शेष	वित्त प्राप्त	अन्य आय	कुल (3 से 5)	व्यय	लेखा शेष (6-7)
1	2	3	4	5	6	7	8
2016-17	37535.85	4121.73*	4087.50	905.34	9114.57	9015.67	98.90

*इस धनराशि में अन्तिम लेखा शेष ₹ 6000000.00, समग्र निधि लेखा, संकाय विकास लेखा, उपकरण अनुरक्षण लेखा तथा अनुरक्षण लेखा (₹ 1500000.00 प्रत्येक) सामिल है।

5. ख) नेरिस्ट के आय व व्यय लेखा का बजट प्रावधान (₹ लाख में)

मद	बजट प्रावधान	पूर्व लेखा शेष	वित्त प्राप्त	अन्य आय	कुल (3 से 5)	व्यय	लेखा शेष (6-7)
1	2	3	4	5	6	7	8
योजना	24557.85	2760.77	0.00	0.00	2760.77	2743.77	17.00
गैर योजना	12978.00	1057.58	4087.50	281.69	5426.77	5789.08	(-) 362.31
कुल	37535.85	3818.35	4087.50	281.69	8187.54	8532.85	(-) 345.31

- 6(क) तुलन पत्र को अनुसूची 1 से 6 तक में लेखांकित किया गया है।
 (ख) आय व व्यय लेखा को अनुसूची 7 से 12 तक में लेखांकित किया गया है।
 (ग) प्राप्तियाँ व अदायगियाँ लेखा को अनुसूची 13 से 20 तक में लेखांकित किया गया है।
 (घ) धनराशि ₹ 6000000.00 (रूपया साठ लाख) का स्थानान्तरण समग्र निधि लेखा, संकाय विकास लेखा, उपकरण अनुरक्षण लेखा तथा अनुरक्षण लेखा (₹ 1500000.00 प्रत्येक) में किया गया था। इन सभी लेखाओं को आरम्भिक लेखा शेष (अनुसूची-13), अन्तिम लेखा शेष (अनुसूची-20) तथा निर्धारित वित्त (अनुसूची-2) में दर्शाया गया है।

7. 45वीं वित्त समिति के निर्णय संख्या एफ सी 45:05 के अनुरूप पीएच.डी. व गेट छात्रवृत्ति का भुगतान विद्यार्थियों को योजना(सामान्य) मद से किया जा रहा है।

8. क) वर्ष 2016-17 के दौरान संस्थान के प्रमुख

क्र.सं.	संस्थान के प्रमुख	दिनांक से	तक
1	आचार्य पी. के. दास, निदेशक	01-4-2016	19-4-2016
2	आचार्य एच. एस. यादव, निदेशक	19-4-2016	31-3-2017

ख) वर्ष 2016-17 के दौरान संस्थान के डी.डी.ओ.

क्र.सं.	संस्थान के डी.डी.ओ.	दिनांक से	तक
1	डॉ. आर. पी. भट्टाचार्या	01-4-2016	31-3-2017

9. क) दिनांक 31-3-2017 को संस्थान में स्नातक विद्यार्थियों की संख्या - 1240
 ख) दिनांक 31-3-2017 को संस्थान में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की संख्या - 273
 ग) दिनांक 31-3-2017 को संस्थान में पीएच.डी. विद्यार्थियों की संख्या - 206
कुल - 1719

10. क) दिनांक 31-3-2017 को संस्थान में संकाय सदस्यों की संख्या - 136
 ख) दिनांक 31-3-2017 को संस्थान में अ-शैक्षिक कर्मचारियों की संख्या - 347
 ग) दिनांक 31-3-2017 को संस्थान में अस्थाई कर्मचारियों की संख्या - 65


 Deputy Registrar (Finance)
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Registrar
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh


 Director
 NERIST (Deemed University)
 Nirjuli: Arunachal Pradesh

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित है। यह पृथक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है, तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।